



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

वार्षिक रिपोर्ट 2023 2024

समग्र शिक्षा

गुजरात स्कूल शिक्षा परिषद
समग्र शिक्षा
सेक्टर-19, गांधीनगर, गुजरात
टोल फ्री संख्या: 1800-233-7965, www.ssagujarat.org

प्रस्तावना

समग्र शिक्षा गुजरात की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट को आपके सामने प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह रिपोर्ट गुजरात में स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में हमारे प्रयासों, उपलब्धियों और चुनौतियों का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करती है।

समग्र शिक्षा-गुजरात, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और सतत विकास लक्ष्य (SDG) 4 के अनुरूप, प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक के सभी बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए गुजरात सरकार की दृष्टि और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह रिपोर्ट समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन में शामिल सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों और समर्पण का विवरण प्रस्तुत करती है।

समग्र शिक्षा, प्री-स्कूल से कक्षा 12 तक के स्कूल शिक्षा क्षेत्र के लिए एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य शिक्षा तक समान पहुंच और समान सीखने के परिणामों के माध्यम से विद्यालयों की प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इसमें पूर्ववर्ती सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा (TE) योजनाओं को एकीकृत किया गया है।

समग्र शिक्षा का मुख्य उद्देश्य सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उनके सीखने के परिणामों में सुधार करना है। यह कार्यक्रम स्कूली शिक्षा में सामाजिक और लैंगिक असमानताओं को कम करने, सभी स्तरों पर समानता और समावेश सुनिश्चित करने, विद्यालयों में न्यूनतम मानकों को बनाए रखने, शिक्षा में व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देने, और राज्यों को "निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम, 2009" (RTE) को प्रभावी ढंग से लागू करने में सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक स्कूली शिक्षा के लिए समग्र शिक्षा योजना को जारी रखने की मंजूरी दी है। इस योजना को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की सिफारिशों के आधार पर नए घटकों और पहलों के साथ पुनः संरचित किया गया है। शिक्षा किसी भी प्रगतिशील समाज की नींव है, और गुजरात सरकार हर बच्चे की क्षमता को निखारने और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। समग्र शिक्षा योजना में शिक्षा तक पहुंच, समानता, बुनियादी ढांचे का विकास, सीखने के परिणाम और समग्र विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, शिक्षा तक पहुंच, समानता, गुणवत्ता, और शासन के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इन प्रयासों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि अधिक से अधिक बच्चे, विशेष रूप से वंचित समुदायों से आने वाले बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के अवसर से वंचित न रहे।

स्कूल एक्सेस घटक के तहत:

- घर-घर सर्वेक्षण के माध्यम से 22,683 स्कूल से बाहर (OoSC) बच्चों को नियमित स्कूलों, विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों और एनआईओएस में नामांकित किया गया।
- प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर 1,68,897 छात्रों के लिए परिवहन सुविधाएं प्रदान की गईं।
- सीखने के माहौल को बेहतर बनाने के लिए तीन अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण सफलता पूर्वक पूरा किया गया।
- सीडब्ल्यूएसएन शौचालयों का निर्माण और बड़े पैमाने पर मरम्मत कार्य तेजी से प्रगति पर हैं, जिससे हमारे बुनियादी ढांचे को अधिक समावेशी और सुव्यवस्थित बनाया जा सके।

इन सभी प्रयासों ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु सभी विद्यालयों को समग्र विद्यालय अनुदान प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि अनुपयोगी उपकरणों को बदला जा सके और अन्य आवर्ती खर्चों को पूरा किया जा सके। वर्ष 2023-24 में 32,271 प्राथमिक विद्यालयों और 1,876 माध्यमिक विद्यालयों को यह अनुदान वितरित किया गया। 'पढ़े भारत बढ़े भारत' पहल के तहत 12,476 प्राथमिक विद्यालयों, 19,795 उच्च प्राथमिक विद्यालयों, 1,168 माध्यमिक विद्यालयों और 708 उच्च माध्यमिक विद्यालयों को पुस्तकालय अनुदान दिया गया, जिसका उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर आधारभूत कौशल का विकास करना है।

कई नयी पहलें भी लागू की गई हैं जिनमें कला उत्सव, बैंड प्रतियोगिताएं, WASH प्रोग्राम BRC, CRC और शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण, कक्षा 3 से 8 तक के लिए साप्ताहिक पीरियाडिक असेसमेंट टेस्ट (PAT), एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान, खेल शिक्षा को सशक्त बनाना, और राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के माध्यम से विद्यालयों में विज्ञान और गणित शिक्षा को बढ़ावा देना शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक छात्र के लिए शिक्षण अधिगम (Learning Objectives) आधारित रिपोर्ट कार्ड भी जारी किए गए।

निपुण भारत मिशन के तहत राज्य ने राष्ट्रीय शैक्षिक नीति (NEP) 2020 के अनुरूप कई महत्वपूर्ण घटकों को लागू किया है। इनमें बुनियादी शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए बालवाटिका कार्यक्रम शामिल है, कार्यक्रम के सुचारु संचालन के लिए शिक्षक हेतु एक शिक्षक मार्गदर्शिका और बच्चों के लिए दो कार्यपुस्तिकाओं का निर्माण एवं विद्यालय स्तर पर उपरोक्त सामग्री का वितरण किया गया है। कक्षा के लिए विद्या प्रवेश विद्यालय तत्परता मॉड्यूल में शिक्षक मार्गदर्शिका, छात्र कार्यपुस्तिका और क्रियाकलाप आधारित शिक्षण सामग्री शामिल हैं, जिनमें गणित, गुजराती, रचनात्मक अभ्यास और कक्षा 1-2 के लिए चित्रकला अभ्यास पुस्तिकाएं भी हैं।

राज्य ने विद्यार्थियों की पढ़ाई और समझने की क्षमता को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया है।

- इसके तहत, राज्य ने गिज्जुभाई बंधेका की कहानियों और "वार्ता नो वडलों" पुस्तकों (भाग 1 और 2) का प्रभावी उपयोग किया है।
- इन पुस्तकों में अंग्रेजी, गुजराती और हिंदी में बहुभाषी दृष्टिकोण अपनाया गया है, ताकि विद्यार्थियों की समझ बढ़ सके।

प्रारंभिक शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए:

1. विभिन्न विषयों पर 24 बोर्ड किताबें उपलब्ध कराई गई हैं।
2. श्रवण बाधित बच्चों के लिए QR कोडें भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) वीडियो तैयार किए गए हैं।
3. नेत्रहीन बच्चों के लिए ब्रेल में मुद्रित प्रश्ना पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं।

कला शिक्षा को समृद्ध करने के लिए:

संगीत उपकरणों, गतिविधियों और सामग्री के लिए अनुदान भी प्रदान किया गया है।

क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासनिक और शैक्षणिक दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं। साथ ही सार्वजनिक जागरूकता के लिए "निपुण गुजरात" ब्रोशर का वितरण किया गया है। इस पहल को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विद्यालयों में IIT गांधीनगर के माध्यम से कक्षा 1-2 के लिए FLN किट का वितरण किया गया है। इसमें गणितीय गतिविधियों और भाषा कौशल के विकास पर आधारित सामग्री शामिल है। समग्र रूप से, यह पहल विद्यार्थियों की सीखने-समझने एवं विकास के लिए एक मजबूत और समय नींव तैयार करने का मार्ग प्रशस्त करती है।

राज्य में बालिकाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है। राज्य का मानना है कि बालिकाओं को शिक्षा का अधिकार देना, सार्वभौमिक प्रारंभिक शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बेहद जरूरी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) में भी लैंगिक समानता पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह नीति बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और लैंगिक समस्याओं को हल करने पर जोर देती है। राज्य ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं, जैसे रानीलक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत गृह विभाग की सुरक्षासेतु संस्था के सहयोग से 9 लाख से अधिक लड़कियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया।

इसके अतिरिक्त, किशोर स्वाभिमान परियोजना के तहत 249 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (KGBVs) में मासिक धर्म स्वच्छता व्यवस्था, 5000 प्राथमिक विद्यालयों और 496 माध्यमिक विद्यालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगाई गई, और राष्ट्रीय ओपन स्कूल (NIOS) के माध्यम से NSQF पाठ्यक्रमों के अनुरूप व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके साथ ही, IIT गांधीनगर के सहयोग से बालिकाओं में जिज्ञासा को बढ़ावा देने के लिए "जिज्ञासा परियोजना की शुरुआत भी की गई है।

हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि प्रत्येक बच्चा अपनी क्षमता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, समावेशी शिक्षा के तहत कई पहले लागू की गई हैं। इन पहले से 70,077 विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) को लाभ मिला है। जो विकलांगता अधिकार (RPWD) अधिनियम, 2016 के तहत परिभाषित हैं और सरकारी व सहायता प्राप्त स्कूलों में नामांकित हैं।

इस क्षेत्र में कुछ अन्य महत्वपूर्ण पहले की गई हैं:

1. भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) वीडियो को G-SHALA ऐप के ई-कंटेंट में एकीकृत किया गया है। इसमें कक्षा 3 से 8 की राज्य पाठ्यपुस्तकों और निपुण (FLN) मिशन के तहत मिनी बोर्ड किताबों को शामिल किया गया है, जो केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान के सहयोग से तैयार की गई हैं।
2. कक्षा 1 और 2 की प्रश्ना पाठ्यपुस्तकों को ब्रेल में रूपांतरित किया गया है।
3. प्रश्ना शिक्षकों और विशेष शिक्षा के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।
4. समावेशी कक्षा प्रबंधन रणनीतियों पर एक शिक्षक मॉड्यूल UNICEF के सहयोग से विकसित किया गया है।
5. प्रशासनिक स्क्रीनिंग चेकलिस्ट को गुजराती में अनुवादित कर स्कूलों में वितरित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, दृष्टिहीनता (VI), श्रवण बाधितता (HI), पक्षाघात (CP), मानसिक मंदता (ID), और विशिष्ट शिक्षा दोष (SLD) जैसी विभिन्न विकलांगताओं के लिए 45,000 कापियाँ मॉड्यूल की स्कूलों, संसाधन कक्षों और विशेष शिक्षकों को वितरित की गई। NIEPMD, चेन्नई से ID किट 3 और 4 खरीदी गई और 1.596 स्कूलों में वितरित की गई। इन पहलों की निगरानी दिव्यान ऐप और वेब डैशबोर्ड के माध्यम से की जाती है।

कौशल विकास पहलों के माध्यम से, हम युवाओं को उद्योग-सम्बंधी कौशल प्रदान करके उनके जीवनयापन के अवसरों को बेहतर बना सकते हैं। राज्य ने कुशल श्रमिकों की आपूर्ति और मांग के बीच अंतर को दूर करने के लिए कई कदम उठाए हैं। व्यावसायिक शिक्षा में, प्रमुख पहलों में कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के लिए प्री-व्यावसायिक शिक्षा के तहत 10 बैगलेस डे गतिविधियों, 1150 स्कूलों में 15 ट्रेडों के साथ व्यावसायिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, जिससे 93,304 माध्यमिक स्तर के छात्रों को लाभ हुआ, गुजरात करियर मार्गदर्शन पोर्टल का शुभारंभ, इंटरनशिप अवसर और अन्य उपाय शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के लिए माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा की एक पायलट परियोजना भी शुरू की गई है।

मूल्यांकन और निगरानी हमारे शैक्षिक ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हमने एक मजबूत मूल्यांकन तंत्र स्थापित किया है, जो छात्रों के परिणामी आकलन करने, सुधार की जरूरतों को पहचानने और उनकी प्रगति को ट्रैक करने में मदद करता है। यह तंत्र भविष्य की कार्ययोजनाओं को बेहतर ढंग से तैयार करने में भी सहायक है। यह कार्य विद्यां समिक्षा केंद्र और विभिन्न डिजिटल पहलों के माध्यम से किया जाता है। वास्तविक समय में निगरानी और समर्थन के लिए प्रमुख पहले जैसे बाल ट्रेकिंग प्रणाली (CTS), CRC और BRC के लिए GPS-आधारित स्कूल निगरानी प्रणाली, गुजरात स्टूडेंट्स होलिस्टिक एडेप्टिव लर्निंग (G-SHALA) ऐप, वाहन ट्रेकिंग प्रणाली (VTS), और दिव्यान ऐप लागू की गई है।

हम मानते हैं कि बच्चों के समग्र विकास में माता-पिता और समुदाय की भूमिका अहम है। इसलिए हमने उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दिया है। समग्र शिक्षा के नए पहलों और कार्यक्रमों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यापक प्रचार अभियान चलाए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, माता-पिता और छात्रों तक सूचना पहुंचाना और समय शिक्षा के नए कार्यक्रमों को लेकर जागरूकता फैलाना है।

2023-24 के वर्ष के लिए कुल बजट 22983.90 करोड़ के मुकाबले समग्र शिक्षा के विभिन्न हस्तक्षेपों के लिए ₹2112.54 करोड़ (अंतिम लेखा परीक्षण से पहले) व्यय किया गया, जो कुल स्वीकृत बजट का 70.80% है। निधियों का सुचारु प्रवाह सुनिश्चित करने के कारण वार्षिक कार्य योजना और बजट (AWP&B) के तहत निर्धारित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सका।

हम हमारे समर्पित शिक्षकों, विद्यालय प्रशासकों, समुदाय के नेताओं, माता-पिता और सभी संबंधित पक्षों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनका योगदान समग्र शिक्षा की उपलब्धियों में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उनका निरंतर समर्थन और समर्पण हमारे उद्देश्यों की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हमारी यात्रा के इस मुकाम पर हम गुजरात के हर बच्चे को समावेशी और सशक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। यह रिपोर्ट हमारे द्वारा की गई प्रगति, हासिल किए गए मिल के पथर और भविष्य की ओर हमारी दृष्टि को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करती है। हम आपको इस रिपोर्ट के विवरणों को ध्यान से देखने का निमंत्रण देते हैं, जो शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और समाज में प्रभावपूर्ण बदलाव लाने के हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाते हैं।

हमारा विश्वास है कि सहयोग ही उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। एक साथ मिलकर हम ऐसा वातावरण बना सकते हैं, जहां गुजरात के प्रत्येक बच्चे को अपनी पूरी क्षमता पहचानने का अवसर प्राप्त हो और इस प्रकार वे समाज की प्रगति में सक्रिय योगदान कर सकें। आइए, हम सब मिलकर इस प्रयास में भागीदार बने, ताकि सभी के लिए समानता आधारित, प्रभावशाली एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित किया जा सके।

Lalit Singh

ललित नारायण सिंह सांदु (IAS)

राज्य परियोजना निदेशक,
राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा
सेक्टर-19, गांधीनगर

विषय-वस्तु

1	स्कूल अवसंरचना का विकास	9
2	विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम	22
3	बालिका शिक्षा	44
4	सोशियल ऑडिट	62
5	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सर्व समावेशी शिक्षा (IE-CWSN)	65
6	गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं मॉनिटरिंग	81
7	गुजरात शैक्षणिक अनुसंधान परिषद एवं प्रशिक्षण शाखा	126
8	प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS)	132
9	स्कूल प्रबंधन समिति (SMC/SMDC)	148
10	व्यावसायिक शिक्षा	153
11	मीडिया एवं कॉम्युनिटी मोबीलाइज़ेशन	189

आरटीई के बारे में

RTE अधिनियम, 2009 की प्रमुख विशेषताएँ

आरटीई अधिनियम, 2009 में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

- बच्चों को निकटवर्ती स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार
- यह बताता है कि अनिवार्य शिक्षा का मतलब है कि सरकार की जिम्मेदारी है 6 से 14 साल के हर बच्चे को मुफ्त प्राथमिक शिक्षा देना और उनके स्कूल में दाखिला, नियमित उपस्थिति और शिक्षा पूरी करना सुनिश्चित करना। 'मुफ्त' का मतलब है कि किसी भी बच्चे से कोई भी शुल्क या खर्च नहीं लिया जाएगा, जिससे वह अपनी प्राथमिक शिक्षा पूरी करने से रुक जाए।
- इसमें गैर-प्रवेशित बच्चे को आयु के अनुरूप कक्षा में नामांकन करने का प्रावधान किया गया है।
- इसमें निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने में उचित कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों तथा केन्द्र एवं राज्य सरकारों के बीच वित्तीय एवं अन्य जिम्मेदारियों के विभाजन को निर्दिष्ट किया गया है।
- यह मानदंड और मानक निर्धारित करता है, जिनमें प्रमुख रूप से छात्र-शिक्षक अनुपात (PTRs), भवन और अवसंरचना, विद्यालय के कार्य दिवस और शिक्षकों के कामकाजी घंटे शामिल हैं।
- यह विधेयक शिक्षकों की तर्कसंगत तैनाती की व्यवस्था करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक विद्यालय के लिए, चाहे वह राज्य या जिला या ब्लॉक स्तर पर हो, ताकि निर्दिष्ट छात्र-शिक्षक अनुपात बनाए रखा जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि शिक्षकों की नियुक्ति में शहरी-ग्रामीण असंतुलन उत्पन्न न हो।
- यह दशकीय जनगणना, स्थानीय प्राधिकरण, राज्य विधानसभाओं और संसद के चुनावों और आपदा राहत के अलावा गैर-शिक्षा कार्यों के लिए शिक्षकों की तैनाती को प्रतिबंधित करता है।

- यह प्रावधान करता है कि उचित रूप से प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की जाए, यानी ऐसे शिक्षक जिनके पास आवश्यक प्रवेश और शैक्षणिक योग्यता हो।
- यह निम्नलिखित को प्रतिबंधित करता है: (a) शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न, (b) बच्चों के प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया, (c) डोनेशन फीस (कैपिटेशन फीस), (d) शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन, और (e) बिना मान्यता के स्कूलों का संचालन।
- यह संविधान में निहित मूल्यों के अनुरूप पाठ्यक्रम के विकास की व्यवस्था करता है, जो बच्चे के समग्र विकास को सुनिश्चित करेगा, बच्चे के ज्ञान, संभावनाओं और प्रतिभा पर आधारित होगा और एक बच्चे के अनुकूल और बाल केंद्रित शिक्षा प्रणाली के माध्यम से बच्चे को डर, आघात और चिंता से मुक्त करेगा।

गुजरात में उठाए गए कदम

लोगों को ज्ञान एवं बुनियादी जीवन कौशल देकर सशक्त बनाने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण साधन है। शिक्षा की गुणवत्ता से जीवन की गुणवत्ता बढ़ती है। प्राथमिक शिक्षा यानी प्राथमिक (कक्षा 1 से 5) और उच्च प्राथमिक (कक्षा 6 से 8) तक की शिक्षा व्यवस्था पिरामिड रूपी शैक्षणिक प्रणाली की नींव है। सामाजिक और आर्थिक प्रगति को सुविधाजनक बनाने में शिक्षा की भूमिका अच्छी तरह से पहचानी जाती है। शिक्षा व्यक्तिगत और समूह दोनों तरह के अधिकारों के लिए अवसर खोलता है। शिक्षा में सुधार से न केवल दक्षता में वृद्धि होगी, बल्कि जीवन की समग्र गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी। बारहवीं योजना में शिक्षा को तीव्र और समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए एक केंद्रीय साधन के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। यह शिक्षा के सभी क्षेत्रों को शामिल करते हुए शिक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए एक व्यापक रणनीति पेश करता है।

यहां आरटीई 2009 के सफल कार्यान्वयन के लिए गुजरात सरकार द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदम निम्नलिखित हैं:

आरटीई अधिनियम 2009 / आरटीई नियम 2012 की प्रावधानों के कार्यान्वयन का विवरण

सं.	नियमों का विवरण	उठाए गए कदम	कार्यान्वयन कार्यालय/एजेंसी
1.	(1) विद्यार्थियों का प्रवेश (2) आयु प्रमाण के दस्तावेज (3) प्रवेश के लिए विस्तारित अवधि	गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 3(1)(2)(3) के अंतर्गत अधिसूचित	प्राथमिक स्कूल
2.	विशेष प्रशिक्षण	6-14 वर्ष की आयु के बीच के विद्यालय से बाहर के बच्चे, जिन्होंने कभी नामांकन नहीं कराया और प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ दिया, की पहचान हर साल की जाती है। ऐसे बच्चों के नाम स्कूल रिकॉर्ड में दर्ज किए जाते हैं। विशेष प्रशिक्षण के लिए संदर्भ-विशिष्ट रणनीतियाँ बनाई जाती हैं और इस प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त सामग्री भी विकसित की जाती है, ताकि प्रशिक्षण की समाप्ति पर बच्चों को आयु के अनुसार उपयुक्त कक्षा में प्रवेश दिलाया जा सके।	SSA
3.	नई प्राथमिक विद्यालय की स्थापना या एक निजी विद्यालय का अधिग्रहण	गुजरात आरटीई नियम, 2012 के नियम 5 के अंतर्गत प्रावधान किया गया है	जिला शिक्षा समिति या नगरपालिका विद्यालय बोर्ड, जैसा भी मामला हो
4.	विद्यालय मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा	पहले से लागू किया गया	राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकरण/स्कूल
5.	स्थानीय प्राधिकरण द्वारा बच्चों के रिकॉर्ड का रखरखाव	पहले से लागू किया गया	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
6.	असहाय स्कूलों में कमजोर वर्ग और पिछड़े समूह के बच्चों का प्रवेश	पहले से लागू किया गया	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
7.	किसी भी कैपिटेशन शुल्क और प्रवेश के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रिया के नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई	पहले से लागू किया गया	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
8.	राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा स्थापित, स्वामित्व या नियंत्रित किए गए स्कूलों के अलावा अन्य स्कूलों की मान्यता	पहले से लागू किया गया	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
9.	मान्यता की वापसी	प्रक्रिया गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 14 के अंतर्गत अधिसूचित की गई है	प्राथमिक शिक्षा निदेशक

सं.	नियमों का विवरण	उठाए गए कदम	कार्यान्वयन कार्यालय/एजेंसी
10.	विद्यालय के मानदंड और मानक	शिक्षा विभाग के संकल्प 142010-d242076-K दिनांक 3-6-2010 के माध्यम से निर्दिष्ट	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
11.	विद्यालय प्रबंधन समिति की संरचना और कार्य	गुजरात आरटीई नियम, 2012 के नियम 16 के अंतर्गत विद्यालय प्रबंधन समिति की संरचना निर्दिष्ट की गई है।	अनुदान प्राप्त न होने वाले विद्यालय के अलावा अन्य स्कूल
12.	विद्यालय विकास योजना की तैयारी	गुजरात आरटीई नियम, 2012 के नियम 17 के तहत, विद्यालय विकास योजनाएँ हर साल एसएमसी द्वारा तैयार की जाती हैं।	SMC
13.	शिक्षकों द्वारा न्यूनतम योग्यताएँ प्राप्त करना	राज्य में पर्याप्त शिक्षक शिक्षा सुविधाएँ उपलब्ध हैं।	राज्य सरकार
14.	विद्या सहायकों या शिक्षकों की सेवा की शर्तें	पहले से लागू किया गया	राज्य सरकार
15.	शिक्षकों या विद्या सहायकों द्वारा किए जाने वाले कर्तव्य।	शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या PRE-121-2014-40796-k दिनांक 7-2-2014 के माध्यम से निर्दिष्ट।	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
16.	शिक्षकों या विद्या सहायकों के लिए शिकायत निवारण तंत्र	शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या PRE-1112-GOI-29-k दिनांक 30-4-2013 के माध्यम से निर्दिष्ट।	राज्य सरकार को न्यायाधिकरण गठित करने के लिए।
17.	शैक्षिक प्राधिकरण को पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए।	GCERT, गांधीनगर से 14-7-2011 की तारीख के पत्र के अनुसार निर्धारित।	विद्यालय के प्रधान शिक्षक
18.	पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया	उपरोक्तानुसार	उपरोक्तानुसार
19.	नियमित प्रशिक्षण और मूल्यांकन के लिए तंत्र स्थापित करना	उपरोक्तानुसार	GCERT/SSA
20.	सेवा में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवधिक बाहरी मूल्यांकन	उपरोक्तानुसार	GCERT/SSA
21.	शिक्षा की गुणवत्ता का आवधिक मूल्यांकन और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना	पहले से लागू किया गया	राज्य सरकार को एक स्वतंत्र संगठन या विभाग स्थापित करने के लिए
22.	नियमित रूप से निगरानी करने का तंत्र	पहले से लागू किया गया	राज्य सरकार को प्री-सेवा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता की नियमित निगरानी के लिए एक तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता है।
23.	शिक्षक पात्रता के लिए एक सामान्य परीक्षा प्रस्तुत करने के लिए	शिक्षक और प्रधान शिक्षक के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा और प्रधान शिक्षक की भर्ती के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा शिक्षा विभाग के संकल्प दिनांक 27-4-2011 और 18-1-2012 के माध्यम से प्रस्तुत की गई है।	राज्य परीक्षा बोर्ड

सं.	नियमों का विवरण	उठाए गए कदम	कार्यान्वयन कार्यालय/एजेंसी
24.	प्राथमिक शिक्षा की समाप्ति के लिए प्रमाणपत्र का पुरस्कार	उपरोक्तानुसार	प्राथमिक शिक्षा निदेशक और GCERT
25.	राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा कार्यों का निष्पादन	गुजरात राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गठन 21-2-2013 की तारीख के नोटिफिकेशन के माध्यम से किया गया है	SCPCR
26.	SCPCR के सामने शिकायतें प्रस्तुत करने का तरीका	गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 32 के अंतर्गत निर्धारित।	SCPCR
27.	राज्य सलाहकार परिषद का गठन	राज्य सलाहकार परिषद का गठन शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या PRE-122012-695445-k दिनांक 21-3-2013 के माध्यम से किया गया है।	राज्य सलाहकार परिषद

विद्यालय अवसंरचना विकास



स्कूल इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास

अभिगम और प्रतिधारण

मौजूदा स्कूलों का सशक्तिकरण

❖ अविरत परिकल्पना (विज़न):

मौजूदा और नए स्कूलों के इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार एवं मजबूती लाना, जिससे सभी बालकों के लिए एक सुरक्षित, सतत व आनंददायक वातावरण बने, तथा इससे सभी बालकों की पहुँच बनाए रखना और प्रदर्शन में सुधार हो।

❖ परिचय:

स्कूल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास द्वारा सभी बच्चों को शिक्षा की पहुँच प्रदान करने में मदद मिलती है, यह बच्चों को स्कूल में आने व उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता जो कि RTE अधिनियम का विजन है और समग्र शिक्षा के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक है। उप-जिला स्तर पर स्कूल संसाधन केंद्रों के लिए बुनियादी ढांचे का विकास अकादमिक समर्थन बनाने में मदद करता है, जो शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। स्कूल भवन किसी भी स्कूल के लिए सबसे बड़ा संपत्ति है, जिसे सभी बच्चों और शिक्षकों के लिए आसानी से सुलभ होना चाहिए। स्कूल को इस तरह से डिजाइन और निर्मित किया जाना चाहिए कि सभी उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं का ध्यान रखा जा सके। स्कूल भवन की गुणवत्ता और वहां उपलब्ध बुनियादी सुविधाएँ बच्चों द्वारा स्कूलों की पहुँच और बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्धारक हैं।

RTE अधिनियम की अनुसूची विद्यालय भवन के लिए मानदंडों एवं मानकों का निर्धारण करती है। कोई भी विद्यालय भवन सभी मौसमों के अनुकूल होना चाहिए, जिसमें हर एक शिक्षक के लिए एक कक्षा और एक कार्यालय-सह-भंडार-सह प्रधानाध्यापक कक्षा शामिल होना चाहिए, जहाँ तक पहुँच बाधा-रहित हो; साथ ही विद्यालय में शौचालय, सभी बच्चों के लिए साफ व पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था, विद्यालय भवन के चारो ओर चार दीवारी की व्यवस्था ताकि स्कूल भवन को सुरक्षित रखा जा सके, एमडीएम किचन शेड, ग्रुप हैंड वॉश सुविधा, खेल का मैदान, खेल और अन्य गेम का सामान, पुस्तकालय और टीएलएम होनी चाहिए। डिजाइन के इन सभी पहलुओं के मद्देनजर, निर्मित होने वाली संरचना को मजबूत, टिकाऊ व किफायती होने के साथ-साथ समुदाय में स्वीकार्य भी होना चाहिए। डिजाइन में भूकंप और चक्रवात प्रतिरोधी घटक, भविष्य में ऊर्ध्वाधर विस्तार के साथ-साथ बच्चों के अनुकूल डिजाइन भी शामिल हैं। डिजाइन में बाधा मुक्त माहौल का भी समावेश किया जा रहा है, ताकि दिव्यांग लोग आसानी से स्कूल तक पहुंच सकें, स्कूल में घूम सकें और सभी सुविधाओं का उपयोग कर सकें। इसी प्रकार, लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालयों के डिजाइन में उचित वेंटिलेशन, मानवमितीय आयामों के साथ हाथ धोने की सुविधा आदि शामिल हैं। कक्षा के डिजाइन में प्राकृतिक प्रकाश, वातायान, बैठने की व्यवस्था, प्रदर्शन, भंडारण शामिल है जो शैक्षिक कार्य में समानता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करता है। समग्र रूप से, विद्यालय की अवसंरचना से सम्बंधित विभिन्न डिजाइन बच्चे के लिए आकर्षक और आरामदायक होना चाहिए ताकि बच्चा नियमित रूप से विद्यालय आने और उपस्थित होने के लिए प्रेरित हो।

आरटीई अधिनियम के अनुसूची के अनुसार आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नागरिक कार्यों के लिए बजट प्रस्तावित किया गया। डिजाइन शैक्षिक संस्थानों और आईएस कोड: 8827-1978 के लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के अनुसार विकसित किए गए हैं। कार्यों की विभिन्न मदों के लिए इकाई लागत वर्ष 2023-24 के राज्य लोक निर्माण विभाग (आर एंड बी) द्वारा अनुमोदित स्वीकृत एसओआर पर आधारित है। प्रत्येक विद्यालय को विद्यालय स्तर से प्राप्त अंतराल के आधार पर और क्षेत्रीय सत्यापन के बाद चुना गया और वर्ष 2023-24 के नागरिक कार्य योजना के अंतर्गत स्वीकृत किया गया।

❖ उद्देश्य:

1. नामांकनों में वृद्धि की मांग को पूरा करने के लिए मौजूदा अवसंरचना को मजबूत करना और सुरक्षित और स्थायी अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए मरम्मत करना।
2. सभी छात्रों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित और समावेशी स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करना।
3. विद्यालय अवसंरचना को उन्नत करना ताकि छात्रों की बेहतर शिक्षा सुनिश्चित की जा सके, जिसमें विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, कला एवं शिल्प कक्ष और पुस्तकालय तक पहुंच शामिल हो।

❖ निष्पादित गतिविधियों:

वर्ष 2023-24 के लिए अवसंरचना को मजबूत करने के अंतर्गत विद्यालय से संबंधित विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

➤ मौजूदा स्कूलों को मजबूत करना (सर्वोच्च कक्षा VIII तक)

- अतिरिक्त कक्षाएं
- भवन रहित स्कूल

➤ मौजूदा स्कूलों को मजबूत करना (IX - X)

- अतिरिक्त कक्षाएं
- कंप्यूटर कक्ष
- पुस्तकालय कक्ष
- विज्ञान प्रयोगशाला
- कला और शिल्प कक्ष
- CwSN शौचालय

➤ मौजूदा स्कूलों को मजबूत करना (XI - XII)

- अतिरिक्त कक्षाएं
- विज्ञान प्रयोगशाला
- कला और शिल्प कक्ष

❖ कार्यावयन एजेंसी:

समुदाय की पूर्ण भागीदारी और विकेंद्रीकरण प्रक्रिया को शामिल करने के लिए, विद्यालय प्रबंधन समितियाँ (SMC) गठित की गई हैं और SMC-समुदाय भागीदारी प्रक्रिया के माध्यम से कार्य निष्पादित किए जाते हैं। समिति के माध्यम से निर्माण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लड़कियों और लड़कों के शौचालय, CWSN शौचालय, बाउंड्री दीवारें, MDM शेड, प्रमुख और मामूली मरम्मत आदि जैसे कार्य SMC द्वारा किए जाते हैं। कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशालाओं/कंप्यूटर कक्षों/पुस्तकालय, कला/शिल्प कक्षों, KGBVs, माध्यमिक स्कूलों, BRC भवन आदि के निर्माण जैसे कार्य R & B विभाग के साथ पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा किए जाते हैं। ठेका योग्य निविदाकर्ताओं को ई-टेंडरिंग के माध्यम से खुले निविदा आमंत्रित करके प्रदान किया गया है।

गतिविधि	अग्रिम में पहली किस्त	दूसरी किस्त	तीसरी किस्त
शौचालय ब्लॉकों का निर्माण, चारदीवारी, विद्यालय भवन की प्रमुख मरम्मत	समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते समय अनुमानित राशि का 40% अग्रिम भुगतान।	अनुमानित राशि का 30%, जब पहली किस्त का 50% उपयोग कर लिया गया हो, छत तक न्यूनतम पर्याप्त भौतिक प्रगति टीआरपी द्वारा नोट की जानी चाहिए, तो दूसरी किस्त जारी की जा सकती है।	प्लास्टरिंग एवं कार्य पूर्ण होने पर अनुमानित राशि का 30%।
अतिरिक्त कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, कला एवं शिल्प कक्ष	एजेंसी को भुगतान किये गये कार्य एवं माप के स्तर के अनुसार किया जाएगा।		

❖ निगरानी, पर्यवेक्षण और गुणवत्ता आश्वासन

सिविल अवसंरचना कार्य की निगरानी सहायक अभियंताओं (ईई), मंडल परियोजना अभियंताओं (डीपीई), तकनीकी संसाधन व्यक्ति (टीआरपी) और तृतीय-पक्ष निरीक्षण एजेंसियों (टीपीआई) वाली एक टीम द्वारा की जाती है। यह प्रक्रिया सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉनिटरिंग मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से संचालित की जाती है, जो एक एंड्रॉइड ऐप है, जिसका निर्माण विद्यालय भवनों, शौचालयों, कक्षाओं, आधिकारिक भवनों और उपयोगिताओं जैसी बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों की प्रगति की निगरानी करने के लिए किया गया है। यह एप्लिकेशन जिला स्तर पर कार्मिकों के प्रदर्शन के बारे में जानकारी देता है, जिससे अधिकारियों को कार्यबल की दक्षता और उत्पादकता का मूल्यांकन करने में मदद मिलती है। मंडल-वार और एजेंसी-वार निष्पादन मूल्यांकन सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और सुचारू परियोजना निष्पादन सुनिश्चित करने में सहायता करते हैं। यह ऐप टीआरपी, डीपीई और टीपीआई द्वारा अनिवार्य क्षेत्रीय निरीक्षण को निष्पादित करता है, जिससे गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने एवं समय पर सुधारात्मक कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

- टीआरपी, डीपीई और थर्ड पार्टी इंसपेक्शन एजेंसियों (टीपीआई) के लिए न्यूनतम पर्यवेक्षण दौरे अनिवार्य किए गए हैं।
- ऐप-आधारित निगरानी प्रणाली वास्तविक समय की प्रगति निगरानी को सक्षम बनाती है, गुणवत्ता नियंत्रण में सुधार करती है,
- विचलन को उजागर करती है और तत्काल सुधार कार्रवाई की सुविधा प्रदान करती है।
- यह प्रणाली की दक्षता और जवाबदेही को बढ़ाती है, जिससे समग्र शासन में सुधार होता है।



❖ वर्ष 2023-24 में स्वीकृत नागरिक कार्यों की स्थिति

सामग्र शिक्षा के अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए स्वीकृत विभिन्न अवसंरचना गतिविधियों की स्थिति निम्नलिखित है:

गतिविधि का नाम	कुल स्वीकृत	पूर्ण हुआ		प्रगति पर	
		कार्य की संख्या	प्रतिशत	कार्य की संख्या	प्रतिशत
अतिरिक्त कक्षा	257	3	1%	2	1%
भवन रहित स्कूल	1	0	0	0	0
मौजूदा स्कूलों को मजबूत करना (IX - X)					
अतिरिक्त कक्षा	15	0	0	0	0
विज्ञान प्रयोगशाला	3	0	0	0	0
पुस्तकालय कक्षा	3	0	0	0	0
कंप्यूटर कक्षा	3	0	0	0	0
कला और शिल्प कक्षा	1	0	0	0	0
सीडब्ल्यूएसएन टॉयलेट	5	0	0	1	20%

मौजूदा स्कूलों की सुदृढ़ता (कक्षा XI - XII)

गतिविधि का नाम	कुल स्वीकृत	पूर्ण हुआ		प्रगति पर	
		कार्य की संख्या	प्रतिशत	कार्य की संख्या	प्रतिशत
अतिरिक्त कक्षा	18	0	0	0	0
विज्ञान प्रयोगशाला	1	0	0	0	0
कला और शिल्प कक्षा	1	0	0	0	0

मौजूदा स्कूलों की सुदृढ़ता (उच्चतम कक्षा VIII तक) (जिला वार)

सं.	जिला	अतिरिक्त कक्षा			छोटी इमारत वाले स्कूल		
		स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ	स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ
1	अहमदाबाद	6	0	0			
2	अमरेली	2	1	0			
3	आणंद	6	0	0			
4	अरावली	13	0	0			
5	बनासकांठा	26	1	3			
6	भरूच	11	0	0			
7	भावनगर	9	0	0			
8	बोटाद	2	0	0			
9	छोटाउदेपुर	17	0	0			
10	देवभूमि द्वारका	2	0	0			
11	दाहोद	30	0	0			
12	गांधीनगर	1	0	0			
13	गिर सोमनाथ	2	0	0			
14	जामनगर	7	0	0			
15	जूनागढ़	5	0	0			
16	खेड़ा	20	0	0			
17	महेसाणा	4	0	0			
18	माहीसागर	15	0	0			
19	मोरबी	1	0	0			
20	नर्मदा	16	0	0			
21	नवसारी	3	0	0			
22	पंच महल	11	0	0			
23	पोरबंदर	0	0	0	1	0	0
24	साबर कंथा	11	0	0			
25	सूरत	2	0	0			
26	सुरेन्द्रनगर	4	0	0			
27	तापी	2	0	0			
28	डांग	4	0	0			
29	वडोदरा	6	0	0			
30	वलसाड	19	0	0			
	कुल	257	02	03	1	0	0

मौजूदा स्कूलों की सुदृढ़ता (कक्षा IX - X) (जिला वार)

सं.	जिला	अतिरिक्त कक्षा			पुस्तकालय कक्षा		
		स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ	स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ
1	महेसाणा	2	0	0			
2	खेड़ा	4	0	0			
3	पंच महल	2	0	0			
4	भरूच	1	0	0	1	0	0
5	द डांग	1	0	0			
6	छोटाउदेपुर	1	0	0			
7	बोटाद	2	0	0			
8	गिर सोमनाथ	2	0	0			
9	सुरेन्द्रनगर				1	0	0
10	पोरबंदर				1	0	0
	कुल	15	0	0	3	0	0

सं.	जिला	विज्ञान प्रयोगशाला			कंप्यूटर कक्षा		
		स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ	स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ
1	भरूच	1	0	0	2	0	0
2	सुरेन्द्रनगर	1	0	0	1	0	0
3	पोरबंदर	1	0	0			
	कुल	3	0	0	3	0	0

सं.	जिला	कला और शिल्प कक्षा			सीडब्ल्यूएसएन टॉयलेट		
		स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ	स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ
1	सुरेन्द्रनगर	1	0	0			
2	नर्मदा				1	0	0
3	डांग				1	0	1
4	छोटाउदेपुर				2	0	0
5	पोरबंदर				1	1	0
	कुल	1	0	0	5	1	0

मौजूदा स्कूलों की सुदृढ़ता (कक्षा XI - XII) जिला वार

सं.	जिला	कला और शिल्प कक्षा			विज्ञान प्रयोगशाला		
		स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ	स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ
1	भरूच	1	0	0	1	0	0
	कुल	1	0	0	1	0	0

सं.	जिला	कला और शिल्प कक्षा		
		स्वीकृत	प्रगतिमान	पूरा हुआ
1	कच्छ	8	0	0
2	पोरबंदर	1	0	0
3	वडोदरा	1	0	0
4	भरूच	1	0	0
5	डांग	1	0	0
6	बोटाद	2	0	0
7	छोटाउदेपुर	2	0	0
8	मोरबी	2	0	0
	कुल	18	0	0

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA)

सरकारी माध्यमिक विद्यालय परियोजना

राज्य में माध्यमिक शिक्षा कक्षा IX और कक्षा X के लिए लागू की जा रही है। गुजरात में, कक्षा VIII को माध्यमिक शिक्षा का हिस्सा माना जाता था, लेकिन राज्य सरकार ने नीति बनाई कि कक्षा VIII को धीरे-धीरे प्राथमिक शिक्षा में स्थानांतरित किया जाए। सरकारी माध्यमिक विद्यालय परियोजना ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) के अंतर्गत केंद्रीय और राज्य सरकार के बीच 75:25 साझेदारी पर लागू की जा रही है और अब केंद्रीय और राज्य सरकार के बीच साझेदारी का अनुपात 60:40 है।

सरकारी माध्यमिक विद्यालय के लिए विज़न इस प्रकार है:

14-18 वर्ष की आयु के सभी युवाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को उपलब्ध, सुलभ और सस्ती बनाना। इस दृष्टि को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित को प्राप्त किया जाना है:

- किसी भी बसावट के भीतर एक उचित दूरी पर एक माध्यमिक विद्यालय प्रदान करना, जो माध्यमिक विद्यालयों के लिए 5 किमी और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए 7-10 किमी हो।
- 2020 तक माध्यमिक शिक्षा की सार्वभौम पहुँच और सार्वभौम प्रतिधारण सुनिश्चित करना।
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े लोगों, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली बालिकाओं और दिव्यांग बच्चों और अन्य हाशिए पर रहने वाले वर्गों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी और शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े अल्पसंख्यकों (EBM) को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए माध्यमिक शिक्षा तक पहुँच प्रदान करना।

सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की उपलब्धियाँ: 2023-24:

1. आरएमएसए की वार्षिक योजना 2010-11 के अंतर्गत 72 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को मंजूरी दी गई है, आरएमएसए की वार्षिक योजना 2011-12 के अंतर्गत 253 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को स्वीकृत किया गया है, आरएमएसए की वार्षिक योजना 2016-17 के अंतर्गत 137 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को मंजूरी दी गई है, आरएमएसए की वार्षिक योजना 2018-19 के अंतर्गत 70 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को मंजूरी दी गई है और आरएमएसए की वार्षिक योजना 2023-24 के अंतर्गत 10 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को मंजूरी दी गई है। वर्ष 2023-24 तक गुजरात राज्य में माध्यमिक शिक्षा परियोजना के अंतर्गत कुल 542 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को स्वीकृत किया गया है।
2. 420 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है जबकि 49 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, 44 विद्यालयों की निविदा प्रक्रिया चल रही है और 29 विद्यालयों की भूमि संबंधित प्रक्रिया जारी है।

"माध्यमिक शिक्षा छात्रवृत्ति" प्राप्त करने के लिए परीक्षा शुल्क की व्यवस्था

गुजरात सरकार के संकल्प क्रमांक: SCH/1116/539/6 दिनांक- 14.08.2017 के अनुसार, राज्य परीक्षा बोर्ड द्वारा हर साल प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की जाती है। इसके तहत, सरकारी स्कूलों के सभी बच्चे इस परीक्षा के लिए मुफ्त में आवेदन कर सकते हैं और परीक्षा पास करने के बाद माध्यमिक छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वर्ष 2023-24 में, परियोजना अनुमोदन बोर्ड (PAB) ने "माध्यमिक शिक्षा छात्रवृत्ति" परीक्षा शुल्क प्रति विद्यार्थी 50 रुपये स्वीकृत किया है, कुल 97,993 बच्चों के लिए। जिनमें से 28,118 छात्रों ने इस परीक्षा के लिए फॉर्म भरा है।

सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की तस्वीरें











2 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 सभी 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को एक मौलिक अधिकार बनाता है। यह राज्य के लिए यह सुनिश्चित करना अनिवार्य बनाता है कि 6-14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 4 में स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण और आयु-उपयुक्त प्रवेश के लिए विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं। विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम स्कूल न जाने वाले बच्चों को प्रदान की जाने वाली अतिरिक्त सहायता है, ताकि वे स्कूल में आयु-उपयुक्त प्रवेश के लिए तैयार और सक्षम हो सकें।

समग्र शिक्षा की पहुंच और अवधारण शाखा पहुंच प्रदान करने और अवधारण की दिशा में काम करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाती है और उन्हें क्रियान्वित करती है। सामग्री शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रारंभिक कक्षाओं के लिए ही नहीं, बल्कि 12 वर्षों की संपूर्ण विद्यालयी शिक्षा के लिए सार्वभौम नामांकन प्राप्त करना है। इसलिए, पहुँच सुधारने, छात्रों को माध्यमिक कक्षाओं में स्थानांतरित करने और ड्रॉपआउट्स को कम करने के लिए प्रारंभिक और माध्यमिक दोनों कक्षाओं में विभिन्न कार्यक्रम लागू किए जाते हैं।

सामग्री शिक्षा द्वारा संचालित गतिविधियाँ विद्यालय से बाहर के बच्चों की पहचान

हर साल की तरह, इस साल भी समग्र शिक्षा-गुजरात ने विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय करके अलग-अलग समय अंतराल पर एक गृह सर्वेक्षण किया ताकि विद्यालय से बाहर के बच्चों (6 से 19 वर्ष की आयु) की पहचान की जा सके और उन्हें नजदीकी स्कूलों, एसटीपी केंद्रों, एनआईओएस/जीएसओएस में नामांकित किया जा सके, जैसा कि नीचे वर्णित है:

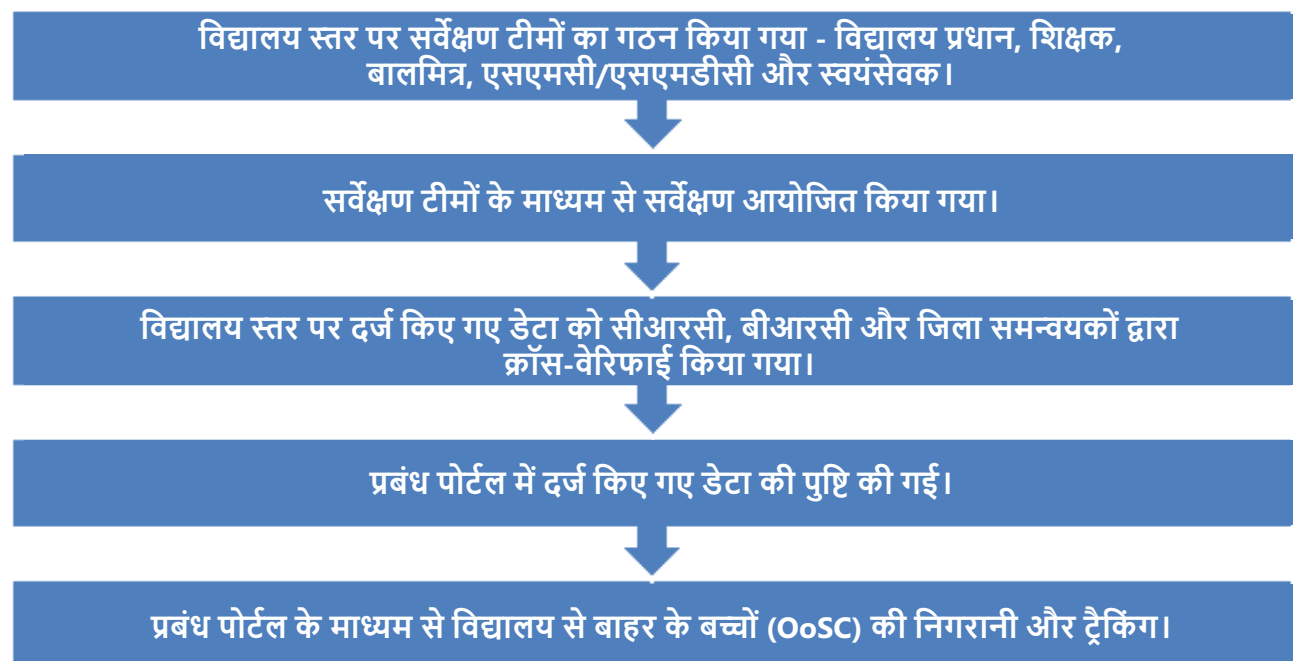
1. आयु वर्ग (6-8 वर्ष) - नजदीकी विद्यालय में आयु-उपयुक्त कक्षाओं में सीधा नामांकन।
2. आयु वर्ग (9-14 वर्ष) - उनकी सीखने की स्तरों के आधार पर आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण (STP)।
3. आयु वर्ग (15-19 वर्ष) - विद्यालय की शिक्षा पूरी करने के लिए NIOS / GSOS में पंजीकरण।

सर्वेक्षण ग्रामीण, शहरी औद्योगिक, आदिवासी क्षेत्रों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, नमक उत्पादन क्षेत्रों, ईट भट्टों आदि में परियोजना कर्मचारियों (सभी जिला समन्वयक, ब्लॉक संसाधन समन्वयक, क्लस्टर संसाधन समन्वयक, निगरानी आरपी-एसटीपी, एसएमसी आदि) द्वारा किया गया। पहचान प्रक्रिया को सशक्त बनाने तथा प्रक्रिया को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए राज्य ने सभी ब्लॉकों में विशिष्ट जॉब चार्ट, शैक्षिक स्वयंसेवकों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ ब्लॉक स्तरीय संसाधन व्यक्ति (बीआरपी) नियुक्त किए हैं। शहरी, अर्ध-शहरी और दस लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों पर विशेष ध्यान दिया गया है। पहचान में गैर सरकारी संगठनों के स्वयंसेवकों को शामिल किया गया है, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों और वंचित समूहों के बच्चों की पहचान के लिए। पहचान किए गए ओओएससी का सारा डेटा MoE के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रबंध पोर्टल पर अपडेट कर दिया गया है।

सर्वेक्षण के बारे में लोगों में जागरूकता लाने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों, रेडियो और टेलीविजन पर विज्ञापन दिए गए। विद्यालय से बाहर के बच्चों की पहचान के लिए जिला स्तर पर टोल-फ्री हेल्पलाइन शुरू की गई। वीईआर/डब्ल्यूईआर, जनरल रजिस्टर और आधार डीआईएसई से स्कूल छोड़ चुके बच्चों का विवरण एकत्र किया गया। सर्वेक्षण में दस लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों (एएमसी, आरएमएस, एसएमसी, वीएमसी) पर विशेष ध्यान दिया गया, विशेष रूप से शहरी झुग्गियों और औद्योगिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों सहित, वंचित समूहों के बच्चों (अनाथ, भिखारियों के बच्चे, कैदियों के बच्चे, सेक्स कार्यकर्ताओं के बच्चे, माइग्रेंट और घुमंतू समुदाय के बच्चे आदि) की पहचान के लिए गैर सरकारी संगठनों, अन्य विभागों (बाल श्रम विभाग, शहरी प्राधिकरण, सामाजिक न्याय विभाग, आईसीडीएस, स्वास्थ्य, एनएसएस, एनसीसी और राज्य क्षेत्र पर्यवेक्षकों) की मदद से और कुल परियोजना कर्मचारियों ने एचएम और स्कूल शिक्षकों की मदद से सक्रिय भूमिका निभाई है। कुल 19,574 विद्यालय न जाने वाले बच्चों (6-14 वर्ष) की पहचान की गई।

एसएस गुजरात ने विद्यालय से बाहर के बच्चों (ओओएससी) की पहचान के लिए विभिन्न समय पर रणनीतिक रूप से सर्वेक्षण किया। बच्चों की पहचान होने और उन्हें पास के विद्यालयों एवं विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीपी) केंद्रों में नामांकित करवाने के बाद, शिक्षकों तथा ईवीएस ने उनके सीखने के स्तर को समझने के लिए आधारभूत मूल्यांकन किया। इसके अनुसार, जो बच्चे न्यूनतम सीखने के स्तर को प्राप्त कर चुके हैं, उन्हें नियमित विद्यालयों में मुख्यधारा में शामिल किया जाता है, जबकि जिनकी सीखने की स्थिति मानक के अनुरूप नहीं है, उन्हें विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकित किया जाता है।

विद्यालय से बाहर के बच्चों (OoSC) के लिए सर्वेक्षण प्रक्रिया:





इस वर्ष ओ.ओ.एस.सी. (Out of School Children) प्रविष्टियां स्कूल स्तर पर बाल ट्रेकिंग सिस्टम में की गई हैं, और राज्य स्तर पर डेटा की सफाई की गई है। इसमें डुप्लिकेट प्रविष्टियों को हटाया गया है और गलत प्रविष्टियों को विद्या समीक्षा केंद्र में कॉल सेंटर प्रतिनिधियों के माध्यम से लगातार फॉलो-अप करके ठीक किया गया है। इसके बाद, राज्य कार्यालय ने क्लस्टर, ब्लॉक और जिला नेतृत्व के साथ समीक्षा बैठकें की हैं। डेटा साफ हो जाने के बाद, राज्य ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, MoE के संबंधित अधिकारियों से प्रबंध पोर्टल में डेटा दर्ज करने का अनुरोध किया है। इसके लिए पहले एक पत्र भेजा गया था, और बाद में राज्य के प्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत रूप से दिल्ली कार्यालय का दौरा किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बैकएंड प्रक्रिया के माध्यम से सभी ओओएससी प्रविष्टियाँ पोर्टल में सही तरीके से दर्ज की गई हैं। 6 से 19 वर्ष की आयु के पहचाने गए ओओएससी की प्रविष्टि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के “प्रबंध पोर्टल” पर की गई।

- SS-गुजरात ने ओओएससी की पहचान के लिए विभिन्न समय पर रणनीतिक रूप से सर्वेक्षण किया:
- दिसंबर 2022 में सर्वेक्षण: 6-19 वर्ष की आयु के 226,183 ओओएससी
- जनवरी 2023 में विशेष अभियान शुरू किया गया ताकि बाल ट्रेकिंग सिस्टम के माध्यम से अनट्रैकड बच्चों की पहचान की जा सके। ट्रैक किए गए बच्चों को परियोजना स्टाफ, शिक्षकों और स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से सलाह दी गई और उन्हें विद्यालय शिक्षा में मुख्यधारा में शामिल करने के लिए समर्थन प्रदान किया गया।
- जीएसओएस- गुजरात राज्य ओपन स्कूलिंग की शुरुआत इस वर्ष से राज्य सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा ड्रॉपआउट दरों को कम करने के लिए दूरस्थ शिक्षा सुविधा प्रदान करने के लिए की गई है। जीएसओएस के माध्यम से अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए लगभग 16000 बच्चों की पहचान की गई है और उन्हें गुजरात माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। ऐसे बच्चों को विभिन्न केंद्रों पर संपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से आवश्यक शिक्षण सामग्री, संसाधन और आवश्यक मार्ग दर्शक प्रदान किया गया है। (ये बच्चे नीचे तालिका में उल्लिखित 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बीच पहचाने गए 3109 बच्चों के अतिरिक्त हैं)

6 से 8 वर्ष की आयु		9 से 14 वर्ष की आयु		15 से 18 वर्ष की आयु		कुल ओओएससी (6-18 वर्ष)	
लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति
6,084	6,084 (100%)	13,364	13,364 (100%)	3,109	3,109 (100%)	22,683	22,683 (100%)

6 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए विद्यालय से बाहर के बच्चों का सीधा प्रवेश (2023- 24)			
क्रमांक	ज़िला	लक्ष्य	कवर किए गए बच्चे
1	सूरत	106	106
2	वलसाड	536	536
3	आरएमसी	179	179
4	तापी	124	124
5	सुरेन्द्रनगर	129	129
6	अहमदाबाद	320	320
7	भावनगर	250	250
8	माहीसागर	30	30
9	देवभूमि द्वारका	205	205
10	साबरकांठा	173	173
11	मेहसाणा	68	68
12	बनासकांठा	365	365
13	पाटन	136	136
14	नर्मदा	-	-
15	एएमसी	136	136
16	आणंद	192	192
17	बोटाद	115	115
18	छोटा उदेपुर	395	395
19	एसएमसी	203	203
20	वडोदरा	28	28
21	खेड़ा	292	292
22	पोरबंदर	65	65
23	जूनागढ़	239	239
24	भरूच	143	143
25	कच्छ	221	221
26	गांधीनगर	391	391
27	अरावली	73	73
28	राजकोट	551	551
29	नवसारी	31	31
30	गिरसोमनाथ	120	120
31	दाहोद	66	66
32	जामनगर	86	86
33	मोरबी	45	45
34	अमरेली	27	27
35	पंचमहल	17	17
36	वी.एम.सी.	-	-
37	डंग	-	-
	कुल	6,084	6,084

आयु वर्ग 9-14 वर्ष के विद्यालय से बाहर के बच्चों का STP में नामांकन (2023-24)			
क्रमांक	ज़िला	लक्ष्य	प्रगति
1	अहमदाबाद	190	190
2	एमसी	1,243	1,243
3	अमरेली	95	95
4	आणंद	149	149
5	छोटा उदेपुर	254	254
6	देवभूमि द्वारका	52	52
7	गांधीनगर	228	228
8	मोरबी	142	142
9	राजकोट	322	322
10	साबरकांठा	419	417
11	वडोदरा	184	184
12	नवसारी	240	240
13	जूनागढ़	669	669
14	बनासकांठा	948	948
15	पोरबंदर	76	76
16	भरूच	302	302
17	पाटन	342	342
18	जामनगर	222	222
19	माहीसागर	111	111
20	भावनगर	530	530
21	वी.एम.सी.	641	641
22	कच्छ	742	742
23	एएमसी	871	871
24	डांग	479	479
25	मेहसाणा	276	276
26	पंचमहल	138	138
27	बोटाद	166	166
28	सूरत	507	507
29	दाहोद	277	277
30	खेड़ा	228	228
31	अरावली	130	130
32	आरएमसी	672	672
33	तापी	315	315
34	गिरसोमनाथ	154	154
35	सुरेन्द्रनगर	880	880
36	नर्मदा	33	33
37	वलसाड	137	137
	कुल	13,364	13,364

विद्यालय से बाहर के बच्चों की ओपन स्कूलिंग वर्ष: 2023-24			
क्रमांक	ज़िला	बच्चों की संख्या	कवर किए गए बच्चे
1	अहमदाबाद	49	49
2	अमरेली	17	17
3	आणंद	126	126
4	अरावली	126	126
5	बनासकांठा	-	-
6	भरूच	324	324
7	भावनगर	56	56
8	बोटाद	74	74
9	छोटा उदेपुर	1	1
10	देवभूमि द्वारका	11	11
11	दाहोद	46	46
12	गांधीनगर	37	37
13	गिरसोमनाथ	34	34
14	जामनगर	39	39
15	जूनागढ़	118	118
16	कच्छ	164	164
17	खेड़ा	52	52
18	मेहसाणा	60	60
19	माहीसागर	31	31
20	मोरबी	51	51
21	नर्मदा	-	-
22	नवसारी	33	33
23	पंचमहल	179	179
24	पाटन	108	108
25	पोरबंदर	18	18
26	राजकोट	301	301
27	साबरकांठा	253	253
28	सूरत	25	25
29	सुरेन्द्रनगर	100	100
30	तापी	190	190
31	डांग	152	152
32	वडोदरा	35	35
33	वलसाड	32	32
34	अहमदाबाद निगम	54	54
35	राजकोट निगम	10	10
36	सूरत निगम	200	200
37	वडोदरा निगम	3	3
	कुल	3,109	3,109

विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (12 महीने):

RTE अधिनियम, 2009 के अध्याय 2, अनुभाग 4 में 9 से 14 वर्ष के बाहर स्कूल में रहने वाले बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण और आयु-उपयुक्त प्रवेश के बारे में प्रावधान किए गए हैं। 2010 से, राज्य उन बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है, जो कभी स्कूल में नहीं गए या जो एक साल से अधिक समय से स्कूल से बाहर हैं। STP केंद्रों की मदद के लिए, SMCs योग्य शिक्षा स्वयंसेवकों को पहचानते हैं, जिन्हें बालमित्र कहा जाता है (जिनके पास ग्रेजुएशन, PTC या B.Ed. की डिग्री होती है)। इन बालमित्रों को अनुकूलित पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियाँ, जीवन कौशल, बच्चों के संरक्षण आदि पर प्रशिक्षित किया जाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत आधारभूत मूल्यांकन, विशेष STP सामग्री, मध्याह्न भोजन, और PRABANDH पोर्टल के जरिए STP बच्चों की निगरानी की जाती है। वर्तमान में, राज्य 13,364 स्कूल से बाहर के बच्चों के लिए 684 STP चला रहा है, जिसमें अलग-अलग सीखने के स्तर के आधार पर पाठ्यक्रम हैं।



रिपोर्टिंग अवधि के दौरान की गई गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

अकादमिक सत्र के अंत तक छात्रों को मुख्यधारा में शामिल करना

गर्मी की छुट्टियों के बाद और शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले, यानी जून 2024 में, ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों, जिला समन्वयकों और बालमित्रों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि STP केंद्रों के वे छात्र, जिन्होंने लगभग एक साल का समर्थन प्राप्त करने के बाद आवश्यक शैक्षणिक स्तर हासिल किया हो, उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया जाए और आयु-उपयुक्त कक्षाओं में भर्ती किया जाए।

यह भी सुनिश्चित किया गया कि बालमित्र छात्रों को STP से स्कूल में संक्रमण के दौरान आवश्यक सहायता प्रदान करें। चूंकि STP केंद्र स्कूल के परिसर में चल रहे हैं और बालमित्र प्रधानाध्यापकों/प्रधानों के साथ निकट सहयोग में काम कर रहे हैं, जिससे परिवर्तन आसान हो जाएगा। मुख्यधारा में शामिल होने के बाद भी, बालमित्र छात्रों और शिक्षकों को आवश्यक समर्थन प्रदान करते हैं।



वंचित समूह के बच्चों के लिए आवासीय विशेष प्रशिक्षण :

कठिन परिस्थितियों या चैलेंजिंग स्थितियों में रहने वाले बच्चों का सहानुभूतिपूर्ण तरीके से ध्यान रखा जाना चाहिए। उन स्कूल से बाहर के बच्चों की पहचान करने के लिए प्रयासों की आवश्यकता है, जो अत्यंत दूर-दराज, पहुंच से बाहर या बिखरे हुए निवास स्थानों में रह रहे हैं, ताकि उन्हें आयु-उपयुक्त कक्षाओं में नियमित स्कूलों में शामिल किया जा सके। राज्य ने वलसाड जिले और SMC में इन बच्चों को शामिल करने की योजना बनाई। आवासीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रबंधन और निगरानी क्लस्टर स्तर और जिला स्तर की समितियों द्वारा की गई। बच्चों को बेहतर प्रवास के लिए ठहरने, खाने और शिक्षण की सुविधा प्रदान की गई। कुल 126 बच्चों ने आवासीय विशेष प्रशिक्षण के तहत दी गई सुविधाओं का लाभ उठाया।

विशेष प्रशिक्षण सामग्री:

विशेष प्रशिक्षण सामग्री राज्य संसाधन समूह (SRG), DIETS के व्याख्याताओं, GCERT के व्याख्याताओं, CRC समन्वयकों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, NGOs के विशेषज्ञों, शिक्षा स्वयंसेवकों (बालमित्र) और अन्य विभागों और विश्वविद्यालयों के संसाधनों द्वारा विकसित की गई। यह सामग्री कक्षा 1 से 6 के लिए तैयार की गई। अन्य राज्यों के प्रवासी बच्चों के लिए हिंदी में शिक्षण सामग्री (वर्क बुक) विकसित की गई। इस सामग्री में मॉड्यूल, वर्कबुक, गतिविधि कार्ड, प्री-टेस्ट पेपर और प्रगति कार्ड शामिल हैं।

नवाचार सर्वोत्तम प्रथाएँ/ (स्कूल विद्यालय AMC):



गुजरात राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के संयुक्त रूप द्वारा गुजरात उच्च न्यायालय परिसर में कुल 10 सिग्नल स्कूल बसों के साथ सिग्नल स्कूल परियोजना का शुभारंभ किया गया।

यह परियोजना उन बच्चों की सेवा करेगी जो भीख मांगने या श्रमिक कार्य में लगे हुए हैं, उनके लिए दस बसों को कक्षा में परिवर्तित किया गया है। इस परियोजना के तहत बसों में कई सुविधाएँ प्रदान की गई हैं, जैसे कि ब्लैकबोर्ड, टेबल, कुर्सी, एलसीडी टीवी, वाई-फाई, सीसीटीवी, पीने का पानी और छोटे पंखे। ये बसें विशेष स्थानों पर, जैसे कि सिग्नल के पास, स्थायी रूप से रहेंगी तथा मुफ्त शिक्षा, मध्याह्न भोजन और स्वास्थ्य जांच की सेवाएँ प्रदान करेंगी। वर्ष 2023-2024 में सिग्नल स्कूल में 149 छात्रों को लाभ मिला है।



बच्चों को सुबह 9:30 से 10:00 बजे के बीच स्कूल परिसर में एकत्रित किया जाएगा। जिसमें सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक अध्यापन कार्य होगा। बच्चों को दोपहर 1:30 बजे पॉकेट क्षेत्र में ले जाया जाएगा। इस परियोजना की कुछ प्रमुख विशेषताओं में माता-पिता की मासिक बैठक, हर शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, खेल प्रतियोगिता, पर्यटन स्थलों की यात्रा, कौशल विकास गतिविधियाँ, प्रतिभागियों और विजेता छात्रों के मध्य पुरस्कार वितरण जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

यह सिग्नल स्कूल 6 मार्च से 30 अप्रैल तक के समय में बच्चों को औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करेंगे। 6 जून से ये स्कूल औपचारिक रूप से शुरू हो जाएंगे। दस महीने का ब्रिज कोर्स पूरा होने के बाद, बच्चों को पास के स्कूलों में दाखिला दिलाकर मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा जाएगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के प्रयास होंगे कि बच्चे राज्य सरकार की योजनाओं जैसे विद्यादीप, छात्रवृत्ति, यूनिफॉर्म सहायता, मुफ्त पाठ्यपुस्तक, मध्याह्न भोजन, आधार डायस आईडी आदि का पूरा लाभ उठा सकें।

विशेष रूप से दैनिक मजदूरों और वंचित समुदायों के बालक-बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करना है। मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करके, यह कार्यक्रम उन बच्चों द्वारा अनुभव की जा रही शैक्षिक वंचना को दूर करने का प्रयास करता है, और अंततः उन्हें समाज में समाहित करने का उद्देश्य रखता है।

किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर, इस पहल द्वारा इन बच्चों में मूल्यों को स्थापित करने के साथ उनके व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि इन बच्चों को बेहतर इंसान बनाया जा सके। संबंधित शिक्षण प्रथाओं के माध्यम से, यह कार्यक्रम उन्हें सस्टेनेबल आजीविका के लिए कौशल से परिपूर्ण करने का भी लक्ष्य रखता है, जिससे उन्हें समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए सशक्त किया जा सके।



अर्ली वार्निंग सिस्टम:

गुजरात सरकार ने UNICEF के तकनीकी सहयोग से राज्य में अर्ली वार्निंग सिस्टम (EWS) के डिजाइन और कार्यान्वयन की शुरुआत के लिए दो दिवसीय (7-8 फरवरी 2023) वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप के दौरान निम्नलिखित विषयों पर गहन अभ्यास एवं समूह कार्य किया गया:

1. गुजरात में छात्रों द्वारा विद्यालय छोड़ने के कारणों की विशेष मैपिंग।
2. राज्य स्तर पर उपलब्ध जोखिमों से संबंधित जानकारी/डेटा की मैपिंग।
3. संकेतकों का चयन।
4. जोखिमों की पहचान - थ्रेशोल्ड, तकनीकी।
5. EWS में विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं तथा जिम्मेदारियों की मैपिंग।
6. प्रतिक्रिया के लिए हस्तक्षेप की योजना कैसे बनाएं।
7. EWS को समग्र शिक्षा AWP&B के साथ एकीकृत कैसे करें।

विचार-विमर्श के आधार पर, राज्य ने समाधान के लिए डिज़ाइन और कार्यान्वयन के लिए संकेतकों की एक प्रारूप सूची व आगे की योजना तैयार की है। EWS (अर्ली वार्निंग सिस्टम) का मुख्य उद्देश्य संभावित ड्रॉपआउट्स की पहचान करना और स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर ड्रॉपआउट्स को रोकने के लिए शीघ्र हस्तक्षेप करना है। इस परियोजना का कार्यान्वयन चुने गए 5 जिलों में शुरू कर दिया गया है।

माइग्रेंट परिवारों की शिक्षा

राज्य के भीतर एवं बाहर प्रवास करने वाले बच्चों के लिए पहल:

शिक्षा के अधिकार अधिनियम की धारा 9-क के तहत, राज्य विभिन्न पहलों के माध्यम से अंतरराज्यीय और अंतरराज्यीय माइग्रेंट परिवारों के बच्चों को शैक्षिक सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। इसमें राज्य सरकार और शिक्षा मंत्रालय की योजनाएँ शामिल हैं, जैसे सीजनल छात्रावास, आवासीय छात्रावास, टेंट एसटीपी और परिवहन सुविधा।

माइग्रेशन मॉनिटरिंग सिस्टम (MMS) का विवरण:

बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009" (आरटीई) के कार्यान्वयन के साथ, शिक्षा की धारणा और उसे प्रदान करने के तरीके में एक नए परिवर्तन का वादा किया गया है। यह महत्वाकांक्षी पहल उन सभी बच्चों की आकांक्षाओं एवं सपनों को पूरा करेगी, जो कि मुख्य रूप से स्कूली शिक्षण प्रणाली से बाहर रहे हैं या विभिन्न कारणों से अपनी प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर पाए हैं। RTE अधिनियम विशेष रूप से सभी स्कूल से बाहर के बच्चों के लिए शिक्षा की छत्र-छाया के तहत प्रवेश की व्यवस्था करता है एवं यह प्राथमिक स्तर की पढ़ाई के पूर्ण होने तक जारी रहता है।

माइग्रेशन द्वारा स्कूल से बाहर के बच्चों को स्कूल में लाने तथा प्रोजेक्ट के उद्देश्यों को हासिल करने में एक प्रमुख बाधा है। इसलिए यह आवश्यक है कि एक ब्लॉक/क्लस्टर/जिले से दूसरे ब्लॉक/क्लस्टर/जिले में स्थानांतरित होने वाले छात्रों को ट्रैक किया जाए और उन्हें स्कूलों में दाखिल कराया जाए। माइग्रेशन की निगरानी के लिए एक ऑनलाइन माइग्रेशन मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित की गई है, जो माइग्रेशन को ट्रैक करने और स्कूल से बाहर के बच्चों की निगरानी करने में मदद करेगी। इसका उद्देश्य छात्रों की विद्यालय में उपस्थिति को बढ़ाना और ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए प्रभावी हस्तक्षेपों का पूरा कार्यान्वयन करना है।

टेंट विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम:

गुजरात में माइग्रेशन एक प्रमुख समस्या है, जहां कई परिवार अपनी आजीविका के लिए एक जिले/राज्य से दूसरे जिले/राज्य में प्रवास करते हैं। हर साल, कई परिवार ओडिशा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से राज्य के विभिन्न जिलों जैसे कि; गांधीनगर, आनंद, खेड़ा, भरूच, सूरत, अहमदाबाद, मेहसाणा और वडोदरा में पलायन करते हैं।

वे या तो खेतों में मजदूरी का काम करते हैं, या चीनी मिलों में कार्य करते हैं अथवा नमक बनाने, ईंट बनाने, निर्माण कार्य आदि जैसे विभिन्न कामों में संलग्न रहते हैं। ऐसे में माता-पिता के साथ-साथ उनके बच्चे भी अपनी शिक्षा बीच में ही छोड़कर पलायन करते हैं। कार्यस्थलों/स्थलों पर स्कूलों की अनुपलब्धता और स्कूलों तक पहुँचने में चुनौतियों के कारण बच्चे या तो घर पर अपने छोटे भाई-बहनों की देखभाल करते हैं या अपने माता-पिता के काम में सहायता करते हैं।

उपरोक्त बताई गई चुनौतियों का समाधान करने एवं ऐसे बच्चों को शिक्षा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए कार्य स्थलों पर STP डे-केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं। शिक्षा स्वयंसेवक (बालमित्र) ऐसे स्थलों का दौरा कर, बच्चों की पहचान करते हैं और उनके माता-पिता को एसटीपी केंद्रों में नामांकित कराने के लिए मनाते हैं।

ये केंद्र प्रतिदिन 5 घंटे (11:00 - 4:00) संचालित होते हैं और बच्चों को पढ़ाई, लेखन, खेल, सामूहिक साझा करने आदि जैसे महत्वपूर्ण गतिविधियों में संलग्न करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बालमित्र बच्चों के सीखने के स्तर का मूल्यांकन करते हैं और उसके अनुसार उन्हें अवधारणाएँ सिखाते हैं।

वर्ष 2023-24 की रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, कुल 7,055 बच्चों की पहचान की गई, जिन्हें टेंट STP की आवश्यकता थी। निर्धारित लक्ष्य 10,788 बच्चों के मुकाबले 7,055 बच्चों को 399 टेंट STP के अंतर्गत कवर किया गया है। राज्य ने रिजिनल भाषाओं में पाठ्य पुस्तकों के लिए पड़ोसी राज्यों; मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार और महाराष्ट्र के साथ समन्वय स्थापित किया है।

रणनीति	लक्षित बच्चों की संख्या	कवर किए गए बच्चों की संख्या	केन्द्रों की संख्या
टेंट STP	10,788	बालक - 3973 बालिकाएं - 3082 कुल - 7055	339

अंतर-राज्यीय माइग्रेंट बच्चे (2023-24)				
संख्या	प्राप्त करने वाला जिला	अंतर-राज्यीय माइग्रेंट बच्चे	क्षेत्र	भेजने वाला राज्य
1	अहमदाबाद	450	ईंट भट्टा	छत्तीसगढ़
2	आणंद	2,012	ईंट भट्टा	छत्तीसगढ़
3	अरावली	96	ईंट भट्टा	राजस्थान
4	भरूच	700	चीनी और ईंट भट्टा	महाराष्ट्र
5	भावनगर	284	नमक बनाने वाले श्रमिक	बिहार
6	गांधीनगर	1,500	ईंट भट्टा	महाराष्ट्र
7	जूनागढ़	120	खेत	बिहार
8	कच्छ	125	नमक बनाने वाले श्रमिक	राजस्थान
9	खेड़ा	500	ईंट भट्टा	U.P
10	माहीसागर	150	ईंट भट्टा	U.P
11	मोरबी	50	नमक बनाने वाले श्रमिक	U.P
12	नवसारी	444	चीनी	महाराष्ट्र
13	पंचमहल	631	ईंट भट्टा	महाराष्ट्र
14	पाटन	200	चीनी और ईंट भट्टा	राजस्थान
15	राजकोट	98	ईंट भट्टा	M.P
16	साबरकांठा	210	खेत	M.P
17	सूरत	1,800	चीनी और ईंट भट्टा	महाराष्ट्र
18	सुरेन्द्रनगर	371	नमक बनाने वाले श्रमिक	M.P
19	तापी	450	मजदूर	महाराष्ट्र
20	वडोदरा	435	ईंट भट्टा	महाराष्ट्र
21	वलसाड	152	चीनी और ईंट भट्टा	महाराष्ट्र
	कुल	10,778		

जिला-वार टेंट एसटीपी (STP) विवरण (2023-2024):						
क्र.	जिला	लक्ष्य	टेंट STP की संख्या	बालक	बालिकाएं	कुल
1	सूरत	1,800	68	790	751	1,541
2	आणंद	2,012	51	571	449	1,020
3	गांधीनगर	1,500	26	300	223	523
4	खेड़ा	500	25	300	206	506
5	तापी	450	23	250	200	450
6	पंचमहल	631	25	311	200	511
7	अहमदाबाद	450	12	179	128	307
8	नवसारी	444	27	300	240	540
9	वडोदरा	435	20	244	200	444
10	सुरेन्द्रनगर	371	24	285	200	485
11	साबरकांठा	210	10	107	100	207
12	पाटन	200	0	0	0	0
13	जूनागढ़	120	3	47	13	60
14	माहीसागर	150	6	60	53	113
15	अरावली	96	4	35	19	54
16	मोरबी	50	0	0	0	0
17	कच्छ	125	0	0	0	0
18	भावनगर	284	15	194	100	294
19	भरूच	700	0	0	0	0
20	वलसाड	152	0	0	0	0
21	राजकोट	98	0	0	0	0
	कुल	10,778	339	3,973	3,082	7,055

सीजनल एवं आवासीय सीजनल छात्रावास:

माइग्रेंट आदिवासी जिलों, समीपवर्ती और नमक उत्पादन वाले क्षेत्रों में एक प्रमुख समस्या होने के कारण, राज्य ने माइग्रेंट परिवारों के बच्चों को उनके मूल स्थान पर बनाए रखने के लिए माइग्रेशन पैटर्न का मैपिंग किया है। वर्ष 2000 से, इन छात्रावास ने जिनके माता-पिता सीजनल रूप से काम के लिए माइग्रेशन करते हैं ऐसे बच्चों को आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। इन छात्रावास में विशेष तौर पर बच्चे रहने के साथ साथ अपनी शिक्षा भी जारी रख सकेंगे हैं जब भी उनके माता-पिता अन्य जिलों में काम करने के लिए जाते हैं।

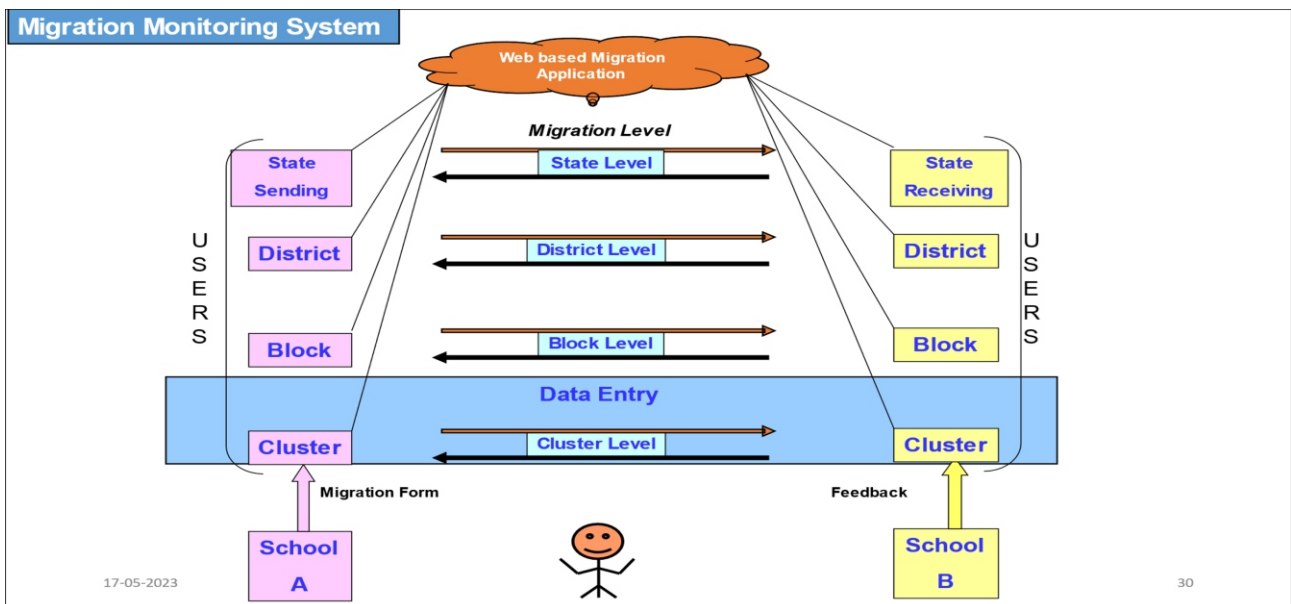
वर्तमान में, राज्य सरकार द्वारा अंतर राज्यीय प्रवासी बच्चों के लिए 601 सीजनल छात्रावास संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें से 50 आवासीय छात्रावास हैं, जिनमें अधिकतम 2,500 बच्चों के रहने की क्षमता है। ये 50 छात्रावास 100% राज्य सरकार के बजट द्वारा संचालित हैं।

	2022-23 के लिए स्वीकृत लक्ष्य	प्रगति	% प्रगति
भारत सरकार	21,214	15,516	73%
गुजरात सरकार	2,500	1,915	77%
कुल	23,714	17,431	74%

वित्तीय वर्ष 2023-24 में, अब तक कुल 23,129 अंत राज्यीय/अंतर राज्यीय माइग्रेंट बच्चों को माइग्रेशन मॉनिटरिंग सिस्टम (MMS) द्वारा से ट्रैक किया गया है।

जिला-वार छात्रालय विवरण: 2023-24						
क्रमांक	जिला	लक्ष्य	केंद्र की संख्या	बालक	बालिकाएं	कुल
1	डांग	6,500	126	1746	1423	3,169
2	दाहोद	3,114	85	1198	954	2,152
3	तापी	2,000	70	1025	965	1,990
4	वलसाड	1,900	69	725	655	1,380
5	नर्मदा	1,300	52	517	530	1,047
6	पंचमहल	1,000	34	578	500	1,078
7	साबरकांठा	1,200	45	623	628	1,251
8	छोटा उदेपुर	1,000	28	449	260	709
9	कच्छ	650	19	278	200	478
10	सुरेन्द्रनगर	400	12	250	224	474
11	जूनागढ़	50	-	-	-	-
12	पाटन	400	10	200	167	367
13	अहमदाबाद	200	8	111	89	200
14	बनासकांठा	210	5	100	80	180
15	अमरेली	190	6	87	75	162
16	माहीसागर	150	4	50	50	100
17	नवसारी	150	4	87	50	137
18	सूरत	300	9	205	200	405
19	मोरबी	100	4	50	50	100
20	भावनगर	300	-	-	-	-
21	भरूच	100	-	-	-	-
	कुल	21,214	601	8,457	7,059	15,516

बांधकाम सीजनल छात्रवास प्रगति वर्ष=2023-24						
क्रमांक	जिला	लक्ष्य	केंद्र की संख्या	कवर		कुल
				बालक	बालिकाएं	
1	अमरेली	50	1	25	25	50
2	भरूच	100	2			
3	बनासकांठा	50	1			
4	भावनगर	150	3			
5	छोटा उदेपुर	150	3	100	50	150
6	दाहोद	350	7	200	150	350
7	कच्छ	300	6	50	50	100
8	माहीसागर	50	1	25	25	50
9	मोरबी	50	1	25	25	50
10	नर्मदा	50	1	25	25	50
11	नवसारी	50	1	25	25	50
12	पंचमहल	200	4	100	100	200
13	पाटन	100	2	57	8	65
14	साबरकांठा	100	2	58	42	100
15	सूरत	150	3	75	75	150
16	सुरेन्द्रनगर	150	3	50	50	100
17	तापी	50	1	25	25	50
18	डांग	350	7	200	150	350
19	वलसाड	50	1	25	25	50
	कुल	2,500	50	1,065	850	1,915



वर्ष 2023-24 में विद्यालय न जाने वाले बच्चों के संबंध में की गई प्रगति:

	विद्यालय न जाने वाले बच्चों के लिए हस्तक्षेप	AWP&B 2023-24 के अनुसार लक्ष्य	उपलब्धि		मुख्यधारा में शामिल बच्चों की संख्या
			केंद्रों की संख्या	बच्चों की संख्या	
1	एसटीपी (12 महीने)	13,364	684	13,364	13,364
2	आवासीय छात्रावास (जीओआई)	126	3	76	76
3	प्रत्यक्ष नामांकन	6,084	0	6,084	6,084
	कुल	19,574	687	19,574	19,574
1	टेंट एसटीपी	10,778	339	7,055	-
2	सीजनल छात्रावास	21,214	601	15,516	-
3	आवासीय छात्रावास (जीओजी)	2,500	50	2,060	-
	कुल	34,492	990	24,631	-

परिवहन/एस्कॉर्ट सुविधाएं:

प्राथमिक कक्षाओं के बाद छात्रों के शिक्षा छोड़ने के प्रमुख कारणों में से एक है उनके गांव से बाहर स्थित स्कूलों तक पहुंचने में होने वाली कठिनाइयां। उनकी शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, राज्य 2012 से "शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009" की धारा (8-बी) और (9-बी) तथा राज्य RTE नियम 2012 के बिंदु 5 (5) के अनुसार छात्रों को परिवहन सुविधा प्रदान कर रहा है। यह सुविधा उन छात्रों के लिए उपलब्ध कराई जाती है, जिनके निवास से प्राथमिक विद्यालय 1 किमी से अधिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय 3 किमी से अधिक, माध्यमिक विद्यालय 5 किमी से अधिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय 7 किमी से अधिक दूर होते हैं। साथ ही, स्कूल समेकन कार्यक्रम (school consolidation program) के तहत आने वाले छात्रों को भी यह सुविधा प्रदान की जाती है।

राज्य ने एक वाहन ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किया है, जिसका उद्देश्य विद्यालय परिवहन वाहन के माध्यम से यात्रा करते समय बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। इस एप्लिकेशन की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

एसओएस सिस्टम: एसओएस सिस्टम स्कूल परिवहन के दौरान छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण घटक है। इस सिस्टम में आपातकालीन बटन या उपकरण फिट होते हैं, जो स्कूल परिवहन वाहनों में लगाए जाते हैं, जिससे यात्रियों को दुर्घटना, चिकित्सा संकट या सुरक्षा खतरों जैसी आपात स्थितियों में जल्दी और गुप्त रूप से अधिकारियों या निर्दिष्ट संपर्कों को सूचित करने की सुविधा मिलती है। सक्रिय होने पर, एसओएस सिस्टम तत्काल प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर करता है, जिसमें आपातकालीन सेवाएं भेजना या समय पर सहायता और हस्तक्षेप प्रदान करने के लिए संबंधित प्राधिकारियों को सूचित करना शामिल है।

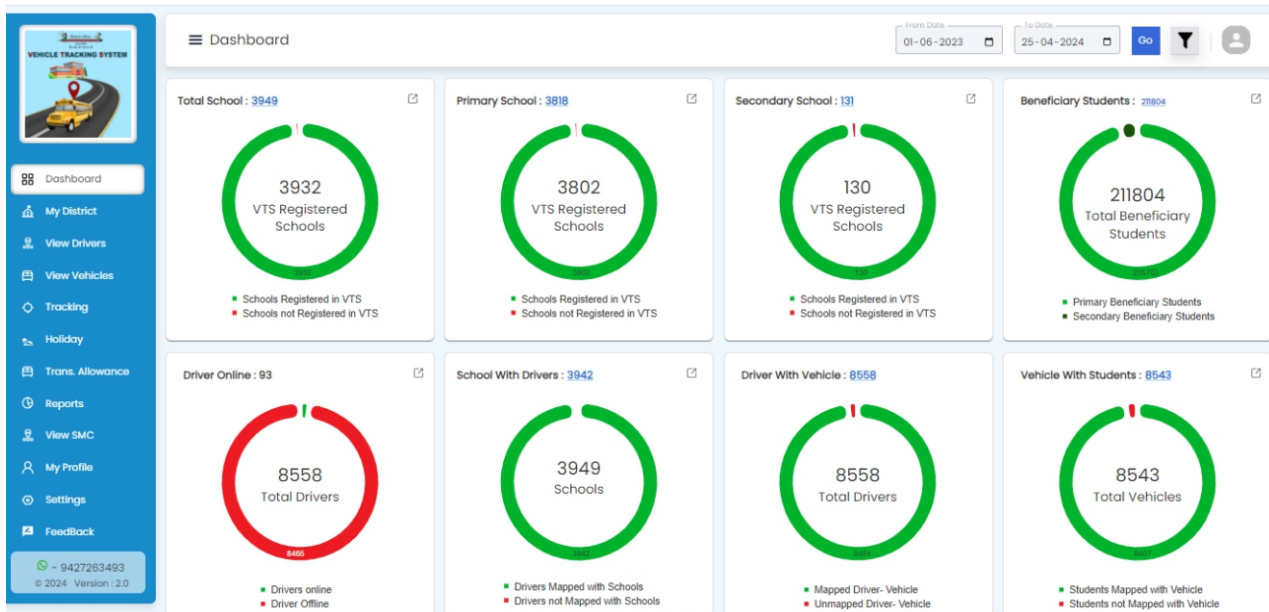
रियल-टाइम मॉनिटरिंग: रियल-टाइम मॉनिटरिंग का मतलब है कि स्कूल बसों और अन्य परिवहन वाहनों की स्थिति, गति और रास्ते की जानकारी को GPS ट्रैकिंग जैसी तकनीकों से तुरंत देखा जा सके। एक केंद्रीय निगरानी प्रणाली के ज़रिए परिवहन अधिकारी हर वाहन का सही स्थान और रास्ता देख सकते हैं। अगर वाहन अपने तय रास्ते से हटता है या कोई और समस्या होती है, तो उन्हें तुरंत अलर्ट मिल जाता है। इस तरह की निगरानी से स्कूल परिवहन का सही प्रबंधन किया जा सकता है, जिससे किसी भी घटना या आपात स्थिति में तेजी से कार्रवाई हो सके और सिस्टम ठीक से चले।

यात्रा की निगरानी: यात्रा की निगरानी का मतलब है कि प्रत्येक स्कूल परिवहन यात्रा की शुरू से लेकर अंत तक पूरी देखरेख की जाती है। इसमें वाहन के प्रस्थान तथा आगमन के समय की निगरानी, वाहन द्वारा तय किए गए मार्ग का ट्रैकिंग एवं यात्रा के दौरान ड्राइवर के व्यवहार तथा वाहन के प्रदर्शन का विश्लेषण शामिल है। हर यात्रा की बारीकी से निगरानी करके, परिवहन अधिकारी संभावित जोखिमों तथा समस्याओं को वास्तविक समय में पहचान सकते हैं, जैसे मार्ग से भटकना, ट्रैफिक जाम, या ड्राइवर द्वारा थकान महसूस करना। यह प्रक्रिया स्कूल परिवहन सेवाओं की सुरक्षा, कुशलता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है।

शराबी ड्राइवर के व्यवहार की निगरानी: स्कूल परिवहन ड्राइवरों के बीच सुरक्षा और पेशेवरता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए, नशे में गाड़ी चलाने के मामलों को रोकने और पहचानने के लिए सख्त प्रोटोकॉल लागू किए जाते हैं। इसमें ड्यूटी से पहले या ड्यूटी के दौरान शराब के सेवन से संबंधित जीरो-टॉलरेंस नीति एवं यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी ड्राइवर नियमों का पालन कर रहे हैं, कभी-कभी बिना पूर्व सूचना के भी शराब परीक्षण किए जाएंगे। यदि कोई ड्राइवर ड्यूटी के दौरान शराब या ड्रग्स के प्रभाव में पाया जाता है, तो उसे तुरंत अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना करना पड़ता है, जिसमें निलंबन या बर्खास्तगी शामिल है। यह यात्रियों की भलाई को सुरक्षित रखने और स्कूल परिवहन प्रणाली में जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए किया जा रहा प्रयास है।

RTE दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना: शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के दिशानिर्देशों का अनुपालन हाशिए पर या वंचित पृष्ठभूमि के बच्चे सहित सभी बच्चों के लिए शिक्षा तक समावेशी और समान पहुंच प्रदान करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है कि यह सुनिश्चित करना कि विद्यालय परिवहन सेवाएं सभी योग्य छात्रों के लिए सुलभ, सुरक्षित और किफायती हों, जैसा कि RTE अधिनियम में निर्दिष्ट किया गया है। परिवहन प्राधिकरण शिक्षा प्राधिकरण और संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर RTE दिशानिर्देशों को लागू और प्रवर्तित करने के लिए काम करते हैं, ताकि हर बच्चे को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति या भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिले।

स्कूल परिवहन के वाहन चालकों को RTO विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण: स्कूल परिवहन के वाहन चालक रोड ट्रांसपोर्ट ऑफिस (RTO) के विशेषज्ञों द्वारा संचालित व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इन प्रशिक्षण सत्रों में सुरक्षित ड्राइविंग तकनीकों, वाहन रखरखाव और सुरक्षा प्रक्रियाओं, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल, और ट्रैफिक नियमों का पालन जैसे विषयों को शामिल किया जाता है। ड्राइवरों और कर्मचारियों को आवश्यक ज्ञान और कौशल से परिपूर्ण करके, ये प्रशिक्षण कार्यक्रम स्कूल परिवहन सेवाओं की सुरक्षा, व्यावसायिकता और दक्षता को बढ़ाने में मदद करते हैं, और अंततः छात्रों की भलाई और शैक्षणिक सफलता सुनिश्चित करते हैं।



ये सुविधाएँ सभी जिलों और नगर निगमों में एसएमसी के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। शिक्षकों के साथ मिलकर एसएमसी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है कि वे यह तय करें कि कौन से छात्रों को परिवहन/एस्कॉर्ट सुविधाओं की आवश्यकता है, ताकि उनकी शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रह सके।



परिवहन सुविधा का कार्यान्वयन ढांचा:

- स्कूल प्रबंधन समितियाँ (SMCs), RTE अधिनियम के तहत एवं छात्रों की आवश्यकताओं के अनुसार CRC/BRC को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं।
- इन प्रस्तावों की जिला स्तर पर जांच की जाती है एवं राज्य परियोजना कार्यालय में भेजी जाती है।
- जांच के बाद ही इन प्रस्तावों को स्वीकृत किया जाता है और ग्रांट SMC के बैंक खाते में वितरित की जाती है।
- SMC परिवहन सुविधा पर प्राप्त और उपयोग की गई ग्रांट के रिकॉर्ड बनाए रखती है।
- SMC स्थानीय स्तर पर RTO द्वारा अनुमोदित वाहन की पहचान करती है जो परिवहन सेवा प्रदान कर सके।
- नामांकन अभियान जून माह में शुरू होता है।

परिवहन सुविधा को सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण और SMC/PRI प्रशिक्षण में विषय तौर से शामिल किया गया है। SS गुजरात ने सभी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए GPS आधारित वाहन ट्रैकिंग प्रणाली विकसित की है। GPS आधारित वाहन ट्रैकिंग प्रणाली वाहनों के मार्ग, ओवरस्पीडिंग और SOS सुविधाओं को ट्रैक करने की सुविधा प्रदान करती है।

इस प्रणाली के द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि छात्र सुरक्षित यात्रा करें और किसी भी आपात कालीन स्थिति में उन्हें त्वरित सहायता उपलब्ध हो सके।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में छात्रों को प्रदान की जाने वाली परिवहन सुविधा:

	लक्ष्य	प्रगति	% प्रगति
भारत सरकार (E.E)	1,69,114	1,68,897	99.87%
भारत सरकार (E.E)	88,880	48,209	54%
भारत सरकार (S.E)	8,446	5,987	71%

क्रमांक	जिला	भारत सरकार				भारत सरकार	
		कक्षा 1 से 8 (E.E) के लिए जिला लक्ष्य	प्रगति	9 से 10 (S.E) के लिए जिला लक्ष्य	प्रगति	जिला अनुमोदित बजट (E.E)	प्रगति
1	अहमदाबाद	4,000	4,062	145	110	1,000	400
2	अमरेली	3,500	3,458	435	435	2,046	1,098
3	आणंद	3,500	3,558	0	0	1,901	919
4	अरावली	7,000	7,845	206	206	4,979	4,074
5	बनासकांठा	8,000	8,094	92	129	6,044	5,369
6	भरूच	2,098	2,006	281	174	1,989	669
7	भावनगर	4,929	4,967	1,000	643	1,507	162
8	बोटाद	1,082	1,082	204	204	1,171	43
9	छोटा उदेपुर	5,773	5,767	255	228	3,448	2,250
10	देवभूमि द्वारका	2,811	2,428	78	0	700	0
11	दाहोद	6,500	6,500	254	264	6,225	5,457
12	गांधीनगर	5,500	5,527	0	0	1,911	982
13	गिरसोमनाथ	5,000	4,855	400	98	3,000	1,675
14	जामनगर	2,030	2,030	0	0	700	0
16	कच्छ	3,980	3,980	451	260	900	300
15	जूनागढ़	4,500	4,290	131	131	1,759	397
17	खेड़ा	1,691	1,518	64	10	1,325	243
18	मेहसाणा	4,000	4,000	44	35	1,502	502
19	माहीसागर	7,600	7,743	325	331	5,563	4,591
20	मोरबी	1,695	1,739	56	0	700	0
21	नर्मदा	2,216	2,213	109	109	1,703	682
22	नवसारी	6,500	6,500	212	34	2,000	173
23	पंचमहल	8,000	8,149	784	651	5,373	4,302
24	पाटन	6,000	6,000	92	152	1,847	598
25	पोरबंदर	1,468	1,139	0	0	700	0
26	राजकोट	4,219	4,093	0	0	1,159	138
27	साबरकांठा	6,785	7,308	46	33	1,462	413
28	सूरत	8,500	8,499	170	170	5,300	2,718
29	सुरेन्द्रनगर	5,500	5,547	57	68	2,300	976
30	तापी	8,500	8,500	722	387	925	165
31	डांग	2,047	2,030	1,090	513	2,700	437
32	वडोदरा	4,415	4,415	5	0	1,321	276
33	वलसाड	7,000	6,980	738	612	8,600	6,993
34	अहमदाबाद कॉर्प.	6,235	5,797	0	0	1,891	869
35	राजकोट कॉर्प.	1,276	1,313	0	0	929	104
36	सूरत कॉर्प.	764	540	0	0	1,400	195
37	वडोदरा कॉर्प.	4,500	4,425	0	0	900	39
	कुल	1,69,114	1,68,897	8,446	5,987	88,880	48,209

स्कूल ऑन व्हील्स : (अंतर-राज्य माइग्रेंट नमक उत्पादन के लिए काम करने वाले श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए)

नमक उत्पादन के क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों के बच्चे सितंबर के आसपास रेगिस्तान में चले जाते हैं और अगले साल मई तक वहीं रहते हैं। उनके जाने की वजह से उन बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित होती है और वे उस दौरान पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। इन ड्रॉपआउट को कम करने और बच्चों को बिना किसी रुकावट के शिक्षा प्रदान करने के लिए शुरू में अस्थायी टेंट और संरचनाओं के प्रावधान की योजना बनाई गई थी, हालांकि, खराब मौसम की स्थिति के कारण वे लंबे समय तक नहीं टिक सकी। स्थायी स्कूल बुनियादी ढांचे की स्थापना नमकीन क्षेत्र और कठोर मौसम की खराब स्थितियों के कारण भी संभव नहीं हो पाई।

उपरोक्त चुनौतियों पर काबू पाने और बच्चों को निरंतर शिक्षा प्रदान करने के लिए, गुजरात ने नमक पैन निर्जन क्षेत्रों में काम करने वाले लगभग 8000 माइग्रेंट परिवारों के लगभग 386 बच्चों को निरंतर शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के लिए "स्कूल ऑन व्हील्स" नामक एक परियोजना की रूपरेखा तैयार की है। इस पहल के अधीन, GSRTC ने कम लागत पर 20 अप्रयुक्त बसें उपलब्ध कराई हैं, जिनका पुनर्निर्मित कर उन्हें कक्षा की आपूर्ति से सुसज्जित किया गया है जिसमें राइटिंग डेस्क, चार्ट, टीएलएम, ग्रीन राइटिंग बोर्ड और सॉफ्ट बोर्ड, ई-कंटेंट के साथ पेन-ड्राइव, डीएच सेट-टॉप बॉक्स के साथ एलईडी टीवी जिसके माध्यम से, छात्र Vande Gujarat चैनल के जरिए अपने अध्ययन को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं।, पेयजल और मध्याह्न भोजन, बैटरी बैकअप के साथ सौर प्रणाली जो आवश्यक बिजली, PVC फर्श, रोशनी और पंखे प्रदान करती है ताकि मोबाइल कक्षा के रूप में काम किया जा सके।

इन रीमॉडेल्ड बसों को साल्ट पैन के समीप चयनित स्थानों पर भेजा गया और पास के स्कूलों/सरकारी परिसरों में पार्क किया गया। सितंबर से मई के दौरान जब क्षेत्र साल्ट पैन में तब्दील हो जाता है, ये बसें मोबाइल कक्षाओं के रूप में काम करती हैं, जहाँ स्थानीय स्तर पर बाल मित्रों का चयन किया जाता है और शिक्षक बच्चों के लिए नियमित कक्षाएं संचालित करते हैं। पहले वर्ष में, परियोजना ने 500 बच्चों को शैक्षणिक सहायता प्रदान की और दूसरे वर्ष, बाल मित्रों और पास के विद्यालयों के संबंधित शिक्षकों के प्रयासों से यह संख्या बढ़कर 855 हो गई।

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के दौरान, स्कूल ऑन व्हील्स परियोजना के माध्यम से कुल 386 बच्चों को कवर किया जा रहा है।



बालिका शिक्षा



शिक्षा द्वारा बालिकाओं को सशक्त बनाना सिर्फ समानता से संबंधित नहीं है; बल्कि यह देश के भविष्य में एक रणनीतिक निवेश भी है। शिक्षा बालिकाओं को गरीबी के चक्र को तोड़ने, देश के आर्थिक विकास में अहम योगदान देने एवं एक स्वस्थ, अधिक स्थायी समुदायों को बढ़ावा देने के लिए उपकरण प्रदान करती है। साथ ही, शिक्षित महिलाओं के घर और समाज दोनों में निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने की अधिक संभावना होती है, जिससे समाज अधिक समावेशी और लोकतांत्रिक शासन के पथ पर बढ़ता है। इसलिए, बालिकाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुँच सुनिश्चित करना सिर्फ एक नैतिक अनिवार्यता नहीं है; बल्कि यह भारत की सामाजिक प्रगति और आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।

समग्र शिक्षा का यह मानना है कि बालिकाओं की शिक्षा को प्राथमिकता देना प्राथमिक शिक्षा तक विश्वव्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के प्रयास में महत्वपूर्ण है। समग्र शिक्षा में लिंग समानता पर जोर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) में बताए गए सिद्धांतों के साथ गहरा संबंध है, जो लिंग असमानताओं को संबोधित करने एवं बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देती है। महत्वपूर्ण रूप से, राष्ट्रीय शिक्षा नीति यह बताती है कि शिक्षा महिलाओं, बालिकाओं के सशक्तीकरण के बीच एक अंतर्निहित संबंध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, शिक्षा को एक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में कार्य करना चाहिए, महिलाओं में आत्म-विश्वास को बढ़ावा देना, उनके सामाजिक स्थान को सुदृढ़ करना, और विद्यमान असमानताओं का सामना करना चाहिए।

बालिका शिक्षा के अंतर्गत गतिविधियाँ:

1. जेंडर ऑडिट:

समग्र शिक्षा द्वारा जेंडर-रेस्पोंसिव शिक्षण तथा सीखने के माहौल का आकलन करने के लिए चेकलिस्ट (जेंडर ऑडिट) तैयार की गई थी। इस चेकलिस्ट में विभिन्न संकेतक शामिल हैं;

चेकलिस्ट को सभी जिला बालिका शिक्षा समन्वयकों (डीजीसीएस) और ब्लॉक एवं क्लस्टर संसाधन समन्वयकों के साथ साझा किया गया है।

चेकलिस्ट में संकेतकों को तीन मुख्य पहलुओं में विभाजित किया गया है।

- (A) स्कूल का भौतिक वातावरण
- (B) स्कूल का शैक्षिक वातावरण
- (C) शिक्षक-छात्र संवाद और शिक्षा शास्त्र

राज्य भर के स्कूल में जेंडर ऑडिट किया जाता है। जेंडर ऑडिट द्वारा प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों को फॉलो-अप कार्य के लिए अलग किया जाता है। जिसके माध्यम से जेंडर-रेस्पोंसिव को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकताओं हैं या नहीं की पहचान की जाती है।

जेंडर ऑडिट के निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए, पक्षपात-मुक्त कक्षाओं/स्कूल वातावरण की स्थापना की जाएगी। बाकी के जिलों में जेंडर संवेदनशीलता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सभी स्कूलों में स्वतंत्र रूप से जेंडर ऑडिट किए जाएंगे।

2. दिकरी नी सलाम, देश ने नाम

'हर बेटी को शिक्षित करें, वह राष्ट्र का गौरव बनेगी।' महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करने में भी मदद करती है। नारी शिक्षा, महिलाओं को यह अधिकार देती है कि वे अपने जीवन में सही मार्ग का चुनाव स्वयं कर सकें। शिक्षा महिलाओं को उनके कार्य में अधिक सृजनात्मक बनने में सहायता करती है। एक जानकार महिला के पास वे सभी कौशल, जानकारी, प्रतिभा और आत्म-विश्वास होते हैं, जो उसे एक बेहतर माँ, कर्मचारी एवं सभ्य नागरिक बनने के लिए आवश्यक हैं। शिक्षित बालिकाएं अपने बच्चों के अच्छे पालन-पोषण के माध्यम से देश का भविष्य उज्ज्वल बना सकती हैं। शिक्षा महिलाओं को स्वतंत्र रूप से सोचने की क्षमता देती है। यह उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाती है और उन्हें उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करती है।

समग्र शिक्षा गुजरात, वर्ष 2015-16 से प्रत्येक 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) को सभी सरकारी विद्यालयों में "दिकरी नी सलाम, देश ने नाम" कार्यक्रम मनाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत गाँव की उच्च शिक्षित लड़कियों द्वारा ध्वजारोहण किया जाता है और उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। समग्र शिक्षा इस अवसर पर लड़कियों से संबंधित वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का भी आयोजन करता है। इस विशेष अवसर पर विद्यालय नवजात बालिकाओं की माताओं को भी आमंत्रित करके उनका सम्मान करते हैं।



दाजीपुरा प्राथमिक स्कूल जिला - वडोदरा

3. रानीलक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण

रानीलक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बालिका विद्यार्थियों को अपराध के खिलाफ लड़ने के लिए सशक्त बनाना है। प्रत्येक बालिका विद्यार्थी को आत्म-रक्षा की तकनीकों का अभ्यास करना चाहिए। आत्म-रक्षा प्रशिक्षण बालिकाओं में आत्म-विश्वास बढ़ाने, दूसरों पर निर्भरता कम करने एवं शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है।

राज्य ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को लागू करने के लिए राज्य और जिला स्तर के कार्यालयों में गृह विभाग की सुरक्षा सेतु सोसायटी के साथ सहयोग किया है।

जिला स्तर पर एक समिति बनाई गई है और गृह विभाग के तहत "सुरक्षासेतु सोसाइटी" के साथ सहयोग करने वाली एजेंसियों को विद्यालय स्तर पर आत्म-रक्षा प्रदान करने के लिए चुना गया है।

समग्र शिक्षा ने सभी सरकारी उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में अध्ययनरत बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया है। प्रशिक्षण की योजना एवं उसके अनुसार कार्यान्वयन हो उसकी जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन समितियों (SMC) ने संभाली। जिसके द्वारा तीन महीने का आत्मरक्षा प्रशिक्षण सभी बालिकाओं को दिया गया, जिसमें जूडो कराटे, केट कराटे, फाइट कराटे और तीरंदाजी के निर्देश शामिल हैं। कुछ बालिकाओं ने इस प्रशिक्षण के बाद ब्लॉक, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक एवं प्रमाणपत्र भी प्राप्त किए हैं।



सं.	विद्यालय का प्रकार	शामिल विद्यालयों की संख्या
1	उच्च प्राथमिक विद्यालय	18,740
2	माध्यमिक विद्यालय	1,470



4. किशोर शिक्षा कार्यक्रम

उजास भणी... (किशोर शिक्षा कार्यक्रम - AEP) एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य छात्रों को सटीक, आयु-उपयुक्त एवं सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक जानकारी प्रदान करना है। यह पहल स्वस्थ दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है तथा छात्रों में उन कौशलों का विकास करती है, जो उन्हें वास्तविक जीवन की परिस्थितियों का सकारात्मक और जिम्मेदार तरीके से सामना करने में सक्षम बनाते हैं।

आयुष्मान भारत कार्यक्रम के स्वास्थ्य एवं कल्याण कम्पोनन्ट के हिस्से के रूप में, सभी सत्र स्वास्थ्य शिक्षा, स्वास्थ्य संवर्धन, और रोग निवारण को मिलाते हैं एवं उन्हें एकीकृत और व्यवस्थित तरीके से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। इस कार्यक्रम को स्कूल स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री प्रदान करने के लिए राज्य ने स्वास्थ्य विभाग, महिला और बाल विकास विभाग (WCD), एकीकृत बाल विकास सेवाएँ (ICDS), गुजरात राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (GCERT), बाल अधिकार संरक्षण आयोग (SCPCR), PDEU और UNISEF, सभी ने मिल कर साथ सहयोग किया है। प्रासंगिक विषयों पर जानकारी प्रदान करने के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञों को स्कूलों में आमंत्रित किया गया।

आईपी में शामिल विषय हैं:

1. स्वस्थ जीवन जीना
2. भावनात्मक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य
3. पारस्परिक संबंध
4. आदर्श एवं जिम्मेदार नागरिकता
5. लैंगिक समानता
6. पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता
7. मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम और प्रबंधन
8. स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना
9. प्रजनन स्वास्थ्य और एचआईवी की रोकथाम
10. हिंसा और चोटों से सुरक्षा और बचाव
11. इंटरनेट, गैजेट और मीडिया के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देना

जिला	विद्यालय का प्रकार	कवर किए गए विद्यालयों की संख्या
37	उच्च प्राथमिक विद्यालय	19,564
37	माध्यमिक विद्यालय	1,489



वल्लभनगर प्राथमिक विद्यालय, जिला-गांधीनगर

5. स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन

मासिक धर्म दिवस समारोह 28 मई को।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस (MH Day) हर साल 28 मई को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मासिक धर्म से जुड़े वर्जनाओं को तोड़ना और दुनिया भर में महिलाओं और किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

इस तिथि के प्रतीकात्मक महत्व के कारण 28 मई को मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया जाता है। एक मानव मासिक धर्म चक्र की औसत अवधि 28 दिन होती है, और मासिक धर्म स्वयं लगभग 5 दिनों तक रहता है (और मई वर्ष का 5वां महीना है)।

इसका उद्देश्य है:

- मासिक धर्म से जुड़ी वर्जनाओं को तोड़ना और दुनिया भर में महिलाओं एवं किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन से जुड़ी जानकारी एवं इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- यह सुनिश्चित करना कि स्वच्छता उत्पाद अधिक सुलभ हों।
- वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर MHM के लिए राजनीतिक प्राथमिकता बढ़ाने और कार्रवाई को उत्प्रेरित करने के लिए निर्णयकर्ताओं को शामिल करना।

MH दिवस 2023 का थीम है: "2030 तक मासिक धर्म को जीवन की एक सामान्य वास्तविकता बनाना"

सभी इस बात से सहमत हैं कि अच्छे मासिक धर्म स्वास्थ्य के लिए क्या जरूरी है? इसके मुख्य तत्व हैं: सुरक्षित, स्वीकार्य और भरोसेमंद साधन जिनसे मासिक धर्म को मैनेज किया जा सके; सामग्री बदलने के लिए निजी स्थान; सुरक्षित और निजी रूप से साफ-सफाई की सुविधा; और सही जानकारी ताकि सूझबूझ से निर्णय लिए जा सकें। जब शिक्षा, आधारभूत ढांचे, उत्पादन और मासिक धर्म से जुड़े कलंक को दूर करने के प्रयास एक साथ मिल कर किए जाते हैं, तब स्वास्थ्य के लिए अच्छे मासिक धर्म प्राप्त करने में सफलता मिलती है।

केजीबीवी बालिकाओं की रेड डॉट चैलेंज में भागीदारी- वर्चुअल

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की 30,000 लड़कियों ने रेड डॉट चैलेंज में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें वे सैटकॉम और टीवी टॉक शो के माध्यम से वर्चुअल लाइव सत्रों में शामिल हुईं।



કેજીબીવી ભદિયાદ, જિલા-અહમદાબાદ



કન્યા શિક્ષા શાખા, પોરબંદર

વડગામ તાલુકાના પ્રા.આ.કે. જલોત્રાના હેલ્થ એન્ડ વેલનેસ સેન્ટર જલોત્રા પર રટમે વિશ્વ માસિક સ્વચ્છતા દિવસની ઉજવણી કરવામાં આવી



તસવીર-અંબેવાલ : અખાસ મીર

(બનાસ જીરવા) તા.૨૮ જુનાના રોજ જિલ્લાના વડગામ તાલુકા ના પ્રા.આ.કે. જલોત્રા ના હેલ્થ એન્ડ વેલનેસ સેન્ટર જલોત્રા ખાતે તાલુકા આરોગ્ય અધિકારી શ્રી. ડૉ.પ્રકાશ ચૌધરી ના માર્ગદર્શન હેઠળ રાષ્ટ્રીય કિશોર સ્વાસ્થ્ય કાર્યક્રમ અંતર્ગત "વિશ્વ માસિક સ્વચ્છતા વ્યવસ્થાપન દિવસ" ની ઉજવણી કરવામાં આવી. જેમાં માસિક - માસિક દરમિયાન

સ્વચ્છતા રાખવી, સેનેટરી પેડ વિતરણ, પ્રજનન અંગે દ્વારા લગતા ચેપ વિશે માહિતી આપવામાં આવી, આઈ.એ.એ. ટેબલેટ વિતરણ, યુવાન અવસ્થામાં લગ્ન શારીરિક, માનસિક, સામાજિક કેન્દ્રો વિશે માહિતી, પોષ્ટિક આહાર થી લેતા- કષ્ટદાનું વિશે સમજણ આપવામાં આવી.

આરોગ્ય લક્ષી પ્રોગ્રામ વિશે કિશોરીઓ ને માહિતગાર કરવામાં આવ્યું. જેમાં ડૉ. નિલમ ચૌધરી મૅડિકલ ઓફિસર જલોત્રા, તાલુકા હેલ્થ સુપરવાઈઝર લક્ષ્મણભાઈ નાથી, તાલુકા હેલ્થ વિગ્રીટર રમીલાબેન, ડૉ.નુપાબેન ચૌધરી છાપી, ડી.હે.સુ. જલોત્રા, મ.પ.દ.સુ. જલોત્રા, નમામ દિ.દે.વ., આશાબેનો, આશા કેસીલેટર બેનો, તથા અંદાજે ૧૫૩ જેટલા એડોલેસન્ટ તેમજ એડોલેસન્ટ હાજર રહ્યા હતા. તમામ કિશોરીઓનું એચ.બી. કરવામાં આવ્યું.



કચ્છ ભાસ્કર 28-05-2023

પ્રાથમિક આરોગ્ય કેન્દ્ર સુખપર મધ્યે માસિક સ્વચ્છતા દિવસની ઉજવણી

ભાસ્કર ન્યૂઝ બુજ

બુજ તાલુકાના પ્રાથમિક આરોગ્ય કેન્દ્ર સુખપર મધ્યે જિલ્લા આર સી એચ અધિકારી શ્રી ડૉ. જે.એ. ખત્રી સાહેબના અધ્યક્ષ સ્થાને કાર્યક્રમ યોજાયો હતો. કાર્યક્રમની શરૂઆત ટીપ પ્રાગટ્ય થી કરવામાં આવી ત્યાર બાદ આયુષ મેડિકલ ઓફિસર ડૉ. અંકિતલેખન દ્વારા માસિક ચક્ર, માસિક ને લગતી આરોગ્યલક્ષી માહિતી તેમજ કેટલીક ગેરમાન્યતા વીરો વિશેષ માહિતી પૂર્ણ કરી, એડોલેસન્ટ હેલ્થ કાઉન્સેલર કાનજી મહેશ્વરી દ્વારા આ સમય દરમિયાન વર્તનમાં થતા કેન્દ્રો અને વકતિગત સ્વચ્છતા વિશે સમજણ, હીનાબેન



દ્વારા માસિક દરમિયાન રાખવાની સ્વચ્છતા તેમજ સેનેટરી પેડ વિશે માહિતી આપી, સંડીપભાઈ, દ્વારા કિશોરીઓને જુદા જુદા પ્રશ્નો કરીને તેના પર ચર્ચા કરી હતી. સુખના બેન દ્વારા સેનેટરી પેડની નિકાલ કઈ રીતે કરવો તેમજ સમગ્ર સ્ટાફના સહયોગથી કાર્યક્રમ સફળ રહ્યો.

પૂરી પાડી બધી કિશોરીઓને સેનેટરી પેડ, પેમેલેટ વિતરણ તેમજ હિમોગ્લોબિન ચેક કરવામાં આવ્યું અને પ્રોત્સાહિત કીટ બોટલનું વિતરણ કરવામાં આવ્યું હતું. કાર્યક્રમમાં વિપુલભાઈ તેમજ સમગ્ર સ્ટાફના સહયોગથી કાર્યક્રમ સફળ રહ્યો.

6. गुजरात के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 'मेनस्ट्रुअल कॉर्नर' की स्थापना

समग्र शिक्षा गांधीनगर का मुख्य उद्देश्य गुजरात के छात्रों, विशेषकर बालिकाओं में मासिक धर्म की शिक्षा को बेहतर तरह से समझाना है, जिसके लिए मेनस्ट्रुअल कॉर्नर की स्थापना की गई है। मासिक धर्म की शिक्षा में सुधार से स्कूल में अनुपस्थिति की दर में कमी, मासिक धर्म की प्रक्रिया की प्रभावी जानकारी तथा अंडाशय या प्रीमेनस्ट्रुअल विकारों के लक्षणों की पहचान की जा सकती है। उचित शिक्षा से मासिक धर्म से जुड़े शरीर के प्रति पूर्वाग्रह रहित जागरूकता पैदा होती है और इसे एक मूलभूत मानव अधिकार के रूप में मान्यता मिलती है।



केजीबीवी काजरडी जिला- गिर सोमनाथ



केजीबीवी चिरोदा, थंगा जिला- सुरेंद्रनगर

मेनस्ट्रुअल कॉर्नर की स्थापना अलग अलग चरणों में की जा रही है, जिसकी शुरुआत पूरे गुजरात में 249 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय और सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों से की जा रही है। राज्य इस पहल को सभी उच्च प्राथमिक सरकारी विद्यालयों में भी विस्तार देने की योजना बना रहा है। यूनिसेफ द्वारा प्रस्तावित इन मेनस्ट्रुअल कॉर्नर्स में निम्नलिखित शामिल हैं:

दृश्य सहायता यंत्र और इंटरएक्टिव सूचना, शिक्षा और संचार (IEC) सामग्री, इनका उद्देश्य छात्रों को मासिक धर्म के बारे में बिना किसी बाधा के जानकारी प्रदान करना है, जो किशोर स्वास्थ्य और समग्र कल्याण में गहराई से जुड़ी हुई है।

एक मेनस्ट्रुअल कॉर्नर इकाई में शामिल होता है:

1. शिक्षा के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल
2. किशोरियों के लिए पुस्तिकाएँ और पॉकेट बुकलेट
3. जागरूकता पोस्टर और लिफलेट एवं एप्रन
4. इंटरैक्टिव गेम
5. बेसिक दवा और स्वास्थ्य निगरानी चार्ट
6. सेंपल ऐब्सॉर्बेंट
7. हायजिन किट
8. ऑडियो-विजुअल टूल्स
9. सेट-अप करने के लिए टेबल

MHM कॉर्नर पर प्रशिक्षण:

5-6 अक्टूबर, 2023 को जिला जेंडर समन्वयकों, बीआरसी/सीआरसी और पीएम श्री स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य एक मेनस्ट्रुअल कॉर्नर यूनिट के प्रभावी उपयोग के लिए मास्टर प्रशिक्षकों की क्षमता का निर्माण करना था। इस प्रशिक्षण के दौरान, प्रशिक्षकों को जिला, ब्लॉक और स्कूल स्तर पर व्यापक सत्र आयोजित करने के लिए भी तैयार किया गया। इन सत्रों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) के विभिन्न पहलुओं जैसे जागरूकता, पहुंच, उपयोग, और सुरक्षित निपटान पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य एमएचएम मूल्य श्रृंखला की गहन समझ को बढ़ावा देना था ताकि प्रशिक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रसार कर सकें, जिससे मासिक धर्म स्वास्थ्य शिक्षा के लिए एक अधिक व्यापक और प्रभावी दृष्टिकोण को प्रोत्साहन मिले।



एमएचएम कॉर्नर ट्रेनिंग, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर



एमएचएम कॉर्नर ट्रेनिंग, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर

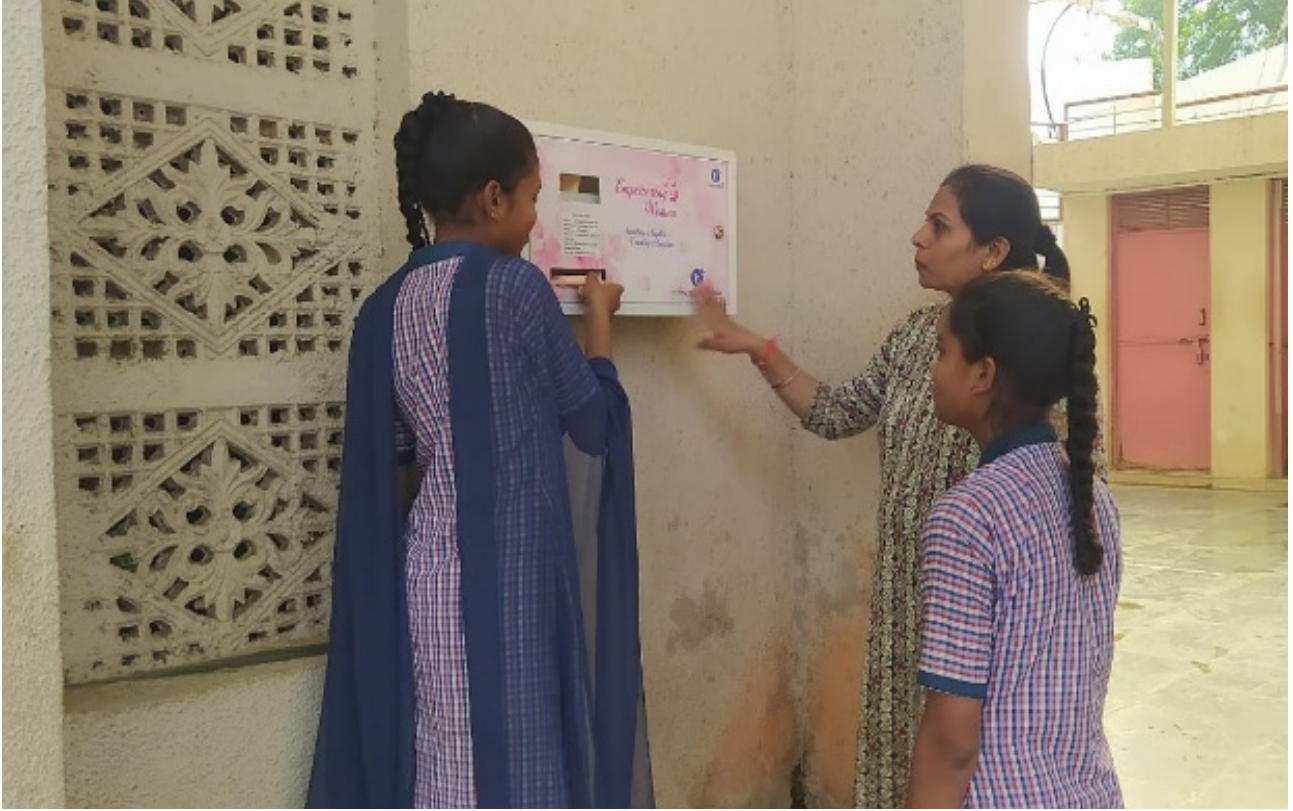
7. सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन की स्थापना

“किशोरी स्वाभिमान”

“किशोरी स्वाभिमान” परियोजना के तहत समग्र शिक्षा ने PAB की वार्षिक स्वीकृति के अनुसार प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन स्थापित की है।

सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें मासिक धर्म में होने वाली बालिकाओं में सशक्तिकरण और सम्मान की भावना को बढ़ावा देती हैं एवं मासिक धर्म के बारे में चर्चा को सामान्य बनाने, मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक अवधारणाओं को कम करने एवं एक सहायक और समावेशी स्कूल वातावरण को बढ़ावा देने में मदद करती हैं।





8. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी)



कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) योजना भारत सरकार द्वारा अगस्त 2004 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं के लिए कठिन क्षेत्रों में आवासीय स्कूलों की स्थापना करना है। बालिकाओं का आयु के अनुसार कक्षा 6 से 8 में नामांकन किया जाता है, जो कि उनके आयु के अनुसार और RTE अधिनियम, 2009 / MHRD दिशा-निर्देशों के अनुसार है। जिन बालिकाओं ने कभी स्कूल नहीं देखा है, उनके लिए विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की व्यवस्था की गई है, जिसमें न्यूनतम 3 महीने, अधिकतम 6 महीने या 6 महीने से अधिक का प्रशिक्षण शामिल है।

वर्तमान में, गुजरात में, समग्र शिक्षा के तहत कुल 249 KGBVs स्थापित हैं। जिनमें से 168 KGBVs भारत सरकार के सहयोग से और 81 गुजरात सरकार के सहयोग से संचालित किए जा रहे हैं। कुल 249 KGBVs में से, यहाँ मुख्य रूप से चार प्रकार के KGBVs हैं: I

टाइप-I (कक्षा 6-8) टाइप-II (कक्षा 6-10) टाइप-III (कक्षा 6-12) टाइप-IV (कक्षा 9-12)

केजीबीवी में श्रेणीवार नामांकन की स्थिति:

प्रकार	केजीबीवी स्वीकृत	केजीबीवी संचालन	एससी	एसटी	ओबीसी	बीपीएल	अल्पसंख्यक	कुल
I	19	19	33	461	358	256	18	1,126
II	18	18	148	420	484	439	15	1,506
III	133	133	1,293	5,428	6,496	3,843	422	17,482
IV	81	79	1,018	1,652	2,985	1,646	324	7,625
	251*	249	2,492	7,961	10,323	6,184	779	27,739

* 251 KGBVs में से 12 KGBVs जनजातीय विभाग द्वारा संचालित हैं और इन 12 जनजातीय KGBVs में से 10 KGBVs कार्यरत हैं।

I. कर्मचारियों की क्षमता निर्माण:

राज्य ने विभिन्न विषयों को कवर करते हुए व्यापक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया है। इन सत्रों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) प्रबंधन समिति (KMC) के सदस्यों, KGBV वार्डन के लिए स्वास्थ्य, पोषण और एनीमिया पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रशिक्षण शामिल था, साथ ही करियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन और मेनस्ट्रुअल हेल्थ कॉर्नर की स्थापना, एकल नोडल एजेंसी (SNA) और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (PFMS) खातों पर मार्गदर्शन और स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण के 11 विषयों के कार्यान्वयन को भी कवर किया गया।

आयुष्मान भारत दिशा-निर्देशों के अंतर्गत कार्यक्रम। इसके अलावा, प्रशिक्षण में KGBV प्रबंधन और प्रशासन, संस्थागत स्वामित्व, बाल अधिकार, बच्चों से यौन अपराधों की सुरक्षा अधिनियम (POCSO), साइबर जागरूकता और सुरक्षा पर भी ध्यान दिया गया। इसके अलावा, KGBV वार्डेंस और जिला जेंडर समन्वयकों के लिए दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें KGBV की सुरक्षा और संरक्षण, प्रबंधन, बजट और खर्च पर जोर दिया गया।



वलसाड: धरमपुर

II. शैक्षणिक गतिविधियाँ:

- सेमेस्टर परीक्षाओं के आधार पर, प्रत्येक KGBV प्रधानाध्यापक कक्षा 6, 7 और 8 के संबंधित कक्षा-अध्यापकों के साथ शैक्षणिक रिकॉर्ड बनाए रखता है एवं विशेष प्रशिक्षण आयोजित करता है।
- माध्यमिक विद्यालय की बालिकाओं के लिए विज्ञान और गणित जैसे विषयों में अतिरिक्त कोचिंग उपलब्ध है।
- राज्य स्तर पर सभी विषयों के लिए साप्ताहिक यूनिट परीक्षण आयोजित किए गए, और प्रत्येक बालिका का डेटा सभी शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन डेटाबेस में दर्ज किया गया।
- शिक्षक शिक्षण-सीखने के सहायक उपकरण डिजाइन और तैयार करते हैं, जिनका उपयोग वे नियमित या पुल पाठ्यक्रम कक्षाओं में करते हैं।
- शिक्षकों को ज्ञानकुंज उपकरण संचालित करने पर प्रशिक्षित किया गया है, और केजीबीवी में इंटरनेट एक्सेस उपलब्ध है जिससे अतिरिक्त प्रासंगिक जानकारी और सभी विषयों के लिए ई-समग्री तक पहुंच प्राप्त की जा सके।
- केजीबीवी को स्मार्ट कक्षा (ज्ञानकुंज) और ICT लैब्स से अपडेट किया गया है।
- केजीबीवी की बालिकाओं G-SHALA एप्लिकेशन का उपयोग करके अपनी पढ़ाई को बढ़ावा देती हैं।
- विज्ञान स्ट्रीम के छात्रों को G-SHALA के माध्यम से NEET और JEE की तैयारी के लिए ऑनलाइन समर्थन प्राप्त हुआ।



टैबलेट द्वारा अध्ययन - केजीबीवी - शंखोई, भरूच

III. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में भविष्य की तैयारी और विद्यालय नेतृत्व विकास के लिए संवादात्मक अंग्रेजी

- कोटक एजुकेशन फाउंडेशन (KEF) ने 16 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (KGBVs) में छात्रों के लिए अंग्रेजी में बातचीत करने में सुधार करने तथा कक्षा 6, 7 और 8 में भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया, साथ ही वार्डन cum हेड टीचर्स, असिस्टेंट वार्डन cum हेड टीचर्स और वार्डन के नेतृत्व कौशल (LEAD) को मजबूत करने पर भी ध्यान दिया।
- कोटक एजुकेशन फाउंडेशन ने 16 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (KGBVs) में से प्रत्येक के लिए एक समन्वयक नियुक्त किया, जिनका कार्य कक्षा 6, 7 और 8 के छात्रों को भविष्य की तैयारी के लिए संवादात्मक अंग्रेजी (CEFR) सिखाना था। इन समन्वयकों को वार्डन cum हेड टीचर्स और असिस्टेंट वार्डन cum हेड टीचर्स के लिए नेतृत्व विकास (LEAD) सत्र आयोजित करने का भी कार्य सौंपा गया।
- इस कार्यक्रम ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (KGBVs) की बालिकाओं को अपनी अंग्रेजी संचार कौशल को बेहतर बनाने में मदद की है, जिससे वे शारीरिक और डिजिटल दोनों प्लेटफार्मों पर अभ्यास कर सकें।

IV. प्रोजेक्ट 'जिज्ञासा' (क्यूरियोसिटी प्रोग्राम) – IIT गांधीनगर के सहयोग से

- शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने की जरूरतों को पूरा करने के लिए, ताकि छात्र सक्रिय रूप से सीख सकें, पाठ्यक्रम को रोचक बनाया जा सके, और बहुविषयक एवं आलोचनात्मक/सृजनात्मक सोच को बढ़ावा दिया जा सके, NEP 2020 इस तरह के दृष्टिकोण का जोर शोर से समर्थन करता है
- अनुभवात्मक, जांच आधारित, और बहुविषयक सीखने के तरीकों में खेलौनों और पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्रियों का निर्माण और अन्वेषण, साधारण और आसानी से उपलब्ध सामग्रियों के साथ गतिविधियों में भाग लेना, और खेलों और कला को विज्ञान और गणित के साथ जोड़ना शामिल है।

यह सभी चीजें रचनात्मकता को विकसित करने, अवधारणात्मक समझ को बढ़ाने, और वास्तविक जीवन के अनुभवों से संबंध स्थापित करने में मदद कर सकती हैं। इस तरह का दृष्टिकोण, NEP 2020 के दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है, हमारे कक्षाओं को जीवंत और प्रेरणादायक बना देगा। इससे न केवल छात्रों को उत्साहित किया जाएगा, बल्कि हमारे शिक्षकों को भी सशक्त बनाया जाएगा।

- समग्र शिक्षा गुजरात ने IIT गांधीनगर के सहयोग से गुजरात के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (KGBVs) में विज्ञान और गणितीय अवधारणाओं पर ऑनलाइन सत्र आयोजित करने की पहल की है। ये प्रत्येक सप्ताह दो ऑनलाइन सत्र महत्वपूर्ण जानकारी और ज्ञान प्रदान करते हैं।
- KGBV की वार्डन यह सुनिश्चित करती हैं कि वीडियो शुरू करने से पहले KGBVs में पर्याप्त सामग्री उपलब्ध हो। यह देखा गया है कि बालिकाओं ने सत्र खत्म करने के बाद प्रयोग भी किए हैं, जिससे उनके विज्ञान के विषय में जिज्ञासा बढ़ी है।



IIT गांधीनगर में केजीबीवी वार्डनों और शिक्षकों की आवासीय प्रशिक्षण

- जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत, क्रिएटिव लर्निंग सेंटर (सीसीएल) ने आईआईटी गांधीनगर में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गुजरात भर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) के शिक्षकों, वार्डन और लेखाकारों सहित 165 कर्मचारी शामिल हुए। यह कार्यशाला क्यूरियोसिटी प्रोग्राम का एक घटक है, जो सीसीएल और राज्य सरकार द्वारा एक सहयोगात्मक ऑनलाइन पहल है जिसका उद्देश्य केजीबीवी स्कूलों में बालिकाओं के बीच वैज्ञानिक सोच और गणितीय मानसिकता को बढ़ावा देना है। कार्यशाला तीन अलग-अलग बैचों में आयोजित की गई थी। कार्यशालाओं के दौरान भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान से संबंधित 12 से अधिक सत्र आयोजित किए गए।



आईआईटी गांधीनगर

V. केजीबीवी में पाठ्येतर गतिविधियाँ:

- KGBV की बालिकाओं ने विभिन्न विभागों जैसे GCERT, प्राथमिक शिक्षा विभाग और अन्य द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे प्रोजेक्ट वर्क, निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, विज्ञान मेले, चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और योग में भाग लिया।
- पूरे वर्ष, बालिकाओं ऐसी गतिविधियों में भाग लेती हैं जो उनके कौशल के विकास के लिए सहायक होती हैं जैसे ग्लास पेंटिंग, कचरे से उपयोगी वस्तुएं बनाना, बागवानी और साप्ताहिक प्रदर्शन दौरे।
- गतिविधियों का विवरण नियमित रूप से शगुन पोर्टल पर अपलोड किया जाता है।



VI. स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाए रखना और बालिकाओं के समग्र स्वास्थ्य का आकलन करना:

- हर तीन महीने में स्वास्थ्य जांच की जाती है। स्वास्थ्य जांच के दौरान बालिकाओं की ऊंचाई, वजन और बेसिक मेटाबोलिक इंडेक्स (बीएमआई) की गणना की जाती है।
- हर तिमाही में रिकॉर्ड प्रदर्शित और अपडेट किए जाते हैं और तदनुसार बालिकाओं के आंकड़ों की निगरानी की जाती है।
- केजीबीवी में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंसिनेरेटर उपलब्ध कराए गए हैं।
- सभी बालिकाओं को सीएचसी/पीएचसी की मदद से सप्ताह में दो बार आयरन-फोलिक टैबलेट दी जाती है।

VII. केजीबीवी सुरक्षा दिशानिर्देश

बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसके लिए दिशा-निर्देश NCPCR (राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग) के दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार किए गए हैं और समग्र शिक्षा द्वारा सभी जिलों को जारी किए गए हैं। दिशा-निर्देशों में रसोई, खेल के मैदान एवं अभिभावक-मिलन सुरक्षा उपायों के विशिष्ट कार्यान्वयन के बारे में बताया गया है।

VIII. किचन गार्डन:

इसका उद्देश्य छात्रों को रसायन मुक्त एवं पोषक तत्वों से भरपूर जैविक सब्जियाँ तथा फल उपलब्ध कराना है। इससे छात्रों को सीखने का अवसर भी मिलता है। KGBV प्रबंधन स्थान, पानी और अन्य ज़रूरतों जैसे बीज और ज़रूरी उपकरण उपलब्ध करा रहा है। इन प्रथाओं के तहत, विद्यालय बगीचे बनाए जाते हैं और छात्रों को पोषण और संतुलित आहार के महत्व के बारे में सिखाया जाता है। उन्हें स्वच्छता और एक स्वस्थ जीवनशैली की आवश्यकता से भी परिचित कराया जाता है।



केजीबीवी आह्ला, जिला डांग

IX. व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण:

NIOS के माध्यम से और NSQF पाठ्यक्रमों के अनुरूप राज्य ने व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था की है। व्यावसायिक कौशल में प्रशिक्षण शिक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। केजीबीवी में प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्य-आधारित और कैरियर-उन्मुख प्रशिक्षण हैं। इस प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप बालिकाओं को आत्मविश्वास बढ़ता है, जो उन्हें भविष्य में काम खोजने में मदद करेगा।



X. अभिसरण रणनीति

राज्य में बालिका शिक्षा में सुधार के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, एसएस ने एक साथ मिलकर काम करने की रणनीति के रूप में समन्वय को अपनाया है। राज्य के KGBV शिक्षा विभाग के सहयोग से काम कर रहे हैं।

"संयोग/एकीकरण निम्नलिखित के साथ किया गया है:"

महिला एवं बाल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जनजातीय विभाग, सड़क एवं भवन विभाग, NIOS, खेल, युवा एवं सांस्कृतिक विभाग, गृह विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग और बाल संरक्षण विभाग।

XI. KGBV बालिकाओं के प्रशंसा पत्र - KGBV बालिकाओं की सफलता की कहानी

केजीबीवी बालिकाए - मोरी केनिशाबेन मानसिंग भाई जिला: गिर सोमनाथ केजीबीवी: वेरावल शहरी, गिर सोमनाथ वर्तमान स्थिति - केनिशा शान्तबा मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल, अमरेली में एमबीबीएस के द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं।	
केजीबीवी बालिका - चौहान निताबेन मनुभाई जिला: गिर सोमनाथ केजीबीवी: कजाड़ी, गिर सोमनाथ वर्तमान स्थिति - निता शान्तबा मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल, अमरेली में एमबीबीएस के पहले वर्ष की छात्रा हैं।	
केजीबीवी बालिका - गोहिल कनकबेन पथुभाई जिला: भावनगर केजीबीवी: शेतंरुंजीडेम, भावनगर वर्तमान स्थिति - कनकबेन सशस्त्र सीमा बल (SSB) में कार्यरत हैं।	
केजीबीवी बालिका - वसावा कोकिलाबेन कलियाभाई जिला: नर्मदा केजीबीवी: निगहत, नर्मदा वर्तमान स्थिति - नंदोद, नर्मदा में पुलिस कांस्टेबल के रूप में कार्यरत हैं।	
केजीबीवी बालिका - गबू मनीषाबेन जयंतिभाई जिला: सुरेंद्रनगर केजीबीवी: चिरोड़ा, सुरेंद्रनगर वर्तमान स्थिति - सरकारी अस्पताल, खेड़ा में नर्स के रूप में कार्यरत हैं।	

सोशियल ऑडिट



4 सोशियल ऑडिट

सोशियल ऑडिट का मूल उद्देश्य समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन में सार्वजनिक उत्तरदायित्व को बढ़ाना है। यह प्रक्रिया लोगों की भागीदारी और निगरानी को ऑडिट अनुशासन की आवश्यकताओं के साथ जोड़ती है। यह दोष निकालने की नहीं, बल्कि तथ्य खोजने की प्रक्रिया है।

गुजरात में सोशल ऑडिट का आयोजन महात्मा गांधी श्रमिक संस्थान ने किया। यह गुजरात सरकार के संकल्प SSG/SAD/e-file/354/2023/0136/SMC और SMDC प्रशिक्षण/N दिनांक 11-09-2023 के अनुसार अनुमोदित था।

महात्मा गांधी श्रमिक संस्थान (MGLI) की स्थापना 15 सितंबर, 1979 को गुजरात सरकार द्वारा समाजों के पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक स्वायत्त सोसाइटी के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य सामंजस्यपूर्ण औद्योगिक संबंधों और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की सरकार की नीति को आगे बढ़ाने के लिए श्रम और संबंधित विषयों में शिक्षा, प्रशिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान की व्यवस्था करना है।

सोशल ऑडिट की प्रक्रिया

सोशल ऑडिट दिशानिर्देशों के अनुसार, 20% स्कूलों को विशेष मानदंडों के आधार पर सोशियल ऑडिट के लिए चुना गया। इन मानदंडों में निम्नलिखित शामिल थे:

- चयनित स्कूलों में 25% में अनुसूचित जनजातियों (ST) या अनुसूचित जातियों (SC) की जनसंख्या अधिक थी।
- 25% स्कूल या तो केवल बालिकाओं के स्कूल थे या उनमें छात्राओं का नामांकन अधिक था।
- 25% स्कूलों में या तो स्कूल छोड़ने की दर बहुत अधिक थी या फिर इनमें बड़ी संख्या में गरीबी रेखा से नीचे (BPL) जीवनयापन करने वाले परिवारों के बच्चे पढ़ते थे।
- 25% स्कूल नियमित स्कूल थे जिनमें कोई विशेष जनसांख्यिकीय भेद नहीं था।
- चयन प्रक्रिया ने संपूर्ण सोशियल ऑडिट के लिए विभिन्न प्रकार के स्कूलों का संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया।

जिला शिक्षा अधिकारियों (DEOs), जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों (DPEOs), और समग्र शिक्षा के प्रतिनिधियों के साथ राज्य के सभी 33 जिलों में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। सोशियल ऑडिट की तैयारी के लिए, गुजरात भर में 254 तालुकाओं और चार नगर निगमों में फैले 14 शहरी संसाधन केंद्रों (URCs) पर सामाजिक ऑडिट सुविधा टीमों (SAFTs) का गठन किया गया। मास्टर प्रशिक्षकों को उनका प्रशिक्षण 12 फरवरी, 2024 को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) के शिक्षकों द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में दिया गया।

राज्य के सभी 33 जिलों में समन्वय प्रबंधन के लिए 6 टीमों गठित की गईं। उन्होंने 26 फरवरी, 2024 से 2 मार्च, 2024 तक 6 दिनों की अवधि में जिला स्तरीय बैठकें सफलतापूर्वक आयोजित कीं गईं।

2 मार्च, 2024 तक इन बैठकों में विभिन्न शैक्षणिक अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (DPEOs), जिला शिक्षा अधिकारी (DEOs), समग्र शिक्षा के प्रतिनिधि, ब्लॉक संसाधन केंद्र समन्वयक (BRCC) और TPEOs शामिल थे। इन बैठकों के बाद, राज्य के 254 ब्लॉक के प्रत्येक ब्लॉक में तीन ऑडिटर्स को प्रशिक्षित करते हुए सोशियल ऑडिट सुविधा टीमों (SAFTs) के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

सोशियल ऑडिट के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों में पर्चे और पोस्टर वितरित करना शामिल था। ये सामग्री 7,205 स्कूलों तक पहुँची, जिसमें ऑडिट के लिए चुने गए 20% स्कूल और राज्य भर के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) स्कूल और सीज़नल छात्रावास शामिल थे। 15 मार्च, 2024 तक, राज्य भर के 7,000 स्कूलों में डेटा संग्रह प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी।



विशेष आवश्यकता
वाले बच्चों के लिए
समावेशी शिक्षा
(IE-CWSN)



5 विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (IE-CWSN)

समावेशी शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें सभी प्रकार के विद्यार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने और शिक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा से बाहर या शिक्षा के बहिष्करण को कम करने का प्रयास किया जाता है। इसमें पाठ्यक्रम, दृष्टिकोण, संरचनाओं और रणनीतियों में बदलाव और संशोधन शामिल होते हैं, जिसका एक सामान्य लक्ष्य यह है कि सभी उपयुक्त आयु वर्ग के बच्चों को शामिल किया जाए और इस विश्वास के साथ काम किया जाए कि सभी बच्चों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी सामान्य शिक्षा प्रणाली की है। समावेशी शिक्षा का उद्देश्य शिक्षा को सभी के लिए एक अधिकार के रूप में समर्थन देना है, जिसमें विशेष रूप से वंचित समूहों, लड़कियों और महिलाओं, दिव्यांग बच्चों और स्कूल से बाहर के बच्चों की भागीदारी और सीखने में आने वाली बाधाओं को दूर करने पर जोर दिया जाता है। इसका अंतिम उद्देश्य एक ऐसा स्कूल है, जहाँ सभी बच्चे भाग लेते हों और उन सभी के साथ समान रूप से व्यवहार किया जाता हो।

नई एकीकृत योजना समग्र शिक्षा के तहत स्कूल शिक्षा के लिए प्रशासनिक व्यवस्थाओं को पुनर्गठित किया गया। इस योजना का उद्देश्य सभी बच्चों, जिनमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (CWSN) भी शामिल हैं, की शिक्षा को पूर्व-प्राथमिक से लेकर कक्षा XII तक एक निरंतरता में देखना है। यह योजना दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम (RPwD), 2016 में उल्लिखित के साथ एक या एक से अधिक दिव्यांग सभी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को कवर करती है, जो सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय के स्कूलों में पढ़ रहे हैं। इस प्रक्रिया का हिस्सा है प्राथमिक शिक्षा (कक्षा I-VIII) में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का समावेश, जिसे समग्र शिक्षा अभियान द्वारा समर्थन दिया जाता है। साथ ही, माध्यमिक स्तर पर विकलांगों के लिए समावेशी शिक्षा (IEDSS) योजना (कक्षा IX-XII) को भी इसमें समाहित किया गया है।

रिपोर्टिंग अवधि (2023-24) के दौरान, समग्र शिक्षा, गुजरात ने विभिन्न छात्र केंद्रित गतिविधियों के लिए समर्थन प्रदान किया है, जिसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) की पहचान और मूल्यांकन, सहायक उपकरण, चिकित्सा सर्जरी, ब्रेल पुस्तकें, बड़े फॉन्ट वाली पुस्तकें और यूनिफॉर्म, चिकित्सीय सेवाएं, शिक्षण-शिक्षण सामग्री (TLM) का विकास, सहायक उपकरण और उपकरण, सकारात्मक दृष्टिकोण और CWSN की आवश्यकताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पर्यावरण निर्माण और ओरिएंटेशन प्रोग्राम शामिल हैं। इसके अलावा, शैक्षिक सामग्री की खरीद/विकास, विशेष शिक्षकों और सामान्य शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम में अनुकूलन पर इन-सेवा प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। यह घटक निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE), 2009 के कार्यान्वयन पर भी भार देता है, जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (6-14 वर्ष की आयु समूह) के लिए है। इसके अतिरिक्त, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की आवश्यकताओं को ठीक से संबोधित करने के लिए विशेष शिक्षकों की वेतन के लिए अलग से संसाधन सहायता (वित्तीय सहायता) भी उपलब्ध कराई जाती है। उपरोक्त गतिविधियों के अलावा, CWSN के सीखने के स्तर को सुधारने और विशेष शिक्षकों को स्कूलों में CWSN की शिक्षा का समर्थन करने में अधिक समय बिताने के तरीकों की योजना बनाने और कार्यान्वयन पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्राथमिक और माध्यमिक दोनों ही स्तरों पर लागू की गई हस्तक्षेप/गतिविधियाँ (2023-24):

CWSN की पहचान और नामांकन:

- प्रवेश अभियान से पहले, जिला समन्वयक, बीआरसी, सीआरसी, इन-सर्विस शिक्षकों, स्पेशल एड्युकेटर, रिसोर्स पर्सन और बालमित्रों को स्कूल से बाहर के बच्चों (OoSC) सहित CWSN की पहचान के लिए प्रशिक्षित किया गया।
- घरेलू सर्वेक्षण आयोजित किया गया और स्कूल से बाहर के CWSN की पहचान की गई।
- शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में, 2,450 बालवाटिका और 1,835 कक्षा 1 में नामांकन सहित कुल 70,077 CWSN को नजदीकी स्कूलों में उनके आयु-उपयुक्त कक्षाओं में नामांकन करवाया गया।



शाला प्रवेशोत्सव

आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016 के अनुसार दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग और पहचान के लिए मूल्यांकन:

- स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम / RBSK (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) आयोजित किया गया।
- स्पेशल एड्युकेटर और CWSN के माता-पिता/अभिभावकों ने दिव्यांग मूल्यांकन के लिए नजदीकी CHC / जिला सिविल अस्पताल का दौरा किया।
- स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के साथ समन्वय में स्पेशल एड्युकेटर ने चिकित्सा प्रमाण पत्र और यूनिक दिव्यांग आईडी कार्ड (UDID) जारी करने की प्रक्रिया में सहायता की। इसके परिणामस्वरूप, आज तक 40,463 CWSN को विकलांगता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है, जो 70,077 का 81% है।
- दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए सभी स्कूल प्रमुखों, शिक्षकों और स्पेशल एड्युकेटर को प्रशस्त : - प्री-असेसमेंट होलिस्टिक स्क्रीनिंग टूल के लिए ओरिएंटेड और ट्रेड किया गया। इसके परिणामस्वरूप, कुल 86,773 वैध उपयोगकर्ता प्रशस्त (PRASHAST) ऐप पर पंजीकृत हैं, जिनमें 69,470 शिक्षक, 16,409 प्रधानाध्यापक, और 894 स्पेशल एड्युकेटर शामिल हैं।



सहायक उपकरण और आपूर्ति की व्यवस्था:

15879 उपयोग के लिए तैयार ऐड्स और एप्लायंस का वितरण पूरा कर लिया गया है। वितरण शिविरों के अलावा, एएलआई एमसीओ (ALIMCO), उज्जैन के चार डॉक्टरों और चिकित्सकों की टीमों द्वारा प्रखंड स्तर पर मूल्यांकन शिविर भी आयोजित किए गए।

भत्ते (यातायात, एस्कॉर्ट, पाठक, बालिका भत्ता, आदि)

- योग्य CwSN को उनके पंजीकृत स्कूल और संसाधन कक्ष में पहुँचने में सहायता के लिए यातायात और एस्कॉर्ट भत्ते प्रदान किए गए, ताकि वे शैक्षणिक, चिकित्सीय और सुधारात्मक सेवाओं का लाभ उठा सकें।
- कक्षा 9 से 12 के दृष्टिहीन छात्रों के लिए पाठक भत्ता।
- बालिका भत्ता उन सभी बालिकाओं के लिए जो एक या अधिक दिव्यांगता से ग्रस्त हैं।
- गंभीर/गहन दिव्यांग बच्चों को होम-बेस्ड एजुकेशन (HBE) भत्ता प्रदान किया गया, जो शय्याग्रस्त हैं और नियमित रूप से स्कूल आने में असक्षम हैं।

उपरोक्त भत्ते जिलों को जारी किए गए ताकि योग्य प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक के CwSN छात्रों को वितरित किए जा सकें। चिकित्सीय भत्तों के मामले में, जिलों ने प्रखंड /क्लस्टर स्तर पर संसाधन कक्षों में CwSN छात्रों को चिकित्सीय सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रति दौरे 1000 रुपये की मानदेय का भुगतान किया है।

पात्र CwSN को DBT के माध्यम से निम्नलिखित भत्ते दिसंबर 2023 तक वितरित किए गए:

सं.	प्रावधानों	प्री-प्राइमरी	प्राथमिक स्तर	माध्यमिक स्तर	अब तक कुल CwSN को लाभ हुआ
1	परिवहन भत्ता	11	9,786	2,557	12,354
2	एस्कॉर्ट भत्ता	11	8,792	2,391	11,194
3	गृह आधारित शिक्षा	-	782	246	1,028
4	पाठक भत्ता	-	1,280	742	2,022
5	बालिका भत्ता	11	14,116	3,021	17,148

स्रोत: प्रबंध.

ब्रेल पाठ्यपुस्तकें और मैग्रीफाइंग लेंस:

श्री नवचेतन अंधजन मंडल, माधापुर, कच्छ जिला, गुजरात के सहयोग से 4,033 लो विजन वाले छात्रों को मैग्रीफाइंग लेंस प्रदान किए गए और 1,074 दृष्टिहीन छात्रों को कक्षा 1 से 12 तक की 10,481 ब्रेल पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

सं.	गतिविधियाँ	प्रशिक्षण की अवधि	प्रशिक्षित प्रतिभागी (शिक्षक/आरपी, शिक्षा प्रशासन आदि)	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षक
1	समावेशी कक्षाएँ बनाना	1-दिन(31 जुलाई 2023)	मास्टर प्रशिक्षक: विशेष शिक्षक/विशेष शिक्षक और जिला समन्वयक		IITE, Gandhinagar IITE, गांधीनगर
2	POCSO अधिनियम, 2012	1 दिवसीय (जिला-स्तर)	विशेष शिक्षक/विशेष शिक्षक और जिला समन्वयक	सभी 2500+ विशेष शिक्षक और 33 जिला समन्वयक	बाल संरक्षण, साइबर अपराध विभाग, सामाजिक न्याय एवं कल्याण विभाग आदि के विशेषज्ञ।
3	कक्षा 1 व 2 के लिए ब्रेल प्रज्ञा	2-घंटे (ऑनलाइन)	प्रज्ञा शिक्षक (कक्षा 1 और 2), विशेष शिक्षक/विशेष शिक्षक और जिला समन्वयक	सभी 2500+ विशेष शिक्षक और 37 जिला समन्वयक और प्रागना शिक्षक	समग्र शिक्षा राज्य कार्यालय

4.	स्कूल एक्सेसिबिलिटी ऑडिट दिशा-निर्देश सह टूल किट	2-दिवसीय (जून 2023 में चौथा समूह)	मास्टर प्रशिक्षक: विशेष शिक्षक/विशेष शिक्षक और जिला समन्वयक	8 विशेष शिक्षक और 2 जिला। समन्वयकों	यूनिसेफ के सहयोग से समग्र शिक्षा
5.	बहु दिव्यांगता TLMs का उपयोग	2-घंटे (ऑनलाइन)	विशेष शिक्षक/विशेष शिक्षक और जिला समन्वयक	सभी 2500+ विशेष शिक्षक और 33 जिला समन्वयक	एनआईपीएमडी, चेन्नई के सहयोग से समग्र शिक्षा
6.	एनईपी 2020 के आलोक में न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा पर गुजरात राज्य के मास्टर प्रशिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	5-दिवसीय (11-15 दिसम्बर'23)	मास्टर प्रशिक्षक: विशेष शिक्षक	66 मास्टर ट्रेनर	चिल्ड्रेन यूनिवर्सिटी गांधीनगर, विशेष आवश्यकता वाले समूहों के शिक्षा विभाग (DEGSN), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT), नई दिल्ली के सहयोग से।
7.	जिला स्तर पर आवश्यकता आधारित CRE कार्यक्रम	3 दिन	स्पेशल एजुकेटर	सभी 2500+ स्पेशल एजुकेटर	RCI ने CRE कार्यक्रम वितरित करने के लिए गैर NGOs/संस्थानों को मंजूरी दी



NEP 2020 प्रशिक्षण के आलोक में न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा



पोस्को (POCSO) प्रशिक्षण

स्कूल एक्सेसिबिलिटी ऑडिट टूल किट:

SS-गुजरात ने UNICEF-गुजरात के सहयोग से अगस्त से सितंबर 2022 के बीच गुजरात के 20 सेंपल स्कूलों में एक तीसरे पक्ष के स्कूल पहुंचता ऑडिट सर्वेक्षण का संचालन किया। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य यह पहचानना है कि कौन सी भौतिक अवसंरचना बाधाएँ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CwSN) को स्कूलों तक पहुँचने से रोकती हैं। इसके साथ ही, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार मानक डिज़ाइन लेआउट को संस्थागत बनाने और आवश्यकताओं का बेंचमार्किंग करने के लिए एक पहुँच ऑडिट टूलकिट विकसित करना भी इस सर्वेक्षण का हिस्सा है।

उपरोक्त सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर, 8 सितंबर 2022 को एक दिन की राज्यस्तरीय स्टेकहोल्डर परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें यूनिसेफ (UNICEF), ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन (BPA) - अहमदाबाद, समार्थम - दिल्ली स्थित लोगों के संगठन (DPO), और सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (SJED) के अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए।

गांधीनगर, गुजरात काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (GCERT), सेंटर फॉर एन्वायरनमेंटल प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी (CEPT) यूनिवर्सिटी- अहमदाबाद, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (NID)- गांधीनगर, और समग्र शिक्षा के IED और सिविल शाखाओं के फील्ड स्टाफ ने ड्राफ्ट लेआउट डिज़ाइन, ऑडिट रिपोर्ट और टूलकिट की समीक्षा की और अपने विशेषज्ञता और फील्ड अनुभव के आधार पर सुधार के लिए फीडबैक प्रदान किया।

जानकारी बढ़ाने, ज्ञान निर्माण करने और राज्य में भौतिक अवसंरचना बाधाओं के संबंध में स्कूल वार अंतराल विश्लेषण करने के लिए, SS-गुजरात ने सिविल और IE-CwSN शाखाओं के प्रमुख हितधारकों (मास्टर ट्रेनर्स) जैसे कि जिला परियोजना इंजीनियर्स, आर्किटेक्ट्स, तकनीकी संसाधन व्यक्ति, IE जिला समन्वयक और विशेष शिक्षकों के लिए क्षेत्रीय स्तर पर दो दिवसीय जिला स्तर की हितधारक ओरिएंटेशन कार्यशाला आयोजित करने की योजना बनाई है। इस कार्यशाला में पहुंच ऑडिट टूलकिट पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

समग्र शिक्षा, गुजरात ने UNICEF के साथ समन्वय में स्कूल एक्सेसिबिलिटी ऑडिट टूलकिट विकसित किया है।

डिजिटल ई-कंटेंट:

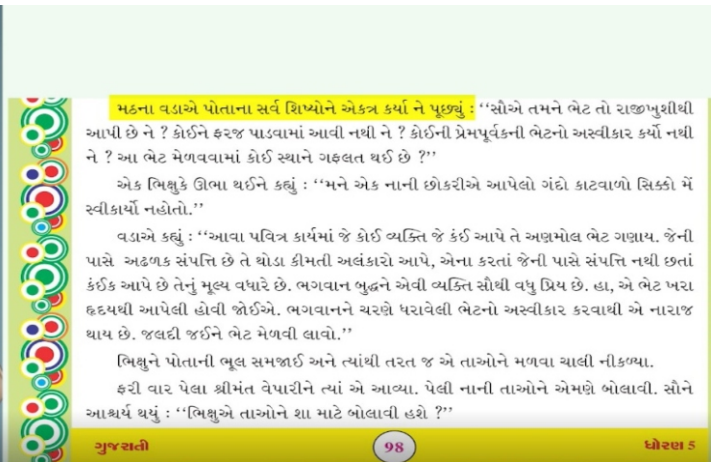
- राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के समन्वय से कक्षा 3 से 8 तक की राज्य पाठ्यपुस्तकों के ISL वीडियो और G-शाला ऐप पर ई-सामग्री विकसित किया गया।
- निपुण (FLN) मिशन के अंतर्गत मिनी बोर्ड बुक्स पर ISL वीडियो विकसित किए गए।
- प्रज्ञा पाठ्यपुस्तकों (कक्षा 1-2) को ब्रेल में विकसित किया गया और सभी प्रगणा शिक्षकों और स्पेशल एड्युकटर को इसके उपयोग पर प्रशिक्षित किया गया।



ब्रेल प्रज्ञा TLM और मिनी बोर्ड बुक्स (FLN)

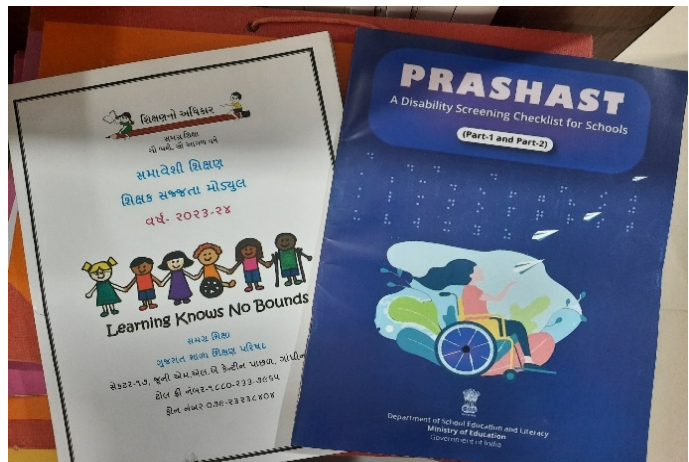


राज्य की पाठ्यपुस्तकों के ISL वीडियो का विकास।



मॉड्यूल एवं टीचर लर्निंग सामग्री (TLMs):

- UNICEF के सहयोग से समावेशी कक्षा प्रबंधन रणनीतियों पर शिक्षक मॉड्यूल का विकास किया गया।
- शिक्षकों और स्पेशल एड्युकटर के लिए प्रशस्त (PRASASHAT) स्क्रीनिंग चेकलिस्ट का गुजराती में अनुवाद किया गया और स्कूलों में इसकी हार्ड कॉपी वितरित की गई।
- VI, HI, CP, ID, SLD मॉड्यूल की 45,000 प्रतियाँ स्कूलों, संसाधन कक्षों और विशेष शिक्षकों में वितरित की गई।
- NIEPMD, चेन्नई से ID किट 3 और 4 की आपूर्ति की गई और 1596 स्कूलों में वितरित की गई।



स्पेशल एजुकेटर द्वारा स्कूलों और घरों की विज़िट :

दिव्यान एप्लिकेशन (राज्य द्वारा विकसित) के यात्रा डायरी के अनुसार, स्पेशल एजुकेटर सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन 2 स्कूलों का दौरा करते हैं और शनिवार को नजदीकी स्कूलों में पंजीकृत गंभीर और गहन दिव्यांगता वाले छात्रों CwSN के घरों की यात्रा करते हैं। स्पेशल एजुकेटर बच्चों को परामर्श प्रदान करते हैं और शिक्षकों और माता-पिताओं को समावेशी शिक्षा, मनो-सामाजिक समर्थन, और बुनियादी चिकित्सीय एवं शैक्षणिक कार्यों में सहायता प्रदान करते हैं। बच्चों को उनके भाई-बहनों के साथ गतिविधियाँ करने और खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

महत्वपूर्ण दिवस का आयोजन:

3 दिसंबर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस, 4 जनवरी 2024 को विश्व ब्रेल दिवस और अन्य त्योहारों को संसाधन कक्षों और स्कूलों में सभी स्टेकहोल्डरों - CwSN और उनके माता-पिता, एसएमसी सदस्यों, इन-सर्विस शिक्षकों आदि के साथ मनाया गया, ताकि समावेशी शिक्षा एवं समावेशी समाज के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ नीचे दी गई हैं:



इनोवेटिव इन्टरवेंशन की प्रगति

क्लस्टर स्तर पर मॉडल इन-स्कूल रिसोर्स रूम (In-SRR) का विकास:

a. संक्षिप्त विवरण:

संसाधन कक्ष एक कक्षा है जहाँ दिव्यांग बच्चों और सीखने में कठिनाई वाले छात्रों को विशेष शिक्षा कार्यक्रम दिया जाता है। यह उन छात्रों के लिए है जो नियमित कक्षा में हैं, लेकिन दिन के कुछ समय के लिए उन्हें व्यक्तिगत या छोटे समूह में कुछ विशेष निर्देशों की आवश्यकता होती है। इस कार्यक्रम में सुधारात्मक, प्रतिपूरक और विकासात्मक निर्देश शामिल हैं,

जो जरूरत के मुताबिक छोटे समूहों में प्रति सप्ताह आमतौर पर तीन से पांच या उससे अधिक घंटों के लिए दिए जाते हैं। शिक्षण माहौल को समायोजित करके या निर्देशात्मक तरीकों को संशोधित करके सेवारत शिक्षक के साथ परामर्श के माध्यम से शैक्षणिक सहायता भी प्रदान की जाती है।

b. उद्देश्य:

- IEP (व्यक्तिगत शिक्षा योजना) के अनुसार, CwSN के लिए शैक्षणिक सुधार, विशेष निर्देश और चिकित्सीय सेवाओं के सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने के लिए मॉडल इन-एसआरआर का विकास करना।
- सीएसडब्ल्यूएन (उनकी क्षमता के अनुसार) के लिए ग्रेड उपयुक्त सीखने के स्तर को प्राप्त करना

c. क्लस्टर स्तर पर इन-एसआरआर स्थापित करने के लिए स्कूल चयन का मानदंड:

- अतिरिक्त कमरे वाले सरकारी स्कूल (या)
- अतिरिक्त कमरे वाला क्लस्टर रिसोर्स सेंटर स्कूल (या)
- अतिरिक्त कमरे वाला Only पे सेंटर स्कूल।

d. कार्यान्वयन की प्रक्रिया:

- प्रत्येक क्लस्टर में एक मॉडल समावेशी स्कूल के साथ संसाधन कक्ष होगा।
- चयनित स्कूल भौगोलिक दृष्टि से क्लस्टर में फैला हुआ होगा।
- क्लस्टर के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में नामांकित सीडब्लूएसएन. समय-सारिणी के अनुसार इन-एसएसआर का दौरा करते हैं।
- क्लस्टर में एक विशेष शिक्षक (SE) नियुक्त है।
- सीडब्लूएसएन स्कूल में अन्य छात्रों के साथ पाठ्यक्रम और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेते हैं।
- सीडब्लूएसएन को चिकित्सकों द्वारा आवश्यकतानुसार चिकित्सीय सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।
- एसई शिक्षक को पाठ योजना बनाने, शैक्षणिक विषयों को पढ़ाने में और सीडब्लूएसएन के व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) के अनुसार उपयुक्त पाठ्यक्रम अनुकूलन में मदद करता है।

संसाधन कक्ष के साथ समावेशी स्कूल में कार्यान्वित की जाने वाली प्रमुख गतिविधियाँ

एमआर-ऑटिज़्म	एचआई-एसआई	टीबी-एलवी	सीपी-एमडी:
• कला और शिल्प • दैनिक जीवन की गतिविधियाँ • मोटर और • संज्ञानात्मक कौशल विकास • शैक्षिक गतिविधियाँ • चिकित्सा	• सांकेतिक भाषा • प्रशिक्षण • भाषण चिकित्सा • शैक्षिक गतिविधियाँ • चिकित्सा	• ब्रेल और टैक्टाइल प्रशिक्षण • संज्ञानात्मक विकास गतिविधियाँ • शैक्षिक गतिविधियाँ • बड़े अक्षरों वाली पुस्तकों से पढ़ना	• कला और शिल्प • दैनिक जीवन की गतिविधियाँ • संज्ञानात्मक कौशल विकास • शैक्षिक गतिविधियाँ • चिकित्सा

प्रगति:

प्रखंड स्तर पर 245 और क्लस्टर स्तर पर 510 सहित राज्य में कुल 755 संसाधन कक्ष स्थापित किए गए हैं। चयनित स्कूलों में केवल संसाधन कक्ष स्थापित करने के अलावा, पूरे स्कूल को एक समावेशी स्कूल में परिवर्तित किया जा रहा है जहां सीडब्लूएसएन छात्रों की आसान पहुंच के लिए बुनियादी सुविधाएँ जैसे रैंप, रेलिंग, सीडब्लूएसएन के अनुकूल शौचालय और पेयजल सुविधाएँ, साइनबोर्ड आदि प्रदान किए जा रहे हैं। ये स्कूल अब क्लस्टर के मॉडल समावेशी स्कूल के रूप में कार्य करते हैं जहां स्पेशल एड्युकेटर एवं चिकित्सक समय सारणी के अनुसार आते हैं और क्लस्टर के सभी सीडब्लूएसएन को चिकित्सीय तथा सुधारात्मक समर्थन प्रदान करते हैं।

संसाधन कक्ष		भौतिक (कमरों की संख्या)	व्यक्तियों की संख्या	संबोधित सीडब्लूएसएन की संख्या
	विद्यालय	NA	स्कूल स्तर पर 650+ स्पेशल एडुकेटर तैनात	35000+ सीडब्लूएसएन छात्र
	कलस्टरों	510	क्लस्टर स्तर पर 2000+ स्पेशल एडुकेटर तैनात	
	ब्लाकों	245		
	जिलों		37 जिला समन्वयक	





दिव्यायन एप्लिकेशन और वेब-डैशबोर्ड:

संक्षिप्त परिचय:

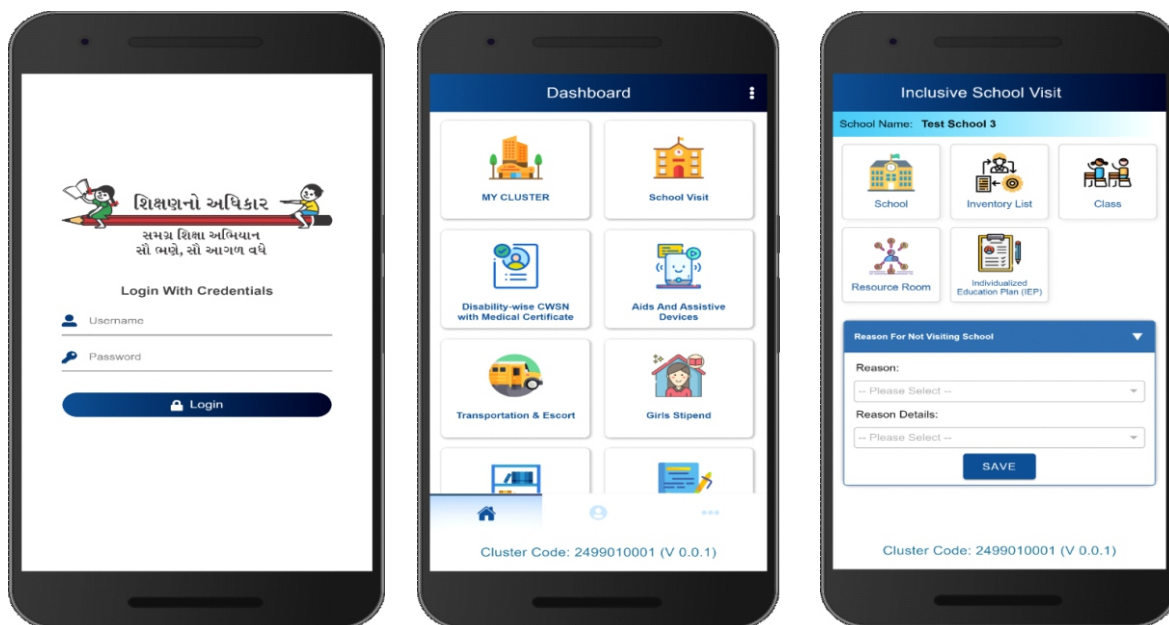
यह जियो-टैगिंग सुविधा वाला एक मॉनिटरिंग एप्लिकेशन है, जो क्लस्टर और स्कूल स्तर पर जिला समन्वयकों, स्पेशल एड्युकेटर (SE) द्वारा क्लस्टर और स्कूल स्तर पर उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का पालन करने में प्राप्त परिणामों की निगरानी करता है। इस उद्देश्य के लिए, प्रत्येक स्पेशल एड्युकेटर को एक टैबलेट दिया गया है जिसके माध्यम से उनके स्कूल, संसाधन कक्ष और सीडब्ल्यूएसएन के घरों के दौरे को टूर-डायरी नामक समय सारिणी के अनुसार ट्रैक किया जाता है। इस ऐप के माध्यम से, एसई सीडब्ल्यूएसएन से संबंधित वास्तविक समय के डेटा तक पहुँचते, निगरानी करते और उसे कैप्चर करते हैं। एकत्र किए गए डेटा को एक स्थान पर व्यवस्थित किया जा रहा है एवं राज्य, जिला और क्लस्टर स्तरों पर बेहतर योजना और निर्णय लेने के लिए रिपोर्ट और डैशबोर्ड तैयार किए जा रहे हैं।

विशेषताएँ:

ऐप में तीन मॉड्यूल हैं- 1) सूचना 2) निगरानी और 3) आईईपी जिसमें निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:

- स्कूल-वार और दिव्यांगता-वार सीडब्ल्यूएसएन का नामांकन और उपस्थिति
- दिव्यांगता-वार चिकित्सा और यूडीआईडी प्रमाणन की स्थिति
- सहायता एवं सहायक उपकरणों की स्थिति
- सीडब्ल्यूएसएन को लाभ आवंटन की स्थिति (जैसे लड़कियों की वजीफा, परिवहन और एस्कॉर्ट भत्ता, आदि)
- व्यक्तिगत शिक्षा योजना और सीडब्ल्यूएसएन द्वारा सीखने के परिणामों की उपलब्धि में प्रगति
- ज्ञान भंडार के माध्यम से विशेष शिक्षकों की क्षमता निर्माण

- समावेशी स्कूल के बुनियादी ढांचे का विवरण
- संसाधन कक्ष - चिकित्सकों की यात्राएँ, सीडब्ल्यूएसएन की उपस्थिति और सूची जांच सूची
- परिपत्र और अधिसूचनाएँ
- SE's का स्कूल, कक्षा, संसाधन कक्ष और घर यात्रा अवलोकन फ़ॉर्म



प्रगति:

दिव्यान एप्लिकेशन (राज्य द्वारा विकसित) में दूर डायरी के अनुसार, सोमवार से शुक्रवार तक स्पेशल एड्युकेटर प्रतिदिन 2 स्कूलों का दौरा करते हैं और शनिवार को वे पास के स्कूलों में नामांकित गंभीर और गहन दिव्यांगता वाले सीडब्ल्यूएसएन छात्रों के घर का दौरा करते हैं।

सारांश: पीएबी 2023-24 व्यय स्थिति

पीएबी 2023-24 (प्रबंध)				
सं.	आवर्ती	बजट स्वीकृत	मार्च 2024 तक व्यय	मार्च 2024 तक व्यय % में
1	प्री-प्राइमरी	1.79932	0.8400	46.68 %
2	एलिमेंट्री (कक्षा 1 से 8)	4697.945	4016.661	85.50 %
3	सेकेंडरी (कक्षा 9 से 12)	5461.512	1250.732	22.90 %
	कुल	10161.25632	5268.233	51.85 %
गैर-आवर्ती				
1.	उपकरण संसाधन कक्ष के लिए	254.00	73.37	28.88

गतिविधि-वार प्रगति 2023-24: प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक

पीएबी 2023-24 (स्रोत: PRABANDH)						
सं.	प्री-प्राइमरी	इकाई लागत (रु.)	स्वीकृत बजट (रु. लाख में)		मार्च 2024 तक की प्रगति	
			भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय
194.0.3	सहायक उपकरण, उपकरण और टीएलएम	0.00108	254	0.27	0	0
196.0.3	एस्कॉर्ट भत्ता	0.03	12	0.36	11	0.33
196.0.4	परिवहन भत्ता	0.03	13	0.39	11	0.33
196.0.5	ब्रेल स्टेशनरी सामग्री (उभरे हुए चार्ट, ग्लोब आदि शामिल हैं)	0.005	21	0.105	5	0.02
196.0.6	सहायता और उपकरण प्रदान करना	0.03	9	0.27	0	0
197.0.1	बालिकाओं के लिए वजीफा	0.02	20	0.40	11	0.16
	कुल (प्री-प्राइमरी)		329	1.79932	38	0.84
सं.	प्राथमिक (कक्षा 1 से 8 तक)	इकाई लागत (रु.)	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय
198.0.1	निर्देशात्मक और प्रशिक्षण सामग्री की खरीद/विकास	2.75	37	101.75	27	82.8
198.0.2	खेल और एक्सपोजर विजिट	0.5	37	18.5	23	10.07
198.0.3	चिकित्सीय सेवाएं	8.04	37	297.48	31	128.09
198.0.4	प्रधानाचार्यों, शैक्षिक प्रशासकों, माता-पिता/अभिभावकों आदि का अभिमुखीकरण	0.7	37	25.9	23	12.78
199.0.4	सहायक उपकरण, उपकरण और टीएलएम	0.48	254	121.92	220	119.52
199.0.5	पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम	0.2	254	50.8	172	21.82
199.0.6	सहायक/आया/अटेंडेंट	0.5	480	240	355	84.69

200.0.3	एस्कॉर्ट भत्ता	0.03	9291	278.73	8792	260.58
200.0.4	परिवहन भत्ता	0.03	11581	347.43	9786	299.8
200.0.5	गृह आधारित शिक्षा	0.035	966	33.81	782	25.62
200.0.6	ब्रेल स्टेशनरी सामग्री (उभरे हुए चार्ट, ग्लोब आदि शामिल हैं)	0.005	2710	13.55	907	2.87
200.0.7	सहायता और उपकरण उपलब्ध कराना	0.03	5650	169.5	5237	166.10
200.0.8	पाठक भत्ता - केवल छठी और कम दृष्टि के लिए	0.03	2188	65.64	1280	31.22
201.0.1	बालिकाओं के लिए वजीफा	0.02	19883	397.66	14116	254.87
206.0.1	पहचान और मूल्यांकन (चिकित्सा मूल्यांकन शिविर) (उच्चतम कक्षा आठवीं तक)	0.1	254	25.4	196	19.88
208.0.1	विशेष शिक्षकों का सेवाकालीन प्रशिक्षण (उच्चतम कक्षा आठवीं तक)	0.025	1035	25.88	913	15.56
210.0.1	वित्तीय सहायता (पूर्व विशेष शिक्षक)	2.4	1035	2484	1028	2480.40
	वित्तीय सहायता (नए विशेष शिक्षक)	2.4	NA	NA	NA	NA
	कुल (कक्षा 1 से 8 तक)			4697.95	43888	4016.66
सं.	माध्यमिक (कक्षा 9 से 12 तक)	इकाई लागत (रु.)	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय
202.0.3	चिकित्सीय सेवाएँ	0.326	37	12.062	11	1.84
203.0.4	सहायक उपकरण, उपकरण और टीएलएम	0.175	254	44.45	177	26.61
204.0.3	एस्कॉर्ट भत्ता	0.03	2860	85.8	2391	70.59
204.0.4	परिवहन भत्ता	0.03	3133	93.99	2557	76.90
204.0.5	गृह आधारित शिक्षा	0.035	348	12.18	246	7.77

204.0.6	ब्रेल स्टेशनरी सामग्री (उभरे हुए चार्ट, ग्लोब आदि शामिल हैं)	0.005	1269	6.35	113	0.35
204.0.7	सहायता और उपकरण उपलब्ध कराना	0.03	2023	60.69	1825	54.30
204.0.8	रीडर भत्ता - केवल छठी और कम दृष्टि के लिए	0.03	1335	40.05	742	20.49
205.0.1	बालिकाओं के लिए वजीफा	0.02	4011	80.22	3021	60.81
207.0.1	पहचान और मूल्यांकन (चिकित्सा मूल्यांकन शिविर) (उच्चतम कक्षा XII तक)	0.1	254	25.4	146	10.25
209.0.1	विशेष शिक्षकों का सेवाकालीन प्रशिक्षण (उच्चतम कक्षा XII तक)	0.025	1653	41.33	1019	16.19
213.0.1	वित्तीय सहायता (पूर्व विशेष शिक्षक)	3	1653	4959	1028	2480.40
	कुल (कक्षा 9 से 12 तक)			5461.512	13276	2826.48

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं मॉनिटरिंग



6 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं मॉनिटरिंग

परिचय

मानव और सामाजिक विकास के लिए सबसे ज़रूरी चीज़ शिक्षा है, और इसकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में, स्कूल शिक्षा एक अहम भूमिका निभाती है, जो वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को जोड़ने और सशक्त बनाने का काम करती है, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता और ऊर्जा को समझ सकें। यह राज्य की जिम्मेदारी है कि वह इस क्षमता को उपलब्ध कराए, नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करे और ऐसा माहौल बनाए जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सकारात्मक दृष्टिकोण और छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक ऊर्जा को बढ़ावा दे।

संयुक्त स्कूल ग्रांट

समग्र शिक्षा के अंतर्गत वर्ष 2023-24 के लिए राज्य में 32271 प्राथमिक विद्यालयों और 1876 माध्यमिक विद्यालयों को संयुक्त स्कूल ग्रांट आवंटित किया गया है। यह ग्रांट छात्रों के नामांकन के आधार पर दिया गया है, जैसा कि नीचे वर्णित है:

स्कूल में छात्रों का नामांकन	(उच्चतम कक्षा आठ तक) प्राथमिक विद्यालय	(उच्चतम कक्षा X या XII तक) माध्यमिक विद्यालय
1 से 30	रु. 10,000	रु. 10,000
31 से 100	रु. 25,000	रु. 25,000
101 से 250	रु. 50,000	रु. 50,000
251 से 1000	रु. 75,000	रु. 75,000
1000 से ऊपर	रु. 1,00,000	रु. 1,00,000

वर्ष 2023-24 में 32271 प्राथमिक विद्यालयों और 1876 माध्यमिक विद्यालयों को ग्रांट आवंटित किया गया है।

ग्रांट का उपयोग:

- सभी सरकारी स्कूलों को वार्षिक स्कूल ग्रांट प्रदान किए जाते हैं, ताकि अनुपयोगी स्कूल उपकरणों को बदला जा सके तथा अन्य आवर्ती लागतों जैसे उपभोग्य सामग्रियों, खेल सामग्री, खेल, खेल उपकरण, प्रयोगशालाओं के बिजली शुल्क, इंटरनेट, पानी, शिक्षण सहायक सामग्री आदि को वहन किया जा सके।
- मौजूदा स्कूल भवन, शौचालय और अन्य सुविधाओं के वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के लिए, ताकि बुनियादी ढांचे को अच्छी स्थिति में बनाए रखा जा सके।
- इस ग्रांट का उपयोग स्वच्छ भारत अभियान को बढ़ावा देने और सामुदायिक योगदान तत्वों को शामिल करने के लिए किया जाता है।
- प्रत्येक स्कूल के लिए यह आवश्यक है कि वे संयुक्त स्कूल ग्रांट का कम से कम 10% स्वच्छता कार्य योजना से संबंधित गतिविधियों पर खर्च करें।

पुस्तकालय ग्रांट

समग्र शिक्षा के अंतर्गत वर्ष 2023-24 के लिए 12,476 प्राथमिक विद्यालयों, 19,795 उच्च प्राथमिक विद्यालयों और 1,168 माध्यमिक एवं 708 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए पुस्तकालय अनुदान को मंजूरी दी गई।

शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों और राज्य स्तरीय पुस्तक चयन समिति के निर्णय के अनुसार, पुस्तकालय अनुदान गुजरात राज्य विद्यालय पाठ्यपुस्तक बोर्ड - पाठ्य पुस्तक मंडल को आवंटित किया गया है पुस्तकालय अनुदान का उद्देश्य पढ़े भारत बढ़े भारत के उद्देश्यों को पूरा करना है।

स्कूलों को एक रीडिंग रूम/रीडिंग कॉर्नर/रीडिंग स्पेस का प्रावधान करने और स्कूल टाइमटेबल में सप्ताह में दो पीरियड रीडिंग पीरियड के रूप में समर्पित करने की सलाह दी गई। स्कूल में एक शिक्षक को पुस्तकालय की पुस्तकों की देखरेख, पुस्तकों को जारी करने और वापस लेने की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है, जिसे सप्ताह में दो दिन के लिए पढ़ाने से मुक्त किया जा सकता है। स्कूलों में प्रदान की गई किताबों से छात्रों में पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने की उम्मीद है, ताकि जिज्ञासा और अध्ययन की संस्कृति को विकसित किया जा सके।

BRC / URC और CRC के माध्यम से शैक्षणिक सहायता

1. TLM/TLE ग्रांट: BRC और URC समन्वयकों को TLM/TLE ग्रांट के रूप में 5000/- रुपये और CRC को 2000/- रुपये प्रदान किए गए। यह ग्रांट TLM विकास और शिक्षण-सीखने के उपकरणों की खरीद में सहायता के लिए दिया गया। इन TLM/TLE का उपयोग शिक्षकों द्वारा कक्षा की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। नए और नवोन्मेषी TLM बनाने के लिए BRC स्तर पर CRC, विषय शिक्षकों और BRP के साथ कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं।
2. कंटीजेन्सी ग्रांट: बीआरसी और यूआरसी समन्वयकों को आकस्मिकता ग्रांट के रूप में 50,000/- रुपये और सीआरसी को 25,000/- रुपये प्रदान किए गए। इस ग्रांट का उपयोग बीआरसी में संसाधन कक्ष के रखरखाव, कार्यालय उपकरणों की खरीद और अन्य कार्यालय खर्चों के लिए किया जाता है।
3. मीटिंग ट्रैवल ग्रांट: BRC और URC समन्वयकों को बैठक यात्रा ग्रांट के रूप में 30,000/- रुपये और सीआरसी को 5,000/- रुपये प्रदान किए गए। इस ग्रांट का उपयोग BRC/CRC स्तर पर आयोजित शैक्षणिक या प्रशासनिक बैठकों/प्रशिक्षण के दौरान यात्रा और जलपान खर्चों के लिए किया जाता है।
4. मेटेनेंस ग्रांट : BRC और CRC समन्वयकों को 10,000/- रुपये और CRC को 5,000/- रुपये रखरखाव ग्रांट के रूप में प्रदान किए गए।

राज्य स्तर से BRC/URC/CRC को इन एकल-बार ग्रांट के उपयोग पर दिशा-निर्देशों के साथ एक परिपत्र भेजी गई।

कला उत्सव

कला उत्सव का उद्देश्य माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में कला के प्रति रुचि जगाना और कला की शिक्षा में महत्व को बढ़ावा देना है। कला उत्सव में शास्त्रीय गायन, पारंपरिक लोक गायन, शास्त्रीय वाद्य संगीत, पारंपरिक लोक वाद्य संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, दृश्य कला (2-आयामी), दृश्य कला (3-आयामी), और पारंपरिक खेलौने एवं खेल जैसी कलाओं को शामिल किया जाता है।

कला उत्सव प्रतियोगिता तीन स्तरों पर आयोजित की जाती है: जिला स्तर, ज़ोन स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर।

(i) जिला स्तरीय कला उत्सव:

जिला स्तरीय कला उत्सव की प्रतियोगिता 18 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2023 तक प्रत्येक जिले में आयोजित की गई। जिसमें माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने निम्नलिखित दस श्रेणियों में प्रतियोगिता की:

10 श्रेणियां जिनमें छात्र भाग लेते हैं	
● संगीत गायन – शास्त्रीय संगीत	● नृत्य – लोक नृत्य
● संगीत गायन – पारंपरिक लोक	● दृश्य कला (द्वि-आयामी)
● वादन संगीत – अवनद्य वाद्य	● दृश्य कला (त्रि-आयामी)
● वादन संगीत – मेलोडिक	● स्वदेशी खेलौने एवं खेल
● नृत्य – शास्त्रीय नृत्य	● नाटक (एकल अभिनय)

प्रत्येक हर श्रेणी में जिला स्तर की प्रतियोगिता में 1 लड़का और 1 लड़की को विजेता के रूप में चयनित किया गया और उन्होंने क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया।

(ii) क्षेत्रीय स्तर का कला उत्सव:

क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता राज्य के 5 स्थानों पर आयोजित की गई, जिसमें 34 जिलों ने भाग लिया। प्रत्येक जिले से विजेताओं ने क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया। क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता 26 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2023 तक आयोजित की गई। श्रेणीवार विभिन्न विशेषज्ञ समितियाँ क्षेत्रीय स्तर पर बनाई गईं, जो जिलों द्वारा साझा की गई रिकॉर्ड की गई प्रविष्टियों का मूल्यांकन करने के लिए थीं।

क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिता का विवरण निम्नलिखित है:

जोन	जिलों की संख्या	विजेताओं की संख्या
अरवल्ली – उत्तर – पूर्व जोन	8	18
सूरत – दक्षिण जोन	7	20
वडोदरा-मध्य जोन	7	19
राजकोट – सौराष्ट्र जोन	6	19
जूनागढ़ – सौराष्ट्र – पश्चिमी जोन	6	17
कुल	34	93

(iii) राज्य स्तरीय कला उत्सव:

कला उत्सव प्रतियोगिता की दस श्रेणियों के कुल 93 विजेता, 5 जोन से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आए। यह प्रतियोगिता 5 और 6 दिसंबर 2023 को एम.पी. मेहता हाई स्कूल, जेतलपुर, जिला अहमदाबाद में समग्र शिक्षा स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिस गांधीनगर के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। श्रेणी के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की समितियाँ बनाई गईं, जिन्होंने विभिन्न जोन द्वारा भेजी गई रिकॉर्डेड प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के कुल 20 विजेताओं (10 बालक एवं 10 बालिकाएं) को प्रमाण पत्र के साथ प्रत्येक को 2000/- रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

(iv) राष्ट्रीय स्तर का कला उत्सव:

समग्र शिक्षा गुजरात ने राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया है। राज्य स्तर की प्रतियोगिता के 20 विजेताओं में से 19 विजेताओं ने उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में भाग लिया, जो 6 जनवरी से 13 जनवरी 2024 तक दिल्ली में आयोजित हुई थी।



विभिन्न स्तरों पर कला उत्सव प्रतियोगिता की कुछ झलकियाँ:





स्कूल बैंड प्रतियोगिता

उद्देश्य:

स्कूल बैंड छात्रों के बीच एकता और अपनापन की भावना को विकसित करता है, जिससे उनमें गर्व की भावना गहराई से जागृत होती है। इसकी तालबद्ध धुनें जुनून, प्रेरणा, साहस और उत्साह का संचार करती हैं, जो बच्चों और बड़ों दोनों को प्रभावित करती हैं। बैंड प्रतियोगिताएँ देश भर के स्कूल के बच्चों में देशभक्ति की भावना को फिर से प्रज्वलित करती हैं और एकता की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

निष्पादित की गई गतिविधियाँ:

- समग्र शिक्षा गुजरात ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा साझा की गई दिशानिर्देशों के अनुसार गृह विभाग, गुजरात सरकार के साथ सहयोग में बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया है।
- प्रत्येक जिले की एक टीम बालकों की तथा एक टीम बालिकाओं, ने क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी जिलों को 09 रेंज/ज़ोन में विभाजित किया गया।
- 29 सितंबर 2023 को अहमदाबाद में आयोजित राज्य स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न ज़ोन से 09 लड़कों की टीमों और 07 लड़कियों की टीमों ने भाग लिया।
- 16 टीमों में कुल 387 छात्रों ने राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया। राज्य स्तर की प्रतियोगिता में विजेता लड़कों और लड़कियों की टीमों को 31 अक्टूबर 2023 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर स्टैचू ऑफ यूनिटी पर प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया गया।
- राज्य स्तर की बैंड प्रतियोगिता की विजेता लड़कों और लड़कियों की टीमों ने पश्चिमी क्षेत्र स्तर की बैंड प्रतियोगिता में पुणे, महाराष्ट्र में भाग लिया।
- गुजरात की लड़कियों की टीम पश्चिमी क्षेत्र स्तर की बैंड प्रतियोगिता में पुणे, महाराष्ट्र में प्रथम स्थान पर रही।
- पश्चिमी क्षेत्र स्तर की बैंड प्रतियोगिता में विजेता लड़कों और लड़कियों की टीमों ने राष्ट्रीय स्तर की बैंड प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।
- गुजरात की लड़कियों की बैंड टीम ने राष्ट्रीय स्तर की बैंड प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। (स्वामीनारायण कन्या विद्या मंदिर, कच्छ भुज)

स्कूल बैंड सेट:

चयनित सरकारी स्कूलों को बैंड सेट वितरित किए गए, जिसका उद्देश्य छात्रों के शारीरिक और मानसिक प्रदर्शन कौशल को विकसित करना, व्यक्तिगत कौशल और व्यक्तित्व को बढ़ाना, आत्म-विश्वास और जीवन कौशल को विकसित करना तथा व्यक्तिगत आत्म-अनुशासन में योगदान देना था, जिससे समूह के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

- समग्र शिक्षा ने 235 सरकारी स्कूलों (जिसमें पीएम श्री स्कूल भी शामिल हैं) को बैंड सेट की खरीद के लिए 50,000 रुपये (प्रत्येक स्कूल) का अनुदान प्रदान किया। इसमें विभिन्न उपकरण जैसे यूरोफोनियम, ट्रम्पेट, टेनर ड्रम्स, क्लारिनेट, साइड ड्रम्स, बास ड्रम्स, सिम्बल्स, लीडर स्टिक और बुगल्स शामिल हैं, जो कि शिक्षा मंत्रालय की दिशा-निर्देशों और बीएसएफ (गुजरात फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल) गांधीनगर द्वारा दिए गए सुझाई गई सूची के अनुसार हैं।
- जिला स्तर की समिति को बैंड सेट अनुदान के आवंटन के लिए स्कूलों का चयन करने के लिए सूचित किया गया। समिति ने राज्य द्वारा परिभाषित मानदंडों के आधार पर स्कूलों का चयन किया।
- बैंड सेट की खरीद के लिए एक स्कूल स्तर की समिति भी गठित की गई थी।
- ये बैंड सेट स्कूलों को विभिन्न क्षमता स्तरों पर बैंड प्रतियोगिताओं के लिए अभ्यास करने में सक्षम बनाएंगे।
- ये अनुभव छात्रों के लिए अत्यधिक लाभकारी साबित हुए, उनके बैंड प्रदर्शन में दक्षता को बढ़ाया और उन्हें सार्वजनिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान किए। भागीदारी के माध्यम से, उन्होंने महत्वपूर्ण समन्वय और सहयोग कौशल प्राप्त किए। साथ ही, प्राप्त कौशल स्कूल की सभाओं को समृद्ध कर सकते हैं और विभिन्न सांस्कृतिक और राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आकर्षण को बढ़ा सकते हैं, जिससे वे अधिक आकर्षक और मनोहर बन सकते हैं।





अहमदाबाद-गुजरात में राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता



स्कूल बैंड टीम, एकता परेड (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी)
में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में प्रस्तुति





पुणे, महाराष्ट्र में पश्चिमी क्षेत्रीय स्तर की बैंड प्रतियोगिता



नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की बैंड प्रतियोगिता।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हस्तक्षेपः

पृष्ठभूमि:

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक समग्र शब्द है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, टीचिंग-लर्निंग प्रक्रिया, सीखने का वातावरण, पाठ्यक्रम, शिक्षा शास्त्र, सीखने के परिणाम, मूल्यांकन आदि शामिल हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, यह आवश्यक है कि गुणवत्ता बढ़ाने से संबंधित सभी पहलुओं से जुड़े लोग निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें।

- विद्यार्थी सक्रिय भागीदार होते हैं न कि निष्क्रिय प्राप्तकर्ता। वे सीखने के लिए तैयार होते हैं और सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और अपनी स्वयं के ज्ञान का निर्माण करते हैं।
- शिक्षक मार्गदर्शक होते हैं न कि प्रशिक्षक। वे हर कदम पर अपने बच्चों को मार्गदर्शित करने के लिए प्रेरित होते हैं। वे बच्चों की सीखने की आवश्यकताओं की पहचान करते हैं और सामग्री के लिए उपयुक्त विभिन्न पेडागॉजिकल प्रथाओं का उपयोग करते हैं, जिससे बच्चों की सीखने की दिशा उनके लक्ष्यों की ओर निर्देशित होती है।
- कक्षा का वातावरण स्वस्थ, सुरक्षित और उचित बुनियादी ढांचे से युक्त होता है जो सीखने के लिए अनुकूल होता है।
- पाठ्यक्रम कक्षा विशेष, स्तर विशेष, सामाजिक रूप से प्रासंगिक, निष्पक्ष, जेंडर-संवेदनशील होता है, और इसमें ऐसे सामग्री होती है जो संविधान में वर्णित सिद्धांतों को समर्थन करती है और हमारे मूल्यों और आदर्शों के साथ मेल खाती है। यह प्रणालीगत निरंतरता के अनुसार सामंजस्य बनाए रखने के लिए है।
- शिक्षण प्रक्रियाएँ या अपनाई गई पद्धति शिक्षक-केंद्रित से बाल-केंद्रित के सिद्धांतात्मक परिवर्तन को दर्शाती हैं। विषय और संदर्भ की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न विधियाँ अपनाई जाती हैं।
- शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया गतिशील होती है, जिसमें छात्रों की सक्रिय भागीदारी, आईसीटी और अन्य डिजिटल संसाधनों का उपयोग शामिल होता है, जो कक्षा की शिक्षा को कक्षा की दीवारों से बाहर ले जाता है।
- परिणाम शिक्षा के उद्देश्यों और लक्ष्यों के साथ संरेखित होते हैं और केवल ज्ञान अधिग्रहण तक सीमित नहीं होते हैं। सैद्धांतिक ज्ञान के अलावा, साक्षरता, गणितीय कौशल, जीवन कौशल, जैसे शांति, सहिष्णुता, लिंग, स्वास्थ्य, पोषण, और रोग निवारण के क्षेत्रों में ज्ञान जैसे मूलभूत कौशल भी ध्यान में रखे जाते हैं।

उपरोक्त तत्वों पर सावधानीपूर्वक विचार करने से स्कूल गतिविधियों की योजना बनाने से पहले एक गुणवत्तापूर्ण वाली कक्षा की कल्पना करने में मदद मिलेगी।

परिचय:

कालिटी एजुकेशन एवं मॉनिटरिंग ब्रांच गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा (प्री-स्कूल से कक्षा 12 तक), आकलन, अनुसंधान, मूल्यांकन एवं मॉनिटरिंग तथा शिक्षक क्षमता विकास से संबंधित गतिविधियों पर काम करती है।

QE&M ब्रांच के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन
- सही शैक्षणिक समझ का विकास
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षण अधिगम सामग्री का विकास और वितरण
- गुणवत्ता संवर्धन के लिए अभिनव पहलों की रूपरेखा तैयार करना
- स्कूली शिक्षा में नई प्रथाओं के बारे में शिक्षकों के बीच जागरूकता पैदा करना
- अन्य राज्यों में चल रही सर्वोत्तम और अग्रणी प्रथाओं का कार्यान्वयन और प्रसार।
- प्रभावी कक्षा संचालन के लिए आवश्यक पूरक शिक्षण अधिगम सामग्री का विकास
- आवधिक शिक्षण मूल्यांकन और आवश्यक उपचारात्मक सहायता
- स्कूल के कामकाज की प्रभावी मॉनिटरिंग और शिक्षण अधिगम को और अधिक कुशल बनाने के लिए डेटा का उपयोग।

उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से, समग्र शिक्षा गुजरात के अंतर्गत क्यूई एंड एम शाखा ने रिपोर्टिंग अवधि 2023-24 के दौरान निम्नलिखित हस्तक्षेपों को सफलतापूर्वक लागू किया है।

● निपुण गुजरात: समझ और अंकगणित के साथ पढ़ने में दक्षता के लिए राष्ट्रीय पहल (FLN)

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में बालवाटिका, कक्षा 1, 2 और कक्षा 3 के बच्चों के लिए बुनियादी शिक्षा सुनिश्चित करना इस प्रमुख पहल का उद्देश्य है। लगभग 13,00,000 छात्रों तक पहुँच के साथ, यह पहल बुनियादी शिक्षा तक पहुँच, उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता, स्कूल तैयारी मॉड्यूल लागू करने, शिक्षकों को प्रशिक्षित करने, और एक मजबूत निगरानी तंत्र स्थापित करने जैसे प्रमुख उद्देश्यों को हासिल करने पर केंद्रित है।

पहल की मुख्य बातें:

(a) निपुण - बालवाटिका

बालवाटिका कार्यक्रम को कक्षा 1 से पहले के एक साल के कार्यक्रम के रूप में योजना बनाई गई है, जिसका उद्देश्य बच्चों को संज्ञानात्मक और भाषा क्षमताओं से तैयार करना है। ये क्षमताएँ पढ़ने, लिखने और खेल-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से संख्या ज्ञान विकसित करने के लिए आवश्यक पूर्वापेक्षाएँ हैं।

बालवाटिका उन क्षेत्रों को शामिल करता है जो निपुण भारत मिशन और FLN के दृष्टिकोण को पूरा करते हैं। पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य और कल्याण (H&WB), संलग्न शिक्षार्थी (IL), और प्रभावी संवाददाता (EC) जैसे विषयों को सीखने के परिणामों के रूप में चुना गया है। भाषा, पर्यावरण और गणित को विषयों के रूप में शामिल किया गया है। विषयवार सामग्री को वार्षिक रूप से व्यवस्थित किया गया है और इसे साप्ताहिक मॉड्यूल में विभाजित किया गया है।

बच्चों की गतिविधियों के विभिन्न कॉम्पोनेन्ट्स जैसे कि नर्सरी राइम्स, कहानियाँ, और विषय से संबंधित गतिविधियों को प्रत्येक विषय में एकीकृत किया गया है। पाठ्यक्रम में विषय से संबंधित गतिविधियों की मासिक वार्षिक योजना बनाई गई है, वार्षिक योजना को साप्ताहिक पाठ्यक्रम में व्यवस्थित किया गया है, और प्रत्येक अध्याय के सीखने के परिणामों के साथ-साथ विषय का अन्य विषयों के साथ संबंध भी पूरा किया गया है।

प्रत्येक गतिविधि का डिज़ाइन खेल-आधारित विधि पर आधारित है, और इसमें भारतीय संस्कृति से संबंधित नैतिक मूल्यों वाली चित्रण और बच्चों की कहानी की किताबें शामिल हैं।

स्कूल स्तर पर निम्न बालवाटिका शिक्षण और अधिगम सामग्री (टीएलएम) प्रदान की जाती है:

I. शिक्षक मैनुअल

- मैनुअल में विषयों - स्वास्थ्य और कल्याण, संलग्न शिक्षार्थी (आईएल), और प्रभावी संचारक; विषय - गणित, गुजराती और पर्यावरण, और उनके शिक्षण परिणामों की समझ प्रदान की जाती है।
- पाठ्यक्रम को बालवाटिका की कक्षा की शुरुआत में दैनिक कक्षा तत्परता गतिविधियों के साथ योजनाबद्ध किया गया है।
- मूल्यांकन साल में दो बार किया जाता है, यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक बार।
- कई शिक्षण गतिविधियाँ बच्चों की रुचि को बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध की गई हैं, जो एक एकीकृत सीखने की दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।
- राज्य भर के शिक्षकों को कक्षा 1 शिक्षक के मैनुअल पर कैस्केड मॉडल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है।
- शिक्षक के मैनुअल को सभी शिक्षकों में वितरित किया गया है।

II. छात्र गतिविधियाँ वर्कबुक भाग 1 और 2

- वर्कबुक भाग 1 और 2 में प्रदान की गई विभिन्न गतिविधियाँ शिक्षण परिणामों के साथ संरेखित हैं।
- गतिविधियों के साथ, किंडरगार्टन के विभिन्न दृष्टिकोणों की अवधारणा को जोड़ा गया है, ताकि बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करना और सीखने को मजेदार बनाया जा सके।
- भाग-1 की गतिविधि पुस्तिकाएँ प्रीस्कूल बच्चों को रंग भरने, मिलान करने, और अन्य कौशल आधारित गतिविधियों के साथ प्रारंभिक साक्षरता के लिए वितरित की जाती हैं।

(b) शिक्षण-सीखने के सामग्री (टीएलएम):

स्कूलों को शिक्षक पुस्तिका, कार्यपुस्तिकाएँ, कहानी की पुस्तकें और एफएलएन किट सहित विविध प्रकार की टीएलएम उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही, संगीत वाद्ययंत्रों के लिए अनुदान और आईआईटी गांधीनगर से एफएलएन किट ने कक्षा 1 से 3 तक के छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को बढ़ाया है।

(c) विद्या प्रवेश का कार्यान्वयन:

विद्या प्रवेश स्कूल तत्परता मॉड्यूल को सभी कक्षा 1 स्कूलों में सफलतापूर्वक पेश किया गया है। इसमें छात्र वर्कबुक, शिक्षक संस्करण और प्रशिक्षण मॉड्यूल जैसे सामग्री का वितरण शामिल है। प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं।

(d) शिक्षक संसाधन सामग्री/ गतिविधि हैंडबुक:

प्रशासनिक और शैक्षिक बुकलेट्स के रूप में दिशा-निर्देश विकसित किए गए हैं, साथ ही विद्या प्रवेश के लिए शिक्षक संस्करण भी तैयार किए गए हैं। राज्य भर में लगभग 40,000 प्रतियों का विद्या प्रवेश शिक्षक हैंडबुक वितरित किया गया है।

(e) निष्ठा FLN- शिक्षक प्रशिक्षण:

जीसीईआरटी ने 12 मॉड्यूलों को अनुकूलित और अनुवादित किया है और शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। निष्ठा 3.0 के अंतर्गत लगभग 87.32% शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

(f) मूल्यांकन (राज्य/संघ क्षेत्र द्वारा यदि कोई बड़े पैमाने पर/स्कूल आधारित किया गया हो): (जीसीईआरटी)

राज्य ने राज्य भर में पहला एफएलएन जनगणना बेसलाइन आयोजित किया और डेटा का विश्लेषण किया। विश्लेषण पूर्ण हो चुका है और जिला और ब्लॉक-स्तरीय डेटा प्रसारण प्रक्रियाएँ जल्द ही शुरू होंगी।

(g) IEC सामग्री का विकास:

कक्षा-वार निपुण लक्ष्यों का अनुवाद और अनुकूलन किया गया है, जिन्हें पोस्टर, ब्रोशर और बैनर के रूप में तैयार किया गया है और कक्षाओं और स्कूलों में प्रदर्शित करने के लिए वितरित किया गया है। समुदायों में जागरूकता लाने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर भी लगाए गए हैं।

(h) सामुदायिक भागीदारी:

SMCs को महत्वपूर्ण निपुण पहलुओं पर BISAG के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया, और निपुण आधारित पोस्टर विकसित कर राज्यभर में प्रदर्शित किए गए। प्रवेश महोत्सव और विद्या प्रवेश के कार्यान्वयन के दौरान सभी सरकारी स्कूलों में सामुदायिक भागीदारी बहुत उच्च स्तर पर देखी गई।



प्रवेशोत्सव

(h) मजबूत तकनीक सक्षम निगरानी तंत्र का विकास:

राज्य ने एक समर्पित FLN निगरानी डैशबोर्ड विकसित किया है। BRP NIPUN समग्र शिक्षा का वेब पोर्टल है, जिसका उपयोग निपुण भारत के सभी घटकों की निगरानी करने के लिए किया जाता है। राज्य ने जुलाई 2023 में BRPs, BRCs और TTs के लिए BRP NIPUN डैशबोर्ड की समझ के लिए एक वर्चुअल प्रशिक्षण आयोजित किया।

विभिन्न BRP निपुण डैशबोर्ड घटकों की व्याख्या इस प्रकार है:

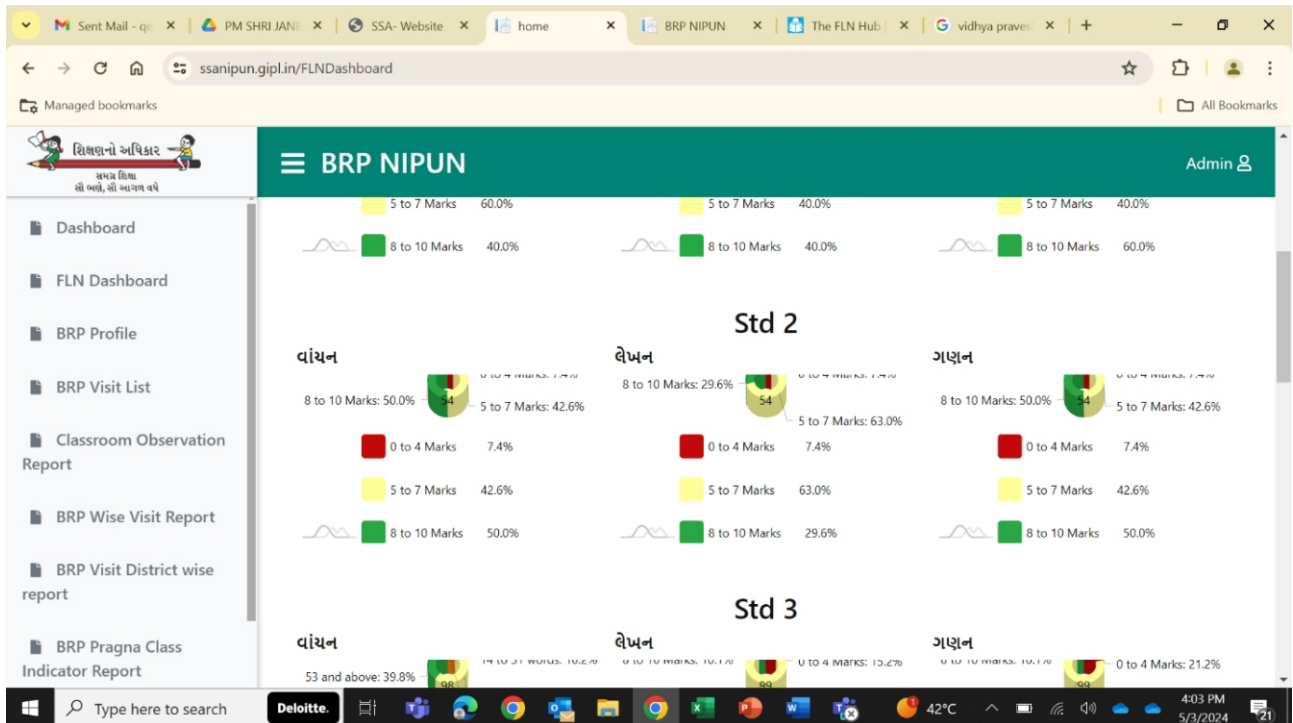
भाग 1: सामान्य जानकारी

भाग 2: शिक्षक तैयारी और कक्षा शिक्षण प्रक्रिया।

भाग 3: मूल्यांकन

भाग 4: शिक्षण दृष्टिकोण

डैशबोर्ड फोटो:



The screenshot shows the BRP NIPUN website interface. The left sidebar contains a menu with options: Dashboard, FLN Dashboard, BRP Profile, BRP Visit List, Classroom Observation Report, BRP Wise Visit Report, BRP Visit District wise report, and BRP Pragna Class Indicator Report. The main content area displays a table with the following columns: SelectedStandard, SelectedSection, SubjectTeacherId, TeacherName, CurrentTaughtSubject, ClassroomInspectionID, and Reading. The table contains 15 rows of data, all for Class Pragna, with teachers SUDHABEN, SMITA BEN, and UMEDBHAI.

SelectedStandard	SelectedSection	SubjectTeacherId	TeacherName	CurrentTaughtSubject	ClassroomInspectionID	Reading
1	1	0	SUDHABEN	Gujarati	25451	4
1	1	0	SUDHABEN	Gujarati	25451	5
1	1	0	SUDHABEN	Gujarati	25451	4
1	1	0	SUDHABEN	Gujarati	25451	4
1	1	0	SUDHABEN	Gujarati	25451	3
1	1	0	SMITA BEN	Gujarati	25464	7
1	1	0	SMITA BEN	Gujarati	25464	8
1	1	0	SMITA BEN	Gujarati	25464	8
1	1	0	SMITA BEN	Gujarati	25464	7
1	1	0	SMITA BEN	Gujarati	25464	7
1	1	0	UMEDBHAI	Gujarati	25526	7
1	1	0	UMEDBHAI	Gujarati	25526	5
1	1	0	UMEDBHAI	Gujarati	25526	7
1	1	0	UMEDBHAI	Gujarati	25526	6

प्रभाव:

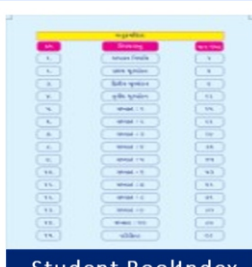
- आधारभूत साक्षरता और गणितीय क्षमता को लागू करने के लिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप, राज्य ने आधारभूत शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए प्रमुख घटक जैसे बालवाटिका की शुरुआत की है, जिसमें प्रत्येक छात्र के लिए एक शिक्षक पुस्तिका और दो कार्यपुस्तिकाएं (भाग 1 और 2) शामिल हैं।
- विद्या प्रवेश (कक्षा 1) के अधीन स्कूल तत्परता मॉड्यूल में शिक्षक हैंडबुक, छात्र वर्कबुक, और कक्षा 1-2 के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण शामिल है, जिसमें गणित प्रैक्टिस बुक, गुजराती प्रैक्टिस बुक, क्रिएटिव एक्सरसाइज बुक, और ड्राइंग बुक शामिल हैं। राज्य ने गिजुभाई बधेका की कहानियों के संग्रह - वार्ता नो वडलो पुस्तक भाग 1 और 2 के माध्यम से पढ़ने के कौशल और समझ के विकास पर भी जोर दिया है, जिसमें अंग्रेजी, गुजराती और हिंदी में त्रिभाषी दृष्टिकोण अपनाया गया है।
- इसमें विभिन्न विषयों पर आधारित 24 बोर्ड बुक्स का एक सेट शामिल है और श्रवण बाधित बच्चों के लिए क्यूआर कोडित भारतीय सांकेतिक भाषा वीडियो के साथ प्रारंभिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है और पूरी तरह से अंधे बच्चों के लिए ब्रेल उभरा हुआ प्रज्ञा पुस्तकें प्रदान की गई हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य ने वाद्य यंत्रों, ऐक्टिविटी ग्रांट, और सामग्री खरीदने के लिए अनुदान प्रदान करके कला शिक्षा को समृद्ध करने को प्रोत्साहित किया है।
- एक क्षमता निर्माण दृष्टिकोण को प्रशासनिक और शैक्षिक दिशा-निर्देशों के माध्यम से लागू किया गया है, और सार्वजनिक जागरूकता के लिए निपुण गुजरात ब्रोशर वितरित किया गया है।
- IIT गांधीनगर के माध्यम से FLN किट (कक्षा 1-2) प्रदान करके इस मिशन को सशक्त किया गया है, जिसमें बच्चों के लिए मूल गणितीय गतिविधियाँ और भाषा कौशल विकास शामिल हैं।
- कुल मिलाकर, यह पहल छात्रों की सीखने और विकास के लिए एक समग्र आधार बनाने का प्रयास करती है।

विद्याप्रवेश- कक्षा 1

सं.	संसाधन सामग्री	विवरण	कुल कदरेज
1.	विद्याप्रवेश-छात्र गतिविधि पुस्तक	- एनसीएफ और एससीएफ में उल्लिखित सीखने के परिणामों पर आधारित - एनसीईआरटी दिशानिर्देशों के आधार पर जीसीईआरटी और समग्र शिक्षा द्वारा सौहार्दपूर्वक तैयार किया गया। - कक्षा 1 के सभी छात्रों के लिए तीन महीने का खेल आधारित मॉड्यूल - शामिल किए गए क्षेत्र: गणित, पर्यावरण और गुजराती	5,09,786
2.	विद्याप्रवेश-शिक्षक पुस्तिका	- एनसीएफ और एससीएफ में उल्लिखित सीखने के परिणामों के आधार पर छात्रों को आनंददायक तरीके से सीखने का अनुभव प्रदान करने में मदद मिलती है। - एनसीईआरटी दिशानिर्देशों के आधार पर जीसीईआरटी और समग्र शिक्षा द्वारा सौहार्दपूर्वक तैयार किया गया	40,000



Student Book



Student BookIndex



Teacher Handbook

16

जादूई पिटारा सामग्री विकास एनसीईआरटी और गुजरात की स्थिति

सं.	विवरण	एनसीईआरटी- जादूई पिटारा में सुझाई गई वस्तुओं की संख्या	गुजरात- प्रति कक्षा गतिविधि- आधारित शिक्षण सामग्री की संख्या
1	खिलौने और खेल	21	35
2	कार्ड	332	445
3	डोमिनोज	14	59
4	पोस्टर	27	40
5	गतिविधि- कहानी/पत्रिका	40	98
6	चित्र शब्दकोश	0	25
7	कैलेंडर	0	2
8	आईईसी सामग्री	0	10
9	एनसीईआरटी किट	0	37
10	समावेशी शिक्षा (ब्रेल टीएलएम)	0	26
11	संगीत किट	0	16
	कुल आइटम	434	793

छात्रों के लिए शिक्षण सामग्री:

संख्या	घटक / संसाधन	कक्षा	प्रति छात्र पुस्तकों की संख्या	कुल पुस्तकें	कवरेज किए गये कुल छात्रों की संख्या
1.	बालवाटिका कार्यपुस्तिका भाग 1 और 2	बालवाटिका	प्रति छात्र 2	2	6,10,000
2.	गणित की कार्यपुस्तिका भाग 1 और 2	1 और 2	प्रति छात्र 2	4	6,17,450
3.	गुजराती कार्यपुस्तिका भाग 1 और 2	1 और 2	प्रति छात्र 2	4	6,17,450
4.	विद्या प्रवेश छात्र पुस्तक	1	प्रति छात्र 1	1	5,09,786
5.	पुस्तक लेखन	1 और 2	प्रति छात्र 1	2	6,17,450
6.	गतिविधि परियोजना पुस्तक	1 और 2	प्रति छात्र 1	2	6,17,450
7.	प्रोजेक्ट बुक	3 और 5	प्रति छात्र 1	3	19,17,857
8.	स्लेट	1 और 2	प्रति छात्र 1	2	6,17,450
9.	ड्राइंग बुक	2 और 5	प्रति छात्र 1	5	25,33,307
10.	नोटबुक	1 और 5	प्रति छात्र 3	15	25,33,307
11.	स्टेशनरी किट (7 आइटम)	बालवाटिका से 2	प्रति छात्र 1 किट	7 आइटम	12,34,900

नोट: कुछ वस्तुओं का वितरण वित्तीय वर्ष 2024-25 में किया जाएगा।



बालवाटिका गतिविधि पुस्तक भाग



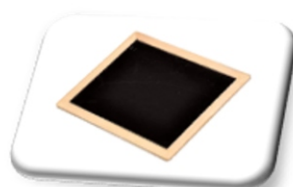
ड्राइंग बुक क्लास :



लेखन पुस्तक कक्षा - 1



प्रोजेक्ट बुक क्लास



स्लेट



नोटबुक कक्षा : 1



स्टेशनरी किट

प्रिंट समृद्ध कक्षा और एफएलएन लाइब्रेरी के लिए संसाधन सामग्री:

संख्या	विवरण	प्रति सेट वस्तुओं की संख्या	सेटों की संख्या
1.	कहानी पुस्तक संग्रह (भाग: 1 से 12)	12	58,700
2.	वार्ता नो वडलो (भाग 1 और 2)	2	219,112
3.	बड़ी किताब	8	58,700
4.	प्रारंभिक पाठक श्रृंखला	20	58,700
5.	द्विभाषी कहानी पुस्तकें CIIL	25	33,000
6.	चित्र शब्दकोश	1	58,700
7.	बोर्ड बुक सेट	24	48,200
8.	चार्ट	40	58,700
9.	फ़्लैश कार्ड	504	58,700
10.	चित्र कैलेंडर	2	58,700
11.	सामान्य ज्ञान पुस्तक सेट	3	50,000



बड़ी किताब



प्रारंभिक पाठक



चित्र शब्दकोश



बोर्ड बुक्स



चित्र कैलेंडर



फ़्लैश कार्ड



चार्ट

एफएलएन कक्षा किट (टीएलएम) :

संख्या	विवरण	कक्षा	प्रति सेट वस्तुओं की संख्या	सेटों की संख्या
1.	ब्रेल किट	बालवाटिका कक्षा 1 और 2	26	2,650
2.	FLN कक्षा के लिए संगीत वाद्ययंत्र		6	40,527
3.	NCERT प्रारंभिक गणित किट		37	33,000
4.	IIT गांधीनगर FLN किट		9	32,000
5.	बच्चों के लिए यूनिवर्सिटी NIPUN टॉय किट		18	15,000

शिक्षकों के लिए शिक्षण सामग्री:

संख्या	विवरण	कक्षा	इकाई	कुल कवरेज
1.	बालवाटिका शिक्षक पुस्तिका	बालवाटिका	प्रति शिक्षक 1	40,000
2.	विद्याप्रवेश शिक्षक पुस्तिका	1	प्रति शिक्षक 1	40,000
3.	शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल	1 और 2	प्रति शिक्षक 1	40,000



शिक्षक पुस्तिका



ब्रेल किट



FLN IIT किट



NCERT गणित किट



संगीत वाद्ययंत्र



लकड़ी का खेलौना किट

IEC और शिक्षक संसाधन सामग्री:

संख्या	विवरण	इकाई	कुल कवरेज
1.	निपुण भारत दिशानिर्देश	विद्यालय	34,500
2.	निपुण लर्निंग आउटकम (LO) 6 पोस्टर	कक्षा	34,500
3.	निपुण भारत ब्रोशर	विद्यालय	34,500
4.	IEC डायरी	प्रधानाचार्य	35,500
5.	वार्षिक कैलेंडर	विद्यालय	35,500



❖ शिक्षण संवर्द्धन कार्यक्रम/उपचारात्मक कार्यक्रम:

कक्षा 3 से 10 तक के छात्रों के लिए लर्निंग एन्हांसमेंट प्रोग्राम (LEP) की शुरुआत की गई थी, जिसका उद्देश्य छात्रों की पाठ्यक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण अवधारणाओं की समझ को बढ़ाना था। गतिविधि-आधारित शिक्षण, समूह चर्चा और परियोजना कार्य के संयोजन के माध्यम से, इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की समझ को गहरा करना और विभिन्न विषय क्षेत्रों में उनके आलोचनात्मक सोच कौशल को विकसित करना था।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, निम्नलिखित संसाधन सामग्री/पुस्तकें विकसित की गईं और इन्हें छात्रों को उपलब्ध कराया जाएगा।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 की प्रगति:

संख्या	विवरण	कक्षा	इकाई	पुस्तकों की संख्या	छात्रों की संख्या
1.	कार्यपुस्तिका भाग 1 से 4	3 से 5	प्रति छात्र 4	12	19,17,857
2.	कार्यपुस्तिका भाग 1 से 6	6 से 8	प्रति छात्र 6	18	19,19,589
3.	कार्यपुस्तिका भाग 1 से 6	9 से 10	प्रति छात्र 6	12	2,27,042
4.	आवधिक मूल्यांकन परीक्षण (पीएटी) पुस्तिका	3 से 10	प्रति छात्र 1	8	41,82,871
5.	प्रोजेक्ट पुस्तक	6 से 9	प्रति छात्र 1	4	20,33,113
6.	संस्कृत पॉकेट डायरी	6 से 8	प्रति छात्र 1	1	19,19,589

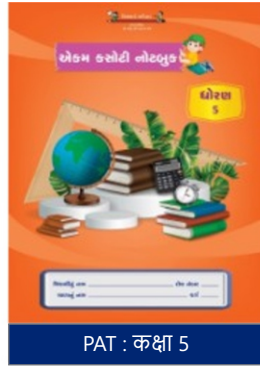
- कक्षा 3 से 5: गुजराती, गणित, पर्यावरण
- कक्षा 6 से 8: गुजराती, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेज़ी
- कक्षा 9 और 10: गुजराती, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेज़ी

स्कूल लेवल पर

- गतिविधि-आधारित दृष्टिकोण ने छात्रों में जिज्ञासा जगाई, उन्हें पाठ्यपुस्तकों का संदर्भ लेने, साथियों के साथ चर्चा करने और शिक्षकों से मार्गदर्शन लेने के लिए प्रोत्साहित किया।
- समूह गतिविधियों के माध्यम से सहपाठी शिक्षण को प्रोत्साहित किया गया, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सहयोगात्मक शिक्षा के वातावरण का निर्माण हुआ।
- विद्यार्थियों की समझ को व्यापक बनाने तथा उनकी शिक्षा को मजबूत करने के लिए विभिन्न आवधिक विषयों की पहचान की गई तथा उन्हें गतिविधि पुस्तिका में शामिल किया गया।
- विषयगत इकाइयों ने छात्रों को विविध विषयों का अन्वेषण करने और विभिन्न संदर्भों में अपने ज्ञान को लागू करने के अवसर प्रदान किए।
- कार्यक्रम में व्यक्तिगत और समूह-आधारित परियोजना कार्य को शामिल किया गया, जिससे छात्रों की समझ को गहरा करने और स्वतंत्र शोध कौशल को बढ़ावा देने में मदद मिली।
- परियोजनाओं ने छात्रों को विशिष्ट विषयों में गहराई से जाने, जानकारी का आलोचनात्मक विश्लेषण करने और अपने निष्कर्षों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया।



पॉकेट डायरी



PAT : कक्षा 5



प्रोजेक्ट बुक 8



वर्कबुक 3



PART : कक्षा 6



वर्कबुक 6



वर्कबुक 7



वर्कबुक 10

❖ युवा एवं इको-क्लब:

युवा एवं इको-क्लब (YEC) पहल का उद्देश्य छात्रों को पाठ्यक्रम और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में शामिल करना था, ताकि उन्हें जन जागरूकता अभियानों जैसे 'जल शक्ति अभियान', 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' के प्रति जागरूक किया जा सके। इस पहल के तहत प्राथमिक विद्यालयों में युवा क्लब और उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में इको-क्लब की स्थापना की गई। इन क्लबों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनका मकसद छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, नागरिक जिम्मेदारी और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था।



प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय (12,478) को ₹3000, प्रत्येक उच्च प्राथमिक विद्यालय (19,797) और माध्यमिक विद्यालय (1,879) को ₹5000 के अनुदान YEC गतिविधियों के लिए प्रभावी रूप से उपयोग किए गए। इन निधियों का उपयोग कार्यक्रमों के आयोजन, सामग्री की खरीद और पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए किया गया। छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों, प्रतियोगिताओं एवं स्वच्छता अभियानों जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यालय की निष्क्रिय बुनियादी सुविधाओं जैसे खेल मैदान, खेल उपकरण, पुस्तकालय, स्कूल के बगीचे, संगीत वाद्ययंत्र आदि का उपयोग किया गया, जिससे छात्रों को ऐसी रुचियाँ एवं अपने कौशल विकसित करने का मौका मिला जिन्हें वे अन्यथा शायद खोज न पाते।

युवा एवं इको-क्लब पहल ने पर्यावरण जागरूकता, नागरिक जिम्मेदारी और छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को अपनी शिक्षा का जिम्मा उठाने, समुदायों के साथ सार्थक रूप से जुड़ने और एक स्थायी और सशक्त भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए सक्षम बनाया गया है।



❖ રાષ્ટ્રીય આવિષ્કાર અભિયાન (RAA)

સ્કૂલ અને કક્ષામાં હોતી શૈક્ષણિક ગતિવિધિઓના મહત્વને કેન્દ્રમાં રાખીને, રાષ્ટ્રીય આવિષ્કાર અભિયાન (RAA) નો ઉદ્દેશ્ય કક્ષાના બહાર વિજ્ઞાન, ગણિત અને પ્રૌદ્યોગિકીના અભ્યાસની સંભાવનાઓનો લાભ ઉઠાવવાનો છે. કક્ષાના ચાર દીવારોમાંથી પરે પણ વિજ્ઞાન, ગણિત અને પ્રૌદ્યોગિકી શીખવાના કેટલાક અવસર મળી શકે છે. આ દિશામાં, RAA નો દોહરી દૃષ્ટિકોણ સાથે તૈયાર કરવામાં આવ્યો છે, જેથી વિદ્યાલયોને સહયોગ અને મંચ પ્રદાન કરવામાં આવે, જેથી વિજ્ઞાન, ગણિત અને પ્રૌદ્યોગિકીના બાળકોના રોચક બનાવવામાં આવે અને કક્ષાના અંદર અને બહારની ગતિવિધિઓના માધ્યમથી તેમાં તેમની રુચિ સ્થાયી થાય.

(i) પ્રાથમિક અને માધ્યમિક સ્તર પર વિજ્ઞાન/ગણિત ક્લબના ગઠન:

આના મુખ્ય ઉદ્દેશ્યોમાંથી એક કક્ષા 6 થી 8 ના છાત્રોમાં જિજ્ઞાસા, શોધ, નવાચાર અને રચનાત્મકતાની ભાવનાને પ્રોત્સાહિત કરવાનો છે. આના માટે આવી ગતિવિધિઓ આયોજિત કરવામાં આવશે, જે પરંપરાગત (કક્ષામાં) શિક્ષાને પૂરક બનાવશે અને વિજ્ઞાન અને ગણિતને એક આનંદદાયક અને રોચક વિષયના રૂપમાં પ્રસ્તુત કરશે.

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, प्रत्येक प्राथमिक विद्यालयों (19,797) के लिए ₹3000/- और प्रत्येक माध्यमिक विद्यालयों (1737) के लिए ₹5000/- का अनुदान विज्ञान-गणित क्लबों के गठन के लिए दिया गया, साथ ही विभिन्न गतिविधियों को लागू करने के दिशा-निर्देश भी दिए गए। स्कूलों ने दिए गए अनुदान का उपयोग क्लब गतिविधियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने हेतु समर्पित स्थान बनाने और आवश्यक संसाधनों की खरीद के लिए किया।

प्राथमिक स्तर पर कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों और माध्यमिक स्तर पर कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने क्लब की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया है, जिससे विज्ञान और गणित में उनकी रुचि और जुड़ाव बढ़ा है। इन क्लबों ने छात्रों को वैज्ञानिक घटनाओं, गणितीय अवधारणाओं एवं तकनीकी नवाचारों का इंटरैक्टिव और व्यावहारिक तरीके से अन्वेषण करने के लिए मंच प्रदान किया है। क्लब गतिविधियों को शिक्षकों द्वारा मौजूदा पाठ्यक्रम के साथ मेल खाने और उसे पूरक करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है, जिससे छात्रों के सीखने के अनुभव समृद्ध हुए हैं।

अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों, जैसे प्रयोग, परियोजनाएं और समस्या समाधान कार्यों के माध्यम से, छात्रों की वैज्ञानिक और गणितीय सिद्धांतों की समझ अधिक गहरी हुई है।

छात्रों में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान-गणित क्लब प्रेरणा स्रोत के रूप में उभरे हैं। शिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को आलोचनात्मक रूप से सोचने, विविध दृष्टिकोणों का पता लगाने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए अभिनव समाधान तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिससे कम उम्र से ही उद्यमशीलता की भावना को पोषित किया जा सके। क्लबों द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनियों, गणित मेलों और आउटरीच कार्यक्रमों ने छात्रों को अपने सीखने को प्रदर्शित करने और अन्य लोगों को वैज्ञानिक जांच और गणितीय अन्वेषण के आनंद को अपनाने के लिए प्रेरित करने के अवसर प्रदान किए हैं।

RAA के तहत विज्ञान-गणित क्लबों का गठन विद्यालय के छात्रों में जिज्ञासा को जगाने, नवाचार को बढ़ावा देने और अंतःविषय अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरा है।



आगे बढ़ते हुए, हम इन क्लबों को वैज्ञानिक अन्वेषण और गणितीय अनुसंधान के गतिशील केंद्र के रूप में पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि छात्रों को जीवनभर सीखने एवं खोज की यात्रा पर निकलने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

(ii) कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए राज्य के भीतर भ्रमण यात्रा:

राज्य के भीतर कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए एक भ्रमण यात्रा आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य स्कूल के बच्चों में जिज्ञासा, उत्साह और अन्वेषण को बढ़ावा देना था। प्रत्येक छात्र को 500 रुपये की राशि प्रदान की गई, जिससे कुल 17,565 छात्रों ने राज्य के भीतर दो दिवसीय यात्राओं का आयोजन किया, जो दिशानिर्देशों के अनुसार की गई।



इसका उद्देश्य कक्षा के बाहर जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना और छात्रों को उनके राज्य की संस्कृति, भूगोल और इतिहास के विभिन्न पहलुओं के प्रति व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न आयोजनों/प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उपविजेताओं को चयन मानदंडों के अनुसार चुना गया और उन्हें भ्रमण यात्राओं के लिए समूहित किया गया। ये भ्रमण यात्राएं सफलतापूर्वक छात्रों में जिज्ञासा और उत्साह की भावना को प्रेरित करने में सहायक रहीं क्योंकि उन्होंने राज्य के विभिन्न स्थलों का अन्वेषण किया। छात्रों को ऐतिहासिक स्थलों, सांस्कृतिक स्थलों, प्राकृतिक आरक्षित क्षेत्रों और अन्य रुचिकर स्थानों की यात्रा करने का अवसर मिला, जिससे उनके राज्य की धरोहर और पर्यावरण के बारे में उनकी समझ बढ़ी। इन यात्राओं ने छात्रों को अपने परिवेश का अवलोकन करने, प्रश्न पूछने और सहभागिता के माध्यम से पूछताछ आधारित सीखने को प्रोत्साहित किया।

यात्राओं के दौरान शिक्षकों ने इंटरैक्टिव सत्रों और चर्चाओं की सुविधा प्रदान की, जिससे छात्रों को भ्रमण के दौरान देखे गए स्थान के महत्व एवं प्रासंगिकता के बारे में पूछताछ करने के लिए प्रेरित किया। ये भ्रमण यात्राएं मूल्यवान शैक्षिक अनुभव के रूप में कार्य की, जो कक्षा की पढ़ाई को समर्थन देती हैं और विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।



(iii) कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए राज्य से बाहर भ्रमण दौरे:

कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए राज्य के बाहर एक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य उनके दृष्टिकोण को विस्तारित करना, विभिन्न संस्कृतियों की समझ को बढ़ाना तथा उन्हें उनके आस-पास की सीमाओं से बाहर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। प्रत्येक छात्र को ₹5000/- की महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की गई और इस प्रक्रिया के तहत कुल 500 छात्रों को भाग लेने के लिए चुना गया।

छात्रों का चयन मानदंड के अनुसार किया गया – ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न आयोजनों/प्रतियोगिताओं के विजेताओं को चयन मानदंड के अनुसार चुना गया और उन्हें भ्रमण यात्राओं के लिए समूहित किया गया।

एक्सपोजर विजिट ने छात्रों को एक अलग सांस्कृतिक परिवेश में डूबने और विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले लोगों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान किया। ऐतिहासिक स्थलों, संग्रहालयों, सांस्कृतिक चिन्हों और स्थानीय समुदायों की यात्राएँ छात्रों की क्षेत्रीय इतिहास, परंपराओं और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिशीलता की समझ को समृद्ध बनाती हैं।

एक्सपोजर विजिट ने छात्रों के लिए अनमोल क्षण और अनुभव बनाए, जो उनके दृष्टिकोण को आकार दे, इस दुनिया के प्रति उनके नजरिए को विस्तारित करते हैं।

(iv) विज्ञान प्रदर्शनी / पुस्तक मेला प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर:

प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक अन्वेषण को बढ़ावा देना, सीखने के प्रति प्रेम विकसित करना और छात्रों को शैक्षणिक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करना था। 1,780 प्राथमिक विद्यालयों और 1,737 माध्यमिक विद्यालयों, जहाँ "सीखने से सीखने" (LBD) और STEM प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई थीं, को ₹10,000 का



अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, स्कूलों में विज्ञान प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश प्रदान किए गए। स्कूलों ने प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए आवश्यक सामग्री, उपकरण और संसाधन जुटाने के लिए ₹10,000 के अनुदान का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। छात्रों, शिक्षकों और समुदाय ने वैज्ञानिक ज्ञान और नवाचार में सक्रिय भागीदारी की। इसने छात्रों को वैज्ञानिक अवधारणाओं की खोज, प्रयोग करने और अपने प्रोजेक्ट को प्रदर्शित करने के लिए व्यावहारिक अवसर प्रदान किए।

❖ प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर खेल और शारीरिक शिक्षा:

केंद्र सरकार की प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा के तहत, खेल और शारीरिक शिक्षा के तत्वों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल, शारीरिक शिक्षा गतिविधियों, योग, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों आदि की शुरुआत की गई है। जैसा कि नीचे उल्लेखित है, शिक्षा स्तर के अनुसार स्कूलों को अनुदान प्रदान किया गया है।

अनुदान का सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, इस विभाग ने खेल अनुदानों के लिए MoE द्वारा संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार गुजराती में दिशा-निर्देश विकसित किए हैं और स्कूलों में प्रसारित किए हैं। इन दिशानिर्देशों में दैनिक खेल गतिविधियों, उपकरणों की खरीद (आयु-उपयुक्त सूची के साथ विशिष्टताएँ और लागत), आयु-उपयुक्त खेल, योग, स्वदेशी खेल, बुनियादी ढांचे के विकास, खेल समिति और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की भूमिका आदि पर विशेष ध्यान दिया गया है।

गतिविधि मास्टर	वर्ग	स्कूलों की संख्या	इकाई लागत (रु.)
खेल एवं शारीरिक शिक्षा (पी)	1-5 (सभी मीडियम स्कूल)	12,410	5,000
खेल एवं शारीरिक शिक्षा (यू.पी.)	6-8, और 1-8 (सभी मीडियम स्कूल)	19,973	10,000
खेल और शारीरिक शिक्षा (एस)	1-10, 6-10, 9-10 (सभी मीडियम स्कूल)	1,133	25,000
खेल एवं शारीरिक शिक्षा (उच्च मा.)	6-12, 9-12, 11-12 (सभी मीडियम स्कूल)	775	25,000





❖ प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर खेल शिक्षा को सशक्त बनाना:

प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर खेल शिक्षा को सशक्त बनाने का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक-भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास सहित समग्र विकास के लिए खेलों के अपार लाभों का उपयोग करना है। फिट इंडिया से संबंधित विभिन्न गतिविधियों और राज्य और राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में भागीदारी के माध्यम से, स्कूलों ने छात्रों को खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने, फिटनेस को बढ़ावा देने, और स्वस्थ जीवनशैली की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के अवसर प्रदान किए हैं।

नीचे उल्लिखित अनुसार, खेल गतिविधियों को संचालित करने के लिए प्रति स्कूल 1000/- रुपये का अनुदान प्रदान किया गया था। स्कूलों ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित फिट इंडिया गतिविधियाँ आयोजित कीं:

1. નવંબર/દિસંબર મેં ફિટ ઇન્ડિયા સ્કૂલ સપ્તાહ
2. ફિટ ઇન્ડિયા પ્રીડમ રન - 15 અગસ્ટ સે 2 અક્ટૂબર
3. ફિટ ઇન્ડિયા પ્લોગિંગ ઇવેન્ટ 2 અક્ટૂબર કો (પ્રીડમ રન કા સમાપન)
4. ફિટ ઇન્ડિયા સાયક્લોથૉન
5. ફિટ ઇન્ડિયા ક્રિકેટ
6. ફિટ ઇન્ડિયા મોબાઇલ એપ (ડાઉનલોડ કો અધિકતમ કરને પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરના) અન્ય કાર્યક્રમોં કે સાથ, બચ્ચોં, શિક્ષકોં ઓર માતા-પિતા કો શામલ કરને કે લેા.

સાથ હી છાત્રોં કો ખેલો ઇન્ડિયા, ખેલ મહાકુંભ ઓર અન્ય રાજ્ય ઓર રાષ્ટ્રીય સ્તર કે આયોજનોં/પ્રતિયોગિતાઓં મેં ભાગ લેને કે લેા પ્રોત્સાહિત કિયા ગયા. ઉપર્યુક્ત આયોજનોં કે વિજેતાઓં કો વાર્ષિક સ્કૂલ કાર્યક્રમ રામોત્સવ કે દોરાન સમ્માનિત કિયા ગયા, ઉનકી ઉપલબ્ધિયોં કો માન્યતા દી ગઈ ઓર ખેલ ભાવના ઓર ઉત્કૃષ્ટતા કી સંસ્કૃતિ કો બઢાવા દિયા ગયા.

ગતિવિધિ માસ્ટર	માત્રા	અનુદાન (રૂ.)
ખેલ શિક્ષા કો સુદઢ બનાના (પ્રાથમિક)	32,275	1,000
ખેલ શિક્ષા કો સુદઢ બનાના (માધ્યમિક ંવં ઉચ્ચ માધ્યમિક)	1,879	1,000

રાજ્યકક્ષાની ટેકવેન્ડો સ્પર્ધામાં ભોદના ત્રણ વિદ્યાર્થીઓ દાખવશે કૌવત

જિલ્લાકક્ષાની ખેલમહાકુંભની સ્પર્ધામાં સીમશાળા નં-૧ના વિદ્યાર્થીઓએ મેળવી જીત

આજકાલ પ્રતિનિધિ-પોરબંદર
પોરબંદર જિલ્લાકક્ષાની ખેલમહાકુંભની ટેકવેન્ડો સ્પર્ધામાં ભોદગામની સીમશાળા નં-૧ના ત્રણ વિદ્યાર્થીઓએ મેદાન માર્યું છે અને રાજ્યકક્ષાએ તે પોરબંદર જિલ્લાનું પ્રતિનિધિત્વ કરશે.

પોરબંદર મુકામે યોજાયેલ પોરબંદર જિલ્લા કક્ષા ખેલ મહાકુંભ ટેકવેન્ડો સ્પર્ધામાં ભોદ સીમશાળા નં - ૧ના ૩ બાળકોએ ભાગ લીધો હતો. જેમાં અંડર - ૧૪ ભાઈઓ તથા બહેનો કેટેગરીમાં શાળાના ત્રણે વિદ્યાર્થીઓ અલગ અલગ વજન કેટેગરીમાં પ્રથમ ક્રમ પ્રાપ્ત કરેલ છે બામણીયા રોહિત ભવડુભાઈ જિલ્લા કક્ષા ટેકવેન્ડો ભાઈઓ (૧૭૪ન - ૧૮ થી ૨૧ કિ. ગ્રા)



ખેલમહાકુંભની જિલ્લાકક્ષાની ટેકવેન્ડો સ્પર્ધામાં ભોદ સીમશાળા નં-૧ના ૩ વિદ્યાર્થીઓએ પ્રથમ ક્રમ પ્રાપ્ત કર્યો તેની તસ્વીર (તસ્વીર: જિજ્ઞેશ પોપટ)

સ્પર્ધામાં પ્રથમ નંબર, બામણીયા મહેશ ભવડુભાઈ જિલ્લા કક્ષા ટેકવેન્ડો ભાઈઓ (૧૭૪ન - ૨૭ થી ૨૮ કિ. ગ્રા) સ્પર્ધામાં પ્રથમ નંબર, મસાનીયા રંજના કાસમભાઈએ જિલ્લા કક્ષા ટેકવેન્ડો

બહેનોની સ્પર્ધામાં (૧૭૪ન - ૨૬ થી ૨૮ કિ. ગ્રા) માં પ્રથમ નંબર પ્રાપ્ત કરેલ છે. જે બદલ ત્રણે વિદ્યાર્થીઓને તથા શાળાના શિક્ષક અમિતભાઈ સાતાને શાળાના આચાર્ય ભરતભાઈ વાઢિયા

તેમજ સમગ્ર શાળા પરીવાર વતી ખૂબ ખૂબ અભિનંદન પાઠવવામાં આવે છે. વિજેતા થયેલ ખેલાડીઓ હવે પછી રાજ્ય કક્ષાની ટેકવેન્ડો સ્પર્ધામાં ભાગ લેવા માટે જશે.

મોકર ગામની પ્રાથમિક શાળાના ખેલાડીઓએ વોલીબોલની સ્પર્ધામાં ૮૪ હજારનું મેળવ્યું ઇનામ



તાલુકાકક્ષા ખેલ મહાકુંભ ૨૦૨૩-૨૪ વોલીબોલમાં શ્રી મોકર પ્રાથમિક શાળાની અંડર-૧૪ કુમાર પ્રથમ કન્યા ક્ષિતિય નંબર અને અંડર-૧૪ કન્યા ક્ષિતિય ક્રમે આવી શાળાનું ગૌરવ વધાર્યું છે. તેમજ અંડર-૧૭ કુમાર-કન્યા પ્રથમ અને ઓપન એજ કન્યા પ્રથમક્રમે આવી ગામનું ગૌરવ પણ વધાર્યું છે. શાળામાં અને ગામમાં વોલીબોલ રમતનો પાયો નાખનાર શિક્ષક પટેલ રિતેશભાઈ અને લાખાણા ભાવિશાબેનની મહેનતથી મોકર ગામની કુલ ૫ ટીમે તાલુકાકક્ષાએ નંબર મેળવ્યો છે. જીતેલી દરેક ટીમ જિલ્લાકક્ષાએ ભાગ લેશે તેમજ દરેક ટીમ તાલુકાના ઇનામને પાત્ર પણ થશે. મોકર ગામના વોલીબોલ રમતનું કુલ ઇનામ ૮૪૦૦૦ થયું જેથી દરેક ખેલાડી અને વાલીઓ હર્ષ અને આનંદની લાગણી અનુભવે છે. તસ્વીર(તસ્વીર:જીજ્ઞેશ પોપટ)



❖ શાલા સિદ્ધિ:

શાલા સિદ્ધિ એક મૂલ્યાંકન પહેલ છે, જેનું ઉદ્દેશ્ય ગુજરાતમાં પ્રાથમિક અને માધ્યમિક સ્કૂલોના પ્રદર્શનને સુધારવાનું છે. વ્યાપક આત્મ-મૂલ્યાંકન અને બાહ્ય મૂલ્યાંકન કરીને, વિદ્યાલયો પોતાની તાકત, સુધારાના ક્ષેત્રો અને નવીન પ્રથાઓની પહચાન કરે છે. આ પહેલના ઉદ્દેશ્ય સાથે પ્રમુખ ક્ષેત્રોમાં વિદ્યાલયના પ્રદર્શનમાં ક્રમિક અને સ્થાયી સુધારાના કાર્ય યોજનાઓના વિકાસને સુગમ બનાવવાનું છે.

- (1) સ્કૂલના સંસાધનોની સક્ષમતા; (2) શિક્ષણ-સીખના અને મૂલ્યાંકન; (3) વિદ્યાર્થીઓની પ્રગતિ અને પ્રાપ્તિ;
- (4) શિક્ષક પ્રદર્શનના પ્રબંધન; (5) સ્કૂલ નેતૃત્વ અને પ્રબંધન; (6) સમાવેશી, સ્વાસ્થ્ય અને સુરક્ષા; (7) ઉત્પાદક સામુદાયિક ભાગીદારી

- राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (NIEPA) द्वारा तैयार किया गया मॉड्यूल का गुजराती में अनुवाद किया गया और उसे मुद्रित किया गया।

- सभी सरकारी स्कूलों के साथ सॉफ्ट कॉपी साझा की गई।

- मार्च 2024 के महीने में, सभी सरकारी प्राथमिक और सरकारी माध्यमिक स्कूलों ने आत्म-मूल्यांकन किया।

- स्कूलों ने सात डोमेन में अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में सक्रिय रूप से भाग लिया और जानकारी शाला सिद्धि पोर्टल पर अपलोड की।

- अकादमिक वर्ष 2022-23 के लिए एक-तिहाई स्कूलों का बाहरी मूल्यांकन तीन सदस्यीय समितियों द्वारा किया गया।

- मूल्यांकन मार्च 2024 में हुआ, जिससे स्कूल के प्रदर्शन पर बाहरी दृष्टिकोण प्राप्त हुआ।

- मूल्यांकन के निष्कर्षों के आधार पर, स्कूल इंफ्रामेंटल और सतत सुधार के लिए कार्य योजनाएँ विकसित करेंगे।

❖ प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में सुरक्षा के लिए निधि:

स्कूली बच्चों की सुरक्षा और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने को उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र मानते हुए, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से 2016 में स्कूल सुरक्षा नीति पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार किए। इसके अनुरूप, गुजरात ने स्कूल सुरक्षा नीति पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश को विकसित किया, गुजराती में अनुवादित किया और सभी स्कूलों में वितरित किया। सभी स्कूलों को 2000 रुपये का अनुदान दिया गया। दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी स्कूलों ने निम्न गतिविधियाँ लागू की हैं:



- शिक्षकों, एसएमसी/एसएमडीसी सदस्यों, छात्रों, प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य, अग्निशमन अधिकारी, पुलिस, राजस्व विभाग के पदाधिकारियों को मिलाकर 11 सदस्यीय सुरक्षा आपदा प्रबंधन समिति (एसडीएमसी) का गठन किया और नियमित रूप से बैठकें आयोजित कीं।
- सभी स्कूलों द्वारा स्कूल आपदा जोखिम प्रबंधन योजना (एसडीआरएमपी) तैयार की गई।
- स्कूलों में प्रमुख स्थान पर सुरक्षा प्रतिज्ञा बैनर स्थापित किया गया।
- मूलभूत दवाइयों के साथ प्राथमिक चिकित्सा किट प्रदान की गई और आपातकालीन नंबर प्रदर्शित किए गए।
- सुरक्षा और सुरक्षा से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।





❖ शिक्षकों के लिए सुरक्षा एवं सुरक्षा पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम:

गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (GIDM) के सहयोग से, पीएम श्री प्रथम चरण के सभी 274 स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों (प्रति स्कूल एक शिक्षक) के लिए स्कूल सुरक्षा और संरक्षा पर 2 दिवसीय आवासीय ओरिएंटेशन कार्यशाला GIDM, गांधीनगर में आयोजित की गई। इन मास्टर ट्रेनर्स ने अपने-अपने स्कूलों में शेष स्कूल स्टाफ और छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रशिक्षण आयोजित किया।





❖ જૈવિક ખેતી:

જૈવિક ખેતી (ઓર્ગેનિક ફાર્મિંગ) પહેલ કો ટિકાઉ કૃષિ પદ્ધતિયોં દ્વારા બઢાવા દેને ઓર છાત્રોં કો જૈવિક ખેતી કે લાભોં કે બારે મેં શિક્ષિત કરને કે ઉદ્દેશ્ય સે શુરૂ કિયા ગયા થા। કુલ 254 પ્રાથમિક સ્કૂલ (પ્રત્યેક બ્લોક સે એક) ઓર 100 માધ્યમિક ઓર વરિષ્ઠ માધ્યમિક સ્કૂલોં કો ઇસ કાર્યક્રમ મેં ભાગ લેને કે લિએ ચુના ગયા। પ્રત્યેક ચયનિત સ્કૂલ કો 10,000 રુપયે કા અનુદાન પ્રદાન કિયા ગયા, સાથ હી આવશ્યક ગતિવિધિયોં કો લાગૂ કરને કે લિએ વિસ્તૃત દિશા-નિર્દેશ ભી દિએ ગએ।

કાર્યક્રમ મેં વિભિન્ન જૈવિક ખેતી પદ્ધતિયોં કો શુરૂ કરને પર ધ્યાન કેંદ્રિત કિયા ગયા, જિસમેં વ્યવસ્થિત વૃક્ષારોપણ, સિંચાઈ પ્રણાલી કી સ્થાપના, કંપોસ્ટ પિટ પ્રબંધન ઓર પ્રાકૃતિક ઈર્વરકોં કા ઉપયોગ શામિલ હૈ। સાથ હી, મિટ્ટી કી ઈર્વરતા ઓર ફસલ કી ઉપજ કો બઢાને કે લિએ રોટેશનલ પ્લાંટેશન કો ભી શામિલ કિયા ગયા। સંબંધિત જિલોં કે કૃષિ વિભાગ કે વૈજ્ઞાનિકોં ઓર અધિકારિયોં કી ભાગીદારી ને વિશેષજ્ઞ માર્ગદર્શન પ્રદાન કરકે ઓર ઓર્ગેનિક ફાર્મિંગ તકનીકોં કે બારે મેં જાગરૂકતા બઢાકર સીખને કે અનુભવ કો ઓર સમૃદ્ધ કિયા।

ऑर्गेनिक फार्मिंग पहल ने छात्रों के बीच ऑर्गेनिक फार्मिंग तथा स्वस्थ भोजन उत्पादन के बीच संबंध को समझने में गहन रुचि उत्पन्न की। व्यावहारिक गतिविधियों और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के माध्यम से, छात्रों ने टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति गहरी समझ विकसित की। इसके अतिरिक्त, इस पहल ने छात्रों को टीमवर्क, समस्या-समाधान और पर्यावरणीय प्रबंधन जैसे मूल्यवान जीवन कौशल प्राप्त करने का एक मंच प्रदान किया।



❖ स्कूलों की ट्रेनिंग पहल:

स्कूलों के जुड़ने की पहल का उद्देश्य कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह सहयोगात्मक शिक्षण अनुभवों को बढ़ावा देना था। स्कूलों को जोड़ने के माध्यम से, इस कार्यक्रम ने छात्रों और शिक्षकों को ज्ञान, अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। कुल 20,028 स्कूलों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रति स्कूल 1000 रुपये का अनुदान आवंटित किया गया।

स्कूलों में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

- विद्यालयों का दौरा कर स्कूल सभाओं में भाग लिया गया, जहां दौरे का उद्देश्य साझा किया गया तथा दिन के लिए योजनाओं पर चर्चा की गई।
- होस्ट स्कूलों ने पुस्तकालय, प्रयोगशाला, नर्सरी, रसोईघर, खेल का मैदान और स्वच्छता सुविधाओं सहित विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन करने की व्यवस्था की।
- होस्ट स्कूलों ने नवाचार और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित किया, जिससे विज़िटिंग स्कूलों को प्रेरणा और नए विचार मिल सके।
- छात्रों ने खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया ताकि मित्रता और टीमवर्क को बढ़ावा मिल सके।

- बहस, भाषण प्रतियोगिताएं, पहेलियाँ, पुस्तक मेले और विज्ञान/गणित मेले आयोजित किए गए ताकि बौद्धिक सहभागिता को उत्तेजित किया जा सके।

कार्यक्रम की प्रभावशीलता:

- **कार्य का आदान-प्रदान:** भाग लेने वाले स्कूलों ने शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में काम का आदान-प्रदान किया, जिससे छात्रों और शिक्षकों के सीखने के अनुभवों को समृद्ध किया गया।
- **क्षमता वृद्धि:** कार्यक्रम ने ज्ञान साझा करने तथा विभिन्न शिक्षण और अधिगम विधियों के संपर्क के माध्यम से शिक्षकों और छात्रों की क्षमता बढ़ाई।
- **क्षमताओं का समन्वय:** स्कूलों ने एक-दूसरे की कमजोरियों को पूरा किया, जिससे समन्वित अधिगम और आपसी विकास हुआ।
- **सहकर्मी और समूह अधिगम:** पहल ने सहकर्मी अधिगम और समूह अधिगम के वातावरण को सुदृढ़ किया, जिससे छात्रों के बीच सहयोग और सहयोग को बढ़ावा मिला।
- **शिक्षक विकास:** शिक्षकों को बेहतर और अधिक प्रभावी शिक्षण विधियों को अपनाने का अवसर मिला, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षण प्रथाओं और छात्र सहभागिता में सुधार हुआ।

संक्षेप में, स्कूलों की जुड़वाँ पहल सहयोगी शिक्षण के माहौल को बढ़ावा देने एवं स्कूलों के बीच विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में सहायक रही है। सहकर्मी और समूह सीखने के अवसर प्रदान करके कार्यक्रम ने छात्रों और शिक्षकों दोनों के समग्र विकास में योगदान दिया है।





स्कूल दिनिंग 25/34



दिनिंग प्रोग्राम स्कूल नं. 41 और 50



❖ एक भारत, श्रेष्ठ भारत

इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत को एक एकीकृत राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है, जहाँ विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों की विविध सांस्कृतिक संस्थाएँ एक-दूसरे के साथ मिलती हैं और एक-दूसरे से जुड़ती हैं। इसका उद्देश्य आधुनिक भारतीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के विशाल विस्तार में एकजुट एकीकरण के बारे में हमारे नागरिकों के बीच जागरूकता बढ़ाना, जो सामूहिक लाभ के लिए राष्ट्र की भू-राजनीतिक शक्ति को बनाए रखने तथा विभिन्न राज्यों के व्यक्तियों के बीच अलगाव की भावना को कम करने के लिए मजबूत आधार तैयार करता है। यह एक एकीकृत इकाई के रूप में राष्ट्र के प्रति कर्तव्य और अपनेपन की भावना पैदा कर रहा है। इस संदर्भ में, राज्य भर में ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर EBSB गतिविधियों के संचालन के लिए प्राथमिक सरकारी स्कूलों के लिए ₹45,40,000 और 1879 माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के लिए ₹18,79,000 (प्रति स्कूल ₹1000) की अनुदान राशि प्रदान की गई।

शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देशों के आधार पर निम्नलिखित गतिविधियाँ शुरू की गईं:

- एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सत्रों की एक छोटी वीडियो श्रृंखला दीक्षा प्लेटफॉर्म और यूट्यूब चैनल पर अपलोड की गई है, और इन लिंक को छात्रों, शिक्षकों और माता-पिता के साथ विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से साझा किया गया है।

लिंक नीचे दिए गए हैं:

दीक्षा की ई-बुक से सभी ऑनलाइन वीडियो सत्रों के लिए सामान्य लिंक:

https://diksha.gov.in/play/content/do_3131903688146534401291

गुजरात ई-क्लास यूट्यूब चैनल: https://www.youtube.com/playlist?list=PLDas_OQKOBzXNNGpyNc5CnBT3xLKha4x EBSB के लिए स्कूलों के साथ साझा किया गया।

- एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की वीडियो श्रृंखला में विभिन्न थीमों पर सत्र शामिल हैं, जो ईबीएसबी के दृष्टिकोण के साथ संरेखित हैं और छत्तीसगढ़ राज्य के साथ जोड़े गए हैं।

- स्कूल स्तर पर निबंध लेखन, कहानी सुनाना, चित्रकारी, लोक नृत्य, नाटक/चरित्र-नाटक, तथा युग्मित राज्य की संस्कृति, इतिहास, परंपरा पर विभिन्न कला रूपों सहित कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। स्कूलों में



भागीदार राज्य की भाषा सीखने के लिए वैकल्पिक कक्षाएँ और छात्रों की अभिव्यक्ति विकास गतिविधियाँ, जैसे 100 वाक्यों की रचना, गीत रचनाएँ, मुहावरे और विशेष मुहावरे भागीदार राज्य की भाषाओं में आयोजित की गईं।

कार्यक्रम की प्रभावशीलता:

दोनों राज्यों के छात्रों ने विविधता में एकता का उत्सव मनाने में सक्षम रहे, जिसने हमारे देश के लोगों को पारंपरिक रूप से जोड़ने वाले भावनात्मक बंधनों को संरक्षित और सुदृढ़ किया। उन्होंने राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा दिया। राज्य ने दूसरे राज्य की समृद्ध धरोहर, संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को उजागर किया, जिससे भारत की विविधता की गहरी समझ और सराहना हुई और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा मिला। इसने दीर्घकालिक साझेदारियों को बढ़ावा दिया और अंतर-राज्यीय सीखने के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया, जो सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल जन्म
जयंती.
राष्ट्रीय एकता दिवसनी उजवणी.
सातरडा -1 प्रा शाळा।





❖ प्रतिभा खोज:

प्रतिभा खोज पहल का आयोजन किया जाता है ताकि छात्र की क्षमताओं को पहचानने, सराहने और पोषित करने, उन्हें अपनी संभावनाओं को विकसित करने के अवसर प्रदान किए जा सकें। इस संदर्भ में, गुजरात सेकंडरी और हाईर सेकंडरी एजुकेशन बोर्ड (जीएसएचएसईबी) को समग्र शिक्षा से अनुदान प्राप्त हुआ है ताकि कक्षा 9 के छात्रों के लिए परीक्षा शुल्क की राशि ₹100 प्रति छात्र को कवर किया जा सके।

इससे छात्रों को निम्नलिखित लाभ होगा :

- उनकी अध्ययन और सामाजिक कौशल में सुधार करें, साथ ही स्वतंत्र विकास के लिए स्थान भी दें।
- छात्रों को उचित लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करें और उनके रास्ते में आने वाली समस्याओं के समाधान खोजने में उनका समर्थन करें।
- छात्रों को उच्च प्राथमिक से माध्यमिक विद्यालय में बदलाव के दौरान समर्थन करें।
- उन्हें "सर्वश्रेष्ठ उपयुक्त" करियर मार्ग में स्थापित करना।

❖ PAT (पीरियॉडिक असेसमेंट टेस्ट):

- गुजरात के सभी सरकारी स्कूलों में कक्षा 3 से 10 तक के छात्रों के लिए हर शनिवार को साप्ताहिक आवधिक मूल्यांकन परीक्षण (PAT) आयोजित किए गए। इन प्रारंभिक मूल्यांकनों ने कक्षाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्रों के प्रदर्शन की लगातार निगरानी करके, शिक्षक सीखने के अंतराल की पहचान करते हैं और उपचारात्मक उपायों के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं, तदनुसार अपनी पाठ योजनाओं को समायोजित करते हैं। वार्षिक PAT कैलेंडर स्कूलों को वितरित किया गया, जिससे शिक्षकों को शैक्षणिक वर्ष को प्रभावी ढंग से संरचित करने में सहायता मिली।

- इन परीक्षाओं के लिए गुजरात शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (GCERT) ने एक शिक्षण परिणाम-आधारित मूल्यांकन टूलकिट विकसित किया है। मूल्यांकन में गुजराती, गणित, पर्यावरण अध्ययन (EVS), विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी सहित सभी विषय शामिल हैं। कक्षा 3 से 10 तक के प्रत्येक छात्र को पीएटी सत्रों के दौरान अपने उत्तर रिकॉर्ड करने के लिए एक पुस्तिका प्रदान की जाती है। पीएटी पुस्तिका की छपाई के लिए प्रति छात्र 25 रुपये का अनुदान दिया गया। कुल मिलाकर, कक्षा 9 और 10 के लिए 1,71,778 लाख बुकलेट और कक्षा 3 से 8 के लिए 36,80,999 लाख बुकलेट वितरित की गईं, जिससे शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में छात्रों की पीएटी में भागीदारी को सुविधाजनक बनाया गया।

❖ सामाजिक विज्ञान किट - कक्षा 6 से 12

कक्षा 6 से 12 के छात्रों के लिए एक सामाजिक विज्ञान किट एक व्यापक शैक्षिक संसाधनों और सामग्री का सेट है, जिसे विभिन्न सामाजिक विज्ञान विषयों जैसे इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, और समाजशास्त्र को सिखाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 22,000 स्कूलों में सामाजिक विज्ञान किट के लिए प्रत्येक स्कूल को ₹5,000 का अनुदान प्रदान किया गया, जिसमें विभिन्न खेल, सिमुलेशन, पाठ्यपुस्तकें, मानचित्र, और इंटरैक्टिव सामग्री शामिल हैं, ताकि छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों, देशों और संस्कृतियों के भूगोल और इतिहास को समझने में मदद मिल सके।

इन किटों में आमतौर पर हाथों से चलने वाली और इंटरैक्टिव सामग्री शामिल होती है, जैसे कि किताबें, मानचित्र, खेल, सिमुलेशन, और अन्य उपकरण जो छात्रों को सामाजिक विज्ञान में शामिल अवधारणाओं और विषयों को समझने और उनसे जुड़ने में मदद करते हैं।

स्कूल स्तर पर किट की प्रभावशीलता:

कक्षा 6 से 12 के छात्रों के लिए सामाजिक विज्ञान किट का उपयोग करने के लाभ निम्नलिखित हैं:

सामाजिक विज्ञान किट्स में व्यावहारिक और इंटरैक्टिव सामग्री ने छात्रों को पारंपरिक व्याख्यान-शैली सीखने की तुलना में जानकारी को बेहतर ढंग से समझने और याद रखने में मदद की। सिमुलेशन, खेल और अन्य इंटरैक्टिव सामग्रियों का उपयोग करके, छात्रों ने जो जानकारी सीख रहे थे, उसमें सक्रिय रूप से भाग लिया और जटिल अवधारणाओं और विचारों की गहरी समझ हासिल की।

सामाजिक विज्ञान किट्स की इंटरैक्टिव प्रकृति छात्रों को जानकारी का विश्लेषण और व्याख्या करने, तर्क विकसित करने तथा सूचित निर्णय लेने में मदद कर सकती है। छात्रों ने सोचना सीखा कि कैसे आलोचनात्मक और रचनात्मक तरीके से ज्ञान को वास्तविक-विश्व परिदृश्यों पर लागू करें, जिससे उनके विश्व ज्ञान में सुधार हुआ।

ગુજરાત શૈક્ષિક અનુસંધાન ંવં પ્રશિક્ષણ પરિષદ



आयोजित कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएँ:**पीएम श्री योजना (पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया)**

“पीएम श्री” (पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसे 07 सितंबर 2022 को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई थी। इस योजना के अंतर्गत देशभर के तकरीबन 15,000 विद्यालयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी कॉम्पोनेन्ट शामिल करने के लिए गुणात्मक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। यह स्कूल पीएम श्री स्कूल हैं। पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों के शिक्षकों के लिए एक नवाचारी शिक्षण प्रशिक्षण और विद्यालय प्रमुखों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण प्रदान किया गया ताकि इस कार्यक्रम के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अन्य विद्यालयों का मार्गदर्शन किया जा सके।

नवाचारी शिक्षण प्रशिक्षण:

पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित 50% विद्यालय के शिक्षकों को आनंददायक गतिविधि आधारित शिक्षा, खेलौना आधारित शिक्षा, खोज आधारित शिक्षा, प्रयोग आधारित शिक्षा, कला आधारित शिक्षा, खेल आधारित शिक्षा (खेल आधारित), ICT आधारित शिक्षा (PPT के अलावा) आदि पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रधानाचार्यों का प्रशिक्षण:

पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों के प्राचार्यों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पीएम श्री योजना-परिचय, पीएम श्री योजना में प्राचार्य की भूमिका, पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय में आयोजित की जाने वाली गतिविधियाँ, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, सॉफ्ट स्किल-सकारात्मक दृष्टिकोण, शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग, समग्र प्रगति कार्ड 360 मूल्यांकन, निपुण भारत मिशन, NCF-SE आदि विषयों को शामिल किया गया।

पीएम श्री योजना के तहत प्रशिक्षण लाभार्थियों की संख्या	
प्रधानाचार्य के RPs प्रशिक्षण विवरण: आगलोड, जिला मेहसाणा	31 RPs (प्रधानाचार्य)
प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण का विवरण: ज़ोन स्तर पर (इडर, बोटाद, कठलाल, जूनागढ़, डांग)	263 (प्रधानाचार्य)
अभिनव शिक्षण RPs प्रशिक्षण विवरण: आगलोड, जिला।	50 RPs
नवीन शिक्षण पद्धति एमटीएस प्रशिक्षण का सांख्यिकीय विवरण: क्षेत्र स्तर (सुरेंद्रनगर, राजकोट, वडोदरा, मेहसाणा, अहमदाबाद ग्रामीण)	293 MTs
नवीन शिक्षण शास्त्र शिक्षक प्रशिक्षण का सांख्यिकीय विवरण	1,649 शिक्षक



(2) सीखने के परिणाम-आधारित प्रशिक्षण:

नवीन शिक्षण शास्त्र पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधान के अनुसार कक्षा 6 से 8 गुजराती, अंग्रेजी, हिंदी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए सीखने के परिणामों पर शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। शिक्षक प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्तियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित कर जिला शिक्षा और प्रशिक्षण भवन, ईडर में प्रशिक्षित किया गया।

इस प्रशिक्षण के तहत, जिला स्तर पर मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। कक्षा 6-8 के शिक्षक, जो गुजराती, अंग्रेजी, हिंदी, गणित, विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान पढ़ाते हैं, उन सभी को दो चरणों में परिणाम आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। संपूर्ण प्रशिक्षण कैस्केड मोड में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण की लागत को समग्र शिक्षा, गांधी नगर द्वारा 2023-2024 के लिए स्वीकृत बजट से पूरा किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के सभी प्राथमिक स्कूलों, जिसमें सरकारी, अनुदानित, आश्रम शाला, KGBV और मॉडल स्कूल शामिल थे, के शिक्षकों को शामिल किया गया।

कक्षा 6 से 8 भाषा और सामाजिक विज्ञान अध्ययन प्रदर्शन-आधारित प्रशिक्षण	
भाषा: केआरपी प्रशिक्षण:	290
भाषा: मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण:	2,036
भाषा: शिक्षक प्रशिक्षण:	22,938
सामाजिक विज्ञान: केआरपी प्रशिक्षण:	103
सामाजिक विज्ञान: मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण:	1,364
सामाजिक विज्ञान: शिक्षक प्रशिक्षण:	17,990





(3) कक्षा 9 एवं 10 के शिक्षकों की प्रशिक्षण रिपोर्ट

राज्य के सरकारी और अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों (कक्षा 9 और 10) के शिक्षकों का प्रशिक्षण GCERT, गांधीनगर द्वारा आयोजित किया गया था। प्रत्येक जिले से छह प्रमुख संसाधन व्यक्तियों (KRPs) को दो दिनों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद, जिला स्तरीय प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन की जिम्मेदारी KRPs को सौंपी गई।

जिला स्तर पर प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद, एक संसाधन व्यक्ति (RP) प्रशिक्षण सत्र निर्धारित किया गया। इसके बाद, कक्षा 9 और 10 के सरकारी और अनुदान प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों के लिए एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्यभर में दो चरणों में आयोजित किया गया। शिक्षक प्रशिक्षण के दौरान, VSK (विद्या समीक्षा केंद्र) और BISAG-N (भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान) के सहयोग से राज्य स्तर से कुल चार व्याख्यान प्रसारित किए गए। इन व्याख्यानों में NEP-2020, व्यावसायिक शिक्षा, NCF-FS और G-शाला + ऐप जैसे विषयों को शामिल किया गया।

विवरण	दिनांक	स्थान	संख्या	
KRP प्रशिक्षण	फरवरी 12 और 13, 2024	वडोदरा	241	
शिक्षक प्रशिक्षण	फरवरी 28-29 और मार्च 1, 2024 (प्रथम चरण)	जिला स्तर	सरकारी शिक्षक	अनुदान प्राप्त शिक्षक
	4 से 6 मार्च 2024 (द्वितीय चरण)		3,276	13,470

- शिक्षक प्रशिक्षण सत्रों में एक संसाधन व्यक्ति (RP) और विशेषज्ञों की टीम को शामिल किया गया। प्रशिक्षण सत्र कई बार आयोजित किए गए और विशेषज्ञों ने सामग्री प्रदान करने में भाग लिया।



प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS)



चूंकि समग्र शिक्षा का एक प्रमुख उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है, इसलिए इसके लिए नियमित मोनिटरिंग अत्यंत आवश्यक है। सभी विद्यालयों का समय-समय पर निरीक्षण करना, गुणवत्ता संकेतकों को एकत्र करना, उन्हें अद्यतन, सत्यापित और विश्लेषित करना इसके लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। इसी आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) पर जोर दिया गया है, ताकि प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के अनुसार विद्यालयी शिक्षा की स्थिति का व्यापक विश्लेषण और योजनाबद्ध समीक्षा की जा सके।

समकालीन संदर्भ में, MIS गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

1. UDISE+ (यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन)

UDISE + (यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस) भारत में विद्यालयों के बारे में जानकारी का एक डेटाबेस है। जिसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (NIEPA) ने विकसित किया है।

DISE को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालन की रीढ़ माना जाता है। मौजूदा समय में, एकीकृत DISE (UDISE) प्रणाली वर्ष 2012 से कक्षा 1 से XII तक की संपूर्ण स्कूली शिक्षा प्रदान करने वाले सभी स्कूलों को कवर करती है। कक्षा 1 से 12वीं तक के स्कूलों के लिए हर साल 30 सितंबर तक स्कूल स्तर की सभी जानकारी UDISE में एकत्र की जाती है। आगे बढ़ते हुए, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (MoE) ने UDISE+ के साथ स्कूली शिक्षा प्रणाली के लिए रियल टाइम का डेटा रखने की योजना बनाई है ताकि प्रशासन को सिस्टम में त्वरित प्रतिबिंब के अनुसार योजना बनाने, निगरानी करने और निर्णय लेने में सक्षम बनाया जा सके।

UDISE+ वास्तव में UDISE का एक अपडेटेड और सुधारित संस्करण है। पूरा सिस्टम अब ऑनलाइन है और 2018-19 से वास्तविक समय में डेटा एकत्र कर रहा है।

2. आधार सक्षम DISE - एक बाल ट्रेकिंग प्रणाली जो संपूर्ण राज्य के बाल-वार डेटाबेस को कवर करती है

एक परियोजना "आधार सक्षम DISE" जनवरी 2012 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य बच्चों पर नजर रखना है, विशेष रूप से उनकी निरंतरता और सीखने के परिणामों के मूल्यांकन के संदर्भ में। छात्रों के डेटाबेस को बनाए रखते हुए इसका उद्देश्य कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों पर नजर रखना है, ताकि तुरंत बच्चे की जानकारी प्राप्त की जा सके और इसे नामांकन और शैक्षिक डेटा से जोड़ा जा सके। इस प्रणाली ने प्रत्येक बच्चे के लिए 18 अंकों की अद्वितीय पहचान संख्या जेनरेट की है, ताकि बच्चों की उनकी शैक्षिक करियर के दौरान निगरानी की जा सके।

शैक्षिक दस्तावेजों जैसे स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र, माइग्रेशन कार्ड, आदि में अद्वितीय आईडी का उल्लेख करना अनिवार्य किया गया है, जैसा कि सरकारी संकल्प द्वारा निर्धारित किया गया है।

संख्या PRE-1414-4191-K दिनांक 21/11/2013। छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ हस्तांतरित करने के लिए बैंक खाता विवरण आदि को भी एकीकृत किया गया है।

3. छात्रों और शिक्षकों की दैनिक ऑनलाइन उपस्थिति

- NEP-2020, अध्याय 7.7 नियमित उपस्थिति के लिए ICT-टूल्स का उपयोग करने की सिफारिश करता है, क्योंकि यह शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है।
- राज्य भर के सभी छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति पर नज़र रखने के लिए सभी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में 2018-19 में डेली ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम शुरू की गई।
- यह प्रणाली जून, 2019 से राज्य के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों तक विस्तारित कर दी गई।
- चैट बॉट एप्लीकेशन स्मार्ट अटेंडेंस लॉन्च किया गया - नियमितता और समयबद्धता के लिए उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली; शिक्षकों और छात्रों की दैनिक ऑनलाइन उपस्थिति रिपोर्टिंग के लिए।
- नियमितता और समयबद्धता के लिए उपस्थिति प्रबंधन स्मार्ट उपस्थिति प्रणाली के साथ डिजाइन की गई एक स्वचालित प्रणाली जिसका उद्देश्य इंटरनेट पर शिक्षकों की प्रतिक्रिया का अनुकरण करना है, जैसे कि छात्रों और शिक्षकों की दैनिक उपस्थिति की रिपोर्ट करने के लिए संदेश भेजना।
- बॉट सरल और दोहराव वाले कार्यों को करने में सक्षम है।
- आज VSK में 53,851 सरकारी और निजी विद्यालयों के 11.5 मिलियन छात्रों और 3.98 लाख शिक्षकों की डेली ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज की जाती है।



4. कक्षा III से XII तक के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीकृत आवधिक मूल्यांकन परीक्षा

गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग ने एक आवधिक मूल्यांकन परीक्षण शुरू किया है जिसे यूनिट टेस्ट या एकम कसौटी के नाम से भी जाना जाता है। इस परीक्षण के माध्यम से, सीखने के परिणामों की उपलब्धि के आधार पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि का रचनात्मक मूल्यांकन किया जाएगा। छात्रों का मूल्यांकन केवल अर्ध-वार्षिक या वार्षिक योगात्मक परीक्षाओं के दौरान किया जाता है, जिससे शिक्षकों के लिए छात्रों को समय पर उपचारात्मक सहायता प्रदान करना मुश्किल हो जाता है।

गुजरात में, राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध थी कि अधिकतम संख्या में छात्र ग्रेड-उपयुक्त शिक्षण परिणाम प्राप्त करें। इसलिए, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, सरकार द्वारा परिणाम-उन्मुख नीति और दृढ़ संकल्प के साथ रचनात्मक मूल्यांकन की साप्ताहिक इकाई परीक्षाओं की योजना बनाई गई और उनका संचालन किया गया। इस पहल में समय-समय पर मूल्यांकन और उसके बाद छात्रों को उपचारात्मक सहायता शामिल थी।

- क्षमता (परीक्षण और मूल्यांकन के तहत प्राप्त अंकों की अभिव्यक्ति) चैट बॉट का उपयोग मोबाइल/टैबलेट के माध्यम से पीएटी मार्क्स के डेटा एंट्री के लिए किया जा रहा है।
- ये प्रारूपिक मूल्यांकन परीक्षण एनएस और गुणोत्सव 2.0 में विद्यालयों के प्रदर्शन को सुधारने में मदद करने की उम्मीद है।
- अनुमानित रूप से, राज्यभर में हर साल 4 मिलियन से अधिक बच्चे यूनिट टेस्ट से लाभान्वित हो रहे हैं।
- इस विशाल डेटा रिपॉजिटरी में लगभग 500 करोड़ डेटा सेट्स शामिल हैं, जिन्हें एआई और एमएल का उपयोग करके विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) में विश्लेषित किया जाता है।
- यह हमें कक्षा III से XII तक सभी विषयों के सभी लर्निंग आउटकम्स में राज्यवार उपलब्धियों का विश्लेषण प्रदान करता है।
- गुजरात पहला राज्य है जो कक्षा III से XII तक के हर छात्र के लिए लर्निंग आउटकम्स आधारित रिपोर्ट कार्ड प्रदान करता है।
- अब तक लगभग 17 करोड़ रिपोर्ट कार्ड उत्पन्न किए जा चुके हैं।

सीखने के परिणाम रिपोर्ट कार्ड



STUDENT REPORT CARD

SEMESTER II EXAM 2023-24



ગણપતિ કોળ
સૌ ભગ્યે, સૌ આશીર્વાદ વાળે

STD: 3

વિષય : ગણિત

STUDENT	AAYUSHIBEN PARMAR	SCHOOL	NAGAR PRA MISHRASHALA NO 7
CHILD UID	242404064012120008	UIDSE CODE	24240406401
DISTRICT	NAVSARI	BLOCK NAME	NAVSARI
CLUSTER	NAVSARI MADHYA	SUB-TEACHER	-
Age	9	Gender	Female

સિદ્ધિઓ

શ્રેણી નંબર	શીર્ષક આધારિત	G-Shala Link	મેગેસન નુસર	કુલ નુસર
Q3	સમગ્ર અક્ષરક વાંચે સંખ્યાઓના પેઢે વિચારે છે.	Click Here	4	8
Q1	સાદા વસ્તુઓનાં ખાટાને સાચા અને કોઈકાગળ જેવા પ્રભાવગ્રસ્ત એકબીજાં ઉપયોગ કરીને વસ્તુઓનું વર્ણન કરે છે.	Click Here	4	4
Q4	ઉત્તરભાગીલ એકબીજા વાળે વિવિધ પાત્રોની મુશ્કાલી સમજાવણી કરે છે.	Click Here	4	4
Q5	માહિતીને આધારે કાટા નીચા નીચા કરે છે.	Click Here	6	6
Q6	શિક્ષક અને વિદ્યાર્થી અનુભવ દ્વારા માહિતીની નીચે કરે છે અને તારણ કાઢે છે.	Click Here	6	6
Q2	વિવિધ જાતના પેટાકોષમાં 2,3,4,5 અને 10 ને મુજબકારના કાળે (સીધામંત્ર) નિર્ણય કરે છે અને ઉપયોગ કરે છે.	Click Here	6	6

આવશ્યક ઉપચારકારક કાર્ય

શ્રેણી નંબર	શીર્ષક આધારિત	G-Shala Link	મેગેસન નુસર	કુલ નુસર
Q5	પ્રભાવગ્રસ્ત કાળે સમજન નુસ, સમજન વહેંચણી અને મુશ્કાલીલ માહિતીઓ સમજાવે સમજે છે.	Click Here	0	6

રિમાર્ક્સ

AAYUSHIBEN PARMAR એ "ગણિત કુલનંબે પેટાકોષમાં 2,3,4,5 અને 10 ને મુજબકારના કાળે (સીધામંત્ર) નિર્ણય કરે છે અને ઉપયોગ કરે છે." LO સિદ્ધ કરેલ છે. જ્યારે "પ્રભાવગ્રસ્ત કાળે સમજન નુસ, સમજન વહેંચણી અને મુશ્કાલીલ માહિતીઓ સમજાવે સમજે છે." LO માં સમજ ઉપચારકારક કરીને જરૂરીકારક કે તેમજ અવશ્યક ઉપચારકારક કાર્ય માં સમજણ LO માં ઉપચારકારક કરીને અવશ્યકારક છે. જે G-Shala app ને પાઠ્યપત્રી પાઠ્યત્રી કરી કાઢે છે. જેના માટે LO નો પાથુ નો આધાર લેવા પર સિદ્ધ કરેલો.

વાર્ડ સિદ્ધાંતીની સહી _____

મુખ્ય સિદ્ધાંતીની / અધ્યાપત્રીની સહી _____

વાલીની સહી _____

G-Shala App ડાઉનલોડ કરવા માટે

<https://gshala.schoolnetindia.com>

પર સિદ્ધ કરી અવશ્ય QR Code સ્કેન કરે - કરી





STUDENT PORTAL CARD

સાનતા પીઠા એકેડેમી પરીણામ પત્રક

STD: 3



ગિયાનગંગા
ગંગા ટ્રસ્ટ
સી. વાલે, સી. વાલપુરા પોલી

STUDENT: KATUGHBER PARMAR

SCHOOL: NUGAR PRA MISHRASHALA NO 7

CHILD ID: 24284054812120058

UDISE CODE: 2428405481

વાલપુરા સ્ત્રીશાળા (ORT) પરીણામ




3:00 CWPBM
પરિણામ લેવાનો સમય

"પરિણામ લેવાનો સમય શાળાના શિક્ષકશ્રી સાથેની કોમનરોમી પરીણામ લેવાનો સમય 3:00PM પુરુષોના કોમનરોમી પોલી છે"

સાનતા પીઠામાંથી વાંચેલા કુલ શબ્દો ની સંખ્યા :- /- શબ્દો

છૂટી એકલ શબ્દો	-	સામા શબ્દો	-
કુટુંબ શબ્દો	-	વાણરો શબ્દો	-

સ્વાસ્થ્ય માહિતી



18.5% 23.0% 30.0% 35.0%

18.5% (Severe Thinness)

Age	Gender
9	Female
Hemoglobin	Blood Group
-	-
Height(cm)	Weight(kg)
122	18

સાનતા પીઠા એકેડેમી પરીણામ પત્રક

પર્યાયનક	પુરુષો	મહિલા	કુલ	%	
સત્ર-1	36	38	40	114	95.00
સત્ર-2	36	37	34	107	89.17

સત્ર-1 અને સત્ર-2 ના કુલ ગુણ 240 પોલી 221 (92.08 %) ગુણ મેળવેલ છે.

સરેરાશ હાજરી



Attendance %

Day-01	95%
Day-02	95%
Day-03	85%
Day-04	91%
Day-05	95%
Day-06	87%
Day-07	70%
Day-08	85%
Day-09	95%
Day-10	95%
Day-11	95%
Day-12	95%
Day-13	95%
Day-14	95%
Day-15	95%

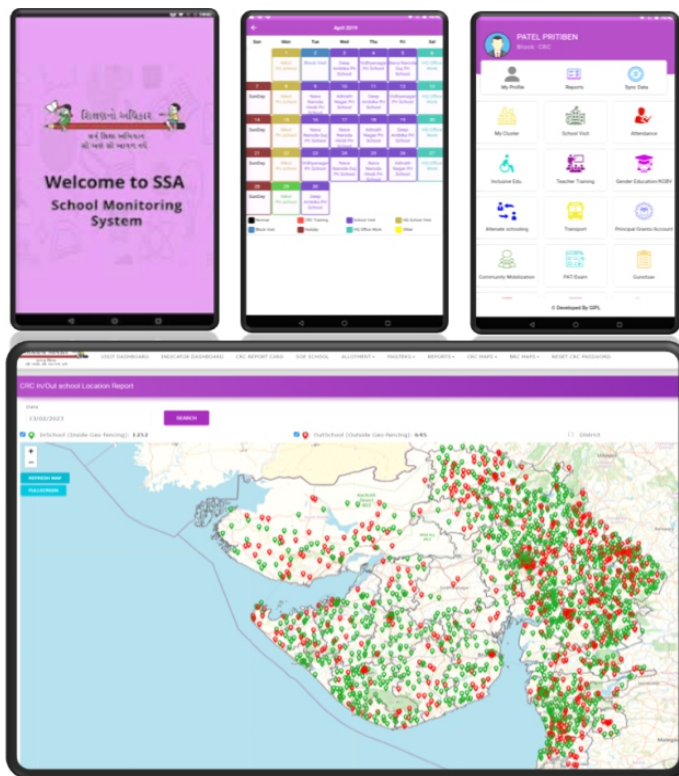
❖ कक्षा III से XII तक के लिए योगात्मक परीक्षाएं

- अक्टूबर 2018 से राज्य में केंद्रीकृत योगात्मक परीक्षाएँ शुरू की गई हैं।
- 100% उत्तर पुस्तिकाएँ दूसरे विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा जाँची जाती हैं।
- सभी विषयों के लिए सभी 43 लाख (4.3 मिलियन) छात्रों के लिए केंद्रीकृत डेटा प्रविष्टि की जाती है।

- दिव्यांग परीक्षा के लिए लगभग 50 करोड़ अद्वितीय डेटा दर्ज, संकलित और विश्लेषित किए जाते हैं
- दिव्यांग परीक्षा में एक विशिष्ट प्रश्न पर डेटा कैप्चर किया जाता है, जिसे सीखने के परिणाम से जोड़ा जाता है।
- इसके बाद, केंद्रीकृत योगात्मक परीक्षाओं को अब माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक सरकारी और अनुदान प्राप्त विद्यालयों के साथ-साथ स्व-वित्तपोषित विद्यालयों तक भी विस्तारित किया गया है।

5. सीआरसी और बीआरसी के लिए जीपीएस आधारित स्कूल मॉनिटरिंग ऐप

- वास्तविक समय डेटा को कैप्चर करने के लिए फील्ड स्तर के कर्मचारियों के लिए समग्र स्कूल निगरानी प्रणाली:
- यह स्कूल प्रबंधन और शासन में सुधार करता है
- यह समय पर हस्तक्षेप, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, पारदर्शिता बनाने में मदद करता है
- समय पर कार्रवाई के लिए शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक मुद्दों के लिए क्षेत्र से वास्तविक समय में वृद्धि के माध्यम से जवाबदेही का निर्माण करना
- स्कूल मॉनिटरिंग ऐप निम्नलिखित दो भागों को कवर करता है:



- सूचना भाग: विद्यालयों की संख्या, नामांकन, शिक्षक, उपस्थिति, गुणोत्सव, मूल्यांकन, परिवहन और अन्य शैक्षिक संकेतकों सहित क्लस्टर विवरण।
- निरीक्षण भाग: स्कूल के दौरे और कक्षा अवलोकन और इसके प्रारूपों के लिए सिस्टम द्वारा तैयार की गई यात्रा डायरी।

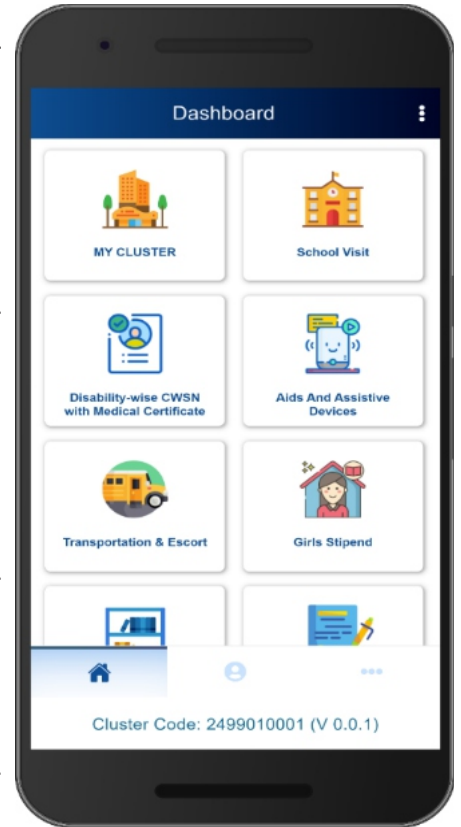
6. सीडब्लूएसएन छात्रों के लिए दिव्यान ऐपलिकेशन

- क्लस्टर और स्कूल स्तर पर जिला समन्वयकों, विशेष शिक्षक (एसई) द्वारा अपनी कार्यों और जिम्मेदारियों के निर्वहन के दौरान प्राप्त परिणामों की निगरानी के लिए जियो-टैगिंग सुविधा के साथ निगरानी एप्लिकेशन
- ऐप में तीन मॉड्यूल शामिल हैं:

सूचना, निगरानी और व्यक्तिगत शिक्षा योजना (आईईपी)

विशेषताएँ:

- दिव्यांग-आधारित पहचान सर्वे फॉर्म, सीडब्ल्यूएसएन (विशेष जरूरतों वाले बच्चों) का नामांकन और उपस्थिति के माध्यम से
- दिव्यांग-आधारित चिकित्सा और यूडीआईडी प्रमाणन की स्थिति
- सहायक उपकरण और सीडब्ल्यूएसएन को लाभ आवंटन की स्थिति
- व्यक्तिगत शिक्षा योजना और सीडब्ल्यूएसएन द्वारा लर्निंग आउटकम्स की प्राप्ति में प्रगति
- स्पेशल एड्युकेटर की क्षमता निर्माण ज्ञान संग्रहण के माध्यम से
- समावेशी स्कूल का बुनियादी ढांचा विवरण
- संसाधन कक्ष- चिकित्सकों की यात्राएं, सीडब्ल्यूएसएन की उपस्थिति और सूची
- परिपत्र और सूचनाएं
- एसई के स्कूल, कक्षा, संसाधन कक्ष और होम विजिट ऑब्जरवेशन फॉर्म

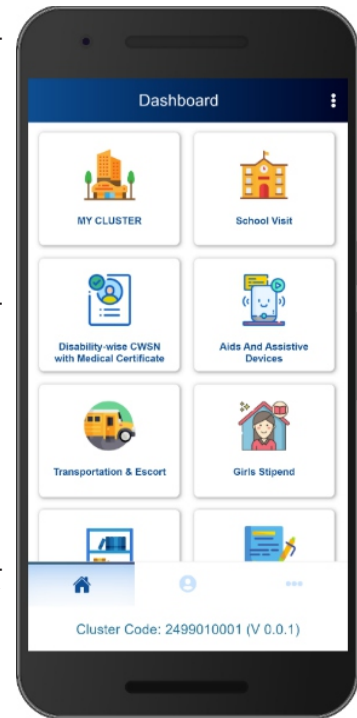


- जियोग्राफिकल टैगिंग फीचर के साथ निगरानी एप्लिकेशन: जिला समन्वयकों, स्पेशल एड्युकेटर(एसई) द्वारा प्राप्त परिणामों की निगरानी के लिए, क्लस्टर और स्कूल स्तर पर उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की पूर्ति में
- एप में तीन मॉड्यूल शामिल हैं:
- जानकारी, निगरानी, व्यक्तिगत शिक्षा योजना (आईईपी)



विशेषताएँ:

- दिव्यांग-आधारित पहचान सर्वे फॉर्म, सीडब्ल्यूएसएन (विशेष जरूरतों वाले बच्चों) का नामांकन और उपस्थिति के माध्यम से
- दिव्यांग-आधारित चिकित्सा और यूडीआईडी प्रमाणन की स्थिति
- सहायक उपकरणों और सीडब्ल्यूएसएन को लाभ आवंटन की स्थिति
- व्यक्तिगत शिक्षा योजना और सीडब्ल्यूएसएन द्वारा लर्निंग आउटकम्स की प्राप्ति में प्रगति
- स्पेशल एड्युकेटर की क्षमता निर्माण ज्ञान संग्रहण के माध्यम से
- समावेशी स्कूल का बुनियादी ढांचा विवरण
- संसाधन कक्ष - चिकित्सकों की यात्राएं, सीडब्ल्यूएसएन की उपस्थिति और सूची
- परिपत्र और सूचनाएं
- एसई के स्कूल, कक्षा, संसाधन कक्ष और होम विजिट ऑब्जरवेशन फॉर्म



7. विद्या समीक्षा केन्द्र

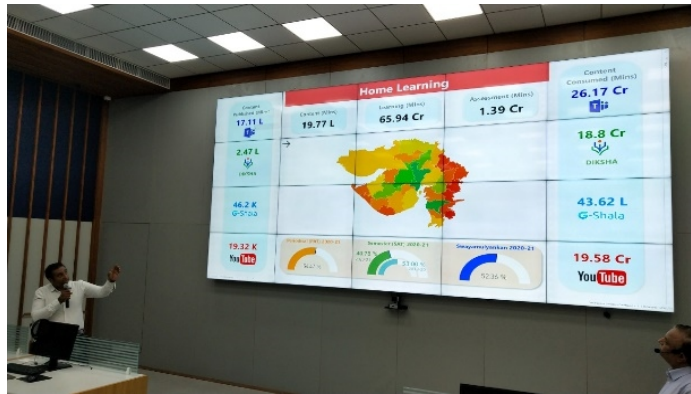
राज्य स्तर पर स्कूल शिक्षा की निगरानी के लिए स्थापित किया गया विद्या समीक्षा केंद्र देश में अपनी तरह की पहली पहल है। इस पहल के भाग के रूप में, विद्या समीक्षा केंद्र को सभी परिवर्तनकारी हस्तक्षेपों के लिए नर्व सेंटर के रूप में स्थापित किया गया है। यह 'स्कूलिंग से लर्निंग' सुनिश्चित करने के लिए पहलों को संकल्पित, योजना, कार्यान्वित, पोषित, निगरानी और मूल्यांकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विद्या समीक्षा केंद्र राज्य के लिए स्कूलिंग से लर्निंग की ओर जाने के मिशन को सक्षम बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विद्या समीक्षा केंद्र उद्देश्यपरक डेटा विश्लेषण और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि, भविष्य की तत्परता के लिए पूर्वानुमान विश्लेषण, और हितधारकों के बीच निर्बाध संचार के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान देगा। यह जिम्मेदारियों को स्पष्ट करेगा और चिन्हित किए गए अंतराल को दूर करने के लिए हितधारकों को अनुकूलित समर्थन प्रदान करेगा।

विद्या समीक्षा केंद्र में डैशबोर्ड।

- देश का पहला राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा आर्किटेक्चर (एनडीईएआर) ढांचे पर आधारित; समग्र स्कूल शिक्षा डैशबोर्ड विद्या समीक्षा केंद्र में स्थापित किया गया है।

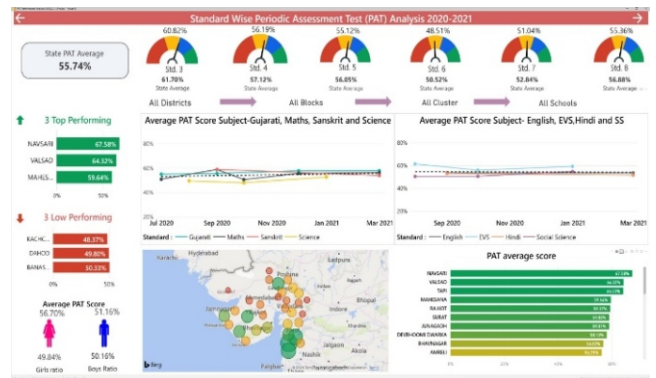
- स्कूल उत्कृष्टता डैशबोर्ड को डिज़ाइन करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा और मशीन लर्निंग का उपयोग किया गया है ताकि महत्वपूर्ण मैट्रिक्स उभरकर सामने आएँ और आसानी से एक्सेस किए जा सकें।
- स्कूल उत्कृष्टता डैशबोर्ड में ग्रेड > विषय > छात्र-स्तरीय मूल्यांकन डेटा, शिक्षण परिणाम, और स्कूल मान्यता स्कोर के साथ-साथ क्लस्टर संसाधन समन्वयकों की वास्तविक समय में ट्रेकिंग और निगरानी, और सीधे विद्यालयों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा शामिल है।



डैशबोर्ड

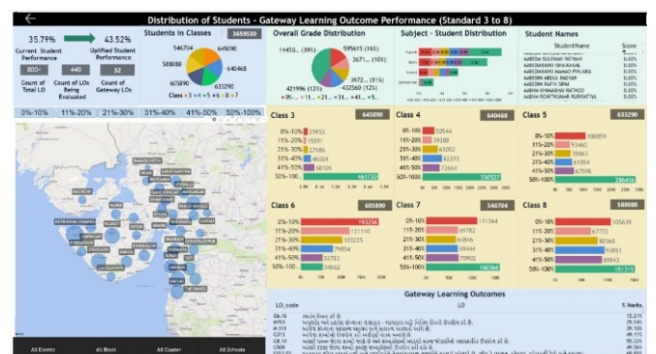
1. आवधिक मूल्यांकन डैशबोर्ड

दिसंबर 2018 में सभी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 3-8 तक के सभी विषयों के लिए आवधिक मूल्यांकन शुरू किया गया था। अब इसे उच्च कक्षाओं तक बढ़ा दिया गया है और इसमें कक्षा 3 से 12 तक शामिल हैं। पीएटी डैशबोर्ड मानकवार और विषयवार पीएटी स्कोर का विश्लेषण प्रदर्शित करता है।



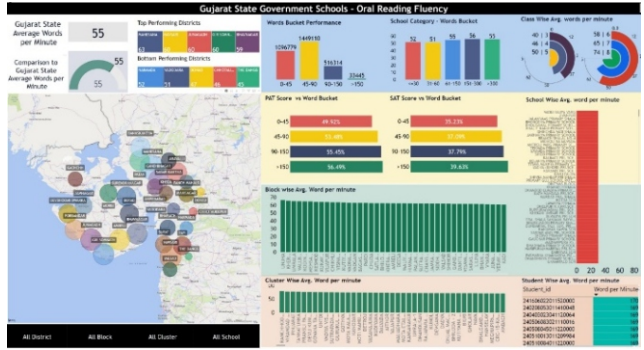
2. गेटवे लर्निंग आउटकम डैशबोर्ड

यह कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों के सीखने के परिणाम के अनुसार प्रदर्शन का विश्लेषण प्रदर्शित करता है। इसमें कक्षा-स्कूल-क्लस्टर-ब्लॉक-जिला और राज्य-वार विद्यार्थियों के सीखने के परिणाम प्रदर्शन शामिल हैं।



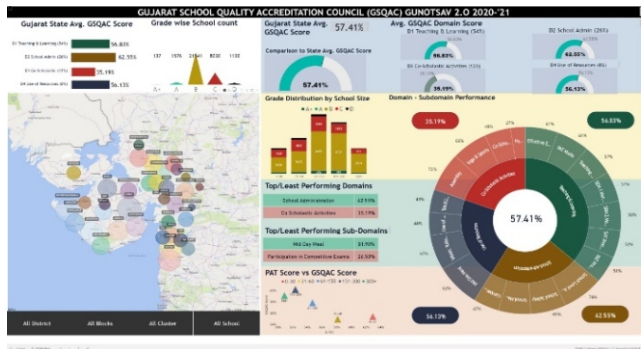
3. मौखिक पठन प्रवाह डैशबोर्ड

इस डैशबोर्ड पर मौखिक पठन प्रवाह डेटा प्रदर्शित किया जाता है, जिसमें छात्र-कक्षा-स्कूल-क्लस्टर-ब्लॉक-जिला के अनुसार शब्द प्रति मिनट, पीएटी स्कोर बनाम शब्द बकेट, एसएटी स्कोर बनाम शब्द बकेट आदि शामिल हैं।



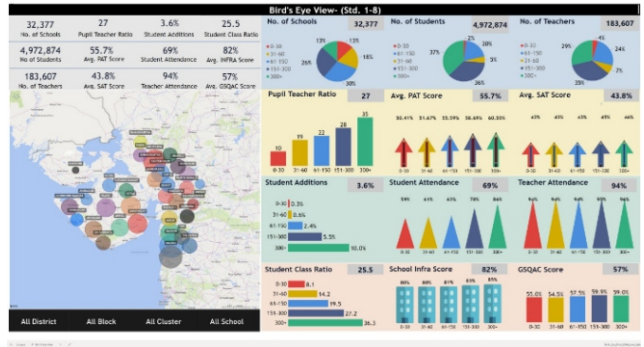
4. होम लर्निंग डैशबोर्ड

होम लर्निंग डैशबोर्ड विभिन्न प्लेटफार्मों जैसे दीक्षा, जी-शाला, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स, यूट्यूब आदि के माध्यम से प्रकाशित सामग्री और उपयोग की गई सामग्री का डेटा प्रदर्शित करता है। इसमें लर्निंग और असेसमेंट का डेटा भी शामिल है।



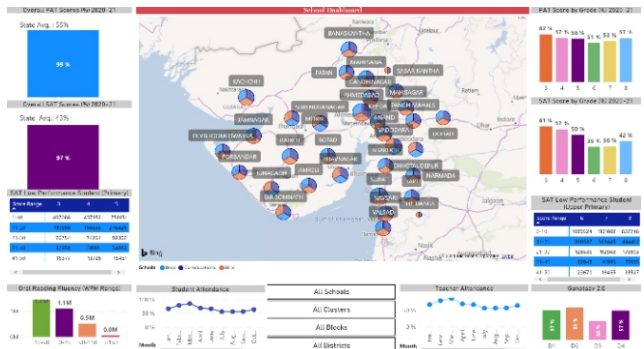
5. जीएसक्यूएसी डैशबोर्ड

जीएसक्यूएसी (गुजरात स्कूल गुणवत्ता प्रत्यायन परिषद) - डैशबोर्ड स्कूल-क्लस्टर-ब्लॉक-जिला के जीएसक्यूएसी डोमेन और उप-डोमेन के अनुसार प्रदर्शन, साथ ही पीएटी स्कोर बनाम जीएसक्यूएसी स्कोर प्रदर्शित करता है।



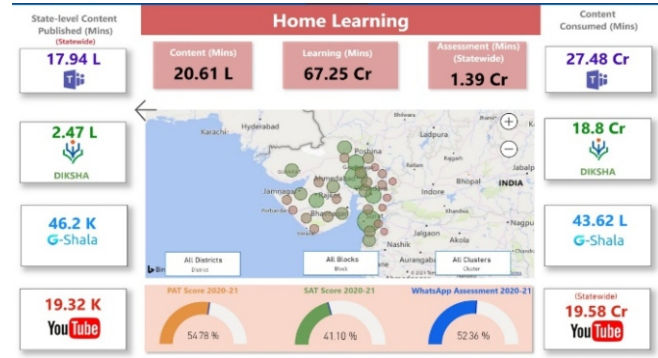
6. बर्ड्स आई व्यू डैशबोर्ड

बर्ड्स आई व्यू डैशबोर्ड विद्यालयों के समग्र प्रदर्शन को प्रदर्शित करता है, जिसमें विद्यालयों की संख्या, शिक्षकों की संख्या, छात्रों की संख्या, छात्र-शिक्षक अनुपात, औसत पीएटी स्कोर, औसत एसएटी स्कोर, छात्रों की वृद्धि, छात्रों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, छात्र-श्रेणी अनुपात, स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर स्कोर, जीएसक्यूएसी स्कोर आदि का विवरण शामिल है।



7. स्कूल डैशबोर्ड

स्कूल डैशबोर्ड स्कूलवार विवरण प्रदर्शित करता है जिसमें छात्र और शिक्षक उपस्थिति, कक्षा वार और छात्र वार पीएटी और एसएटी स्कोर, मौखिक पठन प्रवाह और जीएसक्यूएसी स्कोर आदि शामिल हैं।



8. छात्र डैशबोर्ड

छात्र डैशबोर्ड में प्रत्येक छात्र से संबंधित सभी जानकारी प्रदर्शित की जाती है, जैसे कि छात्र की उपस्थिति की प्रवृत्ति, विषयवार पीएटी और एसएटी स्कोर, छात्र का अधिगम परिणामवार प्रदर्शन, मौखिक पठन प्रवाह आदि।

विद्या समीक्षा केंद्र के परिणाम.

● सरकारी विद्यालयों में नामांकन और उपस्थिति में सुधार

सरकारी विद्यालयों में नामांकन में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली ने छात्रों और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति में काफी सुधार किया है।

● उपस्थिति से लेकर शिक्षण परिणामों में सुधार तक

राज्य में प्रत्येक छात्र के लिए ग्रेड के अनुरूप शिक्षण परिणामों की उपलब्धियों को मापने और निगरानी करने पर केंद्रित है।

● निगरानी के माध्यम से शासन में सुधार

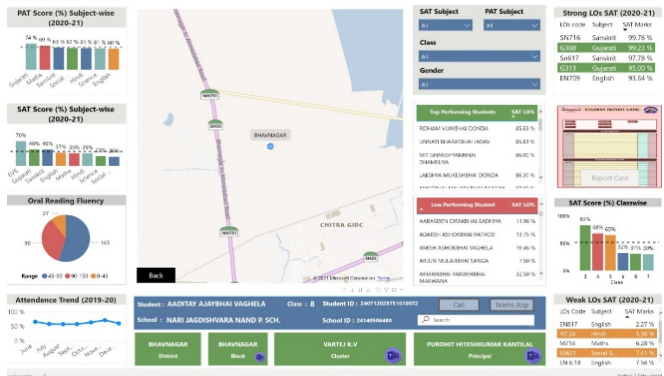
विभिन्न स्तरों पर प्रतिक्रिया उत्पन्न करने के लिए निर्बाध संचार, शिक्षण गतिविधियों के लिए समन्वित प्रयास, जानकारी का संग्रह, डेटा विश्लेषण और क्रियात्मक अंतर्दृष्टि सुनिश्चित करता है।

● डेटा संग्रह से डेटा विश्लेषण तक

राज्य भर से उत्पन्न होने वाले बड़े डेटा सेट का विश्लेषण करने के लिए बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग।

● डेटा विश्लेषण से कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि तक

रियल-टाइम डैशबोर्ड और रिपोर्ट्स का उपयोग करके सभी स्तरों पर अंतर्दृष्टि, ट्रिगर और कार्य बिंदु साझा करना।



- डेटा आधारित निर्णय लेने से दक्षता और प्रभावशीलता में वृद्धि

बड़े पैमाने पर परिवर्तन परियोजनाओं के लिए ब्लूप्रिंट विकसित करने के लिए डेटा का उपयोग करना, जिससे निवेश पर अधिकतम रिटर्न और प्रभाव प्राप्त हो।

सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए डेटा आधारित पहल



8. प्रौद्योगिकी सक्षम शिक्षण पहल

❖ "ज्ञानकुंज" परियोजना - डिजिटल इंटरैक्टिव क्लास

ज्ञानकुंज-डिजिटल इंटरैक्टिव क्लास एक स्कूल डिजिटलीकरण कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य तकनीकी उपकरणों जैसे कि लैपटॉप और इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल की मदद से कक्षा की इंटरैक्टिविटी और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बढ़ाना है। इसका लक्ष्य शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन प्रक्रिया को सुदृढ़ करना है।

- ज्ञानकुंज एक स्कूल डिजिटलीकरण कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य कक्षा की इंटरैक्टिविटी और शिक्षण-लर्निंग अनुभव को बढ़ाना है।
- स्मार्ट क्लास में इंटरैक्टिव पैनल, लैपटॉप और जीशाला ई-कंटेंट से लैस किया गया है।
- 53,437 कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं के रूप में सुसज्जित किया गया है।
- 43,750 कक्षाओं में कार्यान्वयन जारी है।
- मिशन स्कूल्स ऑफ़ एक्सीलेंस के तहत सभी 20,000 विद्यालयों को स्मार्ट कक्षाओं से सुसज्जित किया जाएगा।

❖ कंप्यूटर लैब के माध्यम से प्रौद्योगिकी सक्षम शिक्षा

- मिशन स्कूल्स ऑफ़ एक्सीलेंस के तहत सभी 20,000 विद्यालयों को कंप्यूटर लैब्स से सुसज्जित किया जाएगा।
- 6,037 कंप्यूटर लैब्स स्थापित किए गए हैं और 15,000 कंप्यूटर लैब्स की स्थापना का कार्य प्रगति पर है।

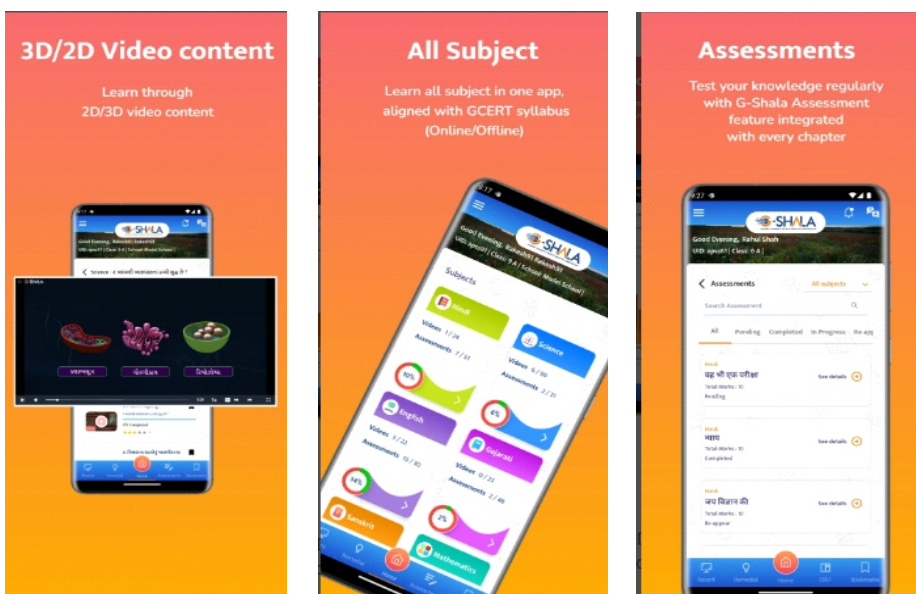
- प्रत्येक लैब में शामिल हैं,
 - वेब कैम और हेडफोन के साथ 15 डेस्कटॉप
 - 15 टेबल
 - 30 कुर्सियाँ
 - G-SHALA LMS आधारित ई-सामग्री

❖ जी-शाला ऐप

एक लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) - "जी-शाला (गुजरात स्टूडेंट्स' होलिस्टिक अडैप्टिव लर्निंग ऐप)" को तैनात किया गया है। एलएमएस में विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम सहित कक्षा 1 से 12 के लिए सभी विषयों के लिए (100 विषय और 1500 अध्याय तक) ई-कंटेंट उपलब्ध है। 31 लाख से अधिक शिक्षक-छात्र जी-शाला ऐप पर पंजीकृत हैं और इसका उपयोग कर रहे हैं, जो इंटरएक्टिविटी, प्रयोगात्मक सिमुलेशन और स्वतंत्र आत्म-शिक्षण के साथ-साथ आत्म-मूल्यांकन और शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा और सुधार के लिए एक डैशबोर्ड प्रदान करता है।

यह वेब-आधारित और मोबाइल एप्लिकेशन के रूप में उपलब्ध है और यह ऑनलाइन और ऑफलाइन (स्टैंडअलोन) दोनों मोड्स में काम करता है।

पाठ्यपुस्तक-आधारित ई-सामग्री को राज्य बोर्ड पाठ्यक्रम के लिए गुजराती और अंग्रेजी माध्यम में विकसित किया गया है, जिसमें एनिमेटेड वीडियो (2डी और/या 3डी), संदर्भ/पूरक सामग्री, लर्निंग आउटकम (एलओ) आधारित सामग्री का मैपिंग, इंटरएक्टिव सामग्री, प्रयोगशाला/प्रायोगिक सिमुलेशन, शिक्षकों के लिए एक प्री-क्लासरूम मॉड्यूल, प्रशिक्षक द्वारा संचालित वीडियो, और छात्रों के लिए आत्म-शिक्षण और आत्म-मूल्यांकन मॉड्यूल शामिल हैं, जो प्लेटफॉर्म - ऐग्रास्टिक और डिवाइस -स्वतंत्र तरीके से उपलब्ध है।



❖ જી-શાલા: સીડબ્લૂસએન કે લિફ ડિજિટલ લર્નિંગ સામગ્રી ઓર ઇલઁમઁસ

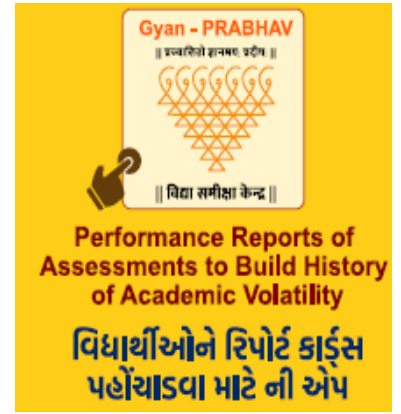
સીડબ્લૂસએન છાત્રો કે લિફ જી-શાલા મેં વિશેષ સુવિધાઁ

- ઑડિયો પુસ્તકેં (ePub)
- ઉપશીર્ષક કે સાથ ઈ-સામગ્રી
- ભારતીય સાંકેતિક ભાષા મેં ઈ-સામગ્રી
- ઈ-પાઠ્યપુસ્તકોં કે લિફ સ્ક્રીન રીડર ઓર જૂમ ઇન-આઉટ
- પ્રભાવી રંગ કંટ્રાસ્ટ
- ગતિવિધિ અનુભાગોં, સ્તરોં, વિરામ, સહેજેં કે બીચ નેવિગેશન મેં આસાની
- પૂર્ણતયા અંધે/કમ દષ્ટિ વાલે લોગોં કે લિફ ડિવાઇસ ઁક્સેસિબિલિટી મોડ કા સમર્થન કરતા હૈ



❖ चैटबॉट आधारित एप्लीकेशन

- छात्रों और शिक्षकों की दैनिक ऑनलाइन पंजीकरण की रिपोर्टिंग के लिए चैट बॉट - स्मार्ट अटेंडेंस सिस्टम नियमितता और समयबद्धता के लिए उपस्थिति प्रबंधन
- छात्रों द्वारा पीएटी/एसएटी के अधीन प्राप्त प्रश्न-वार अंक के संग्रहण के लिए चैट बॉट - क्षमता - परीक्षण और आकलन के तहत प्राप्त अंकों की अभिव्यक्ति
- छात्रों के रिपोर्ट कार्ड उनके माता-पिता को देने के लिए चैट बॉट - ज्ञान प्रभाव: आकलनों की प्रदर्शन रिपोर्ट्स जो अकादमिक उतार-चढ़ाव का इतिहास बनाने के लिए

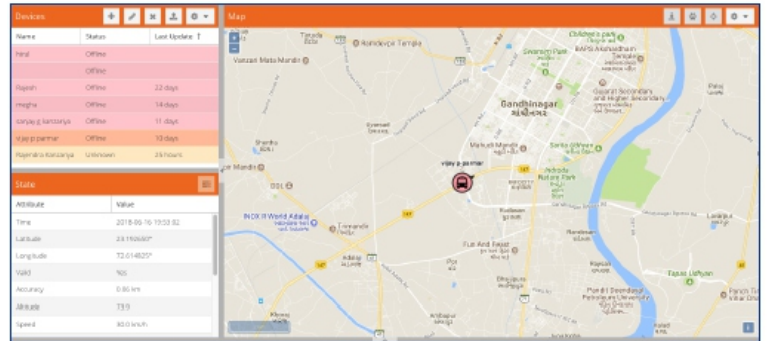


❖ वाहन ट्रैकिंग सिस्टम

- दूर के क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों को उनकी शिक्षा के निरंतरता को सुनिश्चित करने के लिए परिवहन प्रदान किया जा रहा है।
- बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) विकसित और लागू किया गया है।

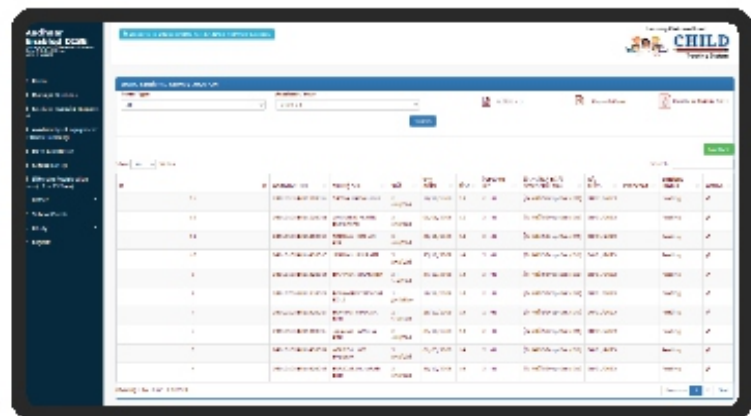
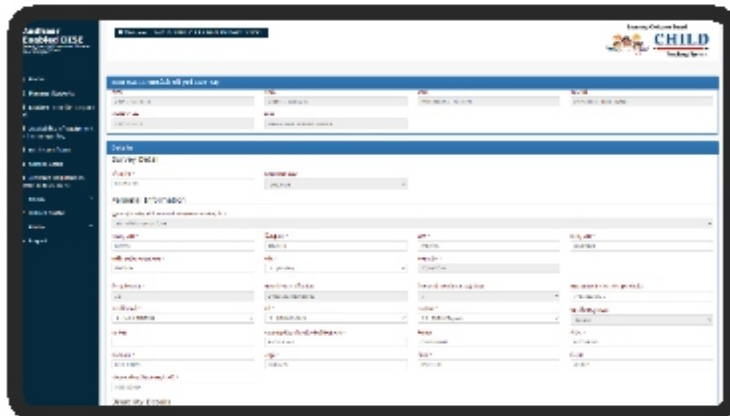
वीटीएस की मुख्य विशेषताएं:

- मोबाइल एप्लीकेशन के साथ वेब आधारित ऑनलाइन प्रणाली जिसमें शामिल हैं:
- वाहन से संबंधित सभी रिपोर्ट जैसे औसत गति, अधिकतम गति, मार्ग मानचित्र के साथ ट्रैकिंग इतिहास, आदि।
- चालक द्वारा असुरक्षित या अधिक गति की निगरानी
- गंतव्य तक सुगम और त्वरित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए मार्ग नियोजन
- जियो-फेंसिंग
- मार्ग मानचित्र के साथ दैनिक यात्रा इतिहास
- राज्य भर में 2 लाख से अधिक छात्र लाभान्वित हो रहे हैं



❖ स्कूल न जाने वाले बच्चों पर नज़र रखना

- स्कूल स्तर पर फील्ड स्टाफ द्वारा सर्वेक्षण प्रविष्टियाँ पूरी कर ली गई हैं
- ब्लॉक स्तर पर बीआरसीएस, सीआरसीएस, बीआरपी को बच्चे के विवरण को सत्यापित करना होगा और स्कूल स्तर पर सिस्टम में रिकॉर्ड को फ्रीज करना होगा
- सर्वेक्षण में प्राप्त विवरणों के अनुसार, रिकॉर्ड को संबंधित डेटाबेस में अपडेट किया जाएगा। (एपीआई डेटा पुश टू प्रबंध पोर्टल के माध्यम से)।



❖ स्कूल बुनियादी ढांचे के आकलन के लिए एप्लीकेशन

- समग्र शिक्षा गुजरात ने सम्पूर्ण विद्यालय विकास योजना (WSDP) के लिए एक अवसंरचना मूल्यांकन प्रपत्र विकसित किया है।
- डब्ल्यूएसडीपी प्रपत्र में निम्नलिखित शामिल हैं: अवसंरचना मूल्यांकन:
- सामान्य जानकारी
- शैक्षिक जानकारी
- कैम्पस विवरण: अवसंरचना विवरण, कक्षाओं का विवरण, सीमा दीवार, लड़कियों और लड़कों के लिए अलग शौचालय की उपलब्धता,
- पीने के पानी की सुविधा
- एमडीएम किचन शेड
- विद्यालय की समग्र अवसंरचना की निगरानी के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली विकसित की गई है।

Dashboard

શિક્ષણનો અધિકાર
સમગ્ર શિક્ષા
સૌ ભણે, સૌ આગળ વધે

- General Information**
- Academic Information** 59 100%
- Campus Details**
- Drinking Water Facility** 100%
- Mid Day Meal** 100%

Mid Day Meal

BHOYANI PRIMARY SCHOOL 24070201401

- Is the meal prepared in school campus? ☒ Yes ☐ No
- Does the school have a MDM kitchen shed? ☐ Yes ☒ No
- Is the kitchen available? ☒ Yes ☐ No
- 3.1 Kitchen made up of: Pucca buildings
- 3.2 Area of kitchen in sq.mt 12.8
- 3.3 Condition of kitchen: Good
4. Is the store available? ☒ Yes ☐ No
- 4.1 Store made up of: Pucca buildings
- 4.2 Area of store in sq.mt 9.8
- 4.3 Condition of store: Good

Drinking Water Facility

BHOYANI PRIMARY SCHOOL 24070201401

- Does the school have water facility? ☒ Yes ☐ No
- 1.1 which type of facility available in the school? Pipe link with t...
- 1.2 Working Condition Working
- 1.3 Does the school have water tank? ☒ Yes ☐ No

Details of tank:

- 1.3.1 Type of water tank Please Select
- 1.3.2 Capacity of water tank in ltr. Enter Here
- 1.3.3 Condition of water tank Please Select

Type of water Tank	Capacity in Ltr.	Condition	Action
Underground	25000	Good	
Overhead	2000	Good	

1.3.4 No. of water tanks in the school: 2

General Information

Village Name: BHOYANI
BHOYANI PRIMARY SCHOOL 24070201401

- School in ☐ Urban Area ☒ Rural Area
- Capture school photo 
- School fall in Non Tribal Block
- Does the school have fire extinguisher? ☒ Yes ☐ No
- 4.1 Date of installation. DD/MM/YYYY
- 4.2 Fire extinguisher is in working condition? ☐ Yes ☐ No
5. Is there anganwadi in the school premises? ☐ Yes ☒ No
6. Does the school have CRC ☒ Yes

Edit Campus Details

BHOYANI PRIMARY SCHOOL 24070201401
Campus Number 1

- Campus Information
- Building Details
- Room Details
- Playground Details

Edit Campus Details

BHOYANI PRIMARY SCHOOL 24070201401
Campus Number 1

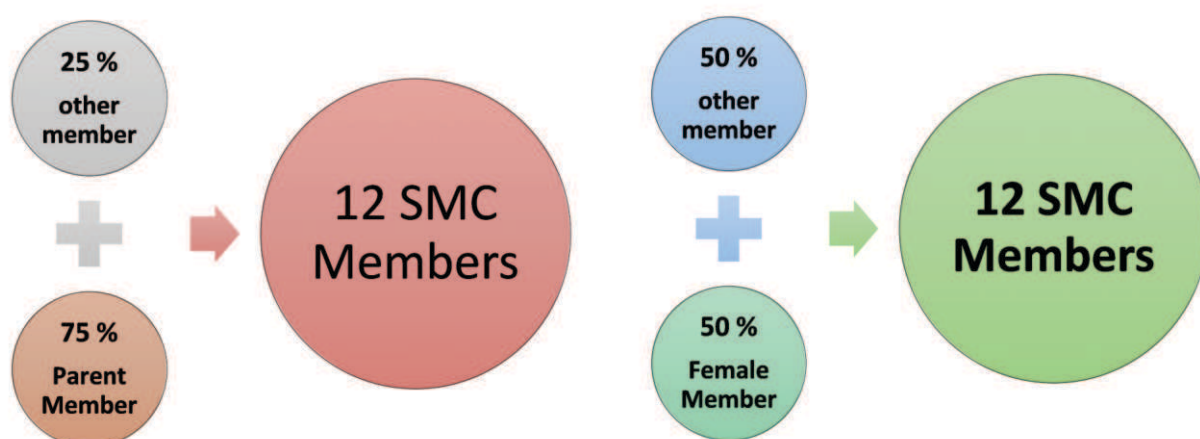
Campus Information

- Area of Campus in sq. mtr 5452
- Is Infrastructure available? ☒ Yes ☐ No
- Availability of BaLa elements ☒ Yes ☐ No
- Electricity connection ☒ Yes ☐ No
- 4.1 Phase: ☒ Single ☐ Three
- Is it a Green School? ☐ Yes ☒ No
- School has been upgraded under the school up-gradation program? ☐ Yes ☒ No
- Is Ramp Provided for disabled? ☒ Yes ☐ No
- 7.1 Is Slope Provided? (1:15) ☒ Yes ☐ No
- Is Railing Provided? ☒ Yes ☐ No
- 8.1 Height of railing (min. 60 cm) 65



बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 21 के अनुसार गैर-अनुदानित विद्यालयों को छोड़कर सभी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन एवं कार्य करना अनिवार्य है। इन एसएमसी के सदस्य मुख्य रूप से स्कूल में दाखिला लिए हुए बच्चों के माता-पिता (75%) होते हैं। समिति की 50% सदस्य महिलाएं होनी चाहिए। धारा 22 के तहत, स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा स्कूल विकास योजना (एसडीपी) तैयार की जाती है। इसलिए, सामान्यतः एसएमसी को स्कूल के कार्यों की निगरानी करनी, स्कूल विकास योजनाओं को तैयार और सिफारिश करनी और सरकार, स्थानीय प्राधिकरण या किसी अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान के उपयोग की निगरानी करनी होती है। एसएमसी का गठन हर दो साल में एक बार किया जाना चाहिए।

विद्यालय प्रबंधन समिति की संरचना (एसएमसी)



विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति की संरचना

1	अध्यक्ष	विद्यालय के प्रधानाचार्य या प्रभारी प्रधानाचार्य
2	सदस्य	विज्ञान से संबंधित एक अध्यापक
3	सदस्य	सामाजिक विज्ञान से संबंधित एक अध्यापक
4	सदस्य	गणित से संबंधित एक अध्यापक
5	सदस्य	भाषा/खेल से संबंधित एक अध्यापक
6	सदस्य	कला/शिल्प/संस्कृति से संबंधित एक अध्यापक
7	सदस्य	माता-पिता की ओर से एक सज्जन
8	सदस्य	माता-पिता की ओर से एक महिला
9	सदस्य	पंचायत से दो सदस्य
10	सदस्य	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय से एक सदस्य
11	सदस्य	शैक्षणिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदाय से एक सदस्य
12	सदस्य	महिला समूहों से एक सदस्य

स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की प्रमुख भूमिकाएँ

स्कूल प्रबंधन समिति निम्नलिखित कार्य करेगी, अर्थात:

- सभी बच्चों, विशेषकर वंचित समूहों और कमजोर वर्गों के बच्चों का स्कूल में नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करना।
- यह सुनिश्चित करना कि वंचित समूहों और कमजोर वर्गों के बच्चों के साथ भेदभाव न हो और उन्हें प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने और पूरी करने से न रोका जाए।
- निगरानी करें कि सभी नामांकित न हुए और स्कूल छोड़ चुके बच्चों को आरटीई अधिनियम की धारा 4 के अनुसार नियमित स्कूल में आयु-उपयुक्त प्रवेश के लिए विशेष प्रशिक्षण में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाए।
- प्रारंभिक शिक्षा में दिव्यांग बच्चों की पहचान, नामांकन और भागीदारी की निगरानी करना तथा यह सुनिश्चित करना कि उनकी शिक्षा के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।
- सुनिश्चित करें कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अधीन बाल अधिकार, विशेष रूप से शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न, निष्कासन और नजरबंदी के निषेध से संबंधित अधिकार, किसी भी समय प्रवेश के प्रावधान का अक्षरशः पालन किया जाए और बच्चों के अधिकारों, जैसे कि गणवेश, पाठ्यपुस्तकें, मध्याह्न भोजन आदि को शीघ्रता से प्रदान किया जाए।
- सुनिश्चित करें कि शिक्षक उपस्थिति में नियमितता और समय की पाबंदी बनाए रखें।
- उपयुक्त सरकार या स्थानीय प्राधिकरण या किसी अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदानों के उपयोग की निगरानी करना तथा निर्धारित अन्य कार्य करना।
- प्रत्येक एसएमसी स्कूल विकास योजना तैयार करेगी।
- एसडीपी में मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे के विकास, छात्रों की उपलब्धि, मौजूदा शिक्षकों की आवश्यकताओं, अभिभावकों की अपेक्षाओं, कक्षा संचालन प्रक्रिया आदि में अंतराल की पहचान शामिल है। इसलिए, एसडीपी प्रत्येक स्कूल की जरूरतों का वर्णन करता है, जिन्हें अंततः जिला स्तर पर संकलित किया जाता है और बदले में जिले के इन सभी एसआईपी को एक 'एकीकृत राज्य समेकित योजना' के निर्माण के लिए राज्य स्तर पर एकत्रित करने की आवश्यकता होती है।

स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति (एसएमडीसी) की प्रमुख भूमिकाएं

- स्कूल स्तर पर योजना बनाना
- राज्य योजनाओं का क्रियान्वयन
- स्कूल स्तर पर निगरानी और मूल्यांकन
- स्कूल स्तर पर योजना के सभी घटकों/हस्तक्षेपों- अवसंरचनात्मक, शैक्षणिक और अन्य पर सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्रवाई करना
- स्कूल स्तर पर योजना के सभी घटकों/हस्तक्षेपों- अवसंरचनात्मक, शैक्षणिक और अन्य पर मूल्यांकन और सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्रवाई करना,

स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति (एसएमडीसी) के अधिकार क्षेत्र में आता है।

- एसएमडीसी स्कूल स्तर पर योजना के सभी घटकों के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी करता है। समिति आवर्ती और गैर-आवर्ती व्यय के लिए सभी प्रासंगिक रिकॉर्ड रखती है।
- एसएमडीसी योजना के विभिन्न घटकों पर आवर्ती व्यय, आवश्यक सुविधाओं और पाठ्य पुस्तकों आदि की उपलब्धता, शिक्षकों की उपस्थिति, छात्रों की उपस्थिति सहित शिक्षा की स्थिति, शिक्षकों और छात्रों का आचरण, गुणवत्ता संबंधी पहलू, स्कूल परिसर में और उसके आसपास कानून और व्यवस्था की स्थिति, छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति और टीकाकरण, लड़कियों, अनुसूचित जातियों, जनजातियों, बीपीएल परिवारों और शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के बच्चों के सामने आने वाली समस्याओं जैसे समानता संबंधी पहलुओं आदि का निरीक्षण करता है।

प्रगति:

गुजरात के सभी प्राथमिक और माध्यमिक सरकारी विद्यालयों ने दिशा-निर्देशों के अनुसार एसएमसी और एसएमडीसी का गठन किया है। एसएमसी और एसएमडीसी सदस्यों की क्षमता निर्माण के लिए समग्र शिक्षा-गुजरात ने बीआईएसएजी के माध्यम से तीन वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। इस उद्देश्य के लिए 31,979 विद्यालयों को कुल 515.71 लाख रुपये (प्रति स्कूल 1000 रुपये) और 1,489 माध्यमिक विद्यालयों को 16.895 लाख रुपये का अनुदान दिया गया।

प्रत्येक 90-मिनट की वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र में, विभिन्न शाखाओं के राज्य अधिकारियों, जैसे कि सामुदायिक मोबलजैशन, बालिका शिक्षा, वैकल्पिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, सीडब्लूएसएन के लिए समावेशी शिक्षा, गुणवत्ता शिक्षा, और एमआईएस शाखा, ने समग्र शिक्षा की मौजूदा गतिविधियों को मजबूत करने में एसएमसी/एसएमडीसी की भूमिका का मार्गदर्शन किया।

प्रशिक्षण सत्रों में समग्र शिक्षा के अंतर्गत गतिविधियों और पहलों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया, जिनमें शामिल हैं:



- केजीबीवी (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय) में नामांकन
- किशोर शिक्षा
- आत्मरक्षा प्रशिक्षण
- सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और इंसिनरेटर की स्थापना
- स्कूल विकास योजनाएँ
- सामाजिक ऑडिट
- निजी विद्यालयों से सरकारी विद्यालयों में छात्रों का प्रवेश
- एसओई (स्कूल ऑफ एक्सीलेंस) के 100 दिन
- एनएमएमएस (नेशनल मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप) परीक्षाओं की तैयारी
- सभी बच्चों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना
- पैरालिंपिक में भागीदारी
- परिवहन सुविधाओं का प्रावधान
- साइबर जागरूकता
- स्कूल न जाने वाले बच्चों का सर्वेक्षण
- एसटीपी (स्कूल परिवर्तन कार्यक्रम – 12 महीने) के लिए प्रस्ताव
- व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए जागरूकता
- प्रवेशोच्च (स्कूल नामांकन अभियान)
- कैरियर मार्गदर्शन
- संसाधन कक्षों के माध्यम से सीडब्लूएसएन के लिए शिक्षा
- विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षा
- आपदा प्रबंधन पर मार्गदर्शन
- विद्या प्रवेश (स्कूल की तैयारी)
- प्रज्ञा कक्षाएँ
- बाल विकास में सामुदायिक भागीदारी
- मौसमी छात्रावास
- विद्यालयों में डिजिटल पहलों का कार्यान्वयन
- विद्यालयों में 6 से 18 वर्ष की आयु के छात्रों का नामांकन
- विद्यालयों में शैक्षिक सामग्री की उपलब्धता
- सीडब्लूएसएन के लिए एमडीएम (मिड-डे मील) सुविधाएँ
- बाल मित्र से संबंधित जानकारी
- वंदे गुजरात चैनल का उपयोग
- एनआईओएस (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान) के माध्यम से मुक्त विद्यालयी शिक्षा
- स्कूल अनुदान
- केंद्र प्रायोजित योजनाएँ
- खाता रजिस्टर बनाए रखना
- वित्त विभाग के संकल्प
- स्कूल स्तर पर क्रय नीति का क्रियान्वयन
- एनसीईआरटी की पुस्तकों का उपयोग
- स्कूल स्तर पर पैट-सैट परीक्षा आयोजित करना
- स्कूल स्तर पर आपदा प्रबंधन के लिए फोकल शिक्षकों की नियुक्ति

जिला स्तर पर सभी डीपीईओ, डीईओ, जिला समन्वयक, बीआरसी, सीआरसी, यूआरसी, एसएमसी सदस्य और एसएमडीसी सदस्य तथा स्कूल स्टाफ ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

व्यावसायिक शिक्षा



10 व्यावसायिक शिक्षा

माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यवसायीकरण की केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएसवीएचएसई)। हाल के वर्षों में दुनिया भर में अर्थव्यवस्था के विकास के लिए कौशल विकास महत्वपूर्ण हो गया है। कौशल विकास पहलों के माध्यम से, हम युवाओं को उद्योग-संबंधित परियोजनाओं की ओर सक्षम बना सकते हैं, जो उन्हें बेहतर आजीविका के अवसर खोजने में मदद करेंगे।

राज्य ने कुशल मानव संसाधन की मांग और आपूर्ति के बीच की खाई को पाटने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। कौशल विकास के कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जैसे कि आईटीआई और सहायता प्राप्त एवं स्व-वित्तपोषित आईटीसी, जो सरकारी और निजी रूप से संचालित संस्थान हैं। भारत सरकार ने सितंबर 2011 में माध्यमिक शिक्षा में रोजगार योग्य शिक्षा को एकीकृत करते हुए एक संशोधित केंद्र प्रायोजित योजना की शुरुआत की, जिसे बाद में "केंद्र प्रायोजित योजना, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा में व्यावसायिकीकरण" (सीएसएसवीएचएसई) के नाम से जाना गया। आरएमएसए ने गुजरात के कुछ माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में "उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण" की केंद्र प्रायोजित योजना शुरू करने का प्रस्ताव रखा।

योजना का उद्देश्य

स्कूल में छात्र जो सीख रहे हैं और वास्तविक जीवन में जो जरूरी है, के बीच एक बड़ा अंतर है। माध्यमिक स्कूल स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा इस अंतर को पाटने और शिक्षा को व्यावहारिक और प्रासंगिक बनाने का लक्ष्य रखती है। योजना का उद्देश्य है कि उद्योग-प्रेरित इनपुट और एक्सपोजर के कारण इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने वाले छात्रों की रोजगार क्षमता में सुधार हो। व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ एकीकृत करने से शिक्षण परिणामों और छात्रों की भविष्य की रोजगार क्षमता को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि वे बाजार में प्रभावी कौशल से सुसज्जित होंगे और उन्हें बेहतर अवसर खोजने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता रूपरेखा (एनवीईक्यूएफ)

एनवीईक्यूएफ एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्रणाली के लिए सामान्य सिद्धांत और दिशानिर्देश निर्धारित करेगा। इस प्रणाली में माध्यमिक से लेकर डॉक्टरेट स्तर तक की योग्यता वाले स्कूलों, व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों और उच्च शिक्षा संस्थानों को शामिल किया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय मानकों की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त होगी। छात्रों के पास कई प्रविष्टियों और निकासों के साथ ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज गतिशीलता की गुंजाइश होगी। इसका उद्देश्य परियोजना को स्तर 1 (कक्षा 9) पर शुरू करना है, ताकि छात्रों को कक्षा 12 पूरी करने पर रोजगार योग्य बनाया जा सके।

गुजरात में राष्ट्रीय कौशल योग्यता परिदृश्य:

वर्ष	विद्यालयों की संख्या	क्षेत्र
2017-18	20	4
2019-20	102	7
2020-21	138	8
2021-22	85	8
2022-23	578	13
2023-24	227	15
कुल	1,150	15

- कुल स्वीकृत स्कूल: 1150 और 1715 सेक्टर
- 565 स्कूल जिनमें 2 ट्रेड हैं और 585 स्कूल जिनमें 1 ट्रेड है
- 1010 कम्पोजिट (9वीं से 12वीं तक), 140 नॉन कम्पोजिट स्कूल (9वीं और 10वीं कक्षा)

मानकवार नामांकन विवरण निम्नानुसार हैं:

कक्षा	9वीं	10वीं	11वीं	12वीं	कुल नामांकन
बालक	30,921	13,257	2,120	803	46,471
बालिकाएं	30,420	13,664	2,703	1,046	47,833
कुल	60,711	26,921	4,823	1,849	94,304

गुजरात में विद्यालयों का क्षेत्रवार वितरण:

क्रम संख्या	क्षेत्र	9वीं और 10वीं कक्षा में कार्य की भूमिकाएँ	11वीं और 12वीं कक्षा में कार्य की भूमिकाएँ	स्कूलों
1	कृषि	सोलेनेसियस फसल कृषक	पुष्पकृषि विशेषज्ञ (खुली खेती)	329
2	परिधान निर्माण एवं गृह साज-सज्जा	सिलाई मशीन ऑपरेटर	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर	280
3	ऑटोमोटिव	ऑटोमोटिव सर्विस टेक्नीशियन एल-3	ऑटो सर्विस तकनीशियन एल 4	95
4	सौंदर्य एवं स्वास्थ्य	सहायक सौंदर्य चिकित्सक	सौंदर्य चिकित्सक	336

5	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	फील्ड तकनीशियन-अन्य घरेलू उपकरण	इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन-कंप्यूटिंग और पेरिफेरल्स	339
6	स्वास्थ्य देखभाल	गृह स्वास्थ्य सहायक	जनरल ड्यूटी सहायक	36
7	खुदरा	स्टोर संचालन सहायक	बिक्री सहयोगी	62
8	पर्यटन एवं आतिथ्य	खाद्य एवं पेय सेवा प्रशिक्षु	ग्राहक सेवा कार्यकारी (मीट एंड ग्रीट)	46
9	शारीरिक शिक्षा एवं खेल	प्रारंभिक वर्षों के सुविधाप्रदाता	उपलब्ध नहीं	25
10	प्लमिंग	प्लम्बर जनरल	उपलब्ध नहीं	28
11	आईटी आईटीईएस	घरेलू डाटा एंट्री ऑपरेटर	उपलब्ध नहीं	113
12	खाद्य प्रसंस्करण	बैकिंग तकनीशियन	उपलब्ध नहीं	12
13	बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	माइक्रोफाइनेंस कार्यकारी	उपलब्ध नहीं	11
14	ऊर्जा	उपभोक्ता ऊर्जा मीटर तकनीशियन	उपलब्ध नहीं	2
15	निर्माण	सहायक मेसन	उपलब्ध नहीं	1
		कुल		1,715

व्यावसायिक शिक्षा विद्यालयों की जिलावार संख्या:

क्रम संख्या	जिला	स्कूल	नौकरी की भूमिका	छात्र
1	अहमदाबाद	66	108	5,100
2	अमरेली	43	62	3,380
3	आणंद	47	85	5,476
4	अरावली	35	56	2,942
5	बनासकांठा	79	112	6,788
6	भरूच	17	21	1,247

7	भावनगर	18	28	2,163
8	बोटाद	22	31	1,647
9	छोटा उदेपुर	19	31	2,087
10	देवभूमि द्वारका	13	22	1,160
11	दाहोद	31	33	1,922
12	गांधीनगर	29	57	1,865
13	गिरसोमनाथ	27	39	2,426
14	जामनगर	14	24	1,358
15	जूनागढ़	43	55	2,572
16	कच्छ	50	74	4,236
17	खेड़ा	36	51	2,471
18	मेहसाणा	31	56	2,166
19	माहीसागर	51	82	3,801
20	मोरबी	22	32	1,104
21	नर्मदा	25	42	3,159
22	नवसारी	72	94	4,316
23	पंचमहल	73	94	5,197
24	पाटन	34	53	3,633
25	पोरबंदर	8	11	913
26	राजकोट	48	77	4,496
27	साबरकांठा	31	43	2,114
28	सूरत	35	60	3,536
29	सुरेन्द्रनगर	29	34	1,646
30	तापी	21	35	1,923
31	डांग	17	23	1,831
32	वडोदरा	31	40	2,309
33	वलसाड	33	50	3,320
	कुल	1,150	1,715	94,304

व्यावसायिक प्रशिक्षकों की समय पर तैनाती:

राज्य ने 1150 विद्यालयों के लिए सभी 1715 वीटी की तैनाती के लिए वीआईपी को कार्य आदेश जारी किया है।

- व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाताओं के सहयोग से विद्यालयों में 1549 वीटी तैनात किए गए हैं।
- राज्य ने जिले को प्रशिक्षकों को तैनात करने का अधिकार भी दिया है, यदि वीटीपी व्यावसायिक प्रशिक्षक को तैनात करने में असमर्थ है
- स्कूल के हेडमास्टर को अतिथि व्याख्याता के माध्यम से प्रतिदिन अधिकतम 2 व्याख्यान के माध्यम से शिक्षा जारी रखने का अधिकार दिया गया है।

जिलेवार वीटी गणना

जिला	वीटी की संख्या	जिला	वीटी की संख्या
अहमदाबाद	59	खेड़ा	50
अमरेली	57	मेहसाणा	41
आणंद	82	माहीसागर	79
अरावली	55	मोरबी	22
बनासकांठा	104	नर्मदा	42
भरूच	20	नवसारी	94
भावनगर	23	पंचमहल	80
बोटाद	30	पाटन	52
छोटा उदेपुर	29	पोरबंदर	10
देवभूमि द्वारका	16	राजकोट	56
दाहोद	29	साबरकांठा	40
गांधीनगर	36	सूरत	29
गिरसोमनाथ	35	सुरेन्द्रनगर	33
जामनगर	18	तापी	33
जूनागढ़	53	डांग	23
कच्छ	72	xAMC	23
वडोदरा	34	xRMC	20
वलसाड	50	xSMC	14
xVMC	6	कुल	1,549

- विजिटिंग व्याख्यान डीईटी और अन्य कौशल संसाधनों जैसे पीएमकेके केंद्र, केवीके केंद्र आदि के सहयोग से आयोजित किए जाते हैं।

व्यावसायिक विद्यालयों में प्रयोगशाला की स्थापना:

समग्र शिक्षा गुजरात ने समग्र शिक्षा के प्रावधान और खरीद दिशा-निर्देशों के अनुसार लैब खरीद प्रक्रिया शुरू की है और विशिष्ट व्यापार की पीएसएससीआईवीई सूची के अनुसार उपकरण की आवश्यकता के आधार पर चयन के लिए एफएमपी मैनुअल निर्देशों का भी पालन किया है। वर्ष 2023 तक पीएबी में कुल 15 जॉब रोल स्वीकृत किए गए हैं।

श्रम एवं रोजगार विभाग के राज्य परियोजना निदेशक, शिक्षा विभाग और स्थानीय आईटीआई विशेषज्ञों की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। प्रयोगशाला उपकरणों के सभी 15 ट्रेड विनिर्देशों को निविदा मूल्यांकन समिति द्वारा अंतिम रूप दिया गया है। आईटी से संबंधित उपकरण और उपकरण विनिर्देशों को आईटी समिति और जीआईएल विशेषज्ञों द्वारा अंतिम रूप दिया गया है। विनिर्देशों को अंतिम रूप देने के बाद, पीएमयू टीम के सहयोग से जीईएम पोर्टल के माध्यम से ट्रेड-वार प्रयोगशालाओं के लिए निविदा प्रक्रिया की गई।

जीईएम निविदा प्रक्रिया के माध्यम से, राज्य ने 15 नौकरी भूमिकाओं के लिए सभी 1150 विद्यालयों में कुल 1715 व्यावसायिक प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए कार्य आदेश जारी किया है।

- 1117 व्यावसायिक प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं और कार्यात्मक हैं।
- शेष के लिए, एक निविदा प्रकाशित की गई है और एक तकनीकी मूल्यांकन किया गया और कार्य आदेश जारी किया गया है।





पाठ्यक्रम का अनुवादन, पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण एवं वितरण:

PSS केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (PSSCIVE), भोपाल की वेबसाइट के साथ-साथ CBSE व अन्य राज्य व्यावसायिक वेबसाइटों से नए निर्धारित नौकरी भूमिकाओं की पाठ्यक्रम, छात्र और शिक्षक हैंडबुक की एक प्रति डाउनलोड की गई है।

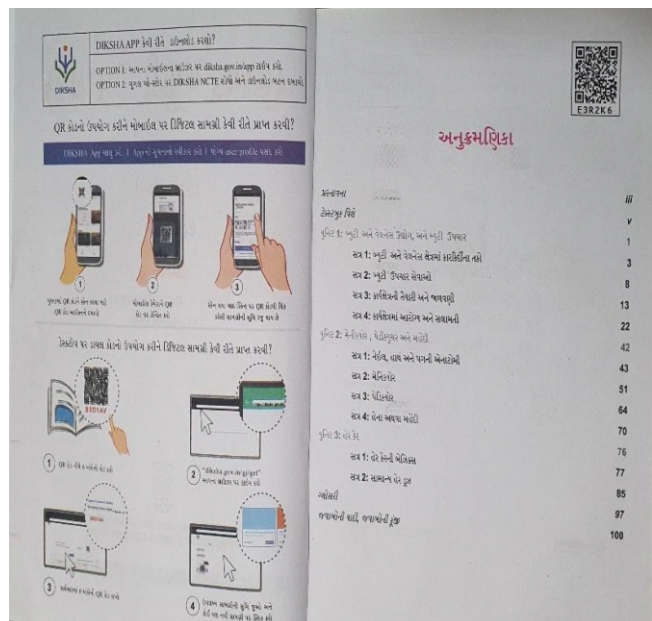
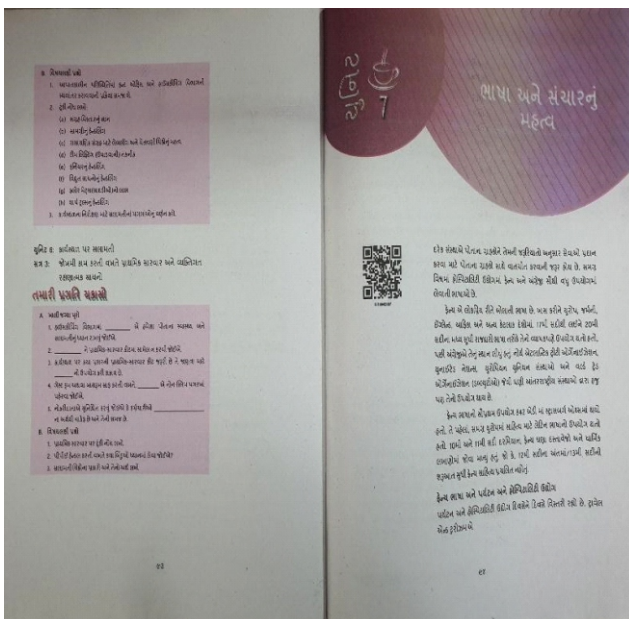
राज्य द्वारा पैनल में शामिल विशेषज्ञ अनुवादकों की मदद से उपलब्ध व्यावसायिक पुस्तकों का क्षेत्रीय भाषा (अर्थात् गुजराती) में अनुवादन किया गया है और उन्हें QR कोडेड भी किया गया है। अनुवादित पुस्तकों को **"दीक्षा पोर्टल"** पर अपलोड किया गया है।

दीवाली व गर्मी की छुट्टियों के दौरान विभिन्न जॉब रोल्स के लिए ई-कॉन्टेंट तैयार करने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षकों को नियुक्त किया गया था, और इस सामग्री की गुणवत्ता जांच एवं समुचित परीक्षण के बाद इसे राज्य के व्यावसायिक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है।

चैनल लिंक :

<https://www.youtube.com/channel/UCmwpESXQvs9SzhXd3aZJbwA/playlists>

निर्मित वीडियो को क्यूआर कोड को स्कैन करके भौतिक प्रतिलिपि के रूप में भी देखा जा सकता है।



इंटरनशिप:

यह राज्य में इंटरनशिप गतिविधियों में शामिल होने वाले व्यावसायिक छात्रों का दूसरा वर्ष है। छात्र आमतौर पर स्कूल या छात्रों के घरों के आस-पास के नियोक्ताओं और प्रतिष्ठानों के साथ इंटरनशिप करते हैं। इस शैक्षणिक वर्ष में, 1851 छात्रों ने राज्य में 8 क्षेत्रों में अपनी इंटरनशिप पूरी की है।

चूंकि हमारे कई छात्र ग्रामीण/आदिवासी क्षेत्रों में स्थित हैं, उन्हें गुणवत्तापूर्ण इंटरनशिप करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। लेकिन हमारे छात्र इन दूरियों की चुनौती को पार करते हुए अच्छे नियोक्ताओं के साथ इंटरनशिप करते हैं और कार्यस्थल की वास्तविक दुनिया और उससे मिलने वाले अनुभवों के बारे में सीखते हैं। हालांकि उन्हें 600/- रुपये की डीबीटी मिली, लेकिन यह बार-बार लंबी दूरी की यात्रा के लिए पर्याप्त नहीं है।

स्कूलों और इंटरनशिप स्थलों का दौरा करने पर हमने अनुमान लगाया है कि यह डीबीटी 1500/- रुपये से अधिक होनी चाहिए, जिसमें स्कूल से नियोक्ता स्थल/दुकान तक परिवहन, गुणवत्ता वाले नियोक्ताओं को खोजने के लिए VT के लिए परिवहन राशि और इंटरनशिप समापन समारोह शामिल हैं।

राज्य से एक मानक संचालन प्रक्रिया (SoP) जारी की गई है, जिसमें इंटरनशिप के सभी गुणवत्ता, योजना और दस्तावेजीकरण पहलुओं को शामिल किया गया है। यह मानक संचालन प्रक्रिया (SoP) सभी व्यावसायिक प्रशिक्षकों (VT) और जिला समन्वयकों के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज़ है, जिससे वे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नजदीकी इंटरनशिप की योजना बना सकें और उन्हें संचालित कर सकें।

इंटरनशिप प्रवाह:

कक्षा 11 और 12 के छात्रों को हर दो साल में 80+ घंटे की इंटरनशिप करनी होती है। व्यावसायिक प्रशिक्षक (VT) ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों (BRPs) के साथ मिलकर स्कूलों के पास के व्यापार संबंधित नियोक्ताओं को खोजते और उन्हें इंटरनशिप कराने के लिए राजी करते हैं। यदि स्कूल के पास नियोक्ता ढूंढना मुश्किल होता है, तो छात्र अपने घर के पास के नियोक्ताओं को ढूंढते हैं और दीवाली या गर्मी की छुट्टियों में इंटरनशिप पूरी करते हैं।

SoP में सभी सहमति पत्र शामिल हैं जिन्हें इंटरनशिप शुरू करने के लिए अभिभावकों, स्कूल प्रधानाचार्यों और नियोक्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना आवश्यक है। नियोक्ता स्थल पर छात्र की सुरक्षा इंटरनशिप शुरू करने के लिए एक गैर-समझौता योग्य पहलू है। इंटरनशिप को दस्तावेजीकरण करने के लिए, छात्र हर दिन 3 चिंतनशील प्रश्नों के उत्तर देते हैं ताकि इंटरनशिप में अपने कार्यों और अनुभवों को नोट कर सकें। स्कूल प्रधानाचार्य, BRP, DRP, RMSA समन्वयक और राज्य प्रतिनिधि इंटरनशिप स्थलों का दौरा करते हैं ताकि गुणवत्ता की जांच की जा सके और छात्रों को नए कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

निगरानी और मूल्यांकन तंत्र:

इंटरनशिप पोर्टल एक मॉनिटरिंग टूल है जिसे PMU - लेंड अ हैंड इंडिया द्वारा विकसित किया गया है ताकि जमीनी स्तर से विस्तृत इंटरनशिप डेटा को कैप्चर किया जा सके। इसमें सहमति पत्रों की प्रतियां, इंटरनशिप साइट से फोटोग्राफ़, छात्रों की डेली डायरी, कुल

इंटरनशिप घंटे, इंटरनशिप समयरेखा, नियोक्ता विवरण आदि सभी आवश्यक डेटा शामिल होते हैं। यह राज्य और जिला स्तर पर इंटरनशिप की गुणवत्ता की जांच के लिए विश्वसनीय डेटा प्रदान करता है। इस डेटा के आधार पर जिलों द्वारा छात्रों को डीबीटी जारी की जाती है। डेली डायरी पंजीकृत छात्र व्हाट्सएप चैटबॉट द्वारा भी भर सकते हैं।

इस पोर्टल से हम निम्नलिखित विश्लेषण कर सकते हैं:

- वर्ष में और विशिष्ट अवधि में पूर्ण किए गए ट्रेड वाइज इंटरनशिप
- वर्ष में और विशिष्ट अवधि में पूर्ण किए गए जेंडर वाइज इंटरनशिप
- वर्ष में और विशिष्ट अवधि में पूर्ण किए गए जिला वाइज इंटरनशिप
- छात्रों की डेली डायरी रिपोर्ट से दैनिक कार्यों और सीखने का विश्लेषण
- गुजरात के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनशिप का संकलन
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियोक्ता की घनत्व

LogInId	User Name	EmailId	Mobile	Account Type	Actions
shaikhaafrin778@gmail.com	AAFRINBANU SHAIKH	shaikhaafrin778@gmail.com	9924828851	Vocational Trainer	
dabhiaarti005@gmail.com	AARTI DABHI	dabhiaarti005@gmail.com	6355165415	Vocational Trainer	
aartipanchal384@gmail.com	Aarti Panchal	aartipanchal384@gmail.com	9726843442	Vocational Trainer	
aashishgamt47@gmail.com	Aashishbhai Gamit	aashishgamt47@gmail.com	9726553498	Vocational Trainer	
shukl.abhay007@gmail.com	Abhay Shukl	shukl.abhay007@gmail.com	8141048546	Vocational Trainer	
abhipatel9502@yahoo.com	Abhi Patel	abhipatel9502@yahoo.com	7874939308	Vocational Trainer	
abhikan24@gmail.com	Abhishek Kansara	abhikan24@gmail.com	9773486529	Vocational Trainer	
abrar.etaisektgaj@gmail.com	Abhar Mansuri	abrar.etaisektgaj@gmail.com	9824941546	Vocational Trainer	
dabhiaburajsinh1996@gmail.com	ABURAJSINH DABHI	dabhiaburajsinh1996@gmail.com	9601794073	Vocational Trainer	

जिलावार इंटरनेशिप पूर्णता:

क्रम संख्या	जिला	छात्रों की संख्या	क्रम संख्या	जिला	छात्रों की संख्या
1	अहमदाबाद	127	18	मेहसाणा	46
2	अमरेली	235	19	माहीसागर	35
3	आणंद	182	20	मोरबी	27
4	अरावली	18	21	नर्मदा	117
5	बनासकांठा	486	22	नवसारी	27
6	भरूच	30	23	पंचमहल	140
7	भावनगर	333	24	पाटन	158
8	बोटाद	50	25	पोरबंदर	0
9	छोटा उदेपुर	43	26	राजकोट	313
10	देवभूमि द्वारका	73	27	साबरकांठा	24
11	दाहोद	1	28	सूरत	60
12	गांधीनगर	0	29	सुरेन्द्रनगर	26
13	गिरसोमनाथ	42	30	तापी	0
14	जामनगर	48	31	डांग	46
15	जूनागढ़	11	32	वडोदरा	8
16	कच्छ	304	33	वलसाड	0
17	खेड़ा	11		कुल	3.010

क्षेत्रवार इंटरनेशिप पूर्णता:

क्रमांक	व्यापार	छात्रों की संख्या
1	कृषि	616
2	परिधान, मेड-अप्स और होम फर्निशिंग	543
3	ऑटोमोटिव	72
4	सौंदर्य एवं स्वास्थ्य	581
5	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	675
6	स्वास्थ्य देखभाल	197
7	खुदरा	184
8	पर्यटन एवं आतिथ्य	142

लिंग के अनुसार इंटरनशिप पूर्ण होने की संख्या:

लिंग	छात्रों की संख्या
महिला	1,801
पुरुष	1,209

इसके अतिरिक्त, जिले इंटरनशिप की योजना शीटों को गुणवत्ता जांच के लिए सत्यापित कर रहे हैं इससे पहले कि इंटरनशिप शुरू हो। इंटरनशिप के दौरान, वोकेशनल ट्रेनर (VT), बीआरपी, डीआरपी और स्कूल प्रिंसिपल इंटरनशिप साइट पर जाकर दस्तावेजों और पूरी प्रक्रिया की जांच कर रहे हैं। राज्य अधिकारी भी गुजरात के विभिन्न हिस्सों में इंटरनशिप साइटों का दौरा कर रहे हैं। इंटरनशिप पोर्टल पर डेटा की सफलतापूर्वक पूर्णता के बाद, राज्य नमूना आकार के अनुसार इंटरनशिप की सत्यापन प्रक्रिया शुरू करता है और जिलों से डीबीटी प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध करता है।

मजबूत मॉनिटरिंग सिस्टम का उद्देश्य :

- छात्र की सुरक्षा सुनिश्चित करना
- सभी कागजी कार्रवाई पूरी हो गई है या नहीं, इसकी जाँच करना
- इंटरनशिप साइट पर छात्रों की भूमिका और जिम्मेदारियों की जाँच करना
- छात्रों और नियोक्ताओं का साक्षात्कार करना
- इंटरनशिप की समग्र गुणवत्ता की जाँच करना

राज्यवार इंटरनशिप साइट का दौरा - 2023-24 वर्ष के लिए डेटा:

- दौरा किये गये कुल जिलों की संख्या: 12
- कुल देखी गई इंटरनशिप साइट की संख्या: 32
- कुल नियोक्ता की संख्या: 30
- स्कूल में आये कुल छात्रों की संख्या: 1586

इंटरनशिप में नवाचार:

गुजरात के ग्रामीण जिलों जैसे नर्मदा, पंचमहल, डांग, वलसाड और छोटा उदेपुर में कम जनसंख्या घनत्व और अधिक आंतरिक क्षेत्रों के कारण नियोक्ताओं की कमी है। इसके लिए, राज्य द्वारा प्रत्येक जिले के लिए इंटरनशिप के विशेष रूप से 7 प्रशिक्षण सत्र और क्षेत्रीय दौरे आयोजित किए गए ताकि वास्तविक स्थितियों की जांच की जा सके और व्यावहारिक समाधान प्रदान किए जा सकें। इसके तहत, स्कूल प्रिंसिपल के मार्गदर्शन में ब्यूटी कैम्पस, रिपेयर@स्कूल और स्कूल नर्सरी जैसे नवोन्मेषी और उल्लेखनीय इंटरनशिप कार्यक्रम आयोजित किए गए।



जिला अभिमुखीकरण प्रशिक्षण



विद्यालय परिसर में बना किचन गार्डन

इन हस्तक्षेपों के कारण अधिकांश विद्यालयों ने दिवाली की छुट्टियों में इंटरनशिप की योजना बनाई है। लड़कियों को इंटरनशिप के लिए छात्रावासों, अभिभावकों और यहाँ तक कि नियोक्ताओं से अनुमति लेने में अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वे ज्यादातर अपने घर के पास या वीटी या अभिभावकों की देखरेख में अपनी इंटरनशिप पूरी करती हैं।

औद्योगिक लिंकेज:

गुजरात अपने औद्योगिक और व्यावसायिक उद्यमों के लिए जाना जाता है। व्यावसायिक शिक्षा बाजार और स्कूलों के बीच एक लिंक के रूप में कार्य करती है ताकि छात्रों को 12वीं कक्षा के बाद नौकरी के लिए तैयार किया जा सके। राज्य एक जिला-वार सूची बनाने और MSME और बड़े पैमाने पर उद्योगों के साथ MoU साइन करने की पहल कर रहा है ताकि छात्रों को उनके संबंधित जिलों में हाई-टेक इंटरनशिप अनुभव प्रदान किया जा सके। अब तक गुजरात भर में 104 नियोक्ताओं की पहचान की जा चुकी है जिनके साथ MoU साइन किए जाएंगे ताकि इंटरनशिप, क्षेत्रीय दौरे और अतिथि व्याख्यान प्रदान किए जा सकें।

इंटरनशिप समर्थन सामग्री:

- इंटरनशिप योजना और दस्तावेज़ीकरण पर मार्गदर्शन के लिए यूट्यूब लाइव; RMSA समन्वयक, DRP, BRP, VT और स्कूल प्रिंसिपल्स के लिए नियोक्ता ऑनबोर्डिंग
- इंटरनशिप पोर्टल पर इंटरनशिप डेटा भरने के लिए रिकॉर्ड किए गए सत्र
- नियोक्ता ऑनबोर्डिंग, छात्र ओरिएंटेशन और VT ओरिएंटेशन के लिए फ्लायर्स, मार्गदर्शक बुकलेट्स, प्रस्तुतियाँ और अन्य संसाधन

मोड - नियोक्ता साइट पर



कार्यरत नियोक्ताओं की संख्या – 721 नियोक्ता

इंटरनशिप गतिविधि के अंतर्गत पहल

प्रस्तावित किया जाने वाला नया हस्तक्षेप: इंटरनशिप समापन समारोह

सभी जिले जिला स्तर (अधिमानतः) या ब्लॉक/स्कूल स्तर पर इंटरनशिप समापन समारोह शुरू करेंगे। यह वह समय है जब कोई स्कूल मान्यता और समर्थन दे सकता है

- ऐसे छात्र जिन्होंने 80+ घंटे की इंटरनशिप पूरी की है।
- ऐसे नियोक्ता जिन्होंने इस नेक काम में स्वेच्छा से काम किया।
- ऐसे माता-पिता जिन्होंने अपने बच्चों खासकर लड़कियों को नैतिक समर्थन दिया।
- ऐसे व्यावसायिक प्रशिक्षक जिन्होंने सभी लॉजिस्टिक्स और नियोक्ताओं की व्यवस्था की।
- अपने छात्रों के सॉफ्ट स्किल विकास के लिए स्कूल स्तर पर अपने इंटरनशिप अनुभव को प्रदर्शित किया।

समारोह से अपेक्षित परिणाम:

- 12वीं पास करने वाले छात्रों की ऊर्ध्वाधर गतिशीलता
- आगामी बैचों से गुणवत्तापूर्ण इंटर्नशिप की अधिक संख्या
- व्यावसायिक शिक्षा पर सामुदायिक लामबंदी
- कार्यक्रम का स्वामित्व स्कूल, वीटीपी और जिले को हस्तांतरित करना
- स्नातक करने वाले छात्रों का डेटाबेस

नए स्कूलों के चयन से पहले प्रधानाध्यापकों की सेक्टरवार ओरिएंटेशन:

गुजरात में नए प्रधानाध्यापकों के लिए एक ऑनलाइन सेक्टरवार ओरिएंटेशन आयोजित की गई थी, ताकि वे अपने स्कूल में व्यावसायिक शिक्षा शुरू करने के लिए प्रस्ताव भेजने से पहले विभिन्न क्षेत्रों की पेशकशों को समझ सकें और उन्हें अपने स्कूल की जरूरतों के अनुसार संरेखित कर सकें। लगभग 2000 प्रधानाध्यापकों ने इस ओरिएंटेशन वेबिनार को देखा। इसके परिणाम स्वरूप, जिलों से नए स्कूलों के लिए अधिक सुव्यवस्थित प्रस्ताव प्राप्त हुए।

सभी सरकारी स्कूलों को प्रस्ताव भेजने के लिए पत्र भी मेल किए गए।

व्यावसायिक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में, व्यावसायिक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर एक रणनीतिक जोर दिया गया है, जिसमें विभिन्न जिलों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आवंटित अनुदान वितरित किए गए हैं। जिलों को प्रशिक्षण सत्रों को आयोजित करने और निगरानी रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसमें प्रशिक्षकों को योजना के प्रमुख पहलुओं के बारे में ओरिएंट किया जाता है। इस व्यापक ओरिएंटेशन में योजना के मानदंड, मार्किंग और मूल्यांकन प्रक्रियाएं, मूल्यांकन विधियां, उद्योग दौरों और अतिथि व्याख्यान जैसे विषय शामिल हैं। प्रशिक्षकों को योजना के भीतर उनकी सामान्य भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया जाता है।

इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षकों को राज्य की निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली, जिसे लाइटहाउस के नाम से जाना जाता है, पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण व्यावहारिक पहलुओं तक विस्तारित होता है, जिसमें पोर्टल पर छात्रों का पंजीकरण, अवकाश के लिए आवेदन करना, और दैनिक उपस्थिति रिकॉर्ड बनाए रखना शामिल है। इसके अलावा, प्रशिक्षक प्लेटफॉर्म पर अतिथि व्याख्यान और औद्योगिक दौरों के विवरण को इनपुट करना भी सीखते हैं।

ओरिएंटेशन सत्र में प्रबंधन पोर्टल का विस्तृत परिचय शामिल है, ताकि प्रशिक्षक केंद्रीयकृत प्रगति ट्रैकिंग सिस्टम के बारे में पूरी तरह से जानकार हो सकें। प्रशिक्षण अनुभव को समृद्ध करने के लिए, विशेषज्ञ, जिसमें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के शिक्षक और आईटीआई प्रैक्टिशनर्स शामिल हैं, सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। समय-समय पर, राज्य टीम के सदस्य जिलों का दौरा करते हैं और इन ओरिएंटेशन सत्रों के दौरान प्रशिक्षकों के साथ जुड़ते हैं, जिससे व्यावसायिक प्रशिक्षक प्रशिक्षण की समग्र प्रभावशीलता बढ़ती है।



स्किल प्रतियोगिता:

राज्य ने यह सुनिश्चित करने के प्रयास शुरू किए हैं कि स्कूलों ने पहचान की है और छात्रों को गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए गेस्ट लेक्चर्स आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। उदाहरण के लिए, स्कूल को ब्यूटी और वेलनेस ट्रेड के लिए पुरुष गेस्ट लेक्चर को प्रोत्साहित करना चाहिए।

कौशल प्रतियोगिता (कौशलोत्सव):

स्कूल में छात्र जो सीख रहे हैं और वास्तविक जीवन में जो आवश्यक है, के बीच एक बड़ा अंतर है। NEP 2020 के तहत माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर पर पेश की गई व्यावसायिक शिक्षा इस अंतर को पाटने और शिक्षा को व्यावहारिक और प्रासंगिक बनाने का लक्ष्य रखती है। इस योजना का उद्देश्य यह है कि उद्योग-प्रेरित इनपुट और एक्सपोज़र के कारण इन पाठ्यक्रमों से गुजरने वाले छात्रों की रोजगार क्षमता में सुधार हो सके। व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ एकीकृत करने से छात्रों के सीखने के परिणाम और अंततः रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी, क्योंकि वे मार्केटेबल कौशल से लैस होंगे और उन्हें बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। समग्र शिक्षा, गुजरात इन कौशलों को कौशलोत्सव के रूप में मनाती है ताकि छात्रों द्वारा अपने-अपने व्यावसायिक ट्रेडों में अर्जित कौशल को और बढ़ाया जा सके।

कौशलोत्सव गुजरात के समग्र शिक्षा का एक पहल है जो गुजरात के व्यावसायिक स्कूल के छात्रों के लिए है। कौशलोत्सव कोई प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि प्रत्येक ट्रेड में हर छात्र द्वारा सीखी गई कौशल का उत्सव है। इस उत्सव के माध्यम से, हम उनकी समस्याओं को हल करने, प्रभावी संचार, टीमवर्क जैसी कौशल को निखारने का उद्देश्य रखते हैं, जो उन्हें बाहरी दुनिया में लाभ पहुंचा सकते हैं। कौशलोत्सव-23-24 का विषय उनके आस-पास की समस्याओं को हल करने के लिए एक कार्य योजना या मॉडल बनाने पर आधारित था। छात्रों ने अपनी समस्या को संयुक्त राष्ट्र के 21 सतत विकास लक्ष्यों के साथ मैप भी किया। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के दौरान इस उत्सव का हिस्सा बनने के लिए 900 से अधिक स्कूलों ने भाग लिया, जिसमें कक्षा 9 से 12 के 19,000 से अधिक छात्रों ने विभिन्न 15 ट्रेडों में अपनी अनूठी क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

कौशलोत्सव समग्र शिक्षा, गुजरात की एक पहल है जो कक्षा 9 से 12 के व्यावसायिक शिक्षा (वीई) छात्रों को अपनी प्रतिभा और कौशल प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।



9वीं से 12वीं कक्षा के सभी व्यावसायिक शिक्षा (वीई) स्कूलों के छात्रों ने 13 विभिन्न नौकरी भूमिकाओं में अपनी विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने के लिए इस आयोजन का उत्सव मनाया। 6614 लड़कों और 7934 लड़कियों ने अपने व्यक्तिगत और समूह परियोजनाओं जैसे पानी साफ करने वाली नाव, ड्रिप सिंचाई तकनीक, शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस, ईंधन बचाने की प्रणाली, फास्ट फूड जोन, दोहरी साइड पहनने वाले कपड़े, आदि को प्रस्तुत किया। जिलों से विजेता समूहों और व्यक्तियों को राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्हें उनके कौशल के लिए मान्यता दी गई और पुरस्कृत किया गया।

- कुल भाग लेने वाले स्कूलों की संख्या: 900+
- गुजरात भर में स्कूलों में भाग लेने वाले छात्रों की कुल संख्या: 19413
- प्रस्तुत परियोजनाएँ: 5745
- जिला स्तर की प्रतियोगिता: 33 जिले + 4 नगर निगमों ने भाग लिया
- राज्य स्तर की प्रतियोगिता: 31 जिले + 4 नगर निगमों ने भाग लिया

राज्य ने **गांधीनगर में कौशलोत्सव 23-24 का आयोजन** किया ताकि स्कूल और जिला स्तर पर सीखी गई और प्रदर्शित की गई क्षमताओं का सम्मान किया जा सके। लगभग 175 छात्रों ने राज्य स्तर पर 31 जिलों और 4 निगमों का प्रतिनिधित्व किया।

माननीय SPD मैडम और सचिव सर ने छात्रों को उनके परियोजनाओं का जिला और राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रोत्साहित किया और धन्यवाद दिया। जूरी ने बड़े उत्साह के साथ परियोजना के विचार और डिज़ाइन को समझा और इसके स्थिरता और विस्तार की संभावनाओं के बारे में सवाल पूछे। परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के लिए 5 ITI प्रोफेसरों की एक जूरी नियुक्त की गई थी। जूरी के सदस्यों ने परियोजना की उपयोगिता और प्रभावशीलता को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।



पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा वर्ष 2023-24 (नवाचार गतिविधि-10 बगलेस क्लास)

SSA-गुजरात ने वर्ष 2023-24 के लिए 3997 नए स्कूलों को पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा (PVE) शुरू करने के लिए स्वीकृति दी है। नए स्कूलों की जोड़ी के साथ, गुजरात में व्यावसायिक शिक्षा वाले स्कूलों की कुल संख्या बढ़कर 4553 हो गई है। सभी 3997 + 65 (PM श्री) प्रिंसिपलों के लिए एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा योजना, कार्यान्वयन की बुनियादी बातें, स्कूल मॉनिटरिंग कमेटी, BRC, CRC, माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों की सहभागिता को शामिल करके छात्रों को विभिन्न क्षेत्रीय कौशल और क्षेत्रों के प्रति जागरूकता देने के बारे में समझाया गया।

जिलावार प्री-वोकेशनल एजुकेशन स्कूलों की संख्या:

क्रम संख्या	जिला	जीओआई	जीओजी	पीएम श्री	कुल
1	अहमदाबाद	185	58	3	246
2	एम.सी.	109	25		134
3	अमरेली	93	57	1	151
4	आणंद	237	46		283
5	अरावली	68	27	2	97

6	बनासकांठा	539	145	5	689
7	भरूच	72	17	3	92
8	भावनगर	237	36	3	276
9	बोटाद	91	11		102
10	छोटा उदेपुर	69	11		80
11	दाहोद	380	27	4	411
12	देवभूमि द्वारका	51	17	1	69
13	गांधीनगर	130	49		179
14	गिरसोमनाथ	116	46	1	163
15	जामनगर	60	37	1	98
16	जूनागढ़	45	40	2	87
17	कच्छ	174	72	1	247
18	खेड़ा	248	65		313
19	मेहसाणा	183	62		245
20	माहीसागर	89	1	2	92
21	मोरबी	69	8		77
22	नर्मदा	35	2	4	41
23	नवसारी	55	24	4	83
24	पंचमहल	196	17	5	218
25	पाटन	140	68		208
26	पोरबंदर	22	17	1	40
27	राजकोट	65	40	4	109
28	आरएमसी	35	21		56
29	साबरकांठा	134	49	3	186
30	सूरत	90	29	3	122
31	सुरेन्द्रनगर	118	42	1	161
32	तापी	40	8	6	54
33	डांग	37	6	2	45
34	वडोदरा	123	44		167

35	वलसाड	126	41	3	170
36	वी.एम.सी.	25	16		41
37	एसएमसी	2	0		2
	कुल योग	4,488	1,281	65	5,834

कक्षा 6 से 8 तक पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक छात्रों के लिए पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा (पीवीई)

योजना का उद्देश्य

- 1) हर छात्र कक्षा 6-8 के दौरान एक मजेदार पाठ्यक्रम लेंगे, जो विभिन्न महत्वपूर्ण व्यावसायिक शिल्पों जैसे कि बढ़ईगीरी, इलेक्ट्रिकल कार्य, धातु कार्य, बागवानी, मिट्टी के बर्तन बनाना आदि का सर्वेक्षण और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम राज्यों और स्थानीय समुदायों द्वारा निर्धारित किया जाएगा और स्थानीय कौशल की जरूरतों के अनुसार मैप किया जाएगा।
- 2) कक्षा 6-8 के लिए एक प्रायोगिक-आधारित पाठ्यक्रम NCERT द्वारा NCFSE 2020-21 तैयार करते समय उचित रूप से डिज़ाइन किया जाएगा। सभी छात्रों को कक्षा 6-8 के दौरान किसी समय 10-दिन के बैगलेस अवधि में स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों जैसे बढ़ई, माली, बर्तन बनाने वाले, कलाकार आदि के साथ इंटरनशिप करने का अवसर मिलेगा।
- 3) कक्षा 6-12 के दौरान, छात्रों को व्यावसायिक विषय सीखने के लिए इंटरनशिप के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं, जिसमें छुट्टियों की अवधि भी शामिल है। ऑनलाइन माध्यम के माध्यम से व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी उपलब्ध कराए जाएंगे। पूरे वर्ष के दौरान कला, क्रीड़ा, खेल, और व्यावसायिक शिल्प से संबंधित विभिन्न प्रकार की समृद्धि गतिविधियों के लिए बैगलेस दिनों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- 4) बच्चों को स्कूल के बाहर गतिविधियों के लिए समय-समय पर अवसर प्रदान किए जाएंगे, जिसमें ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटक महत्व के स्थानों/स्मारकों की यात्राएं, स्थानीय कलाकारों और कारीगरों से मुलाकात, और उनके गाँव/तेज़ील/जिले/राज्य में उच्च शैक्षणिक संस्थानों की यात्राएं शामिल होंगी।

प्री-वोकेशनल घटक वाले स्कूलों की संख्या:

क्रम संख्या	घटक	स्कूलों की संख्या
1	जीओआई	4,488
2	पीएम श्री	65
3	जीओजी	1,281
	कुल	5,834

कुल 5834 विद्यालयों में नामांकन निम्नानुसार है:

स्कूलों की संख्या

कक्षा	छात्रों की संख्या		
	जीओआई	जीओजी	पीएम श्री
6वीं	74,054	58,521	2,783
7वीं	73,603	56,741	2,857
8वीं	71,082	55,202	3,018
कुल	2,18,739	1,70,464	8,658
कुल योग	3,97,861		

की गई प्रमुख गतिविधियाँ

- सभी स्कूलों में 10 दिवसीय बैगलेस गतिविधि को लागू करने के लिए जीसीईआरटी से मंजूरी प्राप्त की गई।
- हितधारकों को व्यक्तिगत रूप से और ऑनलाइन प्रशिक्षण देकर उनका प्रशिक्षण और संवेदीकरण किया गया।
- पीएसएससीआईवीई के समन्वय में प्री-वोकेशनल गतिविधियों के लिए सभी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।
- छात्रों को उद्योगों में काम करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद करने के लिए स्कूलों द्वारा विभिन्न उद्योगों का दौरा किया गया।
- प्री-वोकेशनल के तहत की गई प्रत्येक गतिविधि के लिए डेटा एकत्र करने के लिए रिकॉर्ड रखने वाले फ़ोल्डर बनाए गए और सभी जिलों के साथ साझा किए गए।

फोटोग्राफ के साथ पूर्व-व्यावसायिक गतिविधियों के बारे में:





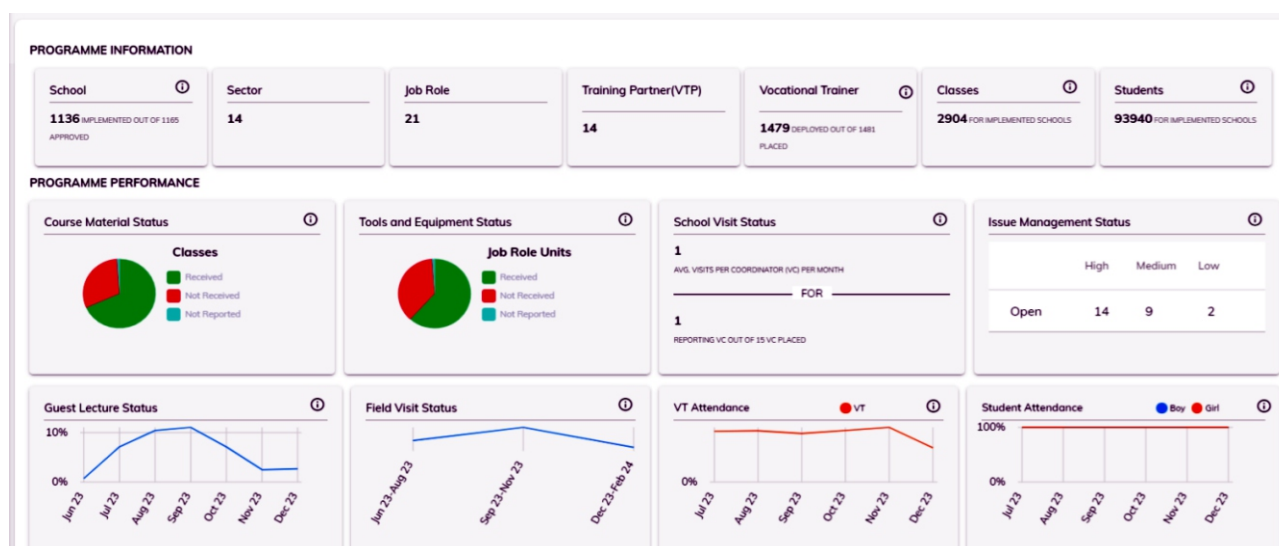
पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा पर डीआरपी, बीआरपी और आरएमएसए समन्वयकों का प्रशिक्षण:

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन DRPs, BRPs और RMSA समन्वयकों के लिए किया गया ताकि उन्हें व्यावसायिक शिक्षा योजना, इसके दिशा-निर्देशों, घटकों, और क्षेत्रीय यात्राओं, अतिथि व्याख्यानों, और इंटरनशिप के महत्व के बारे में अवगत कराया जा सके। SSA गुजरात, UNICEF और PSSCIVE के विशेषज्ञों ने युवाओं को सशक्त बनाने में स्किलिंग/व्यावसायिक शिक्षा के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान किया। व्यावसायिक शिक्षा में "लिंग समानता" का उद्देश्य है – लड़कों और लड़कियों के लिए समान अवसर को बढ़ावा देना, विभिन्न पाठ्यक्रम विकल्पों को प्रोत्साहित करना और निष्पक्ष पहुंच सुनिश्चित करना, एक सुरक्षित और समावेशी सीखने का वातावरण प्रदान करना, और किसी भी लिंग आधारित बाधाओं या पूर्वाग्रहों को मॉनिटर और संबोधित करना।



निगरानी और मूल्यांकन अनुप्रयोग - "लाइटहाउस":

राज्य ने योजना की बेहतर निगरानी और मूल्यांकन के लिए लेंड-ए-हैंड इंडिया की सहायता से "लाइटहाउस" नामक एक निगरानी और मूल्यांकन एप्लीकेशन विकसित किया है।



राज्य ने लाइटहाउस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा में निगरानी और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को प्रभावी ढंग से देखा है। प्रशिक्षकों की वेतन प्रक्रिया मासिक रिपोर्ट तैयार करने के बाद की जाती है, जिसमें दैनिक उपस्थिति और स्कूल नामांकन पर सत्यापित डेटा शामिल होता है। यह रिपोर्ट स्कूल प्रधान द्वारा हस्ताक्षरित होती है और जिला स्तर पर जांच की जाती है। लाइटहाउस प्लेटफ़ॉर्म स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम सामग्रियों और उपकरण/साधनों की स्थिति की जानकारी भी एकत्र करता है, जिससे व्यापक निगरानी की सुविधा मिलती है।

इसके अतिरिक्त, प्लेटफ़ॉर्म में दैनिक छात्र उपस्थिति के अलावा, मुद्दे प्रबंधन की सुविधाएँ भी शामिल हैं और यह जिलों और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाताओं (VTPs) की तुलनात्मक विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है।

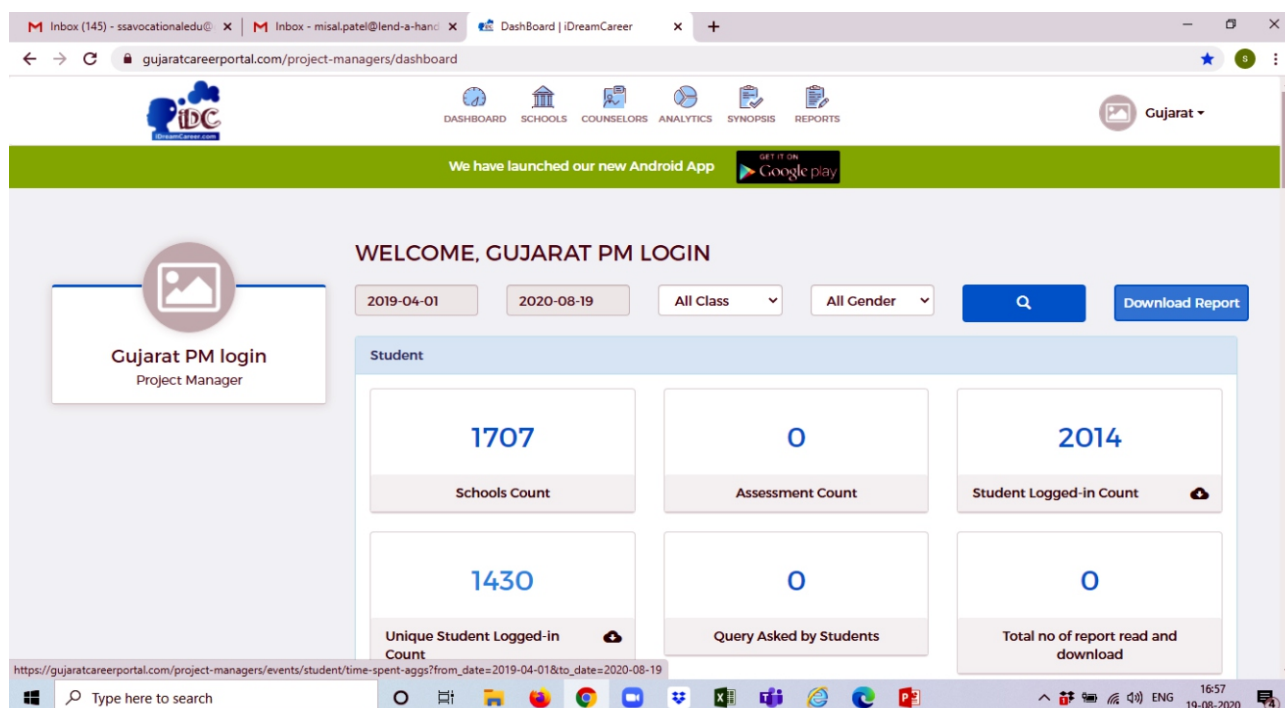
राज्य के बाल ट्रेकिंग सिस्टम के साथ एकीकरण विभिन्न प्लेटफार्मों पर छात्र विवरणों में सामंजस्य सुनिश्चित करता है। कक्षा XI में कम नामांकन से संबंधित समस्याओं को संबोधित करने के लिए VTPs के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें प्लेटफार्म ने संबंधित डेटा बिंदुओं के प्रावधान के माध्यम से निर्णय-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला समन्वयक पूरे वर्ष स्कूलों में गतिविधियों को सुगम और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो व्यावसायिक प्रशिक्षकों से दैनिक रिपोर्टिंग के माध्यम से किया जाता है। इस रिपोर्टिंग में प्रशिक्षकों द्वारा पूरा किए गए स्थान विवरण और कार्य शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त, जिला स्तर पर संसाधन व्यक्ति व्यावसायिक कार्य की निगरानी करते हैं, स्कूलों को अनुदान आवंटन प्रबंधित करते हैं, प्रधानाचार्यों के साथ नियमित बैठकें करते हैं और स्कूल स्तर पर प्रयोगशालाओं की स्थापना की देखरेख करते हैं।

गुजरात करियर काउंसलिंग पोर्टल:

समग्र शिक्षा, गुजरात ने कक्षा 9-12वीं के सभी सरकारी और ग्रांट इन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लाभ के लिए एक करियर काउंसलिंग पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल के माध्यम से हम लाखों छात्रों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें सर्वोत्तम कॉलेज, प्रासंगिक करियर विकल्प और संबंधित सहायता की जानकारी प्रदान करके। यह पोर्टल समग्र शिक्षा और यूनिसेफ के बीच सहयोग का परिणाम है। इस पोर्टल के माध्यम से छात्रों, शिक्षकों और मास्टर ट्रेनर्स के पास एक अनूठा आईडी और व्यक्तिगत प्रोफाइल होगी, ताकि छात्र अपनी आकांक्षाओं, लक्ष्यों और कौशल के अनुसार करियर के विकल्पों की खोज कर सकें।

अब तक, लगभग 10.00 लाख छात्रों ने इस पोर्टल का उपयोग किया है। www.gujaratcareerportal.com



કો ગુજરાતી મેં અનુવાદિત કિયા ગયા હૈ। સમગ્ર શિક્ષા, ગુજરાત ને ગુજરાત કરિયર પોર્ટલ કો રાજ્ય સર્વર મેં એકીકૃત કરને કી પ્રક્રિયા શુરુ કી હૈ, જિસે યૂનિસેફ સર્વર સે સ્થાનાંતરિત કિયા જા રહા હૈ।

કઈ બૈઠકોં કા આયોજન કિયા ગયા તાકિ હૈંડઓવર પ્રક્રિયા કો સુવિધાજનક બનાયા જા સકે, જિસમેં યૂનિસેફ કી રાજ્ય ઓર આઈસીટી ટીમ, ઓર સમગ્ર શિક્ષા, ગુજરાત કી એમઆઈએસ ટીમ શામિલ થી। ગુજરાત કી વિશિષ્ટ જરૂરતોં કે અનુસાર જાનકારી ઓર માર્ગદર્શન સંકલિત કરને કે લિએ પોર્ટલ કે ઓર વિકાસ કી સંભાવના હૈ। ઇસ પોર્ટલ કા ઉપયોગ અબ તક ગુજરાત મેં લગભગ 4.5 લાખ છાત્રોં દ્વારા કિયા ગયા હૈ તાકિ વે કરિયર વિકલ્પોં, છાત્રવૃત્તિયોં ઓર અન્ય વિષયોં પર જાનકારી પ્રાપ્ત કર સકેં, જિસમેં લગભગ 50% ઉપયોગકર્તા મહિલાં હૈં।

ઇસકે લિએ, યૂનિસેફ ઇન્ડિયા દ્વારા રાષ્ટ્રીય સ્તર પર વિકસિત ઓર જાંચે ગયે 550 ગુજરાતી, અંગ્રેજી ઓર હિંદી કરિયર કાર્ડ્સ, જો સરકારી ઓર ગૈર-સરકારી હિતધારકોં કે સાથ સાફેદારી મેં તૈયાર કિએ ગયે હૈં, સમગ્ર શિક્ષા કે ઉપયોગ કે લિએ ઉપલબ્ધ કરાએ ગયે હૈં, દોનોં ડિજિટલ ઓર ઑફલાઇન મોડ મેં। ઇન કરિયર કાર્ડ્સ કો જી-શાલા એપ પર બી અપલોડ કિયા ગયા હૈ ઓર યે કરિયર પથોં કી જાનકારી ઓર દેશભર મેં પેશેવર ઓર વ્યાવસાયિક પાઠ્યક્રમોં કે સંસ્થાનોં કી જાનકારી પ્રદાન કરતે હૈં, સાથ હી પ્રવેશ પરીક્ષાઓં ઓર છાત્રવૃત્તિ વિકલ્પોં આદિ કી જાનકારી બી દેતે હૈં। યે 550 કરિયર કાર્ડ્સ ગુજરાતી મેં બી અનુવાદિત કિએ ગયે હૈં ઓર જી-શાલા એપ પર અપલોડ કિએ જા રહે હૈં।

NCS Code: 2141.0300, CCode: E16

ઔદ્યોગિક ઇજનેર (ઇન્ડસ્ટ્રીયલ એન્જિનિયર)

ઔદ્યોગિક ઇજનેર, ઉદ્યોગોં અંદર ઉત્પાદકતા વધારવા સાથે સંબંધિત કામગીરી માટે જવાબદાર છે. ઔદ્યોગિક ઇજનેરો ઉત્પાદન પ્રક્રિયામાં એક્સર ડિઝાઇન અને ઉપયોગિતાને સુધારવા માટે નવીન રીતો વિકસાવે છે. તેઓ સંસ્થાઓનો મહત્તમ ઉપયોગ જાળવવામાં મદદરૂપ બને છે.

વ્યક્તિગત નિપુણતા

- વસ્તુઓ કેવી રીતે કામ કરે છે તે સમજવામાં તમને આનંદ આવે છે
- તમે વિદ્યાન અને ગણિતના વિષયમાં રૂચિ પસંદ છો
- તમને વસ્તુઓ એકત્રિત કરવાનું ગમે છે
- તમને મશીનો/મેકેનિઝમ સાથે કામ કરવાનું ગમે છે

શિખવું

- ફિઝીકલ, રાસાયણિક પ્રોસેસિંગ, યોજના શિખવું - આ શિખવું એન્જિનિયરીંગના સ્નાતક કક્ષાના છેલ્લા પ્રથમ વર્ષમાં કામચલાઉ રીતે શિખવામાં આવે છે. તમારું પાઠ્યક્રમમાં એક યોજના પરીક્ષાનો સમાવેશ થાય છે. આ શિખવું ભારત સરકાર દ્વારા રાસાયણિક સંયોજન માટેની ઉત્તમ યોજના પસંદ કરવામાં આવે છે. પ્રથમ વિદ્યાર્થીઓ માટે ઉપલબ્ધ કરવામાં આવે છે.
- યોજના-સહ-સંસાધન આધારિત શિખવું - લઘુમતી જાળવના મંત્રાલય દ્વારા દર વર્ષે લગભગ ૨૦,૦૦૦ જેટલી આ પ્રકારની શિખવું આવવામાં આવે છે. આ યોજના કેન્દ્ર લાભાર્થી વિદ્યાર્થીઓની સંખ્યા કોઈ હી સીધી જ તેમની સંસ્થાઓને ચૂકવવામાં આવે છે.
- ઇન્જિનિયર ઓફ ઈલેક્ટ્રિકલ શિખવું-આઈ.ઓ.સી. ડિપાર્ટમેન્ટ પ્રતિ વર્ષે લાઇવ વિદ્યાર્થીઓને ૩૦૦ જેટલી શિખવું આપે છે. વિદ્યાર્થીઓને સ્નાતક કક્ષાના અભ્યાસક્રમમાં નોંધણી કરાવવી પડેલી છે. આ શિખવું ખાસ કરીને શારીરિક દિવ્યાંગ વિદ્યાર્થીઓ, મહિલાઓ અને ઉંચકા પુરવં અને જન્મ અને કાર્યાલમાં વિદ્યાર્થીઓ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરે છે.
- શિખવું વિનિયમ માટે digitalgujarat.gov.in ની મુલાકાત લો. પોરલ X માં શરૂ થતી શિખવું માટે આ એક પ્રવેશદાર છે.
- યોજનાના આધારે સંસ્થાઓમાં પણ શિખવું ઉપલબ્ધ છે.
- આ શિખવું ઉપલબ્ધતા સમયાંતરે અદ્યતન રહે છે.

લોન

- વિદ્યાર્થીઓ, www.vidyalakshmi.co.in, રાસાયણિક લોન મેળવવા માટેના વિદ્યાર્થીઓ માટેનું એક પોર્ટલ છે. આ પોર્ટલ માસિક સેવા વિભાગ, (નાણાં મંત્રાલય), ઉચ્ચ શિક્ષણ વિભાગ (શિક્ષણ મંત્રાલય) અને ઇન્જિનિયર એન્ડ ટેકનોલોજી (આઈઆર ટેકનોલોજી) દ્વારા વિકસાવવામાં આવે છે.
- કેસલ રાજ્યમાં એક જગ્યા કરો સાથે વિદ્યાર્થી ક્રેડિટ ચાર્ટ ઉપલબ્ધ છે, ઉદાહરણ તરીકે, પશ્ચિમ બંગાળ, ઓડિશા, મિઝોર, વગેરે.
- તમામ એક રાસાયણિક લોન આપે છે.

પ્રવેશ માટે...

- વિજ્ઞાન પ્રવાહમાં થો. ૧૨ પૂર્ણ કરો. (ભૌતિકશાસ્ત્ર, રસાયણશાસ્ત્ર, ગણિત)
- ઓ ઓ ઓ એન્જિનિયરીંગ / મેન્યુફેક્ચરિંગ એન્જિનિયરીંગમાં સ્નાતક (B.Tech / BE)ની ડિગ્રી પ્રાપ્ત કરો.

ઓ ઓ ઓ એન્જિનિયરીંગ / મેન્યુફેક્ચરિંગ એન્જિનિયરીંગમાં સ્નાતકની ડિગ્રી પ્રાપ્ત કર્યા બાદ, તે જ વિદ્યાર્થીઓમાં અનુસૂચિત (M.Tech / ME)ની ડિગ્રી મેળવવા પ્રવેશ માટે, તમારે રાષ્ટ્રીય સ્તરે લેવામાં આવતી JEE મેઇન, JEE એડવાન્સ વગેરે અથવા રાજ્ય સ્તરે લેવામાં આવતી WBUEE, AP EAMCET વગેરે અથવા સંસ્થા સ્તરે લેવામાં આવતી VET, IP વગેરે પ્રવેશ પરીક્ષામાં લાભાનંદ પ્રાપ્ત કરવી આવશ્યક છે.

કુષા કરીને નોંધણી કરવામાં આવેલા અભ્યાસક્રમો સમયગાળો તપાસો.

અભ્યાસક્રમની ફી આશરે રૂ. ૪૨,૨૦૦ થી રૂ. ૨૫,૦૦,૦૦૦ જેટલી હોય છે.

*આ અંદાજિત રકમ છે અને વિવિધ રાસાયણિક સંસ્થાઓ યુજન તેમાં ફેરફાર હોય શકે છે.

રૂપેક્ષિત આવક

*આ અંદાજિત રકમ છે અને ફેરફારને જાણ છે.

ઔદ્યોગિક ઇજનેરનું અંદાજિત માસિક વેતન રૂ. ૧૬,૨૫૦ થી રૂ. ૮,૫૦૦ જેટલું હોય છે.

સ્રોત: https://www.payscale.com/research/IN/Job/Industrial_Engineer/Salary

NCS Code: 2141.0300, CCode: E16

તમે કયાં કામ કરશો?

કાર્યક્ષેત્ર : તમે ઈન્ડસ્ટ્રીયલ સેક્ટર, પાવર કંપનીઓ, સ્ટીલ કંપનીઓ અને ઓઈલ અને ગેસ સેક્ટરમાં કામ કરી શકો છો.

કાર્યક્ષેત્રનું લક્ષ્ય: કંપનીઓ સામાન્ય રીતે અઢવારિયામાં ૫ થી ૬ દિવસ અને દરરોજ ૮ થી ૯ કલાક કામ કરે છે. કંપની મુજબ તેમાં કેન્સર-ફ્રી શકે છે. શિફ્ટ સિસ્ટમ લાગુ પડી શકે છે.

આ ક્ષેત્રમાં દિવ્યાંગ લોકો માટે કામ કરવાની તકો ઉપલબ્ધ છે.

રૂપેક્ષિત પ્રગતિ પથ

ઔદ્યોગિક ઇજનેર → વરિષ્ઠ ઔદ્યોગિક ઇજનેર → પ્રોજેક્ટ મેનેજર → ઔદ્યોગિક એન્જિનિયરીંગ વિભાગના વડા → જનરલ મેનેજર

સર્ચ માટેના ટીપ્સ...

ઇન્ડસ્ટ્રીયલ એન્જિનિયર, ઇન્ડસ્ટ્રીયલ કેમિસ્ટ્રી, ઇન્ડસ્ટ્રીયલ એન્જિનિયર જોબ

તમે અભ્યાસ કર્યાં કરશો?

આ અભ્યાસક્રમ ઇજનેરી વિભાગ દ્વારા ચલાવવામાં આવે છે. સંસ્થાઓની અહીં આપેલ યાદી માત્ર સૂચક છે. સરકારી સંસ્થાઓ

- આઈ.આઈ.ટી., ગોપીનગર
- એમ.એસ.યુ. વડોદરા
- ઇન્ડિયન યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ
- કોલેજિયલ સિસ્ટમ એન ટેકનોલોજી, અમદાવાદ
- આઈ.આઈ.ટી., મુંબઈ
- ગવર્નમેન્ટ એન્જિનિયરીંગ કોલેજ, મોરબી
- પી.એસ.જી. ટેક કોર્પોરેશન
- એમ.એસ.આર.આઈ.ટી. બેંગલુરુ

ખાનગી સંસ્થાઓ (અરજ કરતા પહેલા કૃપા કરીને તપાસ કરો કે શું સંસ્થા યુક્તી અને એ.આઈ.સી.ઈ. સાથે સંલગ્ન અને માન્યતા પ્રાપ્ત છે?)

- સાતરા પોલિટેકનિક, મહારાષ્ટ્ર
- રાષ્ટ્રીય વિદ્યાલય કોલેજ ઓફ એન્જિનિયરીંગ, બેંગલુરુ
- રાષ્ટ્રીય ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ટેકનોલોજી, બેંગલુરુ
- પરિણત દ્રાવિડિયન પેટ્રોલિયમ યુનિવર્સિટી, ગોપીનગર
- એસ.એસ.એસ.એસ. ઓફ ટેકનોલોજી એજ્યુકેશન, બેંગલુરુ
- મહિલા ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ટેકનોલોજી, કલકત્તા
- વેલ્ડર ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ટેકનોલોજી, તમિલનાડુ
- આઈ.ટી.એમ. યુનિવર્સિટી, ગ્વાલિયર

સંસ્થાઓના વેબસાઇટ અથવા માહિતી અર્થી ઉપલબ્ધ છે - <https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html>

ઈન્ડિયન ગોપી નેશનલ ઓપન યુનિવર્સિટી (IGNOU)

ગો. બી. આર. આંધ્ર પ્રદેશ ઓપન યુનિવર્સિટી

NPTEL સ્વયમ: <https://nptel.ac.in/courses/112107292>

www.ncs.gov.in

www.skillsindigital.gov.in

ઓનલાઈન અભ્યાસક્રમો

NPTEL સ્વયમ: <https://nptel.ac.in/courses/112107292>

www.ncs.gov.in

www.skillsindigital.gov.in

* એન.પી.ટી.ઈ.એલ.નેશનલ ઓપન યુનિવર્સિટી એનઆઇટી.એન. નેશનલ સરકાર દ્વારા તૈયાર કરાવવામાં આવેલ છે જે ઓઈલ-વિદ્યુટી સેક્ટરમાં વિવિધ અભ્યાસક્રમો ઉપલબ્ધ કરાવે છે.

સાફલ્ય માટે

કેરોલિન સોસલ એક ઔદ્યોગિક એન્જિનિયર છે જે ઇલેક્ટ્રીકલ આઈ.આઈ.ટી. એકેડેમીના એડિટરિયલ ડિરેક્ટર છે. તે એસ.એસ.જી. એકેડેમી, પેરુમાં એકેડેમિક કોઓર્ડિનેટર તરીકે પણ કાર્ય જાણે છે અને નવા ઉત્પાદનો વિકસાવવા, એકમની વ્યવસ્થા અને કમ્પ્લીયન્સ સુધારો કરે છે અને સંસ્થાના મુખ્ય સ્નાતકોને જવાબદારી નિભાવે છે. તેણીને નેશનલ યુનિવર્સિટી ઓફ એન્જિનિયરીંગમાંથી શિક્ષણ પૂર્ણ કર્યું હતું અને પાકમાં પેરુની યુનિવર્સિટી ઓફ ટેકનોલોજીમાં એમ.બી.એ. કર્યું હતું. તે ઓપન ઓનલાઈન કોર્સ પ્રોવાઈડર 'કોર્સરા'ના પ્રશિક્ષકોમાંના એક પણ છે.

સ્રોત: <https://www.coursera.org/instructor/110069673>

* ઉપરોક્ત માહિતી ફક્ત તાલીમ હેતુ માટે છે અને તેનો ઉપયોગ કોઈપણ વ્યાવસાયિક લાભ માટે કરવામાં આવશે નહીં.

MUSICIAN

A Musician is someone who plays instruments, writes lyrics, and performs music. While all musicians are artists, all artists may not necessarily be musicians.

PERSONAL COMPETENCIES

- You want to join a course in Fine Arts
- You like to play instruments or sing
- You are a creative person

FEES

The approx. course fee ranges between INR 5,000 - 1,50,000*

*These figures are estimated numbers and will vary from institute to institute.

SCHOLARSHIPS

- National Scholarship Portal - Visit www.scholarships.gov.in. Under this portal there are Central Government schemes offered by different departments, UGC/AICTE Schemes and State Schemes.
- Visit www.buddy4study.com for details on available scholarships. This is a gateway to scholarships starting from Class XI.
- Scholarships are also available in the institutes themselves based on merit.

(Availability of these scholarships can vary from time to time)

LOANS

- Vidyalakshmi, www.vidyalakshmi.co.in, is a portal for students seeking education loan. This portal has been developed under the guidance of the Department of Financial Services, (Ministry of Finance), Department of Higher Education (Ministry of Human Resource Development) and Indian Banks Association (IBA). Students can view, apply and track the education loan applications on the website.
- Some states have student credit cards with low interest rates, for instance, West Bengal, Odisha, Bihar, etc.
- All banks give education loans.

ENTRY PATHWAY

- Complete 10+2 in any stream
- Complete Bachelor's in Music or related subject OR Complete Bachelor's and then opt for Master's in the same or related field to earn a license as a Music instructor or teacher

Please check the duration of the course during enrolment

EXPECTED INCOME

The approx. salary of a Musician ranges between INR 10,000 - 40,000* per month for depending on experience.

Source: bit.ly/3ISWCDD

NCs code: NA, CCode: A06

WHERE WILL YOU WORK

Places of Work: Film and Television Industry, Radio and Broadcasting industry, Music companies and Schools across India, among other things.

EXPECTED GROWTH PATH

Entrepreneurship: You can choose to be a freelance singer or give personal lessons

Search keywords... music teacher, musician, band player

Work Environment: It is not a desk job. You may be required to travel frequently as a musician. Part-time work and contractual jobs may be available. Work hours may be flexible. Shift system may be available.

Opportunities for work exist for differently abled in this field.

WHERE WILL YOU STUDY?

The various relevant courses are offered by the Department of Fine Arts. This list of Institutes is indicative only

GOVERNMENT INSTITUTES

- Maharaja Sayajirao University - Baroda
- Banaras Hindu University (BHU) - Varanasi
- University of Delhi
- Savitribai Phule Pune University
- Annamalai University, Chennai
- Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University (CSJM) - Kanpur
- Bishwa Bharati University, West Bengal
- Mumbai University

Information on Institute rankings is available at - <https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html>

PRIVATE INSTITUTES

(Please check if Institute is affiliated and accredited with UGC and AICTE before applying)

- The True School of Music, Maharashtra
- Swarnabhoomi Academy of Music, Chennai
- Vishwakarma university, Pune
- KM Music Conservatory, Chennai
- Shankar Mahadevan Academy, Bengaluru
- Lovely Professional University (LPU), Jalandhar
- Jain University, Bangalore
- Banasthali Vidyapeeth, Banasthali

DISTANCE LEARNING INSTITUTE

Indira Gandhi National Open University (IGNOU)

ONLINE COURSE

- Udemy- <https://www.udemy.com/courses/music/>
- Coursera- <https://in.coursera.org/courses?query=music>
- NPTel Swayam https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc22_hs57/preview

*NPTel stands for National Programme on Technology Enhanced Learning. It is by the Government of India and offers a variety of courses in an audio-video form

EXAMPLE FROM THE FIELD

Annapurna Devi - Born as Roshanara Khan, Annapurna Devi is regarded as one of the most celebrated surbahar (bass sitar) players of all time. She was given the name Annapurna by former Maharaja Brijraj Singh of the former Malhar Estate, which reportedly was a testament to her musical talent which was as lofty and profound as the Annapurna mountain. Annapurna Devi continued to provide music lessons for free, tutoring many to-be legendary musicians. Annapurna Devi was a profoundly gifted artist. Her father and guru, Allaauddin Khan, steered her towards playing the surbahar — an instrument whose deep voice, meditative quality, larger size and difficulty in mastery make it extremely rare, even among aficionados. In 1977, the Indian government granted her one of its highest civilian awards, the Padma Bhushan; in 1991, she was given the Sangeet Natak Akademi Award, the highest prize given to performing artists in India.

Source: <https://www.thehindu.com/news/national/article-from-humble-paper-to-achieve-artisan-to-top-theatre-artist-baharat-hussains-journey-to-fame-has-been-roller-coaster-ride/>

*The above information is for training purposes only and will not be used for any commercial gains

NCs code: NA, CCode: A06

❖ मूल्यांकन के लिए परीक्षा पैटर्न का मसौदा तैयार करने हेतु गुजरात शिक्षा बोर्ड के साथ समन्वय करना:

समग्र शिक्षा गुजरात और गुजरात राज्य शिक्षा बोर्ड ने व्यावसायिक शिक्षा के 2 नए नौकरी भूमिकाओं के लिए परीक्षा पैटर्न के मसौदे को लेकर एक संयुक्त बैठक की। वर्तमान परीक्षा संरचना के अनुसार, व्यावसायिक शिक्षा के लिए 50:30:20 के अनुपात (प्रायोगिक, थ्योरी और आंतरिक अंक) को उपयुक्त माना गया है, क्योंकि यह कक्षा 10वीं के छात्रों के लिए व्यावहारिक सीखने के दृष्टिकोण को प्रमुखता देता है। इसीलिए, इसी पैटर्न को अपनाया गया है और गुजरात शिक्षा बोर्ड द्वारा मसौदा तैयार किया जा रहा है।

राज्य ने प्रत्येक विषय के लिए नौकरी भूमिकाओं के आधार पर ब्लूप्रिंट तैयार किया है, जिसमें आकलन पैटर्न (जैसे 1 अंक, 2 अंक और 3 अंक के प्रश्न) और आकलन के लिए अध्यायवार वजन शामिल है।

व्यावसायिक यूट्यूब चैनल:

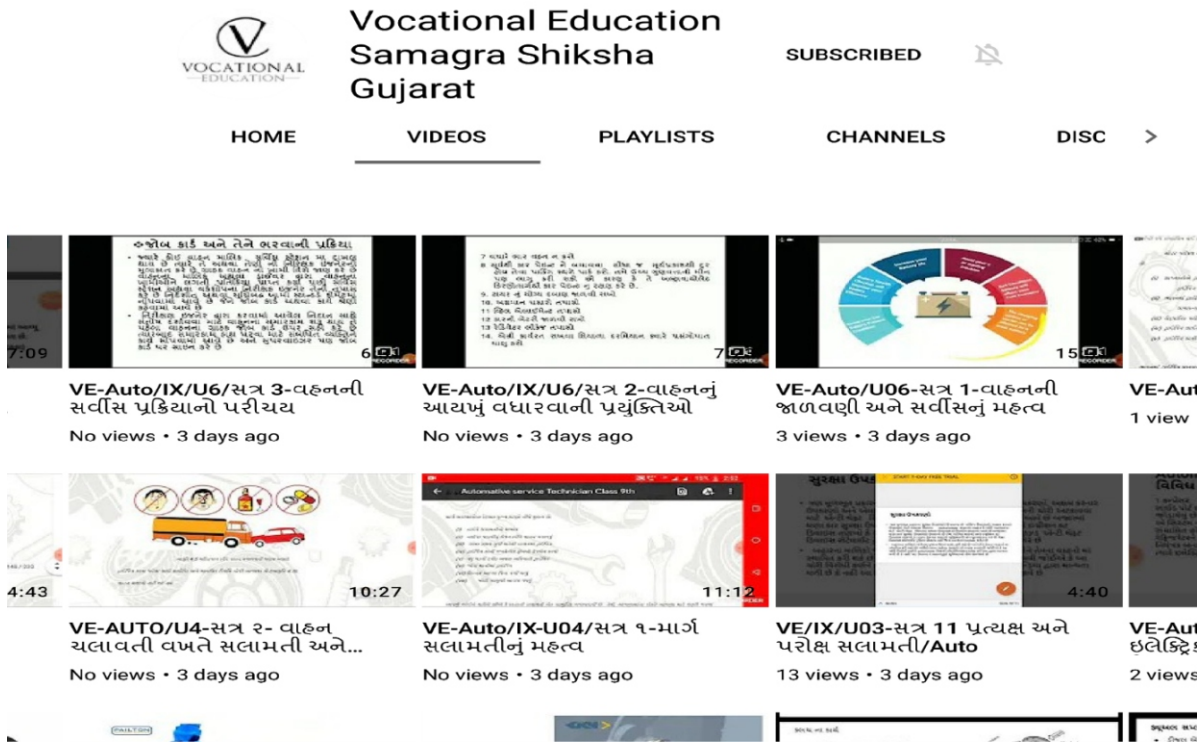
यूट्यूब चैनल पर पहले से चल रहे 8 ट्रेडों से अद्यतन सामग्री:

- कृषि
- परिधान, घर में बने सामान और साज-सज्जा
- ऑटोमोटिव
- इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर
- सौंदर्य और स्वास्थ्य
- पर्यटन और आतिथ्य
- खुदरा
- स्वास्थ्य सेवा

चैनल का मुख्य उद्देश्य छात्रों के साथ व्यावसायिक ई-सामग्री को बेहतर तरीके से साझा करना है। ये वीडियो विशेषज्ञों द्वारा विकसित किए गए थे और इनका उद्देश्य छात्रों के लिए सीखना आसान और मजेदार बनाना था।

चैनल पर वर्तमान में 375 वीडियो और 12000+ दर्शक हैं, जो वीडियो का नियमित लाभ उठाते हैं। सभी प्रासंगिक सामग्री नियमित रूप से YouTube चैनल पर अपलोड की जाती है।

<https://www.youtube.com/@vocationaleducationsamagra5838>



ऑनलाइन कैरियर वेबिनार श्रृंखला

गुजरात ई-क्लास यूट्यूब चैनल के माध्यम से गुजरात भर के सभी छात्रों के लिए विभिन्न क्षेत्रों और संगठनों के विशेषज्ञों द्वारा 11 ऑनलाइन वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इस वेबिनार श्रृंखला का उद्देश्य छात्रों को उनके बल और कमजोरियों के बारे में अधिक जागरूक बनाना था। छात्रों को हाई स्कूल के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर मार्गों के बारे में भी मार्गदर्शित किया गया। उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के तरीकों पर भी उन्नत किया गया। इस श्रृंखला को ऑनलाइन 20 हजार से अधिक बार देखा गया।

गुजरात ई-क्लास यूट्यूब चैनल – करियर मार्गदर्शन श्रृंखला – यूट्यूब

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए व्यावसायिक शिक्षा [सीडब्ल्यूएसएन] (नवाचार गतिविधि):

पीएबी-23 में प्राप्त अनुमोदन के अनुरूप, राज्य ने 25 जिलों में 50 ब्लॉक संसाधन केंद्र में व्यावसायिक शिक्षा संचालित करने के लिए एनआईओएस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के लिए विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। राज्य ने प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए उपकरणों की खरीद के लिए स्कूलों को अनुदान जारी किया था।

राज्य ने सीडब्ल्यूएसएन के लिए व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए जिला और ब्लॉक स्तर के समन्वयक के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षकों को 2 दिनों के लिए प्रशिक्षण दिया था। संबंधित व्यावसायिक प्रशिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश और सहायता प्रदान की जा रही है क्योंकि वे विशेष शिक्षकों, विशेषज्ञों और अभिभावकों के मार्गदर्शन में विशेष बच्चों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

वर्तमान में, 50 ब्लॉक स्तरीय संसाधन कक्ष कार्यरत हैं और श्रवण बाधित, बौद्धिक अक्षमता, सीखने संबंधी अक्षमता, कम दृष्टि और पूर्ण रूप से अंधे 864 बच्चे सप्ताह में 2-3 दिन व्यावसायिक विषयों के अंतर्गत प्रशिक्षण का लाभ उठा रहे हैं। इसके अलावा, उन्हें उद्योग के माहौल से अवगत कराने के लिए उद्योग भ्रमण और व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे सीडब्ल्यूएसएन की जिलावार संख्या:

क्रम संख्या	जिला	प्रखंड	व्यापार - 1	व्यापार - 2	सीडब्ल्यूएसएन की संख्या		
					लड़के	लड़कियाँ	कुल
1	अहमदाबाद	डैस्कॉय	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	36	33	69
2	अहमदाबाद	धंधुका	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	13	7	20
3	अमरेली	अमरेली	परिधान, मेड अप्स एवं गृह साज-सज्जा	आईटी/आईटीईएस	15	5	20
4	अमरेली	सावरकुंडला	कंप्यूटर	सौंदर्य और कल्याण	5	6	11
5	आणंद	आणंद	सौंदर्य और कल्याण	सिलाई और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	0	10	10

6	आणंद	सोजित्रा	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	कटिंग टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	11	2	13
7	बनासकांठा	पालनपुर	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	9	6	15
8	बनासकांठा	धानेरा	कंप्यूटर संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	कटिंग टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	20	12	32
9	भरूच	भरूच	सौंदर्य और कल्याण	कंप्यूटर कौशल	6	9	15
10	भरूच	ज़गड़िया	सौंदर्य और कल्याण	कंप्यूटर कौशल	8	12	20
11	भावनगर	भावनगर	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	सिलाई और पोशाक निर्माण	8	7	15
12	भावनगर	महुवा	योग और प्रशिक्षण	-	6	9	15
13	छोटा उदेपुर	छोटा उदेपुर	परिधान, मेड अप्स और होम फर्निशिंग	-	11	13	24
14	छोटा उदेपुर	छोटा उदेपुर	सिलाई व्यापार	-	4	7	11
15	दाहोद	झालोद	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	20	20	40
16	दाहोद	दाहोद	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	12	8	20
17	गांधीनगर	कलोल	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	10	10	20

18	गांधीनगर	देहगाम	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	कंप्यूटर में सर्टिफिकेट कोर्स	10	9	19
19	गिरसोमनाथ	वेरावल	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	परिधान और निर्मित वस्तुएं	0	7	7
20	गिरसोमनाथ	कोडिनार	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	कटिंग टेलरिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	0	15	15
21	जूनागढ़	जूनागढ़ शहर	ब्यूटी पार्लर में सर्टिफिकेट कोर्स	कटिंग टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	4	8	12
22	जूनागढ़	केशोद	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	कटिंग टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	10	10	20
23	कच्छ	अंजर	सौंदर्य और कल्याण	-	0	10	10
24	कच्छ	भुज	कंप्यूटर	परिधान और निर्मित वस्तुएं	10	10	20
25	खेड़ा	नडियाद	सिलाई और पोशाक निर्माण	-	7	7	14
26	खेड़ा	महेमदवाद	सिलाई और पोशाक निर्माण	-	8	7	15
27	मेहसाणा	मेहसाणा	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	13	5	18
28	मेहसाणा	मेहसाणा	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	0	11	11
29	नर्मदा	देदियापाड़ा	सौंदर्य और कल्याण	परिधान, मेड अप्स एवं गृह साज-सज्जा	20	11	31

30	नर्मदा	नंदोड़	सौंदर्य और कल्याण	परिधान, मेड अप्स एवं गृह साज-सज्जा	8	12	20
31	पंचमहल	पाटन	सौंदर्य और कल्याण	इलेक्ट्रॉनिक्स	10	10	20
32	पंचमहल	पाटन	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	10	10	20
33	पाटन	धोराजी	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	5	0	5
34	पाटन	आरएमसी	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	5	8	13
35	राजकोट	तालोद	सौंदर्य और कल्याण	-	0	9	9
36	आरएमसी	ईडर	आईटी आईटीईएस	सौंदर्य और कल्याण	3	2	5
37	साबरकांठा	महुवा	सौंदर्य और कल्याण	परिधान, मेड अप्स एवं गृह साज-सज्जा	8	11	19
38	साबरकांठा	मांगरोल	कंप्यूटर	परिधान, मेड अप्स एवं गृह साज-सज्जा	6	5	11
39	सूरत	वाधवन	सिलाई में सर्टिफिकेट कोर्स	सिलाई और बेसिक कंप्यूटर में सर्टिफिकेट कोर्स	16	2	18
40	सूरत	मुली	सिलाई में सर्टिफिकेट कोर्स	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	11	5	16
41	सुरेन्द्रनगर	व्यारा	कम्प्यूटर कौशल सिलाई और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	-	14	8	22

42	सुरेन्द्रनगर	सोनगढ़	कम्प्यूटर कौशल सिलाई और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	-	15	9	24
43	तापी	वडोदरा	सिलाई और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	सौंदर्य संस्कृति में सर्टिफिकेट कोर्स	1	5	6
44	तापी	वलसाड	कंप्यूटर कौशल में सर्टिफिकेट कोर्स	सिलाई और ड्रेस मेकिंग में सर्टिफिकेट कोर्स	6	2	8
45	वडोदरा	धरमपुर	सिलाई और पोशाक निर्माण	आईटी/आईटीईएस	12	3	15
46	वडोदरा	गोधरा	यह इटेस	परिधान, मेड अप्स एवं गृह साज-सज्जा	21	10	31
47	वलसाड	शेहरा	सिलाई और पोशाक निर्माण	-	15	5	20
48	वलसाड	पादरा	सिलाई और पोशाक निर्माण	-	14	6	20
				कुल	456	408	864

राज्य ने नवंबर 2022 से सीडब्ल्यूएसएन के लिए व्यावसायिक शिक्षा शुरू की है। राज्य और जिला कार्यालयों ने व्यावसायिक प्रशिक्षकों और अतिथि व्याख्याताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 25 जिलों के सभी 50 संसाधन कक्षों को शामिल किया गया है।

राज्य ने नवंबर 2022 से व्यावसायिक शिक्षा के लिए सीडब्ल्यूएसएन की शुरुआत की है। राज्य और जिले में व्यावसायिक प्रशिक्षकों और अतिथि व्याख्याताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 25 वर्ष के सभी 50 संसाधन कक्षों को शामिल किया गया है। PAB-23 प्रभाव आकलन के एक भाग के रूप में, राज्य ने विशेष बच्चों की आवश्यकता के मूल्यांकन के साथ-साथ सुधार कैसे किया जाए, इसके लिए गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद के साथ एक समझौता किया है। उनकी आजीविका और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगों से जोड़ना। लक्षित बच्चों का विश्लेषण पूरा होने पर राज्य मई 2024 तक प्रभाव आकलन अनुसंधान रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकता है।

याशस्मा भी आर सी भवन जाते विश्व विकलांग दिननी उजवणी करवामां आवी

जेमां याशस्मा तालुकानी विविध शाखाओं ना घोरख १ थी १२ ना १०० दिव्यांग भाण्डो अने ८० जेटवा वालीओ उजवणी मां उपस्थित रह्या छता.

आ कार्यक्रमनी उजवणीमां दिव्यांग भाण्डो ने सरकारश्री तरकशी मणता विविध व्यामो अने योजनाओ विशेष संपूर्ण माहिति आपवामां आवी उपरान्त दिव्यांग भाण्डोने भी आर सी को.ओ श्री पंजभाई पटेल द्वारा विविध



प्रोत्साहक ईनामो आपवामां आव्या. स्पेशल भेल मखकुइनी तमाम माहिति आपवामां आवी. आ उपरान्त वाली मिटींग द्वारा दिव्यांग भाण्डोना वालीओ ने

भाण्डोना शिखर अने तेमनी तडेदारी भाण्डो मार्गदर्शन आपवामां आव्युं. तयारबाद भाण्डोने विविध स्पर्धात्मक रमतो रमाइवामां आवी अने विजेता भाण्डोने ईनामो द्वारा प्रोत्साहित करवामां आव्यां तेमज आवेल तमाम भाण्डो अने वालीओ साथे स्वरुचि भोजन आरोग्यवामां आव्युं आ प्रसंगे कर्मचारीओ दिव्यांग भाण्डो वालीओ उपस्थित रह्या छता.



आगामी वर्ष 2024-24 के लिए कार्ययोजना

स्वीकृत 1150 विद्यालयों में से 112 विद्यालय पहले से चल रहे एक कार्य के साथ अतिरिक्त कार्य भूमिका जोड़ने के इच्छुक हैं। राज्य में स्वीकृत 1150 विद्यालयों में से 112 कार्य भूमिकाओं वाले 73 विद्यालय छात्रों और अभिभावकों की अनिच्छा, व्यावसायिक प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए अपने विद्यालयों में अतिरिक्त कमरों की अनुपलब्धता आदि कारणों से व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन को जारी रखने में असमर्थ थे। इनके अलावा, 41 विद्यालयों ने उनके लिए स्वीकृत दो कार्य भूमिकाओं में से एक कार्य भूमिका को छोड़ दिया है। इसके साथ ही, 26 कार्य भूमिकाएँ अपनी कार्य भूमिकाएँ बदलने का अनुरोध कर रही हैं।

राज्य ने सभी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया था, ताकि उन्हें व्यावसायिक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी जा सके। इसके बाद, जिलों ने विद्यालयों से प्रस्ताव एकत्र किए और उन्हें राज्य के साथ साझा किया। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा शुरू करने के लिए कमरे की उपलब्धता, उच्च नामांकन, छात्रों और अन्य हितधारकों की इच्छा पर विचार किया है।

राज्य ने प्रस्ताव दिया है और नीचे उल्लिखित स्कूलों को संबंधित जिलों के अनुरोध पर मंजूरी दे दी गई है, जैसा कि यहां दर्शाया गया है।

	मौजूदा		स्कूलों को सरेंडर करें		अतिरिक्त नौकरी की भूमिका		नौकरी की भूमिका बदलने का अनुरोध		नौकरी की भूमिका सरेंडर करें		नया प्रस्ताव	
जिला	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका
अहमदाबाद	43	67	5	8	0	6	0	0	0	1	10	17
अमरेली	44	63	3	3	0	7	0	2	0	2	20	26
आणंद	47	85	0	0	0	1	0	2	0	3	43	64
अरावली	35	56	0	0	0	2	0	0	0	1	28	35
बनासकांठा	79	112	6	7	0	7	0	0	0	1	38	58
भरूच	17	21	0	0	0	7	0	0	0	1	15	18
भावनगर	17	26	0	0	0	8	0	2	0	1	13	22
बोटाद	22	31	1	1	0	0	0	0	0	0	5	6
छोटा उदेपुर	19	31	1	2	0	0	0	0	0	0	7	9
देवभूमि द्वारका	13	22	2	4	0	0	0	0	0	2	3	4
दाहोद	31	33	3	3	0	2	0	2	0	0	15	20
गांधीनगर	26	52	5	10	0	0	0	1	0	5	20	31
गिरसोमनाथ	27	39	2	3	0	2	0	2	0	1	5	8
जामनगर	14	24	1	1	0	1	0	3	0	1	5	5
जूनागढ़	44	56	3	3	0	6	0	0	0	0	20	24
कच्छ	50	74	0	0	0	4	0	1	0	2	10	15
खेड़ा	36	51	1	1	0	4	0	2	0	0	36	54
मेहसाणा	31	56	5	10	0	0	0	1	0	6	21	28

	मौजूदा		स्कूलों को सरेंडर करें		अतिरिक्त नौकरी की भूमिका		नौकरी की भूमिका बदलने का अनुरोध		नौकरी की भूमिका सरेंडर करें		नया प्रस्ताव	
जिला	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका	विद्यालय	कार्य भूमिका
माहीसागर	51	82	3	4	0	5	0	0	0	0	30	51
मोरबी	22	32	3	4	0	1	0	0	0	4	0	0
नर्मदा	25	42	0	0	0	1	0	0	0	0	3	6
नवसारी	72	94	0	0	0	3	0	2	0	0	33	36
पंचमहल	73	94	9	12	0	13	0	3	0	1	11	16
पाटन	34	53	1	1	0	5	0	0	0	0	19	25
पोरबंदर	7	10	0	0	0	5	0	0	0	1	7	10
राजकोट	36	57	0	0	0	3	0	0	0	1	21	26
साबरकांठा	34	48	2	2	0	1	0	0	0	5	28	35
सूरत	18	28	0	0	0	1	0	0	0	0	19	24
सुरेन्द्रनगर	R29	34	1	1	0	1	0	0	0	0	36	55
तापी	21	35	0	0	0	1	0	0	0	2	5	9
डांग	17	23	0	0	0	0	0	0	0	0	8	10
वडोदरा	26	34	0	0	0	6	0	0	0	0	39	56
वलसाड	33	50	0	0	0	5	0	1	0	0	35	50
एएमसी	23	41	8	16	0	1	0	1	0	0	21	28
आरएमसी	12	20	0	0	0	2	0	0	0	0	3	4
एसएमसी	17	32	8	16	0	1	0	1	0	0	6	7
वी.एम.सी.	5	6	0	0	0	0	0	0	0	0	17	29
कुल	1,150	1,714	73	112	0	112	0	26	0	41	655	921

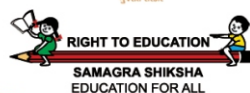
मीडिया एवं कॉम्युनिटी मोबीलाइज़ेशन



11 मीडिया एवं कॉम्युनिटी मोबिलाइजेशन

समग्र शिक्षा का मीडिया विभाग प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में होने वाली कई पहलों एवं कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है। ये वह परियोजनाएँ हैं, जो कई तरह के विषयों को कवर करती हैं, तथा उन्हें मुख्य रूप से लोगों में जागरूकता बढ़ाने एवं मीडिया में अधिक से अधिक कवरेज देने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। 2023-2024 में, कॉम्युनिटी मोबिलाइजेशन पहल के तहत 32,692 सरकारी स्कूलों को 490.38 लाख रुपये का वित्त पोषण मिला। इसके अलावा, 1914 माध्यमिक विद्यालयों के लिए 28.71 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया। जिसके परिणामस्वरूप निम्नलिखित कार्य किए गए:

- प्रवेशोत्सव, समग्र शिक्षा की विभिन्न गतिविधियाँ, निपुण भारत, रेडियो और टीवी पर जिंगल्स की प्रस्तुति, LED टीवी होर्डिंग्स, ST बस के पीछे और साइड पैनल, ऑटो रिक्शा पर विज्ञापन, रेलवे के अंदर और बाहर, प्रवेशोत्सव ब्रोशर, पैम्फलेट, पोस्टर आदि तैयार करना।
- समग्र शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 5 सितंबर - शिक्षक दिवस, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, वोकेशनल एजुकेशन, ज्ञानशक्ति आवासीय विद्यालय और ज्ञान सेतु डे स्कूल पर वृत्तचित्र फिल्में बनाई जाती हैं।
- सूचना विभाग द्वारा गुजरात पक्षी का वितरण।
- 28, 29 और 30 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में कार्यक्रम (शिक्षा एक्सपो) में जीसीएसई-एसएस स्टॉल का आयोजन।
- माननीय संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्त सचिव और विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष के दौरे के लिए विद्या समीक्षा केंद्र में पूरे दिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- समग्र शिक्षा के दस्तावेज के रूप में वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी और हिंदी) 2023-24 तैयार करने की योजना।
- समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) एक विशेष संगठन है जो दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार पूरे भारत और गुजरात में 21 प्रकार के दिव्यांगजनों के लिए काम करता है। समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल स्मारिका अंक में निपुण भारत का विज्ञापन प्रकाशित करने की योजना।
- 1-8-2023 को विद्या समीक्षा केंद्र में विश्व बैंक के दौरे के दौरान कार्यक्रम का आयोजन करें।
- टीवी9 की विशेष पहल "गुजरात भारत का विकास इंजन" iV कॉफी टेबल बुक, गुजरात में एक्सिलेंस ऑफ रेसीडेंशियल स्कूल पर लेख और समग्र शिक्षा द्वारा राज्य की बेहतरीन कार्यप्रणाली प्रकाशित की गई है।
- दिल्ली में अखिल भारतीय शिक्षा समागम (NEP) 2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर स्टॉल सेटअप और डिजाइन का काम पूरा हो चुका है।
- सभी प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालयों और KGBV मॉडल-3 में राज्य कार्यालय, जिला/निगम कार्यालय सूचना विभाग को सदस्यता राशि भरने की योजना बना रहे हैं।
- समग्र शिक्षा के व्यापक प्रचार के लिए 9 से 13 जनवरी, 2024 तक वाइब्रेंट गुजरात ट्रेड शो के दौरान शिक्षा स्टॉल और LED TV विज्ञापन प्रकाशित किए जा रहे हैं।



ANNUAL REPORT 2022-23

સમય શિક્ષા
સેક્ટર-17, ગાંધીનગર, ગુજરાત
ટોલ ફ્રી સંખ્યા: 1800-233-7965 | www.ssagujarat.org

SAMAGRA SHIKSHA
Gujarat Council of School Education
Samagra Shiksha
Sector-17, Gandhinagar, Gujarat
Toll Free No.: 1800-233-7965 | www.ssagujarat.org



GUJARAT GROWTH

GVAN SHAKTI RESIDENTIAL SCHOOLS OF EXCELLENCE

GVAN SHAKTI RESIDENTIAL SCHOOLS OF EXCELLENCE



Shri Bhupendra Patel
Hon'ble Chief Minister of Gujarat

Shri Kuber Sindhar
Hon'ble Minister of Primary, Secondary and Adult Education, Government of Gujarat

Shri Pratul Parashuram
Hon'ble Minister of State, Primary, Secondary and Adult Education, Government of Gujarat

Gyan Shakti Residential Schools of Excellence in Gujarat exemplify a revolutionary approach to School Education, where the convergence of visionary leadership by our Prime Minister, Shri Narendrabhai Modi and an active role by the Education Department ensures the holistic and quality learning experience. These schools stand as a testament to Gujarat's dedication to nurturing the potential of its youth, fostering not only academic brilliance but also instilling values that will shape them into responsible and well-rounded individuals, ready to contribute to the progress of the state and the nation.

Dr. Kuber Sindhar
Hon'ble Minister of Primary, Secondary and Adult Education, Government of Gujarat

Introduction

In Gujarat, approx. 15,00,000 students appear in an entrance exam for admission in Jawahar Narendrabhai Vidyalaya and Ekilaya Model Residential Schools. Of which only 5,00,000 students get admission every year. So, there is huge unmet need of quality residential schools in the state. To address this huge unmet need, Gujarat's commitment to provide Quality Education takes monumental leap forward with the establishment of Gyan Shakti Residential Schools of Excellence. With a vision to identify and nurture 15,00,000 meritorious students, including 50,000 exclusively from tribal communities, the State Government is pioneering an initiative that not only focuses on academic excellence but also ensures holistic development along with residential facilities at no cost to students.

Vision and Mission

The Visionary approach of Gyan Shakti Residential Schools is centered around identifying and

Role of the Education Department

The State Government of Gujarat has approved the establishment of 75 Gyan Shakti Residential Schools of Excellence across the state of which 25 are exclusively for students from tribal communities. Students studying in Government and Grant-in-aid schools from Grade 1 to 5 are eligible to apply for the Common Entrance Examination at the end of Grade 5. The merit-based admissions process ensures the selection of approximately 22,500 students every year, including 15,000 students from tribal communities for admission in Grade 6.

To support the students, the Government provides a recurring expenditure through School Vouchers, enabling them to take admission in the allotted Gyan Shakti Residential Schools.

Out of the total of 75 Gyan Shakti Residential schools, 20 have commenced operations. Among the currently operational 20 schools, five are exclusively dedicated to tribal communities.



Gyan Shakti school, Tribal Developmental University



Devdas Vidyalaya - Jamnagar



Students of Devdas Vidyalaya



Students of Devdas Vidyalaya

supporting talented students studying in Government and Grant-in-aid schools across the state. The goal is to provide them with the best quality Residential Education from Grade 6 to 12. This ambitious initiative involves the approval of 75 Gyan Shakti Residential Schools, each with a capacity of 2,000 students. The emphasis is on providing modern learning infrastructure, residential hostal facilities, sports and games amenities, arts & crafts, and vocational/skill training for the holistic development of students.

The commitment for excellence is further reflected in the incorporation of the best teaching methodologies, higher learning context, and alternative mediums of instruction, ensuring high standards in line with educational excellence.

Key Role of School Management

The success of Gyan Shakti Residential Schools is deeply interwoven with the Social Partnership and

active involvement of the department. To ensure optimal learning environments, it is essential to provide school building in minimum 10 acres of land, with all capital investments towards civil and digital infrastructure, all capital investments towards land, physical and digital infrastructure to be project partners. The schools, designed to accommodate 2,000 students from Grades 6 to 12, will have teachers and staff recruited by the project partners.

The infrastructure includes state-of-the-art school buildings, accommodation facilities for students and teachers, indoor and outdoor sports facilities, multipurpose activity zones, smart classrooms, STEM labs, computer labs, language labs, performing arts studios, auditoriums, dining halls, and libraries. This comprehensive infrastructure is pivotal in creating an environment conducive to both academic and extra-curricular excellence.



Devdas Vidyalaya - Ahmedabad

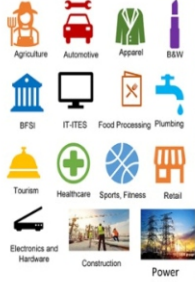
સમાચાર ચેનલ મેં એલ બેંડ વિજ્ઞાપન

SAFE AREA



33 જિલ્લા
1150 શાળાઓ
15 સેક્ટર
26 જોબ રોલ/ટ્રેડ્સ

SAFE AREA



Gujarat Vocational Education



SAFE AREA

સુરક્ષિત ક્ષેત્ર

SAFE AREA



દોરણ ૧ થી ૧૨
ગુજરાતી તથા અંગ્રેજી માધ્યમના તમામ વિષયોને આવરી લેતી એકમાત્ર

SAFE AREA

ઈ-લર્નિંગ એપ



મારી ડિજિટલ પાઠશાળા



- 2D/3D એનિમેશન સાથે તમામ વિષયોનું ઇ-કન્ટેન્ટ
- ગુજરાત બોર્ડ (GSHSEB) અભ્યાસક્રમ
- બાળકના અભ્યાસ પર વાલીને રીયલટાઇમ માહિતી
- અધ્યયન નિષ્પત્તિ આધારિત ઇ-કન્ટેન્ટ
- વિજ્ઞાનના એનિમેશન સાથેના પ્રયોગો
- પ્રકરણ આધારિત ઇ-બુક્સ

Available on <https://gshala.schoolnetindia.com>

Available on Mobile App



SAFE AREA

SAFE AREA



शाला प्रवेशोत्सव की पुस्तिका



निपुण भारत की पुस्तिका





समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

गुजरात स्कूल शिक्षा परिषद
समग्र शिक्षा
सेक्टर-19, गांधीनगर, गुजरात
टोल फ्री संख्या: 1800-233-7965, www.ssagujarat.org